## Boighar.com

#  <br> FOCUS WhITNA + Bank Written Supplement 

## BANCIA FOGUS WRIHNG

## ENGISH FOGUS URHITNG

## LEILR \& RETORT

## SHORTMOLES

## RECHITSOLUTIONS



Md. Mahfuzul Alam<br>Mohammad Mostofa Rashed<br>Zahidur Rahaman<br>A.S.M. Monwar Hossain<br>Yousuf Al Mehedi

## AB A2B Publications <br> PUBLICATIONS

## ABerocur wailige



वर्घा
Written By
By:

## Md. Mahfuzul Alam

Assistant Teacher, $\mathbf{3 5}^{\text {th }} \mathbf{B C S} \mid$ Ex-Officer, Exim Bank Ltd.

## Mohammad Mostofa Rashed

Officer, Sonali Bank Ltd.
Zahidur Rahaman
Sub-Registrar, $35^{\text {th }} \mathbf{B C S}$

## A. S. M. Monwar Hossain

MBA (Finance \& Banking), Pabna University of Science and Technology
Yousuf AI Mehedi
MBA (Management), National University
Concept \& Compiled By:

Md. Mahfuzul Alam

## A/B Dublications

## A2B FOCUS WRTHNG+ Bank Written Supplement

| $1^{\text {st }}$ Published | September 2018 |  |
| :--- | :--- | ---: |
| $1^{\text {st }}$ Edition | March 2019 | व |
| Published By | A2B Publications | ই |
| Copyright | A2B Publications | ঘ |
| Cover | Shorif Uddin Shishir | व |
| Distributor | Mamun Book House | . |
|  | 73, Islamia Market, Nilkhet, Dhaka. |  |
|  | Contact: 01977-993231 | क |
| Price | Tk. 180 only |  |

## Stay Connected on Facebook

## $\square$ Group <br> $\square$ Page <br> ACCESS TO BCS - A2B A2B Publications

## Dedicated to

## Mahbeer Sharaheel

Son of<br>বইঘয়.কম<br>Md. Mahfuzul Alam \& Sharmin Akther

## Special Thanks to

## Malnmudul Hasan Rasel

Senior Officer, Sonali Bank Ltd.
Reazul Mannan

## Mahamudul Hasan Shakil

Officers, Exim Bank Ltd.

# Preface of March 2019 Edition 

## বিসমিল্লাহির রাহমানির রাহিম

আলহামদুলিল্লাহ।
মহান আল্লাহ তায়ালার দরবারে আরো একবার তুকরিয়া জ্ঞাপন করছি A2B FOCUS WRITING+ বইয়ের ২য় প্রকাশের কাজটি শেষ করতে পেরেছি বলে। একই সাথে কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করছি এই বইয়ের সহ-লেখক জাহিদুর রহমান আবির ভাই ও মুহাম্মদ মোস্তফা রাশেদ ভাইয়ের প্রতি। তাঁদের শত ব্যস্ততার মধ্যেও তাঁরা নতুন টপিকগুলোর কাজ যথাসম্ভব দ্রুত করে দিয়েছেন। আর ACCESS BCS - A2B গ্রুপের পুরো এডমিন প্যানেল সাথে ছিলো, আছে এবং থাকবে ইন শা আল্লাহ।

A2B FOCUS WRITING+ বইয়ের কাজ ওরুর আগে লক্ষ্য করেছি বাজারে যেসব বই রয়েছে সেখানে Focus Writing, Letter \& Reports, Short Notes ইত্যাদি অংশসমূহ মানসম্মতভাবে লেখা নেই। তাছাড়া Contents পুরোনো এবং উপাত্তসমূহ আপডেট করা নেই। সবচেয়ে বড় সমস্যা হলো সেগুলো ব্যাংকের লিখিত পরীক্ষার বর্তমান প্যাটার্ন ২০০ নম্বরের পরীক্ষায় লেখার উপযোগী নয়। নিজেও একজন পরীক্ষার্থী ছিলাম বিধায় এই সমস্যাসমূহের সমাধানকল্পে এই বইয়ের কাজটি ওরু করি।

এই বইয়ের কাজ করতে গিয়ে আমরা দেশি-বিদেশি বিভিন্ন বই, জার্নাল, দৈনিক পত্রিকা, কলাম ইত্যাদির সাহায্য নিয়েছি। সেখান থেকে নির্বাচিত তথ্যসমূহ পরীক্ষর উপযোগী করে উপস্থাপনের চেষ্ঠা করেছি। ফোকাস রাইটিং লেখার কৌশল, লেটারের যথাযথ ফরম্যাট - ইত্যাদি ভিন্নধর্মী উপস্ছাপনা রয়েছে আমাদের বইয়ে। আশাকরি আপনাদের কাজে আসবে।

স্বল্প সময়ে ব্যাংকের লিখিত পরীক্ষার প্রস্তুতি নেওয়ার উপযোগী করেই বইটি তৈরি করার জন্য আমাদের আন্তরিক প্রচেষ্টা অব্যাহত রয়েছে সবসময়। আপনাদের গঠনমূলক সমালোচনা বইয়ের মান বৃদ্ধিতে ভূমিকা রাখবে নিচ্চিতভাবে। চাকরির পরীক্ষার জন্য সহায়ক কন্টেন্ট, তথ্য, আইডিয়া, লাইভ ক্লাশ ইত্যাদির জন্য যুক্ত থাকুন ACCESS TO BCS - A2B গ্রুপ B A2B Publications পেইজে।

আপনাদের জন্য ওুভ কামনা।
ভালো থাকুন প্রতিটি মাইক্রোসেকেন্ডে।
মুহাম্মদ মাহফুজুল আলম
প্রতিষ্ঠাতা, A2B Publications
mahfuz.p6.cu@gmail.com


## 



## Bangla Focus Writing (2017-2018-2019 Solutions \& Recent Issues)

|  |  | Fiver |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | বাংলাদেশের অর্থনৈতিক উন্নয়নে সুশাসনের ভূমিকা [BREB AD (General) - 2019] | 31 |
| 2 | দক্ষ জনশক্তি উন্ময়নে বাংলাদেশের শিক্ষা ব্যবস্থা [Combined Officer (Cash) - 2019] | 32 |
| 3 | পদ্মা সেতু প্রকল্পের বাস্তবায়ন অর্থনৈতিক উন্নয়নে কী ধরণের ভূমিকা রাখবে? [Janata Bank EO - 2018] <br> বাংলাদেশের আর্থ-সামাজিক উন্নয়নে পদ্মা সেতুর ভূমিকা [Bangladesh Bank Cash Officer-2017] | 33 |
| 4 | মোবাইলে লেনদেনে নিরাপত্তা নিষিতে প্রযুক্তিভিত্তিক প্রতিকার [Combined SO (IT/ICT) - 2018] | 34 |
| 5 | ব্যাংকিং খাতে প্রযুক্তির ব্যবহার [Assistant Manager 2018] | 35 |
| 6 | পরিকল্পিত পরিবার, সুরক্ষিত মানবাধিকার [Combined 5 Bank Officer - 2018] | 37 |
| 7 | রেমিট্যান্স ও সামাজিক জীবন [Combined 3 Bank SO - 2018] | 39 |
| 8 | ই-কমার্সের যুগে বাংলাদেশ [Bangladesh Bank AD - 2018] | 40 |
| 9 | সাম্প্রতিক জাতিসংঘ কর্তৃক উম্নয়নশীল দেশের স্বীকৃতি পাওয়ায় বাংলাদেশকে যে ধরণের চ্যালেঞ্জ মোকাবেলা করতে হবে- তা বিশদভাবে ব্যাখ্যা কর। [Uttara Bank PO - 2018] | 42 |
| 10 | জীবন ও স্বাস্থ্য সুরক্ষায় নিরাপদ খাদ্য [Sonali Bank SO - 2018] | 43 |
| 11 | বিশ্বায়ন ও ব্যাংকিং : সমস্যা ও সম্ভাবনা [Sonali Bank SO (IT) - 2018] | 44 |
| 12 | বগবন্ধু স্যাটেলাইট-১ নতুন সাফল্যে জ্যোতির্ময় বিশ্ব [Bangladesh Bank Officer 2018] | 45 |
| 13 | ক্ষুদ্র উদ্যোক্তাদের জন্য ব্যাংক ঋণ [Karmasangsthan Bank Data Entry Operator 2018] | 47 |
| 14 | তৈরি পোশাক শিল্প : অর্থনৈতিক উন্নয়নের হাতিয়ার [Rupali Bank Officer - 2018] | 48 |


| $\mathbf{A}^{15} \mathbf{A}$ |  <br>  | 49 |
| :---: | :---: | :---: |
| 16 | স্বাধীনতার আসম্ন সুবর্ণ জয়ন্তী ও আমাদের প্রত্যাশা [Agrani Bank SO - 2018] | 50 |
| 17 | মানবিক কৃটনীতিতে বাংলাদেশের সাফল্য [Agrani Bank SO(Auditor) - 2018] | 52 |
| 18 | রাষ্ট্র -নেতৃত্বে নারী : বাংলাদেশ ও বহির্বিশ্ব [BKB Officer (Cash) - 2018] | 53 |
| 19 | কৃষি নির্ভর অর্থনীতি বনাম শিল্প ও সেবাখাত নির্ভর অর্থনীতি বাংলাদেশ প্রেক্ষাপট [Dhaka Bank TACO - 2018] | 54 |
| 20 | বৈষ্ণিক উষ্ণায়ন : সমস্যা ও প্রতিবিধান [BDBL SO - 2018] | 55 |
| 21 | রোহিহ্গা সংকট ও বাংলাদেশের অর্থনীতিতে এর প্রভাব [National Bank PO - 2017] | 57 |
| 22 | ব্যাংকিং খাতে ঋণ খেলাপি সমস্যা সমাধানে পদক্ষেপসমূহ [Meghna Bank MTO 2018, Pubali Bank SO/Officer - 2017] | 59 |
| 23 | রোহিহ্রা সমস্যা ও বৈশ্বিক প্রতিক্রিয়া [BHBFC SO - 2017] | 60 |
| 24 | বাংলাদেশের জাতীয় আয়ে কৃষি খাতের অবদান ক্রমাগত হ্রসের কারণ ও প্রতিকার [Janata Bank AEO (RC) - 2017] | 24 |
| 25 | গ্রামীণ কর্মসংস্থান বৃদ্ধিতে কৃষি ঋণের ভূমিকা [RAKUB Officer - 2017] | 63 |
| 26 |  | 64 |
| 27 | অনলাইন ব্যাংকিং : সুবিধা ও অসুবিধা [Pubali Bank TAT - 2017] | 66 |
| 28 | রপ্তানি নীতি ২০১৮-২১ | 67 |
| 29 | ভাষা শহীদদের অবদান উল্লেখপূর্বক আন্তর্জাতিক মাতৃভাষা দিবসের তাৎপর্য [Bangladesh Bank AD - 2017] | 68 |
| 30 | পরিবেশ বিপর্যয় [Janata Bank EO (Engineer) - 2017] | 70 |
| 31 | ক্ষুদ্র ও মাঝারি শিল্পের বিকাশে ব্যাংকের ভূমিকা [Agrani Bank Officer (ICT) 2017] | 72 |
| 32 | জঙ্গিবাদ দমনে পরিবারের ভূমিকা [BGDL Assistant Manager - 2017] | 73 |
| 33 | সরাসরি বৈদেশিক বিনিয়োগ (FDI) | 75 |
| 34 | বঙ্গবন্ধুর ৭ মার্চের ভাষণের ঐতিহাসিক ঔুরুত্ | 76 |
| 35 | এলএনজি : সুবিধা ও সম্ভাবনা | 77 |
| 36 | ১৫ আগস্ট ট্বাজেডি ও অর্থনীতিতে এর প্রভাব | 78 |
| 37 | সঞ্চ্য়পত্রের সুদের উচ্চহারের প্রভাব ও এর প্রতিকার | 79 |
| 38 | মার্কিন - চীন বাণিজ্য যুদ্ধ | 80 |
| 39 | প্রস্তাবিত সড়ক পরিবহন আইন - ২০১৮ | 82 |
| 40 | ব্যাংকিং খাতে সুশাসন ও জবাবদিহি প্রতিষ্ঠার গুরুত্ | 83 |
| 41 | জাতীয় মুদ্রানীতি ২০১৮-১৯ (জানুয়ারি-জুন) | 84 |
| 42 | ডিজিটাল মুদ্রা : ক্রিপ্টোকারেন্সি | 85 |
| 43 | জাতীয় বাজ্রে ২০১৮-১৯ বাস্তবায়নে চ্যালেঞ্জসমূহ | 87 |
| 44 | এক অংকের সুদের হার : ব্যাংকের সুদের হারের নয়-ছয় | 88 |
| 45 | নারী ক্রিকেট দলের সাফল্যগীথা | 89 |
| 46 | ব্যাংকিং খাতে সাইবার নিরাপত্তা | 90 |
| 47 | বিশ্ব জলবায়ু সম্মেনন - ২০১৮ (COP-24) | 91 |


|  |  | 92 |
| :---: | :---: | :---: |
| 4 |  | 94 |

## English Focus Writing (2017-2018-2019 Solutions \& Recent Issues)

|  |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | Education System in Bangladesh Should Emphasize on Entrepreneurship Rather than Employment. [BREB AD (General) - 2019] | 95 |
| 2 | $\begin{array}{l}\text { Role of Electricity in Rural } \\ \text { [BREB AD (Finance)-2019] }\end{array}$ | 96 |
| 3 | Importance of Monetary Policy Set by Central Bank in Growth of Economy. [BREB AD (Finance) - 2019] | 97 |
| 4 | Impact of Globalization in Bangladeshi Culture. [DBBL PO - 2018] | 99 |
| 5 | People Given too much Emphasis to Satisfy Their Immediate Need Instead of Long Term Sense. Do You Agree or Disagree with It? Write Some Point with Your Choice. | 101 |
| 6 | International Mother Language Day. [Combined 6 Bank Cash - 2018] | 103 |
| 7 | Role of EPZ on Trade \& Investment in Bangladesh. [BEZA Assistant Manager - 2018] | 105 |
| 8 | What are the Current Challenges of the Banking Sector in Bangladesh? Give Your Specific Recommendation How to Reduce Non Performing Loans? [Janata Bank EO - 2018] | 106 |
| 9 | Enhancing the Capacity of Human Resources in Bangladesh Necessity \& Challenge [Shahjalal Islami Bank PO - 2018] | 108 |
| 10 | Importance of Information Technology in the Economic Development of Bangladesh. [Combined SO (IT/ICT) - 2018] | 110 |
| 11 | Describe the ACID Properties of a Database. When Does a Deadlock Occur \& How Do You Prevent It in a Database? [Asst.Programmer 2018] | 111 |
| 12 | Tax Friendly Culture for Sustainable Development. [Asst. Programmer - 2018] | 113 |
| 13 | Role of Commercial Banks in SME [Combined 3 Banks SO - 2018] | 114 |
| 14 | Single Digit Interest Rate : Problems \& Prospects [Bangladesh Bank AD 2018] | 116 |
| 15 | Imagination is Greater than Knowledge. [Bangladesh Bank AD - 2018] | 117 |
| 16 | A Quest for Peace in Middle East : Recent Perspectives [Sonali Bank SO 2018] | 118 |
| 17 | A Self Reliant Economy : Concept \& Reality [Sonali Bank SO - 2018] | 119 |
| 18 | Leading a Successful Life [Agrani Bank Officer (Cash) - 2018] | 120 |
| 19 | Economy of Bangladesh : Simply Keep Growing [Rupali Bank Officer (Cash) 2018] | 121 |


|  | The Next Wave of Sociol Media [BDBL SO - 2018] | 122 |
| :---: | :---: | :---: |
|  | The ssue of Good GdVEntrechifthe Banking Sector [Dhaka Bank TACO 2018, BKB SO - 2017, Modhumati Bank PO - 2017] | 123 |
| 22 | The Padma Bridge : A Dream Comes True [Rupali Bank Officer (Cash) - 2018] | 124 |
| 23 | Modern Technology \& Globalization [Sonali Bank Officer (Cash) - 2018, Agrani Bank Officer(ICT) - 2017] | 125 |
| 24 | Significance of Observing Intellectual Martyrs' Day in Our National Life [AlArafah Islami Bank MTO-2017] | 127 |
| 25 | Green Economy : A Solution for Future Dhaka [BHBFC SO - 2017] | 128 |
| 26 | Functions of Commercial Bank [Southeast Bank TCO - 2017] | 129 |
| 27 | Role of Opposition in Democracy [Agrani Bank SO - 2017] | 130 |
| 28 | Bangladesh on the Way to Middle Income Country [DBBL PO - 2017] | 131 |
| 29 | Our Victory Day Highlighting its Importance for Bangladesh [Bangladesh Bank AD (Statistics)-2017] | 133 |
| 30 | Importance of Bank in the Daily Life of Citizen [Bangladesh Bank Officer (Cash) - 2017] | 134 |
| 31 | Ways to Improve the Transport System in Dhaka City [Janata Bank AEO (RC) - 2017] | 135 |
| 32 | Do you Think Establishing Special Economic Zones Will Help to Increase Private Sector Investment in Bangladesh? Discuss. [Bangladesh Bank AD 2017] | 137 |
| 33 | Reasons of Young Generation Indulging in Terrorism \& its Remedies [Janata Bank EO - 2017] | 138 |
| 34 | Challenges for the Banking Sector of Bangladesh [Islami Bank ATO - 2017] | 140 |
| 35 | Brain Drain [Bangladesh Bank AD (FF) - 2015] | 141 |
| 36 | Internet : Uses \& Abuses [ BKB Officer (Cash) - 2015] | 143 |
| 37 | Role of Foreign Remittance inflow on the Socio-Economic Development [Bangladesh Samabaya Bank Officer - 2015] | 144 |
| 38 | Corporate Socia Responsibilty (CSR) [PKB Officer - 2014] | 146 |
| 39 | Ways to Increase the Private Sector Investment [Bangladesh Bank AD - 2014] | 148 |
| 40 | Impact of IT in Banking [Sonali Bank SO - 2014] | 149 |
| 41 | Consequences of Climate Change on the Future Bangladesh [Rupali Bank Officer - 2013] | 151 |
| 42 | Importance of Discipline in Financial Sector [Bangladesh Bank AD - 2013] | 153 |
| 43 | Importance of Social Safety Net Program for Poverty Alleviation [Bangladesh Bank AD - 2012] | 154 |
| 44 | Road Transport Act - 2018 | 155 |
| 45 | Evaluation of the Budget 2018-19 | 157 |
| 46 | Historical Success of Bangladesh Women Cricket Team | 158 |
| 47 | Economic Significance of Bangabandhu Satellite-1 | 159 |
| 48 | Graduation from LDC \& its Impact | 160 |
| 49 | Reasons \& Reduction of Traffic Jam in Dhaka-Chattogram National Highway | 161 |
| 50 | Impact of Liquidity Crisis in Banking Sector | 162 |
| 51 | Kim-Trump Meeting : Meeting of the Century | 163 |


|  | Intangible Cultural Heritage of Bangladesh | 164 |
| :---: | :---: | :---: |
| 53 |  | 165 |
| 54 | US - China Trade War | 166 |
| 55 | Fast Track Projects | 168 |
| 56 | Importance of Cyber Security in Banking Sector | 170 |
| 57 | Historical Significance of $7^{\text {th }}$ March Speech | 171 |
| 58 | Bitcoin \& the Future of Crypto Currency | 172 |
| 59 | Scope of Self-Employment in Rural Economy | 174 |
| 60 | Role of Bank in Building Middle Income Country | 176 |
| 61 | Delta Plan 2100 | 178 |
| 62 | $11^{\text {th }}$ National Election | 180 |
| 63 | Monetary Policy Statement 2018-19 ( $2^{\text {nd }}$ Half) | 181 |

## Letter \& Reports (2017-2018-2019 Solutions)

| Nefa. | Content | No. |
| :---: | :--- | :---: | :---: |
| 1 | A bank is interested to open a new specialized branch for the welfare of the <br> peasant. As an employee of the bank, write a letter to the higher authority of the <br> Bangladesh Bank explaining its feasibility. [Sonali Bank SO - 2018] | 193 |
| 2 | Assume that you are a loan sanction officer of a specialized commercial bank in <br> Dhaka. Write a letter to a client whose application for home loan in rejected. <br> [Sonali Bank SO (IT) - 2018] | 194 |
| 3 | Write an application to the Honorable Minister of Finance highlighting the <br> importance of reduction of taxes on imported industrial raw materials. [Sonali <br> Bank Officer (Cash) - 2018] | 195 |
| 4 | Write a letter to your bank manager requesting him for providing internet <br> banking facility in your account. [Karmasangstan Bank Data Entry Operator <br> 2018] | 196 |
| 5 | Suppose you are a bank employee and you want to join in an 'Evening <br> Executive Masters Programme' related to your job. Write a letter to your Branch <br> Head to seek necessary permission for the enrollment by explaining plausible <br> reasons. [Rupali Bank Officer (Cash) - 2018] | 197 |
| 6 | Suppose you are working in a private bank. Write a business letter in English by <br> announcing a new product recently added to the customer service of your bank. <br> [Agrani Bank Officer (Cash) - 2018] | 198 |
| 7 | Write a letter to the branch manager of your bank requesting him to enquire the <br> case of withdrawal money from your bank account without any authorization. <br> [Dhaka Bank TACO - 2018] | 199 |
| 8 | Write a business letter in English to an institution giving thanks for their quality <br> service \& environment-friendly products along with professional courtesies. <br> [BDBL SO - 2018] | 200 |


| $\mathbf{A}^{9} \mathbf{A A}$ | Write a letter to the Head of Customer Service Division of a commercial bank <br>  of service. [Agrani Bank SO - 2017] | 201 |
| :---: | :---: | :---: |
| 10 | Write a letter to the Head of the Card Service Division of Southeast Bank Ltd. for the increasing of your credit card limit. [Southeast Bank PO - 2017] | 202 |
| 11 | Write a letter to the Head of the Card Service Division of a commercial bank informing the loss of your ATM card with a request for replacement. [Janata Bank EO (Engineer) - 2017] | 203 |
| 12 | Write a letter to the Manager of a bank requesting for a loan for setting up an SME industry. [Janata Bank EO - 2017] | 204 |
| 13 | You are planning to set up a food processing industry in Rangamati area. Write a letter to the manager of a bank highlighting the feasibility of the project \& requesting him to finance it. [Janata EO - 2018] | 205 |
| 14 | মনে করুন আপনি একটি তফসিলি ব্যাংকে অফিসার পদে কর্মরত। বাংলাদেশ সরকারের বর্তমান মুদ্রানীতির পরিপ্রেক্ষিতে কর্তৃপক্ষের আদেশক্রমে আপনার ব্যাংকের করণীয় নির্ধারণ করে বিভিম্ম শাখা-প্রধানদের নিকট প্রেরণের জন্য এক্টি পত্রের খসড়া প্রস্তুত করুন। [Combined 5 Bank Officer - 2018] वইघढ़.কম | 206 |
| 15 | ‘শেয়ার বাজার ও ব্যাংকিং ব্যবস্ছার মধ্যে ভারসাম্যমূলক সম্পর্ক কাম্য’- এই শিরোনামে সংবাদপত্রে প্রকাশের জন্য একটি প্রতিবেদন প্রস্তুত করুন। [Sonali Bank SO - 2018] | 208 |
| 16 | আপনার এলাকায় পাবলিক লাইর্বেরি স্ছাপনের প্রয়োজনীয়তার কথা জানিয়ে সংস্কৃতি মন্ত্রনালয়ের সচিবের কাছে একটি আবেদনপত্র লিখুন। [Sonali Bank Officer - 2018] | 209 |
| 17 | মনে করুন আপনি রূপালী ব্যাংকের একজন কর্মকর্তা। আপনার শাখা প্রধানের নির্দেশক্রমে ক্রেডিট কার্ড ও এটিএম কার্ড বিষয়ে ব্যাংকের গ্রাহকদের সচেতনতামূলক একটি পত্র প্রেরণের খসড়া প্রস্তুত করুন।[Rupali Bank Officer (Cash) - 2018] | 210 |
| 18 | আপনার এলাকায় সোনালী ব্যাংকের একটি শাখা স্ছাপনের জন্য ব্যবস্থাপনা পরিচালকের বরাবর একটি আবেদনপত্র লিখুন। [Sonali Bank Officer - 2018] | 212 |
| 19 | ‘রোহিগ্গদের মিয়ানমারে দ্রুত প্রত্যাবর্তনে বাংলাদেশের কৌশলগত অবস্থান’ শীর্ষক শিরোনামে ৫০০ শব্দের একটি প্রতিবেদন রচনা করুন। [Sonali Bank Officer-2018] | 213 |
| 20 | কর্পোরেট সোশ্যাল রেসপনসিবিলিটি কার্যর্রমের আওতায় নতুন আর কী কী খাত যুক্ত হতে পারে সেই বিষয়ে প্রস্তাব প্রণয়নের জন্য আপনাকে দায়িত্ব দেওয়া হলো। এ বিষয়ে একটি প্রস্তাব তৈরি করে উর্ধ্বতন কর্তৃপক্ষকে একটি প্রস্তাবনাপত্র লিখুন। [Agrani Bank Officer (Cash) - 2018] | 214 |
| 21 | আপনার প্রতিষ্ঠানের আনুষাঙ্কিক খাত থেকে ক্রয়যোগ্য মালামালের একটি তালিকা তৈরি করে তা ক্রয়ের প্রয়োজনীয় ব্যবস্থা গ্রহণের জন্য কর্তৃপক্ষ সমীপে একটি পত্র লিখুন। [BKB Officer (Cash) - 2018] | 215 |
| 22 | আপনি বিদেশে উচ্চশিক্ষা-ঋণ গ্রহণে আগ্রহী। এ সম্পর্কিত প্রয়োজনীয় তথ্য ও ঋণ গ্রহণের যৌক্তিকতা তুলে ধরে আপনার অফিস প্রধানের নিকট আবেদনপত্র লিখুন। [BDBL SO 2018] | 216 |
| 23 | বাংলাদেশ ব্যাংকের একজন কর্মকর্তা হিসেবে আপনার উর্ধ্বতন কর্তৃপক্ষের নির্দেশক্রমে ‘এজেন্ট ব্যাংকিং’ বিষয়ে একটি প্রতিবেদন প্রস্তুত করুন। [Bangladesh Bank Officer 2018] | 218 |


|  | 2 হ্টজিং খাতের ঋণকে জম্রে জন্রিয় করে তোলার জন্য আপনাকে দায়িত্ব দেওয়া হলো। রিश্যাব করবেন তা জানিয়ে উর্ধ্ধতন কর্ত্ণপক্ষকে একটি পত্র লিখুন। [BHBFC SO - 2017] | 220 |
| :---: | :---: | :---: |
| 25 | গত কয়েক বছর আলু চাষীরা ক্রমাগতভাবে ক্রতির সমুখীন হয়ে কৃষিঋণ পরিশোধে ব্যর্থ হচ্ছে। এই প্রেক্ষাপটে আলু চাষীদেরকে কৃষিঋণ বিতরণে নিরুৎসাহিত করার জন্য ব্যাংকের উর্ধ্বতন কর্তৃপক্ষের নিকট অনুমতি প্রার্থনা করে শাখা ব্যবস্থাপক হিসেবে একটি পত্র লিখুন। [Janata Bank AEO (RC) - 2017] | 221 |
| 26 | একজন ব্যাংক কর্মকর্তা হিসেবে বন্যায় কত্রিগ্রস্থ কৃষকদের পুনর্বাসনের নিমিত্তে ঋণ প্রদানের জন্য তशবিল চেয়ে আঞ্ধালিক মহাব্যবস্থাপকের নিকট আবেদনপত্র লিখুন। [RAKUB Officer - 2017] | 222 |
| 27 | আপনার এলাকায় বিদ্যুৎ সরবরাহের ব্যবস্থা করার জন্য সংশ্মিষ্ট কর্তৃপক্ষের নিকট আবেদনপত্র লিখুন। [Combined 6 Bank Officer (Cash) - 2019] | 223 |

## Short Notes (2017-2018 Solutions \& Recent Issues)



|  | Monopoly Market | 234 |
| :---: | :---: | :---: |
| 23 A | Financial Inclusion | 235 |
| 24 | BSEC | 235 |
| 25 | Bail Out | 235 |
| 26 | Basel III | 236 |
| 27 | Capital Market | 236 |
| 28 | IPO | 236 |
| 29 | GDP | 236 |
| 30 | Special Economic Zone | 237 |
| 31 | Facebook | 237 |
| 32 | Dark Web | 238 |
| 33 | Wi-Fi | 238 |
| 34 | Online Banking | 238 |
| 35 | 4G | 238 |
| 36 | Freedom of Press | 239 |
| 37 | BACH | 239 |
| 38 | MNP in Bangladesh | 239 |
| 39 | Yellow Vest Movement | 240 |
| 40 | Jamal Khashoggi | 241 |
| 41 | William D. Nordhas : Father of the economy of climate change | 241 |

## A2B means ACCESS TO BCS | A2B means ACCESS TO BANK

## Strategy Ensures the Result.

## Liberation War

Proclamation of independence স্বাধীনতার ঘোষণা
Promulgation of independence -
স্বাধীনতার ঘোষণা
Civil war - গৃহযুদ্ধ
Provisional government - অস্থায়ী

## সরকার

Government in exile - প্রবাসী সরকার
Liberation war - মুক্তিযুদ্ধ
War of independence - স্বাধীনতা সংগ্রাম
Freedom loving - মুক্তিকামী
Freedom fighter - মুক্তিযোদ্ধা
War heroine - বীরাক্গনা
Emancipation - মুক্তি
Deportation - বিতারিত
Defeat - পরাজয়
Pakistani agent - পাকিস্তানী দালাল
Spirit of Liberation war - মুক্তিযুদ্ধের
চেতনা
Martial law - সামরিক আইন
Guerrilla attack - গেরিলা যুদ্ধ /আক্রমণ
Bangalee autonomy - বাঙালী
স্বায়ত্তশাসন
Liberated - স্বাধীন
Alarming - ভয়ানক
Brutality - বর্বরতা /নিষ্ঠুরতা
Atrocity - নৃশংসতা
Armed Conflict - সশস্ত্র সংগ্রাম

Friendship to all - সকলের সাথে
বন্ধৃত্বপূর্ণ
Malice to none - কারো সাথে শত্রুতা নয়
Bangalee nation - বাঙালী জাতি
Steel - like firmness - ইস্পাত কঠিন
দৃঢ়তা
Crackdown - আকস্মিক হামলা /কঠোর ব্যবস্থা
Equality - সমতা/সাম্যGenocide/
Massacre - গণহত্যা
Deed of existence - অস্তিত্বের দলিল /
ঠিকানা
Refugee - শরণার্থী
Bellicose / Aggressive - মারমুখো
Counter attack - পাল্টা আক্রমণ
Frontier fight - মুখোমুখি সংঘর্ষ /সমুখ
যুদ্ধ
Frontier resistance - সমুখ প্রতিরোধ
To curb - নির্মূল করতে
Presidential hall - আবাসিক হল
Defected officer - বিদ্যুত কর্মকর্তা
Eternal flame - অনন্ত বহ্নিশখা
In the heart - হुদয়ে
Inspiration - অনুপ্রেরণা
Pride of glory - গৌরব ও গর্ব In exchange of blood - রক্তের বিনিময়ে In exchange of millions of lives - লক্ষ প্রাণের বিনিময়ে

Genocidal rape - গণহত্যামূলক নারী ধর্ষণ Self- dignity - আত্ম-মর্যাদা
Self - determination - আত্নসংকল্প
Human dignity - মানবীয় মর্যাদা
Bangalee Nationalism - বাঙালী
জাতীয়তাবাদ

Common civilians - সাধারণ নাগরিক
Unarmed people - নিরস্ত্র মানুষ
Intellectuals - বুদ্ধিজীবী
Bangali Cleansing - বাঙ্গালি নিধন
Oppression - অত্যাচার
Domination - কর্তৃত্ব

## Bengali Language Movement

Bengali language movement - বাংলা ভাষা আন্দোলন
Pot against Bengali language - বাংলা
ভাষার ষড়যন্ত্র
Procession - মিছিল
Vehemently oppose - তীব্রভাবে
প্রতিরোধ করা /বিরোধীতা করা
Call for - ডাকা
Mother - tongue - মাতৃভাষা
Medium of sharing outlook - ভাব

## প্রকাশের মাধ্যম

State language - রাষ্ট্র ভাষা
Official language - দাপ্তরিক ভাষা
Lingual franca - সর্বসাধারণের ভাষা
Strikes and rallies - হরতাল ও সমাবেশ
Boycott - প্রত্যাহার করা
Banned - নিষিদ্ধ
Snatch away - ছিনিয়ে আনা
Admit to hospital - হাসপাতালে ভর্তি
করা
Under such circumstances - এমন
অবস্থার মধ্যে
Demand for - দাবি জানানো
Sow the seeds for the movement -

ভাষা আন্দোলনের বীজ বপন করে
Mix in every vain - অস্থিমজ্জায় মেশা
Exercise mother tongue - মাতৃভাষা চর্চা
Exercise foreign language - পরভাষা
চर्চा
Sense of patriotism - দেশ প্রেমের চেতনা
Base of nationalism - জাতিসত্তা ভিত্তি
Demonstration - আन্দোলন /সক্রীয়
আন্দোলন
Demonstrator - আন্দোলনকারী / সক্রীয় আন্দোলনকারী
Slogan in the favour of Bengali -
বাংলার পক্ষে স্লোগান
Police atrocities - পুলিশি নৃশংসতা /
বর্বরতা
Severely injured - মারাত্মক ভাবে আহত Impose - জারি করা
Section 144-১88 ধারা
Assembly - সমাবেশ
Violate - ভঙ্গ করা /অমান্য করা
Armed police - সশস্ত্র পুলিশ
Fire upon - গুলি চালানো
Agitated students - উত্তেজিত ছাত্ররা

Shouting slogan - স্লোগান দেওয়া Ignore the demand - দাবি প্রত্যাখান
Protest against - প্রতিবাদ করা
Remained firm - অনড় থাকা
Remained inactive - নিস্ত্রিয় থাকা
Urdu and no other language - উর্দু ছাড়া
অন্য কোন ভাষা নেই
Only Urdu - একমাত্র উর্দু
New dimension - নতুন মাত্রা
Bengali in Arabic script - আরবি হরফে বাংলা

Province wide - প্রদেশ ব্যাপী
Government order - সরকারী আদেশ
Anti government movement - সরকার
বিরোধী আন্দোলন
Public demonstration - গণ-সমাবেশ
Police reprisal - পুলিশের প্রতিহিংসামূলক কর্ম
Linguistic diversity - ভাষাগত বৈচিত্র্য
Prime carrier of culture - সংস্কৃতির প্রধান বাহন

## Banking

Non bank financial institutions - ব্যাংক বর্হিভূত আর্থিক প্রতিষ্ঠান
Nonperforming loan - খেলাপি ঋণ
Rescheduled loan/ Restructured loan পূণঃতফসিলকৃত ঋণ
Deposit collection - আমানত সংগ্রহ
Banking sector - ব্যাংক খাত
Central bank - কেন্দ্রীয় ব্যাংক
Public govt. bank - সরকারি ব্যাংক
Commercial bank - বাণিজ্যিক ব্যাংক
Liquidity - তারল্য
Current ratio - তারল্য হার
Mortgage - বন্ধক
Forgery - জালিয়াতি
Misappropriation of money - অर्थ আত্মসাৎ
Mobile banking - মোবাইল ব্যাংকিং Exchange rate - বিনিময় হার

Micro credit - ক্ষুদ্রঋণ
Convertible currency - বিনিময়যোগ্য
মুদ্রা
Forfeit - বাজেয়াপ্ত করা
Liquidity crisis - তারল্য সংকট
Liquidation - ধার পরিশোধ
Reserved money - রিজার্ভ মুদ্রা/মুদ্রা স্থিতি
Foreign currency reserve - বৈদেশিক
মুদ্রা স্থিতি
Installment - কিস্তি
Green banking - সবুজ ব্যাংকিং
Retail banking - ক্ষুদ্র ব্যাংকিং
Rural banking - গ্রামীণ ব্যাংকিং
Electronic banking - ইলেকট্রনিক ব্যাংকিং
Branch - শাখা
Fluctuation of currency exchange rate

- মুদ্রার বিনিময় হারের উঠানামা

Interest rate - সুদের হার
Interest rate movement - সুদের হারের পরিবর্তন
Credit/ loan/ debt - ঋণ
Repayment - ঋণ পরিশোধ
Debtor - দেনাদার
Creditor - পাওনাদার
Bankruptcy - দেউলিয়া
Unsecured debt - অনিরাপদ ঋণ /
বেপরোয়া ঋণ
Sanction - অনুমোদন

Loan section - ঋণ মঞ্জুর
Money and credit - মুদ্রা ও ঋণ
Domestic credit - অভ্যন্তরীণ ঋণ
Black money - কালো টাকা
White money / pure money - সাদা টাকা
Automated banking system - স্বয়ংক্রিয়
ব্যাংকিং ব্যবস্থা
Banking service - ব্যাংকিং সেবা
Financial service - আর্থিক সেবা
Currency rate - মুদ্রা মান
Reserve ratio - স্থিতি হার

## Trade, Investment \& Energy

Energy - জ্বালানি /শক্তি
Global trade - বৈশ্বিক বাণিজ্য
Resource - সম্পদ
Return / profit - মুনাফা /লাভ
Joint venture - যৌথ বিনিয়োগWorld trade - বিশ্ব বাণিজ্য
Domestic trade - অভ্যন্তরীণ বাণিজ্য
Common market - প্রচলিত /সর্বজনীন বাজার
Terms of trade - বাণিজ্য শর্তসমূহ
Investment portfolio - বিনিয়োগ দপ্তর
Crude oil - অপরিশোধিত তেল
Renewable energy - নবায়নযোগ্য
জ্বালানি/শক্তি
Sustainable energy - টেকসই জ্বালানি
Industrialization - শিল্পায়ন
Solar energy - সৌর শক্তি
Fossil fuel - জীবাশ্ম জ্বালানি

Coal based power plant - কয়লাভিত্তিক বিদ্যুৎ কেন্দ্র
Import - Export - আমদানি - রপ্তানি
Balance of trade - বাণিজ্য ভারসাম্য
Balance of payment - লেনদেনের
ভারসাম্য
Trade deficit / gap - বাণিজ্য ঘাটতি
Trade surplus - বাণিজ্য উদ্ধৃত্তি
Trade resistance - বাণিজ্য প্রতিবন্ধকতা
Multinational - বহুজাতিক
Multilateral - বহুদেশীয় /বহুজাতিক
Bilateral - দ্বিদেশীয়
Tax holiday - কর হ্রাস
Trade associate - বাণিজ্য সহযোগি
Preferential market access -
অগ্রাধিকারমূলক বাজার প্রবেশাধিকার
Stand off - অচলাবস্থা
Blockade - অবরোধ

Embargo - অবরোধ
Free trade - অবাধ বাণিজ্য
Compensation - ক্ষতিপূরণ
Subsidy - ভর্তুকি
Incentive - প্রণোদনা
Taxation - করারোপণ
Tax payer - করদাতা
Customs duty - কাস্টমস শুল্ক
Tariff - আমদানি শুল্ক

Levy - খাজনা
Merchant - ব্যবসায়ী
Depression - মন্দাবস্থা
Recession - মন্দা
Bond provisions - বন্ড সুবিধা
Natural gas - প্রাকৃতিক গ্যাস
Liquefied natural gas - তরলীকৃত
প্রাকৃতিক গ্যাস
Trade war - বাণিজ্য যুদ্ধ

## Social Issues

Social awareness - সামাজিক সচেতনতা
Social movement - সামাজিক আন্দোলন
Woman participation - নারীর অংশগ্রহণ
Social outlook / attitude - সামাজিক দৃষ্টিভগ্গি
Urbanization - নগরায়ন
Franchise - ভোটাধিকার
Humanist - মানবতাবাদী
Rape - নারী ধর্ষণ
Social justice - সামাজিক ন্যায়বিচার
Social injustice - সামাজিক অবিচার
Social contract - সামাজিক চুক্তি
Woman empowerment - নারীর
ক্ষমতায়ন
Human rights - মানবাধিকার
Humanity - মনুষ্যত্ব
Sexual assault/ harassment - যৌন
নির্যাতন/হয়রানি
Extra judicial killing - বিচার বহির্ভূত হত্যা

Child abuse - শিশু নির্যাতন
Child Labor - শিশু শ্রম
Gender disparity - লিন্গ অসমতা
Gender discrimination - লিন্গ বৈষম্য
Rights - অধিকার
Culture of insecurity - নিরাপত্তাহীনতার সংস্কৃতি
Fundamentalism - মৌলবাদ
व Food security - খাদ্য নিরাপত্তা
Malnutrition - অপুষ্টি
Mass education - গণ শিক্ষা
ঘ Declining standard - নিম্মগামী শিক্ষার
त মান Divorce - বিবাহ বিচ্ছেদ

## Crisis - সংকট

ক Migration crisis - অভিবাসন সংকট
Rohingya crisis - রোহিঙ্গা সংকট
Maternal mortality - মাতৃমৃত্যু
Infant mortality - শিশ্ড মৃত্যু
Ethnic cleaning - জাতিগত নিধন
Militancy - জগ্গিবাদ

Extremism - উগ্রবাদ
Secularism - অসাম্প্রদায়িকতা
Cultural diversity - সাংস্কৃতিক বৈচিত্র্য
Cultural aggression - সাংস্কৃতিক আগ্রাসন
Legal steps/ action - আইনানুগ ব্যবস্থা
Suicide - আত্মহত্যা
Suicidal - আত্মঘাতি
Drug addiction - নেশাগ্রস্থ
Unemployment - বেকারত্ব
Quota system - কোটা পদ্ধতি
Reformation - সংস্কার

Right to information - তথ্যাধিকার Question leaking - প্রশ্ন ফॉঁস Education initiation - শিক্ষা -দীক্ষা
Freedom of press - সংবাদপত্রের স্বাধীনতা
Freedom of speech - বাক স্বাধীনতা
National culture - জাতীয় সংস্কৃতি
Tribe - উপজাতি
Minor race - ক্ষুদ্র জাতিসত্তা /বর্ণ
Ethnic - জাতিগত
Ethnic sect - নৃ-গোষ্ঠী

## Climate Change

Climate Change - জলবায়ু পরিবর্তন Ultraviolet ray - অতিবেগুনী রশ্মি Height of sea level - সমুদ্রপৃষ্ঠের উচ্চতা Inundate - প্লাবিত করা
Landfill - ভূমি ভরাট
Sea level rise - সমুদ্রপৃষ্ঠের উচ্চতা
বৃদ্ধিVulnerable - আতঙ্কগ্রস্থ /ঝুঁকিপূর্ণ
Vulnerability - बুঁকি
Abrupt/ Rapid Climate Change - দ্রুত
জলবায়ু পরিবর্তন
Energy efficiency - জ্বালানি দক্ষতা
Greenhouse effect - গ্রীনহাউজ প্রতিক্রিয়া
Resilience - স্থিতিস্থাপকতা
Salt water - লবণাক্ত পানি
Flood - বন্যা
Drought - খরা
Ecosystem - বাস্তুসংস্থান
Industrial revolution - শিন্পবিপ্লব

Adaptation - অভিযোজন/খাপ খাওয়ানো Global response - বৈশ্বিক সাড়া
Atmosphere degradation - বায়ুমণ্ডলীয় অবনতি /অবক্ষয়
Adverse impact/ effect - বিরুপ প্রভাব
Deforestation - বৃক্ষনিধন
Cyclone - ঘূর্ণিঝড়
Bio-diversity - জীব বৈচিত্ত্য
Viability - বাস্তব উপযোগিতা
Viable - টেকসই
Ozone layer - ওজোন স্তর
Respiration - শ্বসন
Global average temperature - বৈশ্বিক
গড় তাপমাত্রা
Methane - মিথেন
Forestation - বনায়ন
Global warming - বৈশ্বিক উষ্ণতা
Disaster / calamity - দূर्यোগ

Emission of carbon - কার্বন নিঃসরণ
Atmosphere - বায়ুমণ্ডল
Mitigation - প্রশমন /কমানো
Government action - সরকারের পদক্ষেপ Public awareness - জনসচেতনতা

Stake holder of climate change -
জলবায়ু পরিবর্তনে অংশীদার
Safeguard - সুরক্ষা করা
Weather Change - আবহাওয়া পরিবর্তন

## A2B Dublications এর পরন্ত্তী অাক্বণ

## A2B INFOBOX (2nd Edition)

## মাধ্যমিক ও উচ্চ মাধ্যমিক পর্যাা্যের টেষ্লেট বইসহ <br> নির্বাচিত্ বইসমূছ্রে বাছাইকৃত তথ্যের সংকলন ও মডেনটেন্ট

यেসব পরীক্ষয় কাজে বইটিঃ

- বিসিএসथ্রিলি ও ভাইভা
- ব্যাংक থ্রিলি ও ভাইভা
- প্রাইমানীী সহকান্রী শিক্কক নিয়োপ প্রিলি ও ভাইভা
- বিশ্পবিদ্যালয় ভর্তি পর্রীষ্শা ইত্যাদি সহ য্যেোন খ্রিলি পরীীষ্ম।


## PECENT DATA

## মাথাপিছূ আক্যের ভিভ্তিতে দেশসমূহের শ্রেণিবিভাজন

বিশ্ববাংক এটলাস পদ্ধতিতে মাথাপিছু মোট জাতীয় আয়ের ভিত্তিতে পৃথিবীর দেশঙুেোকে ৪টি ল্রেণিতে ভাগ করেছে। যথা -

| व्र्यक |  | लनख সशचा | সাক্কভूক फलबन पবস্গান |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| নিম্ন আয় | ৯৯৫ বা তার কম | ৩8টি | আফগানিস্তান, নেপাল |
| নিম্ন মধ্যম আয় | ৯৯৬ - ৩,৮৯৫ | 8 १টি | বাংলাদেশ, ভুটান, ভারত, পাকিস্তান, শ্রীলংকা |
| উচ্চ মধ্যম আয় | ৩,৮৯৬-১২,০৫৫ | く৬টি | মালদ্বীপ |
| উচ্চ আয় | ১২,০৫৬ বা তার বেশি | ৮১টি |  |

[ সূত্রঃ ১ জুলাই ২০১৮ বিশ্বব্যাংকের ওয়েবসাইটে প্রকাশিত New Country Classification by Income Level 2018-19]

## পাঁচ জেলার নাম পর্রিবর্তন

- দেশের পাঁচ জেলার ইংরেজি বানান পরিবর্তন করা হয়- ২ এপ্রিল ২০১৮ তারিখে।

| জেলা | পৃর্বের ইংরেজি বানান | বর্তমান ইংরেজি বানান |
| :---: | :---: | :---: |
| চট্ৰগ্রি | Chittagong | Chattogram |
| কুমিল্না | Comilla | Cumilla |
| বরিশাল | Barisal | Barishal |
| বগুড়া | Bogra | Bogura |
| যশোর | Jessore | Jashore |

## জাতীয় বাজেট ২০১৮-১৯

$\square$ বাজেট ঘোষণা- ৭জুন, ২০১৮।
$\square$ বাজেট ঘোষক - অর্থমন্ত্রী আবুল মাল আবদুল মুহিত।
$\square$ বাজেট কার্যকর - ১ জুলাই, ২০১৮ থেকে।
$\square$ স্লোগান- সমৃদ্ধ আগামীর পথযাত্রায় বাংলাদেশ।
$\square$ এটি দেশের ৪৮তম, অর্থমন্ত্রীর ১২তম ও আওয়ামী লীগ সরকারের ১৮তম বাজেট।
$\square$ মোট বাজেট- ৪,৬৪,৫৭৩ কোটি টাকা (জিডিপির ১৮.৩১\%)
$\square$ মোট ঘাটতি- ১,২১,২৪২ কোটি টাকা।
$\square$ বাংলাদেশের বাজেট- ঘাটতি বাজেট।
$\square$ বৈদেশিক অনুদান- ৪,০৫১ কোটি টাকা।
$\square$ বার্ষিক উন্নয়ন কর্মসূচি (ADP) তে বরাদ্দ - ১, ৭৩,০০০ কোটি টাকা (জিডিপির ৬.৮২\%)
$\square$ রাজস্ব আয়- ৩,৩৯,২৮০ কোটি টাকা।
$\square$ বৈদেশিক ঋণ- ৫০,০১৬ কোটি টাকা।
$\square$ অভ্যন্তরীণ ঋণ- ৭১,২২৬ কোটি টাকা।
$\square$ মোট জিডিপি- ২৫,৩৭,৮-৯৯ কোটি টাকা।
$\square$ অনুমিত জিডিপি প্রবদ্ধি- ৭.৮\%
$\square$ অনুমিত মূল্যস্ফীতি- ৫.৬\%
$\square$ সর্বোচ্চ বরাদ্দ - জনপ্রশাসন খাতে ৮৩,৫০৯ কোটি টাকা (১৮.০\%)
$\square$ ২য় সর্বোচ্চ বরাদ্দ- শিক্ষা ও প্রযুক্তি খাতে ৬৭,৯৩৫ কোটি টাকা (১৪.৬\%)
$\square$ ৩য় সর্বোচ্চ বরাদ্দ- পরিবহন ও যোগাযোগ খাতে ৫৬,৪৬৪ কোটি টাকা (১২.২\%)
$\square$ কৃষি খাতে বরাদ্দ- ২৬,২৬০ কোটি টাকা (৫.৭\%)
$\square$ মাথাপিছু বরাদ্দ- ২৮,০৭৩০ টাকা।
$\square$ মাথাপিছু আয় (প্রক্ষেপণ)- ১,৯৫৬ ডলার।
$\square$ মাথাপিছু ঘাটতি- ৭,৫০৩ টাকা।
$\square$ ভ্যাট থেকে অনুমিত আয়- ১,১০,8৮৩ কোটি টাকা (২৩.৭\%)
$\square$ সাধারণ করদাতাদের করমুক্ত আয়ের সীমা- ২৫০০০০ টাকা।
$\square$ মহিলা ও ৬৫ বছর উর্ধ্বদের করমুক্ত আয়ের সীমা- ৩০০০০০ টাকা।
$\square$ ভ্যাটের তথ্য কল করে জানা যাবে- ১৬৫৫৫ নম্বরে।
$\square$ ভ্যাটের স্তর-৫টি; পূর্বে ছিলো-৯টি।
$\square$ এবারের বাজেট বক্তৃতা ছিলো -সর্ববহৎ বাজেট বক্কৃতা (১৫৬ পৃষ্ঠা)।
$\square$ মন্ত্রণালয়/বিভাগওয়ারি সর্বোচ্চ বরাদ্দ- অর্থ বিভাগে; ১,১৭,১৪২ কোটি টাকা।
$\square$ জাতীয় সংসদের জন্য বরাদ্দ- ৩৩২ কোটি টাকা।

- মুক্তিযোদ্ধাদের জন্য থাকছে- বিনা খরচে চিকিৎসা সেবা, ২,০০০ টাকা বৈশাখী ভাতা ও ৫,০০০ টাকা বিজয় দিবস ভাতা এবং যুদ্ধাহত ও অস্বচ্ছল মুক্তিযোদ্ধা ও পরিবারের জন্য মোট ৪০০ কোটি টাকা বরাদ্দ।
- রোহিন্গাদের জন্য বরাদ্দ- ৪০০ কোটি টাকা।
$\square$ সামাজিক সুরক্ষার বরাদ্দ দেওয়া হয়-১৩ খাতে।
- জলবায়ু খাতে বরাদ্দ-১৮,৯৮৪.৭৬ কোটি টাকা (বাজেটের 8.০৯\%)।
- বাংলাদেশের প্রথম বাজেট পেশ করেন- তাজউদ্দীন আহমদ ৩০ জুন, ১৯৭২ সালে।
- ১৯৭২-৭৩ অর্থবছরের প্রথম বাজেটের আকার ছিলো- ৭৮৬ কোটি টাকা।
- সবচেয়ে বেশি ১২ বার বাজেট পেশ করেন- এম সাইযুর রহমান ও আবুল মাল আবদুল মুহিত।
- টানা ১০ বার বাজেট ঘোষণা করেন- আবুল মাল আবদুল মুহিত।
- এবারের বাজেট ১ম বাজেটের চেয়ে আকারে ৫৯১ গুণ বড়।
- বাংলাদেশের আর্থিক বছর - ০১ জুলাই থেকে ৩০ জুন।


## বাংলারেশ অর্থনৈতিক সমীক্ষা ২০১৮

$\square$ জনসংখ্যা- ১৬ কোটি ৮-লক্ষ।

- জনসংখ্যা বৃদ্ধির হার-১.৩৭\%
- পুরুষ-মহিলা অনুপাত-১০০.৩ : ১০০
$\square$ জনসংখ্যার ঘনত্ব- প্রতি বর্গকিলোমিটারে ১,০৯০ জন।
- স্যুল জন্মহার- প্রতি হাজারে ১৮.৭ জন।
- প্রত্যাশিত গড় আয়ুক্ষাল- ৭১.৬ বছর।
- ডাক্তার প্রতি জনসংখ্যা- ২,০৩৯ জন।
- সাক্ষরতার হার (৭ বছর+) - ৭১\%
$\square$ মোট নিয়োজিত শ্রমশক্তি - ৬.৩৫ কোটি।
- কৃষি খাতে নিয়োজিত শ্রমশক্তি - 80.৬\%
- CBN পদ্ধতিতে দারিদ্র্যের জাতীয় ঊর্ধ্বসীমা- ২৪.৩\%
- CBN পদ্ধতিতে দারিদ্র্যের জাতীয় নিম্নসীমা-১২.৯\%
- চলতি মূল্যে জিডিপি- ২২,৩৮,৪৯৮ কোটি টাকা।
- স্থির মূল্যে জিডিপির প্রবৃদ্ধির হার- ৭.৬৫\%
$\square$ চলতি মূল্যে মাথাপিছু আয়- ১,৭৫২ ডলার।
$\square$ চলতি মূল্যে মাথাপিছু জিডিপি-১,৬৭৭ ডলার।
$\square$ রপ্তানি আয়- ২৭,৪৫১.৫৫ মিলিয়ন ডলার।
- বৈদেশিক মুদ্রার মজুদ (৯ মে,২০১৮)- ৩১,৯২৩.৫৭ মিলিয়ন ডলার।
- রেমিট্যান্স-১২,০৮৮.১৮ মিলিয়ন ডলার।
$\square$ মাে তফসিলি ব্যাংক- ৬০টি।
$\square$ রাষ্ট্রীয় বানিজ্যিক ব্যাংক-৬ টি।
- বেসরকারি বানিজ্যিক ব্যাংক- 80 ০ট।
- জাতীয় মহাসড়ক - ৩,৮১৩ কি.মি.
- জাতীয় রেলপথ-২,৮৭৭ কি.মি.
$\square$ রিজার্ভ মুদ্রা (মার্চ ২০১৮) - ২,১২,২৫০ কোটি টাকা।
- মূল্যস্ফীতি - ৫.৮৩\%
- মোট বিনিয়োগ- জিডিপির ৩১.৫\%

বইইঘ়̣.কম

- মোট রাজস্ব আদায়- জিডিপির ১১.৬\%
- জিডিপিতে কৃষি খাতের অবদান- ১৪.১০\%
- সবচেয়ে বেশি প্রবাসী জনশক্তি আছে- সৌদি আরবে (৫,৫১,৩০৮ জন)
$\square$ সবচেয়ে বেশি রেমিট্যাক্স আসে- সৌদি আরব থেকে (২,২৬৭.২২ মিলিয়ন ডলার, ১৮\%)
- প্রবাসে দক্ষ শ্রমিকের হার- ৪৩.০৭\%
- ২০১৮ প্রক্ষেপণে বিশ্ববানিজ্যের প্রবৃদ্ধি- ৫.১\%
- সবচেয়ে বেশি রপ্তানি আয় আসে- তৈরি পোশাক থেকে (8১.৫৩ \%)
- সবচেয়ে বেশি রপ্তানি হয়- যুক্তরাষ্ট্রে (৫,৮৪৬.৬৪ মিলিয়ন ডলার)
- সবচেয়ে বেশি আমদানি হয়- চীন থেকে (১৩,২৯২ মিলিয়ন ডলার)
- ২০১৭-১৮ অর্থবছরে খাদ্যশস্য উৎপাদনের লক্ষ্যমাত্রা- ৪০৭.১৪ লক্ষ মেট্রিক টন।

■ ইপিজেডসমূহে উৎপাদনরত শিল্প প্রতিষ্ঠান- ৪৬৯টি এবং বাস্তবায়নাধীন ১৩১টি।

- মোট স্থপিত বিদ্যুৎ উৎপাদন ক্ষমতা- ১৩,৮৪৬ মেগাওয়াট।
- মোট বিদ্যুৎ উৎপাদন-৩৫,৪৭৪ মিলিয়ন কিলোওয়াট ঘন্টা।
$\square$ প্রাকৃতিক গ্যাস দ্বারা জ্বালানির চাহিদা পূরণ হয়- ৭১\%
$\square$ আবিষ্কৃত গ্যাসক্ষেত্রের সংখ্যা- ২৭টি।
- প্রাকৃতিক গ্যাসের প্রাথমিক মজুদ-৩৯.৯ ট্রিলিয়ন ঘনফুট (টিসিএফ)
- প্রাকৃতিক গ্যাসের উত্তোলনযোগ্য মজুদ- ২৭.৭৬ ট্রিলিয়ন ঘনফুট (টিসিএফ)
- বিদ্যুৎ খাতে প্রাকৃতিক গ্যাস ব্যবহৃত হয়- ৪০.৭৮\%
- দেশে মোবাইলের গ্রাহক- ১৪.৭০ কোটি।
- দেশে ইন্টারনেট ব্যবহারকারী- ৭.৩৩ কোটি।
$\square$ সম্প্রসারিত টিকাদান কর্মসূচির (EPI) আওতায় টিকা প্রাপ্তির হার- ৮২.৩\%
- মোট প্রাথমিক বিদ্যালয়-১,৩৩,৯০১টি।
- সরকারি কলেজ-২৮৩টি।

এনতিসি থেকে উজ্তরণের শর্তসমূহ ৫ বাহনাকেণের অল্রগণি

| সূচক | এলডিসিভুক্তির শর্ত | এলডিসি থেকে উত্তরণের <br> শর্ত | বাংলাদেশের অর্জন |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| মাথাপিছু জাতীয় আয় <br> (GNI) | ১০২৫ ডলারের কম | ১২৩০ ডলার | ১২৭৪ (২০১৪,২০১৫ <br> ও ২০১৬ সালের গড়) |
| মানবসম্পদ সূচক <br> (HAI) | ৬০ এর কম | ৬৬ বা এরচেয়ে বেশি | ৭৩.২ |
| অর্থনৈতিক ভঙ্গুরতা <br> সূচক (EVI) | ৩৬ বা এরচেয়ে বেশি | ৩২ বা এরচেয়ে কম | ২৫.২ |

## দেণের প্রধান তিনটি খাতের মধ্যে তুননা



## থেলাপি ঋণের বর্তমান চ্ত্র



সঞ্ণয়েপজ্রের বিভিম্ম ক্যাটাপরিিতে সুদের হার


## A28 Fiocus WRAHIN+

এই অংশের শুরুতে ফোকাস রাইটিং লেখার কৌশল বর্ণনা করা হয়েছে যাতে যেকোন টপিক স্বচ্ছন্দে লেখা যায়। সর্বশেষ ব্যাংকের লিখিত পরীক্ষায় আসা এবং সামনের পরীক্ষাগুোয় কমন আসার মতো তুরুত্বপূর্ণ টপিকস সহজভাবে লেখার চেষ্টা করা হয়েছে।

## কোকাস রাইটিং নেখার কৌশল

ব্যাংকের চাকরির পরীক্ষায় রিটেন অংশে বাংনা ও ইংরেজি ফোকাস রাইটিং থাকে। নম্বর বরাদ্দ থাকে ১০/ ২০/ ৩০। অনেক ক্ষেত্রে জায়গা বরাদ্দ থাকে ০১ থেকে ০২ পৃষ্টা। সেক্ষেত্রে অল্প জায়গায় প্রয়োজনীয় তথ্য দিয়ে গুছিয়ে লেখাটাই আসল কথা। নম্বরের পার্থক্য হয়ে যায় সেখানেই।

ফোকাস রাইটিংকে আমি ব্যক্তিগতভাবে তিন ভাগে ভাগ করি। যথা:
১. Narrative
२. Non-Controversial
৩. Controversial

Non-Controverisal ও Controversial ফোকাস রাইটিংকে Critical Writing ও বলা হয়।

- Narrative Writing : এই ধরনের প্রশ্নে মূলত নির্দিষ্ট একটা টপিকে বর্ণনা চাওয়া হয়। যেমন -

Write an essay on Padma Bridge.
এই ক্ষেত্রে চার থেকে পাঁচ প্যারায় গুছিয়ে লিখলেই ভালো মার্কস আশা করা যায়।
$\square$ Non Controversial এধরনের প্রশ্নে বিতর্কহীন কোন বিষয়ে আপনার মূল্যায়ন তুলে ধরতে বলা হয়। যেমন - Write some positive feedbacks of A2I project.

সেটা এভাবে লেখা যায় -
Para-1 : Introduction about A2I
Para-2 : Positive Feedbacks....
1)
2)
3)

Para-3 Conclusion

- Controversial এধরনের প্রশ্নে একটা ইস্যুতে পক্ষে বা বিপক্ষে মত তুলে ধরতে বলা হয়। যেমন Increasing the price of fuel is the best way to address traffic \& pollution problems. Do you agree or not?

সেটা এভাবে লেখা যায়-
Para-1 : Introduction
Para-2 : Opinion -1
Para-3: Opinion-2
Para-4 : Opinion-3
Para-5 : Conclusion with justification

লেখার ক্ষেত্রে কিছু বিষয় অবশ্যই গুরুত্বপূর্ণ। যেমন-
১) Vocabulary : প্রাসগ্গিক শব্দভান্ডার বাড়াতে হবে।
২) Concept : টপিক সম্পর্কে স্বচ্ছ ধারণা থাকতে হবে।
৩) Data : প্রয়োজনীয় নির্ভুল ডাটা ব্যবহার করা জরুরি।
8) Sentence Making : এই ক্ষেত্রে Tense জানা থাকলে Simple Sentence এ সুন্দর করে লেখা যায়। ফোকাস রাইটিংয়ে Present Indefinite Tense \& Present Perfect Tense ব্যবহার করে সুন্দর করে প্রায় প্রতিটা টপিকই লেখা যায়।

আশা করছি উপরের কৌশলসমূহ ফোকাস রাইটিং লেখার বেলায় ইতিবাচক প্রভাব ফেলবে।

# BANGLA FDCUS WRITING 

## ১। বাংলাদেশের অর্থনৈতিক উম্ময়নে সুশাসনের ভূমিকা

[BREB AD (General) - 2019]
গত এক দশকে বাংলা|hেশের অর্থনৈতিক অগ্রগতি বিসায় জাগানিয়া। মধ্যম আয়ের দেশের পরিণত হবার প্রাথমিক য্যাগ্যতা অর্জনই প্রমাণ করে বে বাংলাদhশের অর্থনীতি অগ্রগতির পথেই রয়েছে। কিন্তু সেই অর্থ্থনতিক উন্নয়নের সাথে সাথে সুশাসনের বিষয়টি মূथ্য হয়ে দাঁড়িয়েছে।

বাংলাদদশের অর্থননতিক উন্নয়নে সুশাসনের ুুকুত্ন অপরিসীম। সুশাসন বলতে স্বচ্ছ ও জবাবদিহিনির্ভর শাসন বুঝায়। অর্থনীতির সাথে সংশ্মি্ট সকন ক্ষেত্রে স্বচ্ছত ও জবাবদিহি প্রতিষ্ঠা করতে পারলেই অর্থনীতিতে সুশাসন প্রতিষ্ঠিত হয়েছে বলা যাবে। ব্যাংক ও বিভিন্ন আর্থিক প্রতিষ্ঠানে নিয়্যো প্রক্রিয়া থেকে তকু করে লেনদদন, বিনিढ্যোগ, আমানত গ্রহণ ইত্যাদি ক্ষেত্রে সুশাসন প্রতিষ্ঠা জরুরি। এছাড়া সরকারি আর্থিক প্রতিষ্ঠানসমূহের কার্যক্রম্মও সুশাসন প্রতিষ্ঠা জরুরি। অর্থীনতিক অগ্রগতি তাহলে আরও গতি পাবে - এ কথা সুনিশ্চিতভবে বলা যায়।

তত্ত্যাবধায়ক সরকার্রের সাবেক উপদ̆ষ্ঠা ও অর্থনীতিবিদ ড .আকবর আলি খানের মতে, সুশাসন ছাড়া বাংলাদেশে অর্থন্নতিক উন্নয়ন অর্থহীন। কয়েক বছর ধরেই বাংলাদদশে সুশাসন নিচের দিকে যাচ্ছে। সুশাসন ছাড়া মানুষ্ের মৌলিক অধিকার রক্ষা ও অর্জন সম্ভব নয়। এখন সুশাসনের জন্য পদক্ষেপ নিলে ১০-১৫ বছর পর এর সুফল পাওয়া যাবে। দেশের সুশাসন ও অভত্তত্রীণ ব্যাপারে বিশ্ব্যাংকের হ্তক্কেপের কেনো দরকার নেই। বাং্লাদেশে বে একেবারে সুশাসন নেই, তা নয়। কিছু কিছু সংং্কার হয়েছে। তৈরি পোশাক খাতে বড় ধরনের সংস্কার হশ্যেছে; বন্ডেড ওয়্যারহাউজ হয়েছে।

সুশাসন ও গণতন্ত্রের বিষল্যে ব্যাক ইনস্টিটিউট অব গর্ভন্যাল্স অ্যান্ড ডেেেলপমেবেট্টেন অ্যাডজাংকট ফেলো ড. মির্জা হাসানের মতে, গণতন্ত্র ও সুশাসন নিয়ে বিশ্ব্যাংক ও দেশের অর্থনীতিবিদরা একটি ‘ব্ব্যাক বক্স’ তৈরি করেছেন। তিনি বলেন, এখলো কিছু লোকের সুবিধার কারণে বাজার সঠিক নিয়মে কাজ করছে না। যার পেশিশক্তি ও রাজনৈতিক সং্ুুক্তি যত বেশি, লে তত বেশি সুবিধা পাচ্ছে। রাজনীতিবিদ ও ব্যবসায়ীদের মধ্যে বিভিন্ন ধরন্নে ডিল ও লেনদেন হচ্ছে, যা স্বাজাবিক নয়। এছাড়া এক ধরনের তথাকথিত গণতন্ত্র চললেও দেশের মনুষ কখনই লিবার্রে গণতন্ত্রের স্বাদ পায়নি।

২০৪১ সালে উন্নত দেশে পরিণত হবার স্বপ্ন পূরণে অর্থনৈতিক উন্নয়ন একান্ত প্রয়োজন। আর অর্থনৈনতিক উন্নয়েনে চাকাকে আরও গতিশীল করতে প্রয়োজন অর্থন্নতিক ক্ষেত্রে সুশাসন প্রতিষ্ঠা সর্বত্র। সুশাসন ব্মমন বিব্থৃত বিষয়, একই সাথে চর্চার বিষয়ও। উম্নত দেলের মানুষ হিলেবে নিজেদের তুলে ধরতে এই চর্চাতা খুব জরুরি।

# ২। দক্ষ জনশক্তি উন্ময়নে বাংলাদেশের শিক্ষা ব্যবস্ছা <br> [Combined Officer (Cash) - 2019] 

বাংলাদেশে প্রচলিত শিক্ষব্যবস্शার মধ্যে প্রধানত সাধারণ ও কারিগরি এই দুটি ধারা রয়েছে। প্রতি বছর প্রদ্রূ শিক্কার্থী স্নাতক পাশ করে চাকরির বাজারে যোগ দিচ্ছে। কিন্তু কতজন দক্ষ জনশক্তি হিসেবে যোগ দিচ্ছে তা নিয়ে প্রশ্ন থেকেই যাচ্ছে। বিশেষজ্ঞা প্রচলিত শিক্ষা ব্যবস্शায় ত্রুটি, সামাজিক দৃষ্টিতজ্ছি এবং শিল্প ও পাঠক্রুম্রে অসামঞস্য ইত্যাদি কারণেই মূলত দেশে দক্ষ জনশক্তি গড়ে উঠছে না বলে মত দিত্যেছেন। প্রচলিত শিক্ষা ব্যবস্থকে ঢেলে সাজ্য়ে দক্ষ জনশক্তি তৈরি ক্ষেত্রে রুপান্তরের তাগিদও দিত্যেছেন তারা।

আগামী ২০৩৫ সালের মধ্যে বাংলাদদশে দক্ষ জনশক্তির চাহিদা ৮ কোটি ৪৮ লাখ হবে। ক্ন্ত্তে চাহিদা থাকলেও এর জোগান দেয়া সম্ঠব হচ্ছে না। বর্তমানে দেশে উচ্চপর্যাঁ়ে দক্ম জনশক্তি মাত্র ৫\%। দেশের জনশক্তি কাঠামোয় নিম্নিস্তরের ব্যবস্|াপনায় ৫৫ শতাংশ এবং মধ্যম ব্যবস্|পনা কার্থ্রক্মম 80 শতাংশ দক্ষ। দক্ষ জনশক্তির চাহিদা মেটাতে এখনই জরুরি পদক্ষেপ না নেয়া হলে, ভয়াবহ বিপদের মুথে পড়েবে দেশের শিল্প খাত ও অর্থনীতি।

সাবেক শিক্ষামন্ত্রী নুরুল ইসলাম নাহিদও বলেছেন, "চজুর্থ শিল্প বিপ্লবের পরিপ্রেক্ষিতে আগামীতে কর্মক্ষেত্রে বে পরিবর্তন সূচিত হবে লেখানে আধুনিক প্রयুক্তি নির্ভর দহ্ষতা না থাকলে কর্মনিচয়তা ও জাতীয় উৎপাদনশীলত ব্যাহত হবে। কারিগরি ও ব্ত্ত্যূলক শিক্ষার প্রসারের বিকল্প নেই। বিনিয়োগকারী বা চাকরিদাতাদের চাহিদা অনুযায়ী জনবল ঢৈরি করতে হবে।"

তিনি সরকারের কিছু উদ্যোগের কথাও তুলে ধরে বনেন, "দেশে ৪৯টি সরকারি পলিটেকনিক ইনস্টিটিউট রয়েছে। আরো ২৩টি ইনস্টিটিউট ছ্থাপন করা হবে। বেসরকারি ইনস্টিটিউট রয়েছে প্রায় ৪৫০টি। এ ছড়া বেসরকারি পর্যায়ে প্রায় ৭ হাজার কারিগরি শিক্ষপ্রতিষ্ঠান রয়েছে। কার্রিগরি বিষয়ের শিক্ষকদের সক্ষমতা বৃদ্দির জন্য $8 ২ ০$ জন শিক্ষককে সিপ্গাপুরের নানিয়ান পলিটেকনিক ইনস্টিটিউটে প্রশিক্ষণ দেয়া হয়েছে।"

২য় বিশ্বযুদ্ধ পররর্তী সময়ে জাপান ও চীনের অর্থনৈতিক শক্তি হিসেবে উথানের পেছনে রয়়েছে কারিগরি শিক্ষর প্রতি জোর দেওয়ার ভূমিকা। তাই বাংলাদেণের শিক্ষ ব্যবছাও যাতে শিক্ষজীবনে থাকতেই শিক্ষর্থীদূর একই সাথে দহ্ম করে তোলা যায় সেদিকে নজর দিতে হবে। শিক্ষা কার্যক্রম্ প্রাসশিক বিভিন্ন প্রজেষ্ট, এসাইনমেন্ট ইত্যাদির মাধ্যমম চাকরির বাজারের জন্য তাদের উপদ্যেীী করে তোলার দিকে নজর দিতে হবে।

বর্তমানে দেশে শিক্ষিত বেকারের সংখ্যা প্রায় ২৬ লাখ। দক্ষতাবিহীন এসব শিক্ষিত বেকারেরা সরকারি চাকরির প্রতি আগ্রহী এবং সেটি পাবার ঢেষ্টো করে যাচ্ছে। অথচ অন্যদিকে দক্ষ জনশক্তির বড় ঘাটতি রয়েছে বেসরকারি খাতেও। দক্ষতা থাকলে সেটি পূরণ করা বেতো এবং চাকরির নিষ্যততও বাড়তো। তাই দেশের প্রচলিত শিক্ষা ব্যবছাকে দক্ম জনশক্তি তৈরির বিষয়টি ওুরুত্ব দিত্যে ঢেলে সাজানো সময়ের দাবি।

## ৩। বাংলাদ্ৰেশের আর্থ-সামাজিক উম্ময়নে পদ্মা সেতুর ভূমিকা

## [Janata Bank EO - 2018, Bangladesh Bank Cash Officer - 2017]

নিজস্ব অর্থায়নে পদ্মা সেতু নির্মাণ নিঃসন্দেহে উদীয়মান বাংলাদেশের অর্থনীতির সক্ষমতার পরিচায়ক। ৬.১৫ কিলোমিটার দৈর্ঘ্যের এই সেতু নির্মাণে বাংলাদেশ সরকারের খরচ হচ্ছে প্রায় ৩০ হাজার কোটি টাকা। যখন আন্তর্জাতিক সংস্থাগুলো পদ্মা সেতু নির্মাণ প্রকল্প থেকে নিজেদের সরিয়ে নেয়, তখন বাংলাদেশ সরকার নিজস্ব অর্থায়নে এই সেতু নির্মণের ঘোষণা দেয়।

পদ্মা সেতুর লোড ক্যাপাসিটি প্রায় ২৪০০ টন। এতে একই সাথে সড়ক ও রেল ব্যবস্থা যুক্ত করা হচ্ছে। সেতুটি নির্মিত হলেে বাংলাদেশের আর্থ - সামাজিক উন্নয়নে তথা অর্থনীতিতে তা বৈপ্লবিক পরিবর্তন আনবে বলে মত দিয়েছেন দেশি বিদেশি বিশেষজ্ঞরা। অর্থনৈতিক গুরুত্ব বিবেচনায় কয়েকটি বিষয় নিম্নে বর্ণনা করা হলোঃ

- প্রতিবছর ১.৯\% হারে দারিদ্র্য হ্রাস পাবে (বিভিন্ন আন্তর্জাতিক দাতা সংস্থাসমূহের প্রাক্কলন )।
- অর্থনৈতিক প্রবৃদ্ধির হার বাড়বে ১.২\% (ড. জামিলুর রেজা , পদ্মা সেতুর পরামর্শক উপদেষ্টা)।
- নির্মিত হওয়ার ৩১বছরের মধ্যে জিডিপি ৬০০০ মিলিয়ন ডলার বৃদ্ধি পাবে এবং ২০৩২ সালের পর বাৎসরিক রিটার্ন ৩০০মিলিয়ন ডলারে দাঁড়াবে।
■ দক্ষিণ-পশ্চিমাঞ্চলের ২১টি উপকূলীয় জেলার সাথে রাজধানী ঢাকাসহ পূর্বাঞ্চলের যোগাযোগ শক্তিশালী হবে বা অভ্যন্তরীণ যোগাযোগ নেটওয়ার্ক শক্তিশালী হবে ।ফলে ঐ অঞ্চলের কৃষি,যোগাযোগ ,শিল্পায়ন , নগরায়ন , জীবনমান বৃপ্ধি পাবে যা দেশের সার্বিক উন্নয়ন ঘটাবে ।
$\square$ বিসিআই এমের রুটের সাথে কানেক্ট থাকায় আন্তর্জাতিক যোগাযোগ বৃদ্ধি পাবে ।
- পদ্মা সেতু ও উভয় পাড়ের পর্যটন থেকেই প্রতিবছর কয়েক শ কোটি টাকা আয় হবে। উভয় পাড়ে সিঞ্গাপুর, হংকের আদলে আধুনিক সিটি তৈরি করা হবে।
- ১৫৬ মিলিয়ন ডলার মূল্যমানের ৯ হাজার হেক্টর জমি নদী ভাঙ্গন থেকে রেহাই পাবে । পাশাপাশি বন্যার কবল থেকেও থেকেও রক্ষা পাবে কয়েক লক্ষ মানুষ।
- ৫০ \% ভর্তুকি দিয়ে চালু রাখা ফেরি সার্ভিস চালু রাখা বন্ধ হবে এবং আদায়কৃত টোল সম্পূর্ুপে সরকার পাবে। ফলে প্রতিবছর সরকারের আয় বাড়বে প্রায় 8000 মিলিয়ন ডলার ।
- সেতুর উভয় পাশেই ব্যাপক হারে শিল্পায়ন ও নগরায়ন ঘটবে যা অর্থনীতির চাকা সচল রাখবে।
- প্রায় ১ কোটির অধিক বেকারের কর্মসংস্হান ঘটবে বলে আশা করা যাচ্ছে ।
$\square$ ফিন্যান্সিয়াল ইনক্লশনের আওতায় আসবে প্রায় ৩ কোটি মানুষ।
■ সড়ক ও রেল উভয় ব্যবস্থা থাকায় মানুষ সুবিধাভোগী হবে অনেক বেশি ইত্যাদি।
পদ্মা সেতুর নির্মাণ নিঃসন্দেহে বাংলাদেশের ভাবমূর্তি উজ্জ্বূল করেছে দেশ ও বিদেশে। অর্থনৈতিক গুরুত্ব বিবেচনায় এই সেতুটির প্রভাব ও ক্ষেত্র বিবেচনায় নিলে সময়ের সবচেয়ে গুরুত্বূণ প্রকল্পটির বাস্তবায়ন

করছে সরকার। দূরদর্শী এই সিদ্ধান্ত বদলে দেবে মধ্যম আয়ের দেশ হবার পথে যাত্রা করা বাংলাদেশের পুরোনো চেহোরা। ভিশন ২০২১ বাস্তবায়নেও তা রাখবে ইতিবাচক ভূমিকা।

## 8। মোবাইলে লেনদেনে নিরাপত্তা নিশ্চিতে প্রযুক্তিত্তিক্তিক প্রতিকার <br> [Combined SO (IT/ICT) - 2018]

বর্তমান সময়টায় রাজত্ব চলছে তথ্যপ্রযুক্তির। আমাদের জীবন যাপনের অবিচ্ছেদ্য অংশ হয়ে উঠেছে তথ্যপ্রयুক্তি ও প্রযুক্তিভিত্তিক পণ্য ও সেবাসমূহ। এরই ধারাবাহিকতায় প্রথাগত আর্থিক লেনদেনের ব্যবস্থা তথা ব্যাংকিং ব্যবস্থার পাশাপাশি গড়ে উঠেছে মুঠোফোনে লেনদেনের ব্যবস্থা যাকে সহজ ভাষায় মোবাইল ব্যাংকিং নামে অভিহিত করা হয়। দ্রুত জনপ্রিয় হওয়া এই লেনদেনের মাধ্যমের প্রসারের সাথে সাথে এর নিরাপত্তার বিষয়টিও আলোচনায় উঠে এসেছে বারবার।

বাংলাদেশ ব্যাংকের তথ্য অনুযায়ী, দেশে মোবাইল ব্যাংকিংয়ের গ্রাহক ৬ কোটিরও অধিক। মোবাইল ব্যাংকিংয়ের মাধ্যমে লেনদেন দৈনিক ১০০০ কোটি টাকার ওপরে। বিকাশ, রকেট ইত্যাদি মোবাইল ব্যাংকিং সেবাদানকারী প্রতিষ্ঠানও তাই অনেক লাভবান হচ্ছে। যেহেতু বৃহৎ অংকের লেনদেন হচ্ছে, তাই অনেকক্ষেত্রে ত্রুটি লক্ষ্য করা যাচ্ছে। মোবাইলে লেনদেনের নিরাপত্তা ব্যবস্থা হুমকির মুখে পড়ছে অনেক সময়। গ্রাহকের মোবাইলে কল দিয়ে কৌশলে পাসওয়ার্ড জেনে নিয়ে গ্রাহকের একাউন্ট থেকে টাকা সরিয়ে নেওয়াএ ঘটনা ঘটছে। অনেক সময় এতে সংশ্লিষ্ট কোম্পানির কর্মকর্তা-কর্মচারী, এজেন্ট এরাও জড়িত থাকছে। মোবাইলে লেনদেনের সুবিধাভোগীদের কাছে তাই এসব নেতিবাচকতা উদ্বেগের নাম।

মোবাইলে লেনদেনে নিরাপত্তা নিশ্চিতে প্রযুক্তিভিত্তিক প্রতিকারের জন্য কিছু উদ্যোগ গ্রহণ খুব জরুরি। यেমন -

- সংশ্লিষ্ট সেবাদানকারী প্রতিষ্ঠানকে তাদের সিস্টেম বা অ্যাপসকে প্রতিনিয়ত আপডেট করতে হবে যাতে হ্যাকিং থেকে মুক্ত রাখা যায়;
- গ্রাহকের একাউন্টে অনাকাজ্ষিত প্রবেশ রোধ করতে সিকিউরিটি এসএমএস ব্যবস্থা চালু করা যেতে পারে;
- সিম ক্রোন করে যাতে টাকা সরিয়ে নেওয়ার ঘটনা না ঘটে, সে লক্ষ্যে প্রতিটি সিমের সাথে সংশ্নিষ্ট একাউন্টের যথাযথ সংযোগ রাখতে হবে;
- সংশ্লিষ্ট সেবাদানকারী প্রতিষ্ঠানের কর্মকর্তা, কর্মচারী ও এজেন্টদের পূর্ণাঙ্গ তথ্য ডিজিটাল পদ্ধতিতে নথিভুক্ত করতে হবে;
- প্রতিটি সেবাদানকারী প্রতিষ্ঠানকে জবাবদিহির অন্তর্ভুক্ত করতে হবে যাতে প্রতিষ্ঠানে প্রযুক্তিগত উৎ কর্ষ সাধনে মনোনিবেশ করা হয়।
- ইমেইল, ফেসবুক ইত্যাদির মতো টু-স্টেপ ভেরিফিকেশন চালু করা যেতে পারে;
- ু্ভু মোবাইল নম্বর ব্যবহার না করে ইমেইল এড্রেসও যুক্ত করা যেতে পারে এই ব্যবস্থায়;
$\square$ সর্বোপরি গ্রাহকদেরকে মোবাইল ব্যাংকিংয়ে নিরাপত্তার বিষয়টিতে সচেতন করতে হবে ইত্যাদি।
প্রयুক্তি ব্যবহারের ভালোমন্দ দুটি দিক রয়েছে। ইতিবাচক ব্যবহার নিশ্চিত করাটাই চ্যালেঞ্জ। মোবাইলে লেনদেন যেহেতু আর্থিক বিষয়, তাই সেক্ষেত্রে আরও অধিক সচেতনতা জরুরি।


## ৫। ব্যাংকিং খাতে প্রযুক্তির ব্যবহার

[Assistant Manager 2018]

তথ্য ও যোগাযোগ প্রযুক্তির ( আইসিটি) কারণে দেশে প্রথাগত ব্যাংকিং মাধ্যমের লেনদেনকে ছাড়িয়ে গেছে অনলাইনভিত্তিক লেনদেন। এর ফলে ব্যাংক খাতের সামগ্রিক কর্মদক্ষতা ও উৎপাদনশীলতা বাড়ছে, অন্যদিকে এই খাতের মুনাফা রৃদ্ধিতে তা গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা রাখছে। নির্ভুল লেনদেনের মাধ্যমে গ্রাহকের সন্তুষ্টি বাড়াতেও আইসিটির ব্যবহার অপরিহার্য হয়ে উঠেছে।তথ্য ও যোগাযোগ প্রযুক্তির (আইসিটি) কারণে ২০০০ সালের পরবর্তী দেড় দশকে দেশের ব্যাংকিং খাতে বড় ধরনের পরিবর্তন হয়েছে। এর ফনে অনেক বেশি সংখ্যক গ্রাহককে ব্যাংকিং সেবা দেয়া সম্ভব হয়েছে, একই সজ্গে বেড়েছে কর্মদক্ষতা ও মুনাফাও। এখন তথ্য ও যোগাযোগ প্রयুক্তির ব্যবহার ছাড়া ব্যাংকিং কর্মকান্ড এক মুহূর্তের জন্য পরিচালনার কথা ভাবা প্রায় অসম্ভব।

তথ্য ও যোগাযোগ প্রযুক্তির (আইসিটি) কারণে দেশে প্রথাগত ব্যাংকিং মাধ্যমের লেনদেনকে ছাড়িয়ে গেছে অনলাইনভিত্তিক লেনদেন।সাম্প্রতিক কয়েকটি গবেষণায় দেখা গেছে, প্রথাগত ব্যাংকিং মাধ্যমে এখন বছরে গড়ে ১৭০ কোটি বার লেনদেন হচ্ছে। আর আইসিটির কারণে অনলাইনে ২০০ কোটি বারের বেশি লেনদেন হচ্ছে। আর আইসিটির কারণে অনলাইনে এক জন কর্মী এখন বছরে গড়ে ১০ হাজার লেনদেন সম্পন্ন করছেন। ২০০০ সালের আগ পর্যন্ত ব্যাংকের একজন কর্মীর গড় লেনদেনের পরিমাণ ছিল পাঁচ হাজারের কম। অর্থাৎ প্রयুক্তির ব্যবহার বৃদ্ধির সজ্ছে সজ্গে গত দেড় দশকে ব্যাংকের কর্মীদের কর্মদক্ষতা দ্বিগুণেরও বেশি বেড়েছে।আইসিটিতে বিনিয়োগ ব্যাংক খাতের জন্য অবশ্যই লাভজনক। ব্যাংকের আইসিটি খাতে এক টাকা খরচ করনেে তা কতটা মুনাফা নিয়ে আসে তা বাংলাদেশ ইনস্টিটিউট অব ব্যাংক

ম্যানেজমেন্টের (বিআইবিএম) সাম্প্রতিক এক গবেষণায় উঠে এসেছে। প্রতিবেদন অনুযায়ী, আইসিটিতে ১ টাকা বিনিয়োগ করলে ব্যাংকের জন্য তা ১৩৬ টাকার সমান উৎপাদনশীলতা তৈরি করে।

ব্যাংক খাতের সাইবার নিরাপত্তা নিয়্যে কিছু তথ্য উঠে এসেছে বাংলাদেশ ইনস্টিটিটট অব ব্যাংক ম্যানেজনেন্টের (বিআইবিএম) আরেক গব্বেষণায়। ২১টি ব্যাংকের ওপর এই জরিপ চালায় বিআইবিএম। যার মধ্যে বেসরকারি বাণিজ্যিক ব্যাংক ১৪টি, রাষ্ট্রায়তত্ত বাণিজ্যিক ব্যাংক ৩টি এবং বিদhশি ব্যাংক ৩টি। বাংলাদhশের ৫৭টি ব্যাংকে প্রায় ২ লাখ কর্মকর্ত রয়েছে। গ্রাহকদের মধ্যেও একই জরিপ চালিয়েছে বিআইবিএম। এতে দেখা গেছে, ৫৪ শতাংশ গ্রাহক সাইবার নিরাপত্তা সস্পর্কে অজ্ঞ। ওই গবেষণা প্রতিবেদন্নে তথ্যমতে, ৯০ শতাংশ ব্যাংক কর্মকর্ত জানিয়েছেন, ব্যাংকিং খাতে সাইবার <ুঁকি বাড়ছে।ব্যাংক খাতের সাইবার নিরাপত্তা সম্পর্কে অর্ধেকেরও বেশি ব্যাংক কর্মীর সচেতনতার অতাব রয়েছে। এ বিষয়ে ২b শতাংশ কর্মীর জ্ঞা খুবই কম, আর ২২ শতাংশ কর্মীর জ্ঞান কম। সাইবার নিরাপত্তার ব্যাপারে সামান্য ধারণা থাকার কথা জানিয়েছেন ২০ শতাংশ। বাকি ৩০ শতাংশ কর্মীর জ্ঞান এ ক্ষেত্রে ভালো থেকে উচ্চপর্যায়ের।

## वইघत̣.কম

ব্যাংকিং খাতের তথ্য নিরাপত্তা বাধায় আরও কিছু কারণ রয়েছে। এথুেো হলো- নতুন প্রयুক্তি সম্পক্কে ব্যাংক কর্মকর্তাদের জানাশোনার অভাব, গ্রাহকদ্দর অসচ্ত৩নতা, ব্যাংকঞুলোর বাইরের আইটি প্রতিষ্ঠানের ওপর অতিমাত্রায় নির্ভনশীলত, ব্যাংকিং খাতে আইটি এব্সপার্টের অতাব, यথেষ্ট পরিমাণে প্রশিক্ষণণর ব্যবস্থা না থাকা এবং আইটি খাতে বাজেটের স্বম্পতা। এসব থাকার কারণে ব্যাংকিং খাতে সাইবার বুঁকি বাড়ছে।বিশ্বাপীী নিরাপত্তা বিশেষজ্ঞদের অভিমত, বিশ্ব্যাপী যেতাবে সাইবার হামলা হচ্ছে তাতে বে কোনো সময় বড় ধরনের ক্ষতির মুখে পড়তে পারে বাং্লাদেশ।

বিভিন্ন পর্यবেক্ষণে দেখা যায়, দেশের সব ব্যাংকের অনলাইন তথ্যভাড্ডার বা ডাটা সেন্টার ঢাকায় অবફ্ছিত। একইভাবে বিকল্প ডাটা সেন্টারণুলো ঢাকায় অবস্ছিত। এটি ব্যাংকের সাইবার নিরাপত্তার জন্য খুব বুঁকিপূর্ণ বিবেচনা করা যায়। কারণ ভূমিকম্পের মতো দুর্ভোগকালীন বিপর্যয়ে তথ্য উদ্ধারের সম্ভাবনা অনেকটটই অনিপ্চিত হয়ে পড়ে।

ব্যাংক খতের সাইবার নিরাপত্তার নিচষয়তাকল্পে বাং্লাদেশ ব্যাংক অভিতাবকসূলভ ভূমিকা রাখতে পারে। আইটিবিষয়ক তথ্য-উপাত্ত বিजিন্ন ব্যাংকের মধ্যে বিনিময়ে একটি সম্মিলিত তথ্যजা্ডার তৈরির উদ্দ্যোগ নিতে পারে বাংলাদেশ ব্যাংক। এই তথ্যजান্ডার সব ব্যাংকের জন্য আইটি নিরীক্ষা ও নিরাপত্তা बুঁকি মোকবেলায় বিভিন্ন হালনাগাদ তথ্য থাকবে।

সাইবার নিরাপত্তার বিষয়ে বাং্লাদদশ ব্যাংকের গাইডলাইনে আরও যুগোপভোগী পরিবর্তন আনতে হবে। আইটি নিরাপত্তা জোরদারে ব্যাংক কর্মকর্তাদের মধ্যে সচেতনতা বাড়াতে হবে। বাং্লাদেশ ব্যাকককে আইটি নিরাপত্তা বিষয়ে আরও জোর দিতে হবে। কোনো রকম আগাম সংকেত পেলেই প্রতিরোধমূলক ব্যবস্া গ্রহণ করতে হবে।

অनাকাজ্कিত ভুল- ভ্রটি, অनিয়ম ও সম্ভাব্য बুঁকি এড়িয়ে বাংলাদhশের ব্যাংকিং ব্যব্ছা আধুনিক তথ্য প্রयুক্তির যথার্থ প্রয়োপ ঘটিয়ে আরও এপিক্যে যাবে, আমাদের সবার একান্ত প্রতাশা।

## ৬। পরিকন্পিত পরিবার, সুরক্ষিত মানবাধিকার <br> [Combined 5 Bank Officer - 2018]

সাধারণভাবে পরিবার পরিকল্পনা বলতে কেবল জন্মনিয়ন্ত্রণে বোঝায়। কিন্তু ব্যাপক অর্থে পরিবারের সার্বিক কন্যাণের উদ্দেশ্যে সচেতনভাবে সিদ্ধান্ত গ্রহণ করে, তখন তাকে পরিবার পরিকল্পনা বলা হয়। পরিবার পরিকল্সনা হলো সুস্বস্ছ্য ও পারিবারিক কল্যাণের ভিত্তি। পরিবার পরিকল্পনার উল্দশ্য হলো, দম্পতি তাদদর কাষ্কিতসংখ্যক সন্তানের মৌলিক চাহিদা পূরণের মাধ্যম মেধা বিকাশে অগ্রণী ভূমিকা পালন করবে।

২০১৮ সালের বিশ্ব জনসং্খ্যা দিবলের প্রতিপাদ্য বিষয় ‘পরিকল্পিত পরিবার, সুরক্ষিত মানবাধিকার’। পরিবারে সন্তান গ্রহণ, সন্তানধারণে বিরতি, পরিকল্পিততাবে পরিবার্রে সদস্য নির্ধারণ ও নিয়ন্তণ-এসব বিষয়ে স্বাধীনভাবে সিদ্ধান্ত গ্রহণ করা মানবাধিকারের অন্তড্ভুক্ত। এটি নিচ্চিত করার ক্ষেত্রে যে পরিমাণ তথ্য ও অন্যান্য সহায়তা প্র<়োজন, তা পূরণ করা রাষ্ট্রের দায়িত্ব।

স্বাধীনতার পর পরিবার পরিকল্পনায় শে সফল্ততা এসেছে, তা বিশ্বে প্রশংসিত। নিচে এই সম্পর্কিত কিছু তথ্য দেওয়া হলোঃ

- গত চার দশকে নারীদূর পরিবার পরিকম্পনাপদ্ধতি গ্রহণের হার ৮ শতাংশ থেকে বেড়ে ৬২ শতাংশে উন্নীত হয়েছে। এর আগে প্রতি দশ্পতির গড় সন্তানের সংখ্যা ছিল ৬ দশমিক ৩। বর্তমানে ২ দশমিক ৩।
- বর্তমানে জেলা পর্যাচ্যে ১৪টি মা ও শিঙকেন্দ্র এবং ইউনিয়ন পর্যায়ে ২৩০টি ইউনিয়নন স্বাছ্যুসেবা কেন্দ্রের মাধ্যমে কিশোর-কিশোরীীদের প্রজননস্বস্থ্য সস্পক্কে বিভিন্ন তথ্য দিয়ে সহায়তা করা হয়।
- শিঙ্ট ও মাত্মম্যুর হার রোধ করতে সক্ষম হয়েছে।
- জনসংখ্যা বূদ্দির হার কমে এসেছে।
- হাসপাতালে খালি পদগ্েলোতে নিয়োগ দেওয়া হচ্ছে। দুর্গম অঞ্চেে স্বেচ্ছালেবীর মাধ্যমে সেবা প্রদানের উদ্যোগ গৃইীত হয়েছে।
- রোহিহা শরণার্থী ক্যাম্পে মা ও শিশুর স্বাস্থ্য রক্ষায় মিডওয়াইফরা প্রশংসনীয় ভূমিকা পালন করছেন। দেশে ও বিদেশে এটা প্রশংসিত হচ্ছে। বর্তমানে ৩৮টি নার্সিং প্রতিষ্ঠানে ৯৭৫টি আসনে মিডওয়াইফারি শিক্ষা চালু রয়েছে। বাংলাদেশ নার্সিং অ্যাদ্ড মিডওয়াইফারি দপ্তর সেবার গুণগত মান নিশ্চিত ও দক্ষতা বৃদ্ধির লক্ষ্যে বিভিন্ন ধরনের প্রশিক্ষণ প্রদান করে থাকে।
- নিয়মিতভাবে স্বাস্থ্রকর্মী নিয়োগ দেওয়া হচ্ছে। ১৫ হাজার নার্স ও ১০ হাজার চিকিৎসক নিয়োগ চলছে ইত্যাদি।

বিশেষজ্ঞো পরিবার পরিকল্পনা কর্মসূচির সফনতা বৃদ্ধির নক্ষ্মে তথা মানবাধিকারকে সুরক্ষিত করতে কিছু পরামর্শ দিয়েছেন। লেণুলো নিয়ন্রপঃ

- পরিবার পরিকল্পনা সব ধরনের উন্নয়নের ভিত্তি। পরিবার পরিকল্পনা কার্যক্রম টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যমাত্রার (এসডিজি) সব কটি লক্ষ্য অর্জনে তुরুত্ণূপূর্ণ ভূমিকা রাখে।এ জন্য পরিবার পরিকল্পনার সুষ্ঠ্র বাস্ত্বায়ন দরকার। গবেষণা ও অন্যান্য পরিসংখ্যানের মাধ্যম্ম পরিবার পরিকম্পনার ক্ষেত্রে প্রতিবক্ধকত চিহ্তিত করে সমাধানের উপায় খুঁজে বের করতে হবে।
- সরকারকে বাজেট বাড়াতে হবে এবং সব ধরনের সেবাসামগ্রী সরবরাছ করতে হবে।
- অনাকাষ্ষিত সন্তানধারণ রোধ করা বাল্লাদেশের একটি বড় চ্যালেঞ্জ। এ জন্য পরিবার পরিকল্পনালেবা সহজলভ্য করতে হবে এবং যথাযথ তথ্য সরবরাহ করতে হবে।
- পরিবার পরিকল্পনালেবা নারী-পুরুষ উভয়কে গ্রহণ করতে হবে। এটি কেবল নারীর বিষয় নয়, পুরুষকেও এগিক়্ে আসতে হবে। কমিউনিটি ক্নিনিকের মাধ্যমে সব ধরনের সেবা থ্রদান ও সুষ্ঠ্র তত্ত্যাবধান প্রয়োজন।
- এ সেবা সারা দেশে ছড়িয়ে দিতে হবে। হাওর-বাঁওড়, পাহাড়ি ও দুর্গম এলাকায় স্বাস্ঠসেবা সহজনভ্য করা প্রক্যোজন।
- জাতীয়ভবে সচেতনতা সৃষ্টিতে গণমাধ্যমের ভূমিকা অনপ্বীকার্य। সচেতনতা সৃষ্টিতে সামাজিক যোগাযোগমাধ্যমকেও কাজে লাগাতে হবে।
- নারীর প্রতি পুরুষের দৃষ্টিजগ্গির পরিবর্তন করতে হবে।
- পরিবার পরিকল্পনা এমন একটি সরকারি খাত, যা অন্য বেসরকারি খাতঞুলোর ওপর প্রতাব বিস্তার করে। এটি নিশ্চিত করার ক্ষেত্রে সরকরেরের পাশাপাশি উন্নয়ন-সহযোগী প্রতিষ্ঠানগুলোকে ব্যেথ উদ্দ্যোগ গ্রহণ করা উচিত।
- পরিকল্পিত পরিবার গঠনে মিডওয়াইফের তুরুত্ত অনস্বীকার্य। শিক্ষাজীবন শেষ করার পর একজন মিডওয়াইকের জন্য সেবা প্রদানের পরিবেশ সৃষ্টি করা উচিত। যেন লেবা প্রদানের মাধ্যমে মায়ের স্ব|্ছ সুরক্ষায় সুষ্ঠু ভূমিকা পালন করতে পারেন।
- এ বিষয়ে সচেতনতীমূলক নাটক, সিন্নো তৈরি ও সামাজিক অনুষ্ঠান করা বেতে পারে। এতে সাধারণ মানুষ পরিকল্পিত পরিবার গঠনে আকৃষ্ হবে।

পরিবার পরিকল্পনা সফন হওয়ার অর্থ হলো মানবাধিকারকে সুরক্ষিত করা। তাই নিজ নিজ অবস্|ন থেকে পরিবার পরিকক্পনাকে সফনতা দানের লক্ষ্যে কাজ করে বেতে হবে নিজ নিজ অবস্থান থেকে।

## ৭। রেমিট্যান্গ ও সামাজিক জীবন

[Combined 3 Bank SO - 2018]
জীবিকার তাগিদে মানুষ দেশের বাইরে চলে যায় উপার্জনের নিমিত্তে। তাদের প্রেরিত অর্থকে রেমিট্যান্স বলা হয়। এই রেমিটেন্স একদিকে যেমন বাংলাদেশের অর্থনীতিতে বিরাট ভূমিকা রাখছে, তেমনি প্রবাসীদের পরিবার ও তাদের সামাজিক জীবনেও ইতিবাচক প্রভাব ফেলছে।

বিশ্বের ১৬১টি দেশে বাংলাদেশের প্রায় এক কোটি মানুষ কর্মরত আছেন। বাংলাদেশের বৈদেশিক মুদ্রার রিজার্ভ আজ ৩১,৯২৩ মিলিয়ন মার্কিন ডলার হয়েছে তাদের অবদানে। বাংলাদেশ অর্থনৈতিক সমীক্ষা ২০১৮ অনুসারে, ২০১৭-১৮- অর্থবছরে প্রবাসীদের প্রেরিত অর্থ প্রায় ১২,০৮৮ মিলিয়ন মার্কিন ডলার। নিঃসন্দেহে এই অর্থ বাংলাদেশের দ্বি-পাক্ষিক বানিজ্যকে শক্তিশালী করছে।

প্রবাসীদের পাঠানো রেমিট্যান্স শুধু ভোগেই নয়, দেশের অর্থনৈতিক ও সামাজিক উন্নয়নে বিরাট ভূমিকা রাখছে। ব্যবসায়-বাণিজ্য, শিল্প উৎপাদন, স্কুল-মাদরাসা, মসজিদ, হাসপাতাল স্ছাপনসহ বিভিন্ন উন্নয়নমূলক কর্মকাণ্ডেও এ অর্থ ব্যয় হচ্ছে। দারিদ্র্য বিমোচন ও মানুষের জীবনমান উন্নয়নে প্রবাসীদের রেমিট্যান্সের ভূমিকা অসাধারণ।

বিশ্ব ব্যাংকের তথ্যমতে, রেমিট্যান্স আয়ের প্রায় ৬৩ শতাংশ ব্যয় হয় দৈনন্দিন খরচের খাতে। এতে ওই পরিবারগুলো দারিদ্র্য দূর করতে পারে। রেমিট্যান্স পাওয়ার পরে একটি পরিবারের আয় আগের তুলনায় ৮২ শতাংশ বাড়ে।

রেমিট্যান্স সবচেয়ে বেশি অবদান রাখতে পারে বিনিত়োগের মাধ্যমে। রেমিট্যান্সের মাধ্যমে গ্রামীণ জনগোষ্ঠীর আয় ও সঞ্চয় বাড়ার কারণে গ্রামীণ অঞ্চলে বিনিয়োগ বাড়ে। যার ফলে সেখানে কর্মসংস্থানেরও সুযোগ সৃষ্টি হয়। যারা বিদেশে যান, তাদের বেশির ভাগেরই পরিবার গ্রামে থাকায় তাদের ব্যয় বেড়ে গ্রামীণ অর্থনীতি চাঙ্গা হচ্ছে। সব মিলিয়ে বাংলাদেশের দারিদ্র্য দূরীকরণে প্রধান ভূমিকা রাখছে প্রবাসীদের পাঠানো রেমিট্যান্স।

কিন্তু কিছু নেতিবাচক ঘটনাও রয়েছে। বাংলাদেশের মধ্যবিত্ত ও গরিব ঘরের সন্তানেরা দারিদ্র্যতা থেকে মুক্তি পাওয়ার আশায় মধ্যপ্রাচ্যের বিভিন্ন দেশে পাড়ি জমাচ্ছেন এবং কঠোর পরিশ্রম করে যাচ্ছেন। কিন্তু যখন দেশে আসেন ছুটি কাটাতে, তাদের অনেককেই বিমানবন্দর থেকে বাড়ি পর্যন্ত পৌঁছতে বিভিন্ন ধরনের হয়রানি ও নির্যাতনের শিকার হন। বিমানবন্দরে তাদের যথাযথ সমাান ও সহানুভূতি দেখানো হয় না। তাদের প্রতি শ্রমিক হিসেবে আচরণ করা হয়। একজন যাত্রী হিসেবে যতটুকু সম্মান পাওয়ার দাবিদার, তাও অনেকেই পান না। বাড়িতেও অনেক ক্ষেত্রে দেখা যায় প্রবাসীদের জায়গা জমি বেদখল হয়। সমাজের বিত্তশালীরা অনেক সময় তাদেরকে কামলা হিসেবে গণ্য করেন যা খুবই দুঃখজনক।

বাংলাদেশের দারিদ্র্য বিম্মেচনে অভিবাসীদের ভূমিকাকে আরো গতিশীল এবং শক্তিশালী করা দরকার। বাংলাদেশে দরিদ্রসীমার নিচে যে সব পরিবার রয়েছে, তাদের যদি রেমিট্যান্স প্রাপক পরিবারে রূপান্তর করা যায়; তাহলে সেসব পরিবার দরিদ্র থাকবে না। দেশকে উন্নত দেশের কাতারে নিয়ে যেতে সহজ হবে। এটা সম্ভব হবে তখনই, যখন অভিবাসন-প্রক্রিয়ায় সঠিক ব্যবস্থাপনা থাকবে।

## ৮। ই-কমার্সের যুগে বাংলাদেশ

[Bangladesh Bank AD - 2018]
ইলেকট্টনিক কমার্স বা ই-কমার্স বা ই-বাণিজ্য একটি বাণিজ্য ক্ষেত্র যেখানে কোন ইলেকট্টনিক সিস্টেম (ইন্টারনেট বা অন্য কোন কম্পিউটার নেটওয়ার্ক) এর মাধ্যমে পণ্য বা সেবা ক্রয়/ বিক্রয় হয়ে থাকে। আধুনিক ইলেকট্রনিক কমার্স সাধারণত ওয়ার্ড্ড ওয়াইড ওয়েব এর মাধ্যমে বাণিজ্য কাজ পরিচালনা করে। এছাড়াও মোবাইল কমার্স, ইলেকট্রনিক ফান্ড ট্রান্সফার ও অন্যান্য আরো কিছু মাধ্যম ব্যবহৃত হয়।

দুই দশক আগে বাংলাদেশে ই-কমার্সের তেমন ব্যাপকতা ছিল না, তখনও মানুষ ভাবতে পারেনি বাজারে না গিয়ে ঘরে বসেই তার চাহিদামাফিক পছন্দের জিনিসটি খুব সহজেই কিনে নিতে পারবেন। এখন প্রেক্ষাপট পাল্টে গেছে। ই-কমার্স এখন শহুরে শিক্ষিত সমাজে বেশ চালু হয়ে গেছে বলা যায়। এর মাধ্যমে সহজে ঝক্কি-ঝামেলা থেকে মুক্ত হয়ে চাহিদা অনুযায়ী কেনাকাটা করা যায় বলে দিনে দিনে আরো মানুষ ইকমার্সের আওতায় চলে আসছে।

গোটা অর্থনীতিতে ভিন্মমাত্রা যোগ করেছে ই-কমার্স, এ কথা বলা যায় এখন অনায়াসেই। ই-কমার্স অ্যাসোসিয়েশন অব বাংলাদেশ (ই-ক্যাব) সূত্রে জানা যায়, ২০১৫ সালে ই-কমার্সের আকার ছিল ৭০০ কোটি টাকা। ২০১৬ সালে ওই আকার বেড়ে হয়েছে এক হাজার কোটি টাকা। গত ২০১৭ সালে বাংলাদেশে ই-কমার্সের আকার এক হাজার ৬০০ কোটি টাকা অতিক্রম করেছে। প্রত্যক্ষ ও পরোক্ষভাবে এই খাতে কর্মসংস্ছান হয়েছে প্রায় ৫০ হাজার মানুষের। নতুন নতুন উদ্যোক্তা সৃষ্টি হচ্ছে। বিশেষ করে তরুণদের মধ্যে এই সেক্টরে উদ্যোক্তা হওয়ার প্রবণতা বেশি লক্ষ্য করা যায়।

## ই-কমার্সের ক্মেঞ্রসমূহ নিম্নরূপঃ

- পণ্য ও সেবা কেনা/ বেচা।
$\square$ মূল্য পরিশোধ।
$\square$ পণ্য নিলাম।
- বিভিন্ন প্রতিষ্ঠান এর পণ্য ও সেবার মূল্যের তুলনামূলক বিশ্লেষণ।
$\square$ টিকেট ক্রয়।
- পণ্য ও সেবা অর্ডার ও বুকিং দেয়া।


## বিভিম্ম প্রকারের ই-কমার্স সাইট রয়েছে। যেমনঃ

- ব্যবসা-থেকে-ব্যবসা (B2B): ব্যবসা-থেকে-ব্যবসা ইলেকট্টনিক কমার্স সম্পাদিত হয় একাধিক ব্যবসা প্রতিষ্ঠানের মধ্যে। ৮০ শতাংশের (৮০\%) মত ইলেকট্টনিক কমার্স ব্যবসা-থেকে-ব্যবসা প্রকার এর অন্তর্ভুক্ত। উদাহরনস্বরুপঃ Sindabad.com
- ব্যবসা-থেকে-গ্রাহক (B2C): ব্যবসা-থেকে-গ্রাহক ইলেকট্টনিক কমার্স সম্পাদিত হয় ব্যবসা প্রতিষ্ঠান ও গ্রাহকের মধ্যে। এই প্রকারে দ্বিতীয় সর্বাপেক্ষা বেশি ইলেকট্টনিক বাণিজ্য সম্পাদন হয়ে থাকে। উদাহরণ স্বরুপঃ Rokomari.com, Pickaboo.com, Chaldal.com, daraz.com.bd
- ব্যবসা-থেকে-সরকার (B2G): ব্যবসা-থেকে-সরকার ইলেকট্টনিক কমার্স সম্পাদিত হয় ব্যবসা প্রতিষ্ঠান ও রাষ্ট্রীয় খাতের মধ্যে। এটি সাধারনত ব্যবহৃত হয়ে থাকে রাষ্ট্রীয় কেনা/বেচা, লাইসেন্স সংত্রান্ত কার্যাবলী, কর প্রদান ইত্যাদি ক্ষেত্রে।
- গ্রাহক-থেকে-গ্রাহক (C2C): গ্রাহক-থেকে-গ্রাহক ইলেকট্টনিক কমার্স সম্পাদিত হয় একাধিক ব্যক্তি ও গ্রাহকের মধ্যে। ইলেকট্রনিক বাজার ও অনলাইন নিলাম এর মাধ্যমে সাধারণত এই ধরনের বাণিজ্য সম্পাদিত হয়। উদাহরনস্বরুপঃ bikroy.com
$\square$ মোবাইল কমার্স (m-commerce): মোবাইল কমার্স ইলেকট্টনিক কমার্স সম্পাদিত হয় তারবিহীন প্রযুক্তি যেমন মোবাইল হ্যান্ডসেট বা পারসোনাল ডিজিটাল অ্যাসিস্টেন্ট (PDA) এর মাধ্যমে। তারবিহীন যন্ত্রের মাধ্যমে তথ্য আদান-প্রদানের গতি ও নিরাপত্তা রৃদ্ধির সাথে সাথে এই ধরনের বাণিজ্য জনপ্রিয়তা লাভ করছে।
- গ্রাহক থেকে সরকার (C2G): কখনো সরসরি জনগনের কাছ থেকে সরকার বিভিন্ন সেবার বিনিময় ফি বা কর নিয়ে থাকে। যখন এর মাঝে কোন মাধ্যম থাকেনা তখন এটা গ্রাহক থেকে সরকার প্রক্রিয়া বলে বিবেচিত হয়। ডিজিটাল গভর্নেন্স-এর আওতায় এ ধরনের সেবা ক্রমশ বৃদ্ধি পাচ্ছে।

অর্থনীতিবিদদের মতে, যেহেতু ইলেকট্টনিক কমার্স গ্রাহকদের বিভিন্ন পণ্য সহজে খুঁজে পাওয়া এবং তুলনামূলক বিশ্লেষণের একটি ক্ষেত্র তৈরি করে দিয়েছে, তাই এটি প্রতিযোগিতামূলক বাজার তৈরীতে উল্লেখযোগ্য ভূমিকা পালন করছে।

# ৯। সাম্প্রতিক জাতিসংঘ কর্তৃক উম্ময়নশীল দেকের স্বীকৃতি পাওয়ায় বাংলাদেশকে 

যে ধরণের চ্যালেঞ্জ মোকাবেলা করতে হবে- তা বিশদ্াবে ব্যাখ্যা কর।

## [Uttara Bank PO - 2018]

জাতিসংঘের সহযোগী সংস্থা অর্থনৈতিক ও সামাজিক পরিষদের আওতাধীন দ্য কমিটি ফর ডেভেলপমেন্ট পলিসি (UNCDP) ১৬ মার্চ ২০১৮তে সুসংবাদ দেয় যে বাংলাদেশ LDC ভুক্ত দেশের তালিকা থেকে উন্নয়নশীল দেশের তালিকায় উত্তরণের প্রাথমিক যোগ্যতা অর্জন করেছে। এই সংবাদটি নিঃসন্দেহে বাংলাদেশের জন্য আনন্দের। ২০২৪ সালে বাংলাদেশ উন্নয়নশীল দেশের অন্তর্ভুক্ত হবে। এলডিসি থেকে বের হয়ে সেই তালিকায় উত্তরণের সাথে সাথে বাংলাদেশ কিছু সুবিধা পাবে ও কিছু চ্যালেঞ্জ মোকাবেলা করবে।

এলডিসি থেকে উত্তরণের শর্তসমূহ নিম্নরুপঃ

| সূচক | এলডিসিভুক্তির শর্ত | এলডিসি থেকে <br> উত্তরণের শর্ত | বাংলাদেশের অর্জন |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| মাথাপিছ্র জাতীয় আয় <br> (GNI) | ১০২৫ ডলারের কম | ১২৩০ ডলার | ১২৭৪ (২০১৪,২০১৫ <br> ও ২০১৬ সালের গড়) |
| মানবসম্পদ সূচক <br> (HAI) | ৬০ এর কম | ৬৬ বা এরচেয়ে বেশি | ৭৩.২ |
| অর্থনৈতিক ভभুরতা <br> সূচক (EVI) | ৩৬ বা এরচেয়ে বেশি | ৩২ বা এরচেয়ে কম | ২৫.২ |

এলডিসিভুক্ত দেশের মধ্যে প্রথম দেশ হিসেবে তিনটি সূচকেই বাংলাদেশ প্রাথমিক যোগ্যতা অর্জন করেছে যদিও দুটি যোগ্যতা অর্জন করলেও হতো।

উন্নয়নশীল দেশের তালিকায় যুক্ত হলে বাংলাদেশ যেসব সুবিধা পাবেঃ

- উদ্যোক্তাদের মধ্যে সৃষ্ট ইতিবাচক মনস্তাত্তৃক প্রভাবের ফলে জিডিপি প্রবৃদ্ধি বাড়বে।
$\square$ আন্তর্জাতিক পরিমন্ডলে দেশের ভাবমূর্তি উজ্জ্বল হবে। ফলে ব্যবসা বানিজ্যের প্রসার ঘটবে।
$\square$ উদ্যে্যাক্তাদের টিকে থাকার সক্ষমতা বাড়বে। এতে বৈচিত্র্য আসবে তাদের উৎপাদনে।
- নতুন নতুন বিনিয়োগের ক্ষেত্র তৈরি হবে ইত্যাদি।

এসব সুবিধার পাবার সাথে সাথে বাংলাদেশকে অন্তত দুটি বড় চ্যালেঞ্জ মোকাবেলা করতে হবেঃ

- রপ্তানি খাতে এলডিসিভুক্ত দেশ হিসেবে যে কোটা সুবিধা বাংলাদেশ পেতো, তা বন্ধ হয়ে যাবে। আগের চেয়ে তুক্ক বেশি দিতে হবে প্রায় ৬.৭\%। UNCTAD এর মতে, এতে বাংলাদেশের রপ্তানির পরিমাণ কমে যেতে পারে ৫.৫\% - ৭.৫\% ।
■ উন্নত দেশ ও দাতা দেশসমূহ থেকে সহজ শর্তে ও নমনীয় সুদে যে ঋণ সুবিধা পাওয়া যেতো, তা আর পাবে না বাংলাদেশ। Soft Loan WIndow হিসেবে IDA থেকে ঋণ পাবার সুযোগ বেড়ে যাবে। এছাড়া ঋণনির্ভর প্রকল্পসমূহের খরচ বেড়ে যাবে। এর প্রভাব পড়বে সামগ্রিক উন্নয়ন কর্মকান্ডে।

UNCTAD - এর মতে ২০১৭ সালে ৭\% অর্থনৈতিক প্রবৃদ্ধি অর্জন করা সেরা ৫টি দেশের একটি বাংলাদেশ। তাই আমাদের প্রত্যাশা হলো চ্যালেঞ্জতুলোকে মোকাবেলা করে উন্নয়নশীল দেশের তালিকায় উত্তরণের সুবিধাসমূহকে কাজে লাগাবে বাংলাদেশ। ধীরে ধীরে ২০৪১ সালে উন্নত দেশের তালিকায় উত্তরণের লক্ষ্যে অর্থনৈতিক অগ্রযাত্রা অব্যাহত থাকবে নিঃসন্দেহে বলা যায়। নইঘत̣.কম

## ১০। জীবন ও স্বাস্য্য সুরক্ষায় নিরাপদ খাদ্য

[Sonali Bank SO - 2018]
খাদ্য, বস্ত্র, বাসস্থান, শিক্ষা ও চিকিৎসা - এই ৫টি মৌলিক চাহিদার মধ্যে প্রথম ও প্রধান চাহিদা হলো খাদ্য। বাঁচতে হবে খাদ্য চাই। খাদ্যই প্রাণশক্তি। প্রাচীনকাল হতে মানুষ প্রাকৃতিক উৎসের উপর নির্ভরশীল ছিলো খাদ্যের জন্য। কিন্তু শিল্পায়নের যুগ শুরুর পর থেকে বিভিন্ন ধরণের প্রক্রিয়াজাত খাবারের প্রচলনও বেড়েছে। তারসাথে পাল্লা দিয়ে বেড়েছে খাদ্যে ভেজালের পরিমাণ। এর প্রভাব পড়ছে মানব স্বাদ্ছ্য। তাই জীবন ও স্বাস্থ্য সুরক্ষায় নিরাপদ খাদ্যের প্রয়োজনীয়তার বিষয়টি বর্তমানে খুব আলোচিত হচ্ছে।

খাদ্য নিরাপদ না হলে তার প্রভাব পড়ে মানুষের স্বাস্থ্যে। অনিরাপদ খাদ্যের প্রভাব নিম্নে আলোচিত হলোঃ

- খাদ্যে ভেজাল করতে অসাধু ব্যবসায়ীরা মসলা জাতীয় উপাদানে রাসায়নিক দ্রব্য বা রং মেশায় যা খাদ্যমানের নয়। এসব মসলার ব্যবহার শরীরে ক্যান্সারসহ নানা রোগের কারণ হচ্ছে।
- बয়লার জাতীয় মুরগির খাবারে বিষাক্ত ক্রোমিয়ামের উপাদান পাওয়া গেছে স্বাভাবিক মাত্রার চেয়ে প্রায় ২০-৩০ গুণ বেশি। এসব মুরগির মাংস খেলে মানব শরীরে ক্যান্সার, চর্মরোগ, হুদরোগ ইত্যাদির হার বেড়ে যাচ্ছে।
- বিভিন্ন রেস্টুরেন্টে যেসব খাবার পরিবেশন করা হয়, তা অনেক সময় পরিষ্কার পরিচ্ছন্নতা মেনে রান্না করা হয় না। এছাড়া বাসি খাবার পরিবেশনের অভিযোগ পাওয়া যায় প্রায়ই। এসব খেয়ে পেটের অসুখে ভোগাটা সাধারণ ব্যাপার হয়ে দাড়িয়েছে।
- যেসব সফট ড্রিংকস উৎপাদন করা হয়, তার বেশিরভাগই ক্ষতিকারক ও হ্হদরোগ, ডায়াবেটিস ইত্যাদি রোগের কারণ হয়ে দাঁড়ায়।
$\square$ কৃষি জমিতে অত্যাধিক কীটনাশক ও রাসায়নিক সারের ব্যবহার কৃষিজ খাদ্যে অস্বাভাবিক মাত্রায় রাসায়নিক উপাদানের উপস্থিতি ঘটাচ্ছে। এতে মানব শরীর পড়ছে হুমকিতে।
- ম মিনারেল ওয়াটারের প্রক্রিয়াজাতকরণে ভেজালের ফলে সেসব পানি গ্রহণের ফলে কিডনি বিকল হবার সম্ভাবনাও থাকে।

বাংলাদেশে শিল্প খাদ্য ও রাসায়নিক পণ্যের মান নিয়ন্ত্রণ, নির্ধারণ ও সরকার নির্ধারিত ওজন তদারকিতে রয়েছে বিএসট্মিই। এছাড়া রয়েছে কনজ্যুমারস এসোসিয়েশন অব বাংলাদেশ (ক্যাব)- যারা ভোক্তাদের অধিকার নিয়ে কাজ করে।

কিন্তু তবুও দেশে খাদ্যে ভেজালের পরিমাণ বেড়েই চলেছে। খাদ্যে ভেজাল প্রতিরোধে তথা নিরাপদ খাদ্য ব্যবস্থা গড়ে তুলতে দরকার-
$\square$ যথাযথ মনিটরিং ব্যবস্থা;

- ভেজালকারীদের বিরুদ্ধে অভিযান ও দৃষ্টান্তমূলক শাস্তি প্রদান;
$\square$ বিভিন্ন হোটেল-রেস্টুরেন্টে ভ্রাম্যমাণ আদালত পরিচালনা;
- নাগরিকদের মধ্যে সচেতনতা ইত্যাদি।

জীবন ও স্বাস্থ্য সুরক্ষায় চাই নিরাপদ খাদ্য। নিরাপদ খাদ্য দেবে সুস্থ জাতি গঠনের নিশ্যয়তা।

## ১১। বিশ্বায়ন ও ব্যাংকিং : সমস্যা ও সস্ভাবনা

## [Sonali Bank SO (IT) - 2018]

বিশ্বায়নের যুগে আজ পুরো পৃথিবী যেন একটি গ্রাম। পুরো বিশ্বের সকল সুযোগ সুবিধা যেন মানুষের হাতের মুঠোয় চলে এসেছে। তথ্য প্রযুক্তির অগ্রগতি সবকিছুকে নিত়ে এসেছে একটি ক্লিকের মধ্যে। এই বৈপ্লবিক পরিবর্তনের ধারা বাইরে নয় ব্যাংকিংও। একদা পণ্য বিনিময় ব্যবস্থা দিয়ে যাত্রা শরু করা ব্যাংকিং ব্যবস্থা আজকে একটি সুনিয়ন্ত্রিত ব্যবস্থা হিসেবে প্রতিষ্ঠিত যাকে ছাড়া পুরো পৃথিবী অচল। প্রতিটি দেশের জিডিপিতেও রাখছে বড় অবদান। ২০১৭-১৮ অর্থবছরে বাংলাদেশের জিডিপিতে ব্যাংকিং খাতের অবদান ৩.৪৬\% প্রায়। বিশ্বায়নের প্রভাবে ব্যাংকিং ব্যবস্থায় যে আধুনিকায়ন ঘটেছে, তাতে এই খাতের প্রবৃদ্ধিও ঈर्षनीয়।

বিশ্বায়নের যুগে আধুনিক ব্যাংকিং ব্যবস্থা প্রত্যাশার অপর নাম। বিভিন্নভাবে আধুনিক জীবনযাত্রাকে আরো সহজতর করছে ব্যাংকিং ব্যবস্থা। নিচে সম্ভাবনাময় অগ্রগতির চিত্র আলোচিত হলোঃ

- বিশ্বের সকল আর্থিক প্রতিষ্ঠানের লেনদেনের মাধ্যম হলো SWIFT নেটওয়ার্ক যার পূর্ণরূপ- The Society for Worldwide Inter-bank Financial Telecommunication. এই নেটওয়ার্কের মাধ্যমে মুহূর্তের মধ্যে এক দেশ থেকে অন্য দেশে অর্থিক লেনদেন করা যায়। এটি নিরাপদ ও নির্ভরযোগ্য লেনদেনের মাধ্যম। বিভিন্ন ধরণের আমদানি ও রপ্তানির গতিকে তৃরান্বিত করেছে এই নেটওয়ার্ক। বিশ্ব বানিজ্যকে দিয়েছে প্রবৃদ্ধি।
- বিভিন্ন ধরনের মানি এক্সচেঞ্জ কোম্পানির মাধ্যমে সহজে দেশে বিদেশে টাকা পাঠানো যায়। Western Union, Ria, MoneyGram ইত্যাদি টাকা পাঠানোর চ্যানেল হিসেবে কাজ করে গ্রাহকের সময় ও অর্থ দুটোই বাঁচায়।
$\square$ Internet Banking ব্যাংকিং ব্যবস্থাকে দিয়েছে ভিন্নমাত্রা। লাইনে না দাড়িয়েও বাসায় বসে ব্যাংকিং করা যায় এর সাহায্যে।
- Debit Card ও Credit Card মানুষকে মুক্তি দিয়েছে বস্তাভর্তি টাকা বহনের ঝুঁকি ও ঝামেলা থেকে। এমনকি বিদেশে গেলেও শুধু International Credit Card থাকলেই চলে; Master Card ও Visa Card এক্ষেত্রে খুব জনপ্রিয় ও কার্যকরি।
$\square$ Electronic Fund Transfer (EFTN) ও Real Time Gross Settlement (RTGS) প্রयুক্তি আর্থিক লেনদেনকে দিয়েছে গতিশীলতা ইত্যাদি।

ব্যাংকিংয়ে প্রযুক্তিগত উৎকর্ষের সাথে সাথে বেড়েছে সাইবার অপরাধের ঝুঁকিও। Credit Card এর গোপন পিন ক্লোন করে অর্থ সরিয়ে নেওয়ার ঘটনা ঘটছে অনেক দেশে। বাংলাদেশ ব্যাংকের ৮০৮ কোটি টাকা বেহাত হয়ে গেছে SWIFT কোড জালিয়াতির মাধ্যমে। পার্শ্ববর্তী দেশ ভারতেও সাইবার অপরাধ ঘটেছে সম্প্রতি। একই সাথে পাল্লা দিইয়ে বেড়েছে অর্থ পাচারের আন্তর্জাতিক চক্রসমূহের দৌরাত্ব। অনেক সময় এসব পাচারকৃত অর্থ ব্যবহৃত হয় সন্ত্রাসী কাজে।

তাই বিশ্বব্যাংক, আন্তর্জাতিক মুদ্রা তহবিলের মতো প্রতিষ্ঠান অর্থ পাচার রোধে দেশগুলোকে নিয়মিত নির্দেশনা ও প্রयুক্তিগত সহায়তা দিয়ে আসছে নিয়মিত। এসব সমস্যা থাকা সত্ত্বেও বিশ্বায়নের সাথে তাল মিলিয়ে অগ্রগতি সাধিত হচ্ছে ব্যাংকিং ব্যবস্থায় প্রতিনিয়ত আর মানুষের জীবনযাপন হচ্ছে আরো সহজতর।

## ১২। বঙ্গবন্ধু স্যাটেলাইট-১ : নতুন সাফন্যে জ্যোতির্ময় বাংলাদেশ

[Bangladesh Bank Officer - 2018]
১১ মে ২০১৮ (বাংলাদেশ সময় ১২ মে ২০১৮) তারিখটি বাংলাদেশের ইতিহাসে এক গৌরবোজ্জবল দিন। এদিন বাংলাদেশ বিশ্বের ৫৭তম দেশ হিসেবে বিশ্ব স্যাটেলাইট ক্লাবে প্রবেশ করে। মহাকাশে এঁকে দেয়

বাংলাদেশের নাম বঙ্গবন্ধু স্যাটেলাইট - ১ উৎক্ষেপণের মাধ্যমে। নতুন সাফল্যে জ্যোতির্ময় এই বাংলাদেশ দেখতে পারা সত্যিই আনন্দের ও গর্বের।

বগবন্ধু স্যাটেলাইট সম্পর্কে জেনে নেওয়া যাকঃ
$\square$ বঙ্গবন্ধু স্যাটেলাইট হলো ভূ-স্ছির যোগাযোগ ও সম্প্রচার স্যাটেলাইট
$\square$ অবস্থানঃ ৩৫,৮০০ কিলোমিটার উচ্চতায় ১১৯.১ পূর্ব দ্রাঘিমায় ক্লার্ক অরবিট

- উৎক্ষেপণ স্থানঃ কেনেডি স্পেস সেন্টারের লঞ্চ কমপ্লেব্স, ফ্লোরিডা, যুক্তরাষ্ট্র
$\square$ রকেটঃ ফ্যালকন ৯ ব্লক ৫
$\square$ নির্মাতাঃ থ্যালেস অ্যালেনিয়া স্পেস
- সর্বমোট নির্মাণ ব্যায়ঃ ২,৭৬৫ কোটি টাকা
- ওজনঃ ৩,৬০০ কেজি
- ট্রান্সপন্ডারঃ ৪০টি; প্রতিটি ট্রান্সপন্ডার থেকে ৪০ মেগাহার্টজ করে তরন্গ সরবরাহ পাওয়া যায়।
- গ্রাউন্ড স্টেশনঃ বাংলাদেশ দুটি- গাজীপুরের তালিবাবাদে ও রাঙামাটির বেতবুনিয়ায়।
- কার্যক্রম পরিচালনা, স্ছল স্টেশন থেকে উপগ্রহকে নিয়ন্ত্রণ, বিপণন ও বিক্রয় সেবা ইত্যাদির জন্য গঠিত হয়েছে - বাংলাদেশ কমিউনিকেশন স্যাটেলাইট কোম্পানি লিমিটেড (BCSCL)।
- মেয়াদকালঃ ১৫ বছর; ডিজাইনের আয়ুক্কাল ১৮ বছর।

তথ্য-প্রযুক্তি খাতে ব্যাপক অবদান রাখার পাশাপাশি অর্থনৈতিকভাবে বঙ্গবন্ধু স্যাটেলাইট-১ ইতিবাচক ভূমিকা রাখবে। নিম্নে তা আলোচিত হলোঃ

- এটি প্রতি বছর আয় করবে প্রায় ২৫০ কোটি টাকা।
- এটি বৈশ্বিক টেলিযোগাযোগের ক্ষেত্রে বাংলাদেশের পরনির্ভরশীলতা কমাবে।
- এর ৪০টি ট্রান্সপন্ডারের মধ্যে ২০টি বাংলাদেশ ব্যবহার করবে এবং বাকি ২০টি ভাড়া দিয়ে আয় করা যাবে।
- এ এটি দ্বারা 80 ধরণের সেবা পাওয়া যাবে। যেমন- DTH (Direct to Home), রেডিও ও স্যাটেলাইট সম্প্রচার, জিপিএস, টেলিমেডিসিন, খনিজ সম্পদ অনুসন্ধান ইত্যাদি।
- জাতীয় নিরাপত্তায় এই স্যাটেলাইট ব্যবহার করা যাবে।
- দুর্যোগপূর্ণ অঞ্চলে যেখানে মোবাইল নেটওয়ার্ক থাকে না, সেখানে এই স্যাটেলাইটের মাধ্যমে যোগাযোগ স্থাপন সম্ভব হবে।
- ডিজিটাল বাংলাদেশের যে স্বপ্ন বাস্তবে পরিণত হতে চলেছে, তাতে এই স্যাটেলাইটের সংযুক্তি গুরুত্বপূর্ণ সংযোজন।

বঞ্গবন্ধু স্যাটেলাইট - ১ এর উৎক্ষেপণ জাতীয় জীবনে এক গুরুত্বপূর্ণ অর্জন আমাদের জন্য। বৈশ্বিক পরিমন্ডলে ইতিবাচক প্রভাব সৃষ্টিতে এটি গুরুত্বপূর্ণ ভুমিকা রাখবে। এটি ব্যবহার করে তথ্যপ্রযুক্তিগতভাবে ও অর্থনৈতিকভাবে এগিয়ে যাবে ডিজিটাল বাংলাদেশ।

## ১৩। ক্ষুদ্র উদ্যোক্তাদ্রের জন্য ব্যাংক ঋণ <br> [Karmasangsthan Bank Data Entry Operator - 2018]

বর্তমানে দেশে বেকারের সংখ্যা প্রায় ২৬ লাখ। প্রতিদিন সেই তালিকায় যুক্ত হচ্ছে অনেক শিক্ষিত বেকারও। সাধারণত চাকরির জন্য চেষ্টা করছে তারা। অথচ এদের একটি অংশ যদি চাকরি না খুঁজে উদ্যোক্তায় পরিণত হয়, তাহলে বৈপ্লবিক হ্রাস ঘটবে বেকারের সংখ্যায়। একই সাথে এই উদ্যোক্তারা চাকরি দিতে পারবে আর দশ জন বেকারকেও। একেক জন ক্ষুদ্র উদ্যে্যাক্তা হবে একেক জন সৃষ্টিশীল মানুষ।

কিন্তু উদ্যে্যাক্তা হবার পথে বড় বাঁধা অর্থসংস্থান। অর্থসংস্থানের জন্য ব্যাংকগুলোর কাছে গেলেও এইসব ক্ষুদ্র উদ্যোক্তারা কিছু সমস্যার সমুখীন হন। সেগুলো নিম্নে আলোচিত হলোঃ

- ঋণের সুদের হার অনেক বেশি এবং তা প্রায় ১৮\%।
- ঋণ গ্রহণের প্রথম মাস থেকেই কিস্তি দিতে হয়। ফলে উদ্যোক্তা ব্যবসা দাঁড় করানোর সুযোগও পান না।
- ঋণ পরিশোধের সময়কাল থাকে অনেক কম এবং ঋণ গ্রহীতা নিজের সুবিধামতো কিস্তির পরিমাণ নির্ধারণের সুযোগ তেমন পান না।
$\square$ ঋণ গ্রহণের জন্য জমির দলিল বা বন্ধক হিসেবে নথিপত্র চাওয়া হয় যা উদ্যোক্তাদের নাও থাকতে পারে।
$\square$ যাচাই-বাছাই প্রক্রিয়ায় দীর্ঘসূত্রিতা পরিলক্ষিত হয়।
- নির্ধারিত সময়ের আগে পুরো ঋণ পরিশোধেও ফি (Early Settlement Fee) ধরা হয় প্রায় ২\%। অথচ নির্ধারিত সময়ের আগে ঋণ পরিশোধের কারণে ঋণ গ্রহীতাকে উৎসাহিত করার কথা।

ক্ষুদ্র উদ্যোক্তাদের ঋণ দানের জন্য যেসব উদ্যোগ নেওয়া যেতে পারেঃ

- ক্ষুদ্র উদ্যোক্তাদের ঋণ হতে হবে জামানত বিহীন।
- ঋণ গ্রহণের পর অন্তত প্রথম ৬ মাস কিস্তির আওতামুক্ত রাখতে হবে।
- ক্ষুদ্র উদ্যোক্তাদের ঋণের সুদের হার এক অংকে নিয়ে আসতে হবে।
- বাংলাদেশ ব্যাংকের উচিত ব্যাংকগুলোকে ক্ষুদ্র উদ্যোক্তাদের ঋণ দানে বাধ্য করা।
- রাষ্ট্র মালিকানাধীন ব্যাংকগুলোকে এই ক্ষেত্রে অগ্রগণ্য ভূমিকা রাখতে হবে।

অতএব সমস্যাসমূহ দূর করে ব্যাংকিংকে ক্ষুদ্র ঋণ গ্রহীতাদের জন্য অনুকূলে নিয়ে আসতে পদক্ষেপ নিতে হবে। কারণ ক্ষুদ্র ঋণ গ্রহীতাদের খেলাপি হবার হার অনেক কম।

## ১৪। তৈরি পোশাক শিন্প : অর্থনৈতিক উম্ময়নের হাতিয়ার

## [Rupali Bank Officer (Cash) - 2018]

বর্তমানে দেশের প্রধান রপ্তানি খাত তৈরি পোশাক শিল্প। ১৯৭৬ সালে যাত্রা ওরু করা এই শিল্প উত্তরোত্তর প্রবৃদ্ধি অর্জন করছে এবং রেমিটেন্স আনায়নের মাধ্যমে বাংলাদেশের অর্থনীতিতে বড় অংকের অবদান রাখছে। ঐতিহাসিকভাবে বাংলাদেশি পোশাক মসলিন, জামদানি ইত্যাদির ঐতিহ্যের ক্রমধারায় বিশ্ব পরিমন্ডলে সুনাম অর্জন করেছে বাংলাদেশের তৈরি পোশাক। সর্বশেষ বিশ্বকাপ ফুটবল ২০১৮তে অংশ নেওয়া ১৯টি দেশের প্র্যাকটিস স্যুটও তৈরি হয়েছে বাংলাদেশে।

বাংলাদেশ অর্থনৈতিক সমীক্ষা ২০১৮ অনুসারে ২০১৬-১৭ অর্থবছরে মোট রপ্তানির ৪১.৫৩\% হলো তৈরি পোশাক যার আর্থিক মূল্য ১৪,৩৯৩ মিলিয়ন মার্কিন ডলার। বর্তমানে প্রায় ২০টিরও বেশি দেশে ৩৬ রকমের তৈরি পোশাক রপ্তানি করছে বাংলাদেশ। সবচেয়ে বড় বাজার হলো যথাক্রমে যুক্তরাষ্ট্র ও ইউরোপীয় ইউনিয়ন। প্রায় 80 লাখ লোক প্রত্যক্ষ ও পরোক্ষভাবে জড়িত তৈরি পোশাক শিল্পের সাথে। এই শিল্পের প্রায় ১৫ লাখ শ্রমিকের অধিকাংশই নারী। একেক জন স্বাবলম্বী নারী অর্থনৈতিক উন্নয়নের হাতিয়ার হয়ে বদলে দিচ্ছে একেকটি পরিবার।

এত সম্ভাবনাময় হওয়া স্বত্ত্বেও তৈরি পোশাক শিল্প কিছু সমস্যা মোকাবেলা করছে যা এই শিল্পের অগ্রগতিতে ব্যাহত করছে। সেগুলোর মধ্যে্য প্রধান কয়েকটি নিম্নরূপঃ

- বর্তমানে খেলাপি ঋণের ক্ষেত্রে শীর্ষে রয়েছে পোশাক খাত। ২০১৭ সালে ৯৩,০০০ কোটি টাকা ঋন প্রদান করা হয় এই খাতে কিন্তু তার মধ্যে ১০,৭৯০ কোটি টাকা খেলাপি ঋণে পরিণত হয়। এই চিত্র ব্যাংকগুলোকে এই খাতে বিনিয়োগে নিরুৎসাহিত করছে। এর কারণ হিসেবে নির্ধারিত সময়ে পণ্য রপ্তানি করতে না পারা, পোশাক শিল্প ব্যবসায়ীদের পেশা বদল ইত্যাদিকে দায়ী করেছেন ঢাকা ব্যাংকের ব্যবস্থাপনা পরিচালক সৈয়দ মাহবুবুর রহমান।
■ চট্টগ্রাম বন্দর থেকে কাঁচামাল কারখানায় যেতে প্রায় ২০-২১ দিন লেগে যায় যা উৎপাদন প্রক্রিয়াকে ব্যাহত করে।
$\square$ মূদ্রার অবমূল্যায়ন করা হয় পোশাক শিল্পের স্বার্থে। কিন্তু অনেক সময় তাই চ্যালেঞ্জ হয়ে দাঁড়ায় রপ্তানির ক্ষেত্রে।
- এলসি খোলা, মাল খালাস ইত্যাদি ক্ষেত্রে কিছু অনিয়ন্ত্রিত খরচ পণ্যের উৎপাদন ব্যয় বাড়িয়ে দেয়।
- রানা প্লাজা ধ্বসের ঘটনা এই খাতকে ইমেজ সংকটে ফেলেছে বহির্বিশ্বে যা কাটিয়ে উঠতে সময় লাগছে অনেক।
- এছাড়া শ্রমিক অসন্তোষ, রাজনৈতিক অস্থিতিশীলতা, আমলাতান্ত্রিক জটিলতা, দক্ষ শ্রমিকের অভাব ও মানব সম্পদের অব্যবস্থাপনা ইত্যাদি সমস্যায় এই খাতের অগ্রগতির পথে অন্তরায়।

উপরোক্ত সমস্যাসমূহকে মাথায় রেখে তৈরি পোশাক শিল্প খাতকে অগ্রাধিকার দিয়ে এই খাতের অগ্রগতি সাধনে নীতিমালা প্রণয়ন করতে হবে। ২০২৪ সালে বাংলাদেশ এলডিসিভুক্ত হলে কোটা সুবিধা হারালে সেই চ্যালেঞ্জ মোকাবেলায় প্রস্তুত করতে হবে এই খাতের সাথে সংশ্লিষ্টদের। এই খাতে বিনিয়োগকৃত ঋণ যাতে খেলাপি ঋণে পরিণত না হয় সেদিকে লক্ষ্য রাখতে হবে। দক্ষ শ্রমিক ও অনুকূল কর্মপরিবেশ সৃষ্টি হলে বহির্বিশ্বে এই খাতের ভাবমূর্তি আরো উজ্জ্বল হবে। প্রতিযোগী দেশগুলোকে পেছনে ফেলে সর্বাগ্রে থাকবে বাংলাদেশের নাম - এই প্রত্যাশা।

## ১৫। রোহিঙ্গাদের মিয়ানমারে দ্রুত প্রত্যাবর্তনে বাংলাদেকেশর কৌশলগত অবস্থান

[Sonali Bank Officer - 2018]
হাজার বছর ধরে মিয়ানমারে বসবাস করে আসা রোহিঙ্গারা জাতিগত নিপীড়নের শিকার হয় ২০১৭ সালের মাঝামাঝি থেকে। সেদেশের সেনাবাহিনী ও জাতিগত রাখাইনরা গনহত্যা চালায় রোহিঙ্গাদের উপর। UNHCR সহ বিভিন্ন আন্তর্জাতিক সংস্ছার মতে, এতে প্রাণ হারায় প্রায় ৬,৭০০ রোহিঙ্গা এবং শরনার্থী হিসেবে প্রতিবেশী বাংলাদেশে আশ্রয় নেয় প্রায় ৬,৫০,০০০ রোহিহ্গা। এর প্রভাব পড়ে সমগ্র বাংলাদেশে।

জনবহুল আমাদের এই বাংলাদেশ শত সীমাবদ্ধতা স্বত্ত্রেও মানবিক দিককে সর্বাধিক বিবেচনায় নিয়ে রোহিংাদের মিয়ানমারে দ্রুত প্রত্যাবর্তনেনর লক্ষ্যে কৌশলগত অবস্থান নিয়েছে। নিচে বাংলাদেশ সরকারের গৃহীত পদক্ষেপ তথা কৌশলসমূহ নিচে আলোচিত হলোঃ

- রোহিঙাদের অনুপ্রবেশ শুরু হলে বাংলাদেশ সরকার দ্রুততার সাথে গঠন করে রোহিহ্গা সেল যা সার্বিক পরিস্থিতি ও আইনশৃঙ্খলা পর্যবেক্ষণের মতো গুরু দায়িত্ব পালন করে।
- এরপর রোহিঙ্পা শরনার্থীদের বায়োমেট্রিক রেজিস্ট্রেশন করানো হয় যাতে মিয়ানমার সরকার তাদের ফেরত নিতে অস্বীকার করতে না পারে।
$\square$ জাতিসংঘের সাধারণ পরিষদে বাংলাদেশের মাননীয় প্রধানমন্ত্রী শেখ হাসিনা নিম্নোক্ত ৫ দফা প্রস্তাব পেশ করেন যা মূলত রোহিঙ্গাদের মিয়ানমারে প্রত্যাবর্তনকে কেন্দ্র করেঃ
- অনতিবিলম্বে স্ছায়ীভাবে মিয়ানমারে সহিংসতা বন্ধ করা;
- মিয়ানমারে জাতিসংঘের অনুসন্ধানী দল পাঠানো;
- মিয়ানমারের অভ্যন্তরে জাতিসংঘের তত্ত্বাবধানে সেফজোন গড়ে তোলা;
- মিয়ানমারে রোহিন্গাদের টেকসই প্রত্যাবর্তন নিচ্চিত করা এবং
- কফি আনান কমিশনের ৮৮-দফা সুপারিশের পূর্ণাঙ্গ বাস্তবায়ন।
- বাংলাদেশ মিয়ানমারের সাথে দুটি চুক্তিতে স্বাক্ষর করে রোহিন্গাদের প্রত্যাবর্তনের বিষয়টি গুরুত্ব দিয়ে।
- আন্তর্জাতিক অপরাধ আদালত (ICC) জাতিগত নিধনের অপরাধে মিয়ানমারের বিরুদ্ধে মামলার উদ্যোগ নিলে বাংলাদেশ তাতে সম্মতি দেয়।
■ বিশ্ব মিডিয়া ও এনজিওসমূহকে রোহিহা শিবির পরিদর্শনের ব্যবস্থা করে দেয় বাংলাদেশ সরকার যাতে পুরো বিশ্ব রোহিহা সমস্যার বাস্তব অবস্থা বুঝতে পারে।
- তুরস্ক, সৌদি আরব, মালয়েশিয়াসহ মুসলিম দেশসমূহ এবং যুক্তরাষ্ট্রের সমর্থন পায় বাংলাদেশ এই ইস্যুতে। এছাড়া প্রতিবেশী ভারতের কাছেও এ সংক্রান্ত চিত্র তুলে ধরেছে বাংলাদেশ।

তাই বলা যায় রোহিহাদের প্রত্যাবর্তনের লক্ষ্যে বাংলাদেশের কৌশলগত অবস্থান নিঃসন্দেহে প্রশংসনীয়। আশারাখি রোহিঙারা একদিন নিজ্জেদের ভূমিতে ফিরে যাবে পূর্ণ নিরাপত্তায় আর মনে রাখবে বাংলাদেশের আজকের অবদান।

## ১৬। স্বাধীনতার আসন্ সুবর্ণ জয়ন্তী ও আমাদের প্রত্যাশা <br> [Agrani Bank Officer (Cash) - 2018]

২০২১ সালে বাংলাদেশ উদযাপন করবে স্বাধীনতার সুবর্ণ জয়ন্তী। ১৯৭১ সালের ২৬ মার্চ বঙ্গবন্ধুর ডাকে বাঙালী জাতি মুক্তির আকাক্ষায় ঝাঁপিয়ে পড়ে মুক্তিযুদ্ধে।মাত্র ৯ মাসে এদেশ স্বাধীন হয় বিশ্বের তাবৎ পরাশক্তির রক্তচক্ষুকে এড়িয়ে। ২০২১ সালে সেদিনের সেই বাংলাদেশ পা দেবে ৫০ বছরে। স্বাধীনতার সুবর্ণজয়ন্তীতে আমাদের প্রাপ্তি ও প্রত্যাশা আলোচনার বিষয়বস্তু হয়ে উঠে আসছে সবদিক থেকেই।

এই দীর্ঘ যাত্রায় প্রাপ্তির হিসাব মেলাতে গেলে আমাদের অর্জন কম নয়। নিম্নে তার কিছু চিত্র তুলে ধরা হলোঃ
$\square$ মুক্তিযুদ্ধের পরের সময়ে যে বাংলাদেশকে তৎকালীন মার্কিন পররাষ্ট্রমন্ত্রী হেনরি কিসিঞ্জার তলাবিহীন ঝুড়ি বলেছিলেন, সেই বাংলাদেশ আজ বিশ্বের উদীয়মান ১১টি অর্থনীতির দেশের একটি হিসেবে বিবেচিত হচ্ছে (গোল্ডম্যান-স্যাকসের গবেষণামতে)।

- ৭৮৬ কোটি টাকার প্রথম বাজেট নিয়ে যাত্রা করা বাংলাদেশের বাজেটের আকার বেড়েছে ৫৯১ গুণ।
- ২০১৭ সালে ৭\% জিডিপি প্রবৃদ্ধি অর্জন করা সেরা ৫টি দেশের একটি বাংলাদেশ (UNCTAD এর রিপোর্ট)
－৭০\％দরিদ্র জনগোষ্ঠী নিয়ে যাত্রা করা বাংলাদেশের দারিদ্যের হার নেম্মে দাড়িয়েছেছ ২৪．৩\％এ।
－দেশ্রে স্বাক্ষরতার হার ৭১\％।
－মানব উন্নয়নের বিভিন্ন সূচকে বাংলাদদেশের অগ্রগতি অভূতপূর্ব। পার্শ্ববর্তী দেশ ভারত，পাকিস্তান， নেপাল，মিয়ানমারের চেয়ে প্রায় সব সূচকেই এগিক্যে আছে বাংলাদেশ।
－ब্রীড়াহ্গনেও সাফল্যযাত্রা অব্যাহত আছে। ক্রিরেটে বাংলাদেশ উদীয়মান পরাশক্তি। সম্প্রতি নারী ক্রিকেট দল এশিয়া কাপ টি২০ জিতেছে সাবেক বিশ্ব চ্যাস্পিয়ন ভারতকে হারিয়ে। এশিয়াডে यूరবল দল প্রথমবারারের মতো উঠেছেছে সেকেন্ রাউত্ডে।
－নারীর ক্মুায়নে বাংলাদেশ একটি জনন্ত উদাহরণ। প্রধানমহ্ত্রী，বিরোখীদলীয় নেত্রী，স্পিকার－ সবাই নারী। এমন উদাহরণ বিশ্লে আর কোথাও নেই।
－মহাকাশেও বাংলাদেশ এ̆কে দিত্যেছে তার পদচিহ্। ১২ মে ২০১৮ বগবব্মু স্যাটেলাইট উৎক্কেপচের মাধ্যমে বিশ্বের ৫৭তম দেশ হিলেবে স্যাটেনাইট ক্লাবে যুক্ত হয়েছে ইত্যাদি।

এই অগ্রयাত্রা অব্যাহত রাখার প্রয়ালে বাংলাদদশ সরকার হাতে নিয়েছে ভিশন ২০২১। জিডিপির প্রবৃদ্ধি ৭\％রাখা，মধ্যম আঢ্য়র দেশে পরিণত হবার প্রাথমিক যোপ্যত অর্জনসহ অনেকণুো লক্ষ্যই ইতিমধ্যে অর্জন করেছে বাংলাদদেশ। এদেশকে নিয়ে আমাদ匕র প্রত্যাশা অবশ্যই অনেক। স্বাধীনতার সুবর্ণজয়ন্তীতে কিছু প্রত্যাশার কথা নিচে দেওয়া হলোঃ
－খাদ্য，বিদ্যুৎ ও জ্রালানি খাতে স্বয়ংসম্পূর্ণতা অর্জন；
－স্বাক্ষরততর হার শতভাগের কাছাকাছি নিয়ে যাওয়া；
－বোগাযোগ ব্যবস্থায় উন্নতি（অবকাঠামোগত কারণে ট্রাফিকজ্যামসহ বিডিন্ন কারণণণ মানুষের অনেক কর্মঘন্টা নষ্ঠ হয়）；
－জিডিপি প্রবৃদ্ধি ৮\％অর্জন；
－পোশাক খাতে বৈশ্বিক অবস্থান প্রথম্ম নিয়ে যাওয়া；
－ক্রিকেটে বিশ্বকাপ，এশিয়া কাপের মতো ট্রফি জয়；
－রাজনেতিক 户িতিশীলালত ও গণতান্ত্রিক পরিবেশ সৃষ্টি；
－আর্থিক খাতে দূর্নীতি দূর করে সুশাসন ও জবাবদিহি প্রতিষ্ঠা；
－দূর্নীতি দূর করে বার্ষিক উন্নয়ন কর্মসূচির পূর্ণাঙ বাস্তবায়ন；
－क্মুধা ও দারিদ্র্য দূর করে স্বনির্ভরতা অর্জন；
－তথ্য－থ্রयুক্তি খাতে অগ্রগতি ধরে রেখে ডিজিটাল বাংলাদদেের স্বপ্নের বাস্তবায়ন ইত্যাদি।
সর্বোপরি আশা রাখি স্বাধীনতার সুবর্ণজয়্তীতে বাংলাদhশের মানুষ ভাসবে প্রাপ্তির পূর্ণতায়। স্বনির্ভর বাং্লাদেশ হবে বিশ্বের পিছিয়ে থাকা দেশসমূহ্ের জন্য এগিয়ে যাওয়ার মডেল।

## ১৭। মানবিক কূটনীতিতে বাংলাদেকের সাফল্য

## [Agrani Bank SO(Auditor) - 2018]

২০১৭ সালে যখন মিয়ানমারে রোহিঙ্গাদের বিরুদ্ধে জাতিগত নিধন ওরু হয়, তখন প্রায় ৬,৫০,০০০ রোহিহ্গা প্রাণ বাঁচাতে আশ্রয় নেয় বাংলাদেশে। যখন বিশ্বের ধনী ও কম বসতির দেশগুলো শরনার্থীদের আশ্রয় দিতে চায় না, সেখানে অধিক জনসংখ্যার ও ঘনবসতিপূর্ণ বাংলাদেশ নিজেদের শত সীমাবদ্ধতার পরেও মানবিক কূটনীতি অবলম্বন করে নির্যাতিত রোহিহাদের পাশে দাঁড়ায়। সারা বিশ্বের মিডিয়ায় ধন্য ধন্য রব পড়ে যায় বাংলাদেশকে নিয়ে। বাংলাদেশের প্রধানমন্ত্রীকে বিশ্ব মিডিয়া উপাধি দেয় ‘মাদার অব হিউমিনিটি’।

যখন সারাবিশ্ব উদ্বিগ্ন চোথে দেখছিলো রোহিহ্গাদের দুর্দশা এবং তাদের ভাবছিলো কীভাবে বাংলাদেশের মতো অর্থনৈতিকভাবে দুর্বল দেশ তাদের সহায়তা দেবে, তখনই বাংলাদেশের মাননীয় প্রধানমন্ত্রী শেখ হাসিনা বললেন, ‘আমরা ১৬ কোটি মানুষের অন্নের ব্যবস্থা করছি, আর মাত্র ১০ লাখ রোহিঙ্গাদের খাওয়াতে পারবো না? আমরা আমাদের খাবার শেয়ার করবো রোহিঙ্গদের সাথে’। এর সাথে এটিও বলতে হয় রোহিঙ্গারা যেখানে আশ্রয় নিয়েছে, সেখানকার বাসিন্দারা তাদের পাশে দাড়িয়েছে মানবিকতার পতাকা উড়িয়ে।

রোহিহাদের সহায়তায় বাংলাদেশ সরকার যেসব পদক্ষেপ নিয়েছে, তারমধ্যে উল্লেখযোগ্য কয়েকটি হলোঃ
$\square$ রোহিঙ্গাদের অনুপ্রবেশ গুরু হলে বাংলাদেশ সরকার দ্রুততার সাথে গঠন করে রোহিঙ্গা সেল যা সার্বিক পরিস্থিতি ও আইনশৃজ্খলা পর্যবেক্ষণের মতো গুরু দায়িত্ব পালন করে।

- এরপর রোহিংা শরনার্থীদের বায়োম্র্রিক রেজিস্ট্রেশন করান্নে হয় যাতে মিয়ানমার সরকার তাদের ফেরত নিতে অস্বীকার করতে না পারে।
- জাতিসংঘের সাধারণ পরিষদে বাংলাদেশের মাননীয় প্রধানমন্ত্রী শেখ হাসিনা নিম্নোক্ত ৫ দফা প্রস্তাব পেশ করেন যা মূলত রোহিঙাদের মিয়ানমারে প্রত্যাবর্তনকে কেন্দ্র করেঃ
- অনতিবিলম্বে স্থায়ীভাবে মিয়ানমারে সহিংসতা বন্ধ করা;
- মিয়ানমারে জাতিসংঘের অনুসন্ধানী দল পাঠানো;
- মিয়ানমারের অভ্যন্তরে জাতিসংঘের তত্ত্বাবধানে সেফজোন গড়ে তোলা;
- মিয়ানমারে রোহিঙাদের টেকসই প্রত্যাবর্তন নিশ্চিত করা এবং
- কফি আনান কমিশনের ৮৮- দফা সুপারিশের পূর্ণাঙ বাস্তবায়ন।
- বাংলাদেশ মিয়ানমারের সাথে দুটি চুক্তিতে স্বাক্ষর করে রোহিঙাদের প্রত্যাবর্তনের বিষয়টি গুরুত্ব দিয়ে।

■ আন্তর্জাতিক অপরাধ আদালত (ICC) জাতিগত নিধনের অপরাধে মিয়ানমারের বিরুদ্ধে মামলার উদ্যোগ নিলে বাংলাদেশ তাতে সম্মতি দেয়।

- বিশ্ব মিডিয়া ও এনজিওসমূহকে রোহিহ্গা শিবির পরিদর্শনের ব্যবস্থা করে দেয় বাংলাদেশ সরকার যাতে পুরো বিশ্ব রোহিহ্গা সমস্যার বাস্তব অবস্থা বুঝতে পারে।
- জাতীয় বাজ্টে ২০১৮-১৯ এ রোহিঙ্গাদের জন্য বরাদ্দ দেওয়া হয় 800 কোটি টাকা যা বিশ্বের ইতিহাসে বিরল ঘটনা।

উপরের আলোচনা থেকে এটি পরিষ্ষার যে মানবিক কূটনীতিতে বাংলাদেশের সাফল্য নিঃসন্দেহে অতুলনীয়। এই ধারা অব্যাহত রেখে একটি মানবিক জাতি ও রাষ্ট্র হিসেবে বাঙালি ও বাংলাদেশ নিজেদের ভাবমূর্তি আরো উজ্জ্বল করবে এ কথা নির্দ্বিধায় বলে দেওয়া যায়।

## ১৮। রাষ্ট্র -নেতৃত্বে নারী : বাংলাদেশ ও বহির্বিশ্ব <br> [BKB Officer (Cash) - 2018]

মানব সভ্যতায় যতই আধুনিকতার ছোঁয়া লাগছে, ততোই সর্বর্র বাড়ছে নারীদের অংশগ্রহণ। যে নারীদের এক সময় ভোটাধিকারই ছিলো না, তারা আজ নেতৃত্ব দিচ্ছে বিশ্বব্যাপী। রাষ্ট্র পরিচালনা, সাংবাধিকতা, চলচ্চিত্র, ক্রীড়া- সবখানেই নারীরা উড়িয়েছে তাদের বিজয় নিশান। বর্তমান পৃথিবী তাই লিন্গ - বৈষম্যের প্রভাব থেকে অনেকাংশেই মুক্ত।

রাষ্ট্র - নেতৃত্বে নারীদূর অবস্থান বিবেচোয় বাংলাদদশের অর্জন ঈর্ষনীয়। নারী ক্মতায়ন্নে প্রণ্লে বাং্লাদেশের অগ্রগতির চি্রি নিম্নে তুলে ধরা হলোঃ

- নারীীর রাজটৈতিক ক্ষমতায়ন্নে বিশ্বের মধ্যে বাংলাঢূশের অবস্থান ৬ষ্ঠ এবং দক্ষিণ এশিয়ায় ১ম;
- ১৯৯১ সাল থেকে গণতান্ত্রিক সরকার ব্যবস্থ প্রতিষ্ঠার পর প্রতিটি নির্বাচিত সরকার প্রধান ছিলেন নারী;
- একাদশ জাতীয় সংসদ্দে নারী সংসদ সদস্য ২৩ জনই সরাসরি নির্বাচিত;
- বর্তমান প্রধানমন্ত্রী, বিরোধীদলীয় নেট্রী, স্পিকার ও মন্ত্রীসভার 8 জন সদস্য নারী;
- সরকারী চাকরিতে নারী রয়েছেন ২৭.৩৬\%;
- বাংলাদেশ নির্বাচন কমিশনেও রয়েছে একজন নারী কমিশনার -কবিতা খানম;
- বিভিন্ন সংছ্ছার প্রধান হিসেবে দায়িত্ধে রয়েছেন নারীরা;
- নারী ক্মমতয়ন্নের অগ্রগতির জন্য প্রধানমন্ত্রী শেখ হাসিনা পে়্যেছেন অনেক আন্তর্জাতিক পুরস্কার ও সম্মাননা ইত্যাদি।
$\square$ বাংলাদেশ সরকার সংবিধানের ১৭শ সংশোধনীর মাধ্যমে সংসদে ৫০টি নারী আসন আগামী ২৫ বছরের জন্য সংরক্ষিত ঘোষণা করে।

বিশ্ব পরিমন্ডলেও রাষ্ট্র - পরিচালনায় নারীদের অগ্রগতির চিত্র আশা জাগানিয়া। নিম্নে তার কয়েকটি তুলে ধরা হলোঃ

- বর্তমানে ২৬টিরও বেশি দেশের সরকার প্রধান হলেন নারী। এঞ্জেলা মার্কেল (জার্মানি) ও থেরেসা মে (যুক্তরাজ্য) হলেন অন্যতম প্রভাবশালী সরকার প্রধান। সিঙ্গাপুরের প্রথম নারী প্রধানমন্ত্রী হালিমা ইয়াকুবের নাম বিশেষভাবে উল্লেখ্য। এছাড়াও ভারতের বৃহত্তম রাজনৈতিক দল জাতীয় কংগ্রেসের সভাপতি সোনিয়া গান্ধীও একজন নারী।
$\square$ বিভিন্ন আন্তর্জাতিক সংস্থার প্রধান হলেন নারী। আন্তর্জাতিক মুদ্রা তহবিল (IMF) এর প্রধান ক্রিস্টিন লাগার্দ একজন নারী।
■ বিভিন্ন প্রযুক্তিনির্ভর প্রতিষ্ঠানেও নারীদের নেতৃত্ব প্রতিষ্ঠিত হচ্ছে। ফেসবুকের প্রধান পরিচালন কর্মকর্তা শেরিল স্যান্ডবার্গও একজন নারী।

তাই একথা অনস্বীকার্য যে শত সীমাবদ্ধতা সত্ত্বেও নারীরা নিজেদের জায়গা অর্জন করে নিয়েছে স্বকীয়তায়। তাদের এগিয়ে যাওয়ার এই গতি এগিয়ে দিচ্ছে মূলত বিশ্ব সভ্যতাকেই।

## ১৯। কৃষি নির্ভর অর্থনীতি বনাম শিন্প ও সেবাখাত নির্ভর অর্থনীতি : বাংলাদেশ প্রেক্ষাপট <br> [Dhaka Bank TACO - 2018]

কৃষি, শিল্প ও সেবা - কোন দেশের অর্থনৈতিক উন্নয়নের মানদন্ড হিসেবে এই তিনটি খাতকে প্রাধান্য দেওয়া হয়। বাংলাদেশ ঐতিহাসিকভাবেই কৃষিপ্রধান দেশ। কিন্তু বিশ্বায়নের এই যুগে বদলে যাওয়ার পৃথিবীর সাথে তাল মিলিয়ে অর্থনৈতিক অগ্রগতির স্বার্থে কৃষি নির্ভর অর্থনীতি বনাম শিল্প ও সেবা খাত নির্ভর অর্থনীতি আলোচনার বিষয়বস্তু হয়ে দাড়িয়েছে এবং কোন খাতটি বেশি গুরুত্ব পাবে তা হিসাবনিকাশ করা হচ্ছে প্রতিনিয়ত।

প্রধান তিনটি খাতের মধ্যে তুলনায় নিচে ছকাকারে দেওয়া হলোঃ

| বিষয় | কৃষি | শিল্প | সেবা |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| ২০১৮-১৯ সালের বাজেটে বরাদ্দ | ৫.৭\% | 0.9\% | ২৫.৩০\% |
| নিয়োজ্রিত শ্রমশক্তি | 80.৬0\% | 20.80\% | ৩৯\% |
| জিডিপিতে অবদান (২০১৭-১৮) | ১8. $20 \%$ | ৩৩.৭১\% | ৫২.১৮\% |
| প্রবদ্ধি হার | ৩.০৬\% | ১১.৯৯\% | ৬.৩৩\% |

উপরের ছক থেকে এটি স্বচ্ছ ধারণা পাওয়া যাচ্ছে যে-

- দেশের অর্থনীতিতে কৃষির চেয়ে শিন্প সেবা খাতের অবদান অনেক বেশি।
- সরকার কৃষি খাতে শিল্পের চেয়ে বরাদ্দ বেশি দিলেও জিডিপিতে কৃষি খাতের অবদান সে তুলনায় কম।
- তাছাড়া শ্রমশক্তির সবচেয়ে বেশি অংশ কৃষি খাতে নিয়োজিত থাকলেও প্রবৃদ্ধিতে শিল্প ও সেবা খাতের চেয়ে অনেক পিছিয়ে রয়েছে এই খাত।
- রপ্তানি বানিজ্যের মাধ্যমে রেমিটেন্স আনায়নের ক্ষেত্রে শিল্প ও সেবা খাতের ভূমিকা অগ্রগণ্য।

কিন্তু এটাও হিসাবে নিতে হবে যে কৃষি খাতকে বাদ দিয়ে জাতীয় অগ্রগতি সম্ভব নয়। তাই করণীয়সমূহ নিম্নরূপঃ

- কৃষি নির্ভর অর্থনীতি বনাম শিল্প ও সেবা নির্ভর অর্থনীতি - এই বিতর্কে না গিয়ে তিনটি প্রধান খাতকে সমন্বয় করে মিশ্র অর্থনীতি দাঁড় করাতে হবে।
- কৃষি খাতে অত্যাধুনিক প্রযুক্তি প্রয়োগের মাধ্যমে এই খাতে প্রবৃদ্ধি বাড়াতে হবে। কৃষি গবেষণায় মনোনিবেশ ঘটাতে হবে। কৃষি নির্ভর পণ্যের রপ্তানি ও নতুন বাজার সৃষ্টির চেষ্টা করতে হবে।
- কৃষি খাতে অভন্তরীণ স্বয়ংসস্পূর্ণতা অর্জন করতে হবে।

এ কথা নিঃসন্দেহে বলা যায় শে কৃষি ক্ষেত্রে আধুনিক প্রযুক্তির প্রয়োগ ও তিনটি প্রধান খাতের মধ্যে সমন্বয় সাধনের মাধ্যমে আর্থ সামাজিক উন্নয়নে বাংলাদেশে বিপ্লব ঘটানো সম্ভব। মধ্যম আয়ের দেশের পথে বাংলাদেশের যে অগ্রযাত্রা, তা ধরে রাখতে সব খাতের অবদান জরুরি। তাই সুষ্ঠু নীতিমালা গ্রহণের মাধ্যমে তিনটি খাতেই ইতিবাচক অগ্রগতি সাধিত হবে - এটিই সময়ের দাবি।

## ২০। বৈশ্বিক উষ্ণায়ন : সমস্যা ও প্রতিবিধান <br> [BDBL SO - 2018]

.বৈশ্বিক উঞ্চায়ন একটি বৈশ্বিক সমস্যা। কার্বন ডাই অক্সাইড, মিথেন, সিএফসি ইত্যাদি গ্যাসের নিঃসরণকেই মূলত বৈশ্বিক উষ্ণায়নের জন্য দায়ী করা হয়। এটি সারা বিশ্বের সমস্যা হলেও এর ফল ভোগ করছে বাংলাদেশের মতো উপকূলীয় ও অর্থনৈতিকভাবে দূর্বল দেশসমূহ। তাই আন্তর্জাতিকভাবে এসব দেশ বৈশ্বিক উষ্ণায়ন প্রতিরোধে সচেষ্ট হয়েছে এবং এর ফলে সৃষ্ট জলবায়ু পরিবর্তনগত কারণে যে ক্ষতির মুখোমুখি হয়েছে তারা, তার ক্ষতিপূরণ দাবি করেছে দায়ী দেশগুলোর কাছে।

বৈশ্বিক উষ্ণায়নের ফলে সৃষ্ট সমস্যাসমূহ নিম্নর্রপঃ
$\square$ পৃথিবী পৃষ্ঠের তাপমাত্রা প্রতিবছর ০.১ ডিগ্রি সেলসিয়াস করে বেড়ে যাচ্ছে। ফলে ঋতু পরিবর্তনের স্বাভাবিক অবস্থা ব্যাহত হচ্ছে।

- মেরু অঞ্চলের বরফ গলে যাওয়ার ফলে সমুদ্র পৃষ্ঠের উচ্চতা বেড়ে যাচ্ছে। নোবেল বিজয়ী ৭ জন বিজ্ঞানী বলেছেন, এভাবে চলতে থাকলে ২০৫০ সালে বাংলাদেশের ২০\% ভূমি ডুবে যাবে এবং ক্ষতিগ্রস্থ হবে প্রায় ৭০\% মানুষ।
- বার্ষিক রৃষ্টিপাতের চিত্র বদলে গিয়ে নেতিবাচক প্রভাব ফেলছে কৃষি ও জীবিকায়।
- সাইক্লোন, খরা, বন্যার মতো প্রাকৃতিক দুর্যোগের হার বেড়ে যাচ্ছে এবং এসব দুর্যোগে প্রাকৃতিক পরিবেশ তথা সুন্দরবনের মতো বনাঞ্চল ক্ষতিগ্রস্থ হচ্ছে। বিশ্বের অনেক দেশে দাবানলও ছড়িয়ে পড়ছে।
- সমুদ্র ও ভূপৃষ্ঠের জীববৈচিত্র্য নষ্ট হচ্ছে তাপমাত্রা বৃদ্ধির ফলে।
- বৈশ্বিক উষ্ণায়নের প্রভাবে বিভিন্ন প্রাকৃতিক দুর্যোগজনিত কারণে মানুষের দেহে বিভিন্ন রোগের বিস্তার অব্যাহত রয়েছে ইত্যাদি।

বৈশ্বিক উষ্ণায়ন ও জলবায়ু পরিবর্তনজনিত সমস্যার প্রতিবিধানে বিশ্ব নেতারা উদ্যোগী হয়েছেন ইদানিং। বিভিন্ন কনফারেন্সের মাধ্যমে এই সমস্যা সমাধানের রূপরেখা তুলে ধরছেন তারা। ১৯৯২ সালের বিশ্ব ধরিত্রী সম্মেলনের ধারাবাহিকতায় বিশ্ব জলবায়ু সম্মেলন - ২০১৭ (COP 23) তে তারা বৈশ্বিক উষ্ণায়নের জন্য দায়ী দেশগুলো কর্তৃক ক্ষতিগ্রস্থ দেশগুলোকে ২০২০ সাল পর্যন্ত প্রতিবছর ১০০ বিলিয়ন মার্কিন ডলার ক্রিপূরণ দিতে সম্মত করে। বাংলাদেশ নিজেকে সবচেয়ে ক্ষত্র্রস্থ দেশ হিসেবে তুলে ধরে প্রাপ্য ক্ষতিপূরণের দাবি রোলে। এছাড়া উষ্ণতা বৃদ্ধির মাত্রা ২ ডিগ্রি সেলসিয়াসের মধ্যে সীমিত রাখার লক্ষ্যমাত্রা ঠিক করা হয়।।

পোল্যান্ডের দক্ষিমাঞ্চলীয় শহর কাতোভিচে বিশ্ব জলবায়ু সম্মেলন - ২০১৮ COP) - (24 এর সমাপনী পর্যায়ে জলবায়ু ভারসাম্যতায় সারাবিশ্বের উষ্ণতাকে ২ ডিগ্রী সেলসিয়াসের নিচে নামানোর সিদ্ধান্তে প্রত্যেক দেশই একমত পোষণ করে। এই সম্মেলনে মূলত ২০১৫ সালের প্যারিস চুক্তি বাস্তবায়নের লক্ষ্যমাত্রাকে নির্ধারণ করে এগিয়ে যাওয়ার প্রত্যয় ব্যক্ত করা হয়।

জাতিসংঘের মহাসচিব এ্যান্তোনিও গুতেরেস আন্তর্জাতিক এই সম্মেলনে সতর্ক বাণী উচ্চারণ করেন বৈশ্বিক উষ্ণতা কমাতে যে প্যারিস মুক্তি, তাকে যথার্থভাবে বাস্তবায়নে ব্যর্থ হলে তা মূলত সবার জন্য আত্মঘাতী হবে। खুধু তাই নয়, চলতি এই সম্মেলন তার লক্ষ্যমাত্রায় পৌঁছতে না পারলে সবুজ অর্থনীতিকে ধরাও সুদূর পরাহত হবে। সুতরাং ক্রমবর্ধমান এই জলবায়ু বিপর্যয় থেকে বেরিয়ে আসতে এটাই শেষ সুযোগ বলে মহাসচিব তার সুচিন্তিত মতামত প্রতিনিধিদের সামনে তুলে ধরেন।

বিশ্বব্যাংকের প্রধান নির্বাহী কর্মকর্তা ক্রিস্টালিনা জর্জিয়েভাও সতর্ক করে দেন সবাইকে এই বলে, জলবায়ুর লাগাম টেনে ধরার সর্বশেষ সুযোগ এই মুহূর্তে বর্তমান প্রজন্মের হাতে। আর এই প্রজন্ম যদি হাল ধরতে ব্যর্থ হয় তবে আমরাই হব সবচেয়ে বেশি ক্তিগ্রস্ত। শ্ু তাই নয়, এই কপ-২৪তম সম্মেলনের লক্ষ্যমাত্রা বাস্তবায়নে বিশ্বব্যাংক ১০ হাজার কোটি ডলারের একটি তহবিল প্রদানেরও আশ্বাস প্রদান করে।

বৈশ্বিক উষ্ণায়ন সমস্যার প্রতিবিধানে যেসব পদক্ষেপ নেওয়া যেতে পারেঃ

- বিশ্বব্যাপী বনায়নের পরিমাণ উল্লেখযোগ্য হারে বাড়াতে হবে।
$\square$ উজ্চতা বৃদ্ধির জন্য দায়ী গ্যাসের নিঃসরণের মাত্রা নির্ধারণ করে দিতে হবে।
- বিশ্ব জলবায়ু সম্মেলনে ঘোষিত ক্ষতিপূরনের বাস্তবায়ন করতে হবে যাতে ক্ষতিগ্রস্থ দেশসমূহ পরিবর্তিত পরিস্থিতির সাথে মানিয়ে নিয়ে সেই অর্থ ব্যয় করতে পারে।
- নতুন করে কোন দেশ যাতে বৈশ্বিক উষ্ণায়নের কারণ সৃষ্টি না করে সেদিকে IPCC ও জাতিসংঘের সংস্হাসমূহকে সজাগ দৃষ্টি রাখতে হবে।
- COP 24 এর পূর্ণাঙ্গ বাস্তবায়নে সচেষ্ট হতে হবে।
- CFC এর মতো গ্যাস নিঃসরণ করে এমন যন্ত্রপাতির ব্যবহার কমাতে হবে।
- প্রতিটি দেশের বাজেটে যেন জলবায়ু পরিবর্তন খাতে বরাদ্দ থাকে, সে ব্যাপারে সচেতনতা সৃষ্টি করতে হবে। উল্লেখ্য, বাংলাদেশের জাতীয় বাজেট ২০১৮-১৯ এ জলবায়ু খাতে বাজেটের 8.০৯\% বরাদ্দ রাখা হয়েছে যা মোট জিডিপির ০.৭৫\%।

বৈশ্বিক উষ্ণায়ন একটি চলমান সমস্যা যা প্রতিরোধে বিশ্বের প্রতিটি দেশের মানুষকেই এগিয়ে আসতে হবে। সচেতন হতে হবে যাতে কোন কর্মকান্ড বৈশ্বিক উষ্ণতা বৃদ্ধির কারণ না হয়।

# ২১। রোহিছ্গা সংকট ও বাংলাদেশের অর্থনীতিতে এর প্রতাব <br> [National Bank PO-2017] 

হাজার বছর ধরে মিয়ানমারে বসবাস করে আসা রোহি্ছারা জাতিগত নিপীড়নের শিকার হয় ২০১৭ সালের মাঝামাঝি থেকে। সেদেশের সেনাবাহিনী ও জাতিগত রাখাইনরা গনহত্যা চালায় রোহিঙ্গাদের উপর। UNHCR সহ বিভিন্ন আন্তর্জাতিক সংস্থার মতে, এতে প্রাণ হারায় প্রায় ৬,৭০০ রোহিহা এবং শরনার্থী হিসেবে প্রতিবেশী বাংলাদেশে আশ্রয় নেয় প্রায় ৬,৫০,০০০ রোহিহ্গা। এর প্রভাব পড়ে সমগ্র বাংলাদেশে। বাংলাদেশের অর্থনীতিও এই সংকটের প্রভাব থেকে মুক্ত নয়।

বাংলাদেশের অর্থনীতিতে রোহিহা সংকটের প্রতাব নিম্নে আলোচিত হলো।

- বাংলাদেশের জাতীয় বাজেট ২০১৮-১৯ এ রোহিঙ্গদের জন্য বরাদ্দ দিতে হয়েছে 800 কোটি টাকা। অনুন্নয়নমূলক খাতের এই বরাদ্দ বাংলাদেশের অর্থনীতিতে উৎপাদনশীল খাতে কাজে লাগানো যেতো।
$\square$ আগে থেকে বাংলাদেশে থাকা রোহিঙাসহ মোট রোহিহ্গার সংখ্যা প্রায় ১০ লাখ। এদের আবাসনের ব্যবস্থা করতে গিয়ে বাংলাদেশ সরকারকে করতে হয়ে বিপুল ব্যয়।
- রোহিহাদের আশ্রয় দেওয়ার কারণে কক্সবাজার, রামু, টেকনাফ ইত্যাদি এলাকায় বিভিল্ন দ্রব্যের চাহিদা বেড়ে গেছে। ফলে সেখানকার জিনিসপত্রের দাম দ্রুত বাড়ছে যাতে ক্ষতিগ্রস্থ হচ্ছে স্থানীয় বাংলাদেশি জনগোষ্ঠী।
- প্রচুর পরিমাণ পাহাড় কেটে রোহিন্গাদের জন্য অস্থায়ী আবাসনের ব্যবস্থা করা হচ্ছে যা পরিবেশের বিপর্যয় ঘটাচ্ছে এবং স্থানীয় আধিবাসীদের আয়ের পথ তথা চাষাবাদের জমি নষ্ট করছে। প্রায় 8000 একর জুম চাষের জমি ব্যবহৃত হয়েছে এই আবাসন তৈরিতে।
- রোহিঙাদের বৃহৎ অংশই শিঙ ও বৃদ্ধ। এছাড়াও তাদের অধিকাংশই অশিক্ষিত হওয়ায় তাদেরকে মানব সম্পদে পরিণত করা যাচ্ছে না। ফলে তারা বোঝায় পরিণত হচ্ছে। অনুৎপাদনশীল এই বিপুল জনগোষ্ঠীর পেছনে ব্যয় বেড়ে যাচ্ছে প্রতিদিন।
- রোহিঙ্গারা তাদের অস্থায়ী আবাসন থেকে বের হয়ে অনেক সময় অপরাধমূলক কর্মকান্ডের সাথে যুক্ত হচ্ছে যা ঐ এলাকার আইনশৃংখলা পরিস্থিতির অবনতি ঘটাচ্ছে। এসব এলাকায় ইয়াবাসহ মাদকের আখড়ার পরিণত হচ্ছে। বিপুল পরিমাণ অর্থ মিয়ানমারে পাচার হয়ে যাচ্ছে।
- নিরাপদ আশ্রয়স্থল ভেবে এদেশ থেকে রোহিহারা যেতে চায় না। তারা বিয়ে শাদি করে এদেশে থেকে যেতে চায়। অনেকেই বাংলাদেশের ভূয়া পাসপোর্ট নিয়ে মধ্যপ্রাচ্যের বিভিম্ন দেশে অপরাধমূলক কর্মকান্ড ঘটাচ্ছে। এতে বাংলাদেশিরা সেখানে ইমেজ সংকটে পড়ছে। অনেকেই চাকরিও হারাচ্ছে বিনা কারণে। যা বিরূপ প্রভাব ফেলছে রেমিটেন্স প্রবাহ তথা সামগ্রিক অর্থনীতিতে।

তাই বলা যায় বাংলাদেশের অর্থনীতিতে রোহিহা সংকটের প্রভাব সুদূরপ্রসারী। এখনই সময় কার্যকর উদ্যোগের মাধ্যমে তাদেরকে মিয়ানমারে প্রত্যাবর্তনের। নয়তো এদেশের অর্থনীতি ক্ততিগ্রস্থ হবে দীর্ঘ মেয়াদে।

## ২২। ব্যাংকিং খাতে ঋণ খেলাপি সমস্যা সমাধানে পদক্ষেপসমূহ

## [Meghna Bank MTO - 2018, Pubali Bank SO/Officer - 2017]

খেলাপি ঋণ ব্যাংকিং খাতের জন্য উদ্বেগের অন্যতম প্রধান কারণ। ব্যাংক কর্তৃক বিতরণকৃত ঋণ খেলাপি ঋণে পরিণত হওয়ার পেছনে বহুবিধ কারণ রয়েছে। সাম্প্রতিককালে ব্যাংক খাতের সাথে সংশ্মিষ্টরা খেলাপি ঋণের প্রভাব গুরুত্বের সজ্ে পর্যালোচনা ও খেলাপি ঋণের হার কমানোর প্রতি জোর দিচ্ছেন।

বাংলাদেশ ব্যাংকের ফিন্যান্সিয়াল স্ট্যাবিলিটি প্রতিবেদন অনুসারে খেলাপি ঋণের বর্তমান চিত্র নিম্নরুপঃ

| সাল | মোট ঋণ (কোটি) | খেলাপি ঋণ (কোটি) |
| :---: | :---: | :---: |
| ২০১৬ | ৬,৭৩, ৭২০ | ৬২,১৭০ |
| ২০১৭ | ৭,৯৮,১৯০ | ৭৪,৩০২ |
| ২০১৮ (সেপ্টেম্বর) | $৮, ৬ ৮, ০ ০ ০ ~$ | $৯ ৯, ৩ ৭ ০ ~$ |

২০১৭ সালে খেলাপি ঋণের ক্ষেত্রে শীর্ষে রয়েছে পোশাক খাত (১০,৭৯০ কোটি টাকা)। এছাড়াও বস্ত্র, নির্মাণশিল্পও খেলাপি ঋণের ক্ষেত্রে শীর্ষে রয়েছে। বাংলাদেশ ব্যাংক সংশ্মিষ্ট সূত্র বলছে সরকারি ব্যাংকগুলো কর্তৃক বিতরণকৃত ঋণের ২৫\% এবং বেসরকারি ব্যাংকগুলো কর্তৃক বিতরণকৃত ঋণের ১০\% খেলাপি হয়। এছাড়াও অবলোপন করা ঋণের পরিমাণ ২০১৮ সালে (সেপ্ট্টম্ব) প্রায় ৩৫,০০০ কোটি টাকা যা মূল ব্যালেন্সশীটে যুক্ত করে না ব্যাংকগুলো।

বিতরণকৃত ঋণ থেলাপি হবার পেছনে বহুবিধ কারণ রয়েছে। যেমনঃ
$\square$ যথেষ্ট যাছাইবাছাই ও যথাযথ প্রক্রিয়া অনুসরণ না করে ঋণ প্রদান;

- সরকারি ব্যাংকগুলোয় রাজনৈতিক প্রভাব ও বেসরকারি ব্যাংকগুলোয় পরিচালকদের প্রভাব বিস্তার করে ঋণ অনুমোদন;
- মনিটরিংয়ের ঘাটতি;
- পুনর্গঠনের মাধ্যমে ঋণ গ্রহীতাদের বিশেষ সুবিধা দান (২০১৫ সালে প্রায় ১৫,০০০ কোটি টাকা পুন্গঠন করা হয়েছিলো পরে যেগুলো আবার খেলাপি ঋণে পরিণত হয়)
- অতিরিক্ত মুনাফা অর্জনের প্রবণতা;
- দক্ষ জনবলের অভাব;
- সুশাসনের অভাব ইত্যাদি।

ঋণের একটি বড় অংশে খেলাপি হয়ে গেলে সামগ্রিক ব্যাংকিং খাতে এর নেতিবাচক প্রভাব পড়ে। যেমন-

- ব্যাংকগুলো মূলধন ঘাটতিতে পড়ে;
- প্রভিশনিংয়ের ফনে মুনাফা কমে যায়;
$\square$ গ্রাহক ন্যায্য মুনাফা থেকে বঞ্চিত হয়;
- ঋণগ্রহীতার ঋণ দ্রুত ক্লাসিফায়েড ঋণে পরিণত হয়;

■ ঋণের বিপরীতে বন্ধক রাখা সম্পদ নিলামে বিক্রি করা কঠিন হয়ে পড়ে। কারণ, নিলামে ক্রয়কৃত সম্পদ দখলে নেওয়া অনেক ক্ষেত্রে সম্ভব হয় না ঋণগ্রহীতা প্রভাবশালী হবার কারণে;

- রাজনৈতিক অস্থিরতার কারণে ঋণগ্রহীতা যথাযথভাবে ব্যবসা পরিচালনা করতে না পারায় কাজ্ষিত মুনাফা অর্জনে ব্যর্থ হয়। তাই ঋণ পরিশোধে ঋণগ্রহীতা ব্যর্থ হয়ে ঋণখেলাপিতে পরিণত হয়;
- ব্যাংকের কর্মকর্তাদের উপর চাপ বাড়ে এবং অনেক সময় তাদের ইনসেন্টিভ বোনাস প্রদানের ক্ষেত্রে কাটছাট করা হয় ইত্যাদি।

এসোসিয়েশন অব ব্যাংকারস বাংলাদেশ (এবিবি) এর প্রেসিডেন্ট ও ঢাকা ব্যাংকের ব্যবস্থাপনা পরিচালক সৈয়দ মাহবুবুর রহমান বলেন, গত বছর অনেক পোশাক ব্যবসায়ী নতুন কারখানা করেছেন। আবার অনেকে ব্যবসা ছেড়ে দিয়েছেন। তাই পোশাক খাতের ঋণ ও খেলাপি ঋণ দুটোই বেড়েছে।

খেলাপি ঋণের পরিমাণ কমানোর জন্য বিশেষজ্ঞরা বিভিন্ন উপায় বাতলে দিয়েছেন। যেমনঃ

- খেলাপি ঋণ আদায়ে অর্থঋণ আদালতকে প্রভাবমুক্ত ও কার্যকর করা;
- খেলাপি ঋণ গ্রহীতার সাথে সমঝোতার মাধ্যমে বিতরণকৃত ঋণ আদায়ে সচেষ্ট হওয়া;
- ঋণ প্রদানের পূর্বে যথাযথ মনিটরিং;
- অতিরিক্ত মুনাফা অর্জনের প্রবৃত্তি ত্যাগ করা;
$\square$ সৎ ও দক্ষ জনবল নিয়োগ;
- বাংলাদেশ ব্যাংকের নির্দেশনা যথাযথভাবে অনুসরণ করা;
$\square$ সার্বিক ব্যবস্থায় সুশাসন প্রতিষ্ঠা ইত্যাদি।
ব্যাংক কর্তৃপক্ষ কার্যকর পদক্ষেপ গ্রহণ না করলে ব্যাংকিং খাতে খেলাপী ঋণ কমবে না। একই সাথে জনগণের আস্থাও বাড়বে না। অর্থনীতির চাকাও গতিশীল হবে না। তাই ব্যাংকিং খাত তথা দেশের সামগ্রিক অর্থনীতিকে সামনের দিকে এগিয়ে নিতে হলে ব্যাংকিং খাতে সুশাসন অপরিহার্য ।


## ২৩। রোহিঙ্গা সমস্যা ও বৈশ্বিক প্রতিক্রিয়া

[BHBFC SO - 2017]
হাজার বছর ধরে মিয়ানমারে বসবাস করে আসা রোহিঙ্গারা জাতিগত নিপীড়নের শিকার হয় ২০১৭ সালের মাঝামাঝি থেকে। সেদেশের সেনাবাহিনী ও জাতিগত রাখাইনরা গনহত্যা চালায় রোহিঙ্গদের উপর। UNHCR সহ বিভিন্ন আন্তর্জাতিক সংস্থার মতে, এতে প্রাণ হারায় প্রায় ৬,৭০০ রোহিগ্গা এবং শরনার্থী

হিসেবে প্রতিবেশী বাংলাদhশে আশ্রয় নেয় প্রায় ৬,৫০,০০০ রোহিহা। সারা বিশ্বের শান্তিকামী মানুষ এই হত্যাযজ্ঞের বিরুদ্ধে প্রতিবাদে ফুঁসে উঠ১। ববশিক প্রতিক্রিয়ার সার্বিক চি্রি নিম্নে হুলে ধরা হলো।

- জাতিসংদের সাধারণ পরিষদ রোহিপাদের উপর চালান্ো গণহত্যাকে "জাতিগত নিধন" হিলেবে অভিহিত করেছে। জাতিসংঘের মহাসচিব এন্টনিও ঔতিয়েরেরে রোহিহা সংকট নিরসনে ৩ টি ফর্মুলা দেন। রোহিছাদের সুরক্ষার প্রস্তাব® দেয় জাতিসং্৷। এছাড়া জাতিসংঢের অগসংছ্ছা UNHCR মিয়ানমারের সাথে রোহিহাদের প্রত্যাবর্ত্তন্র বিষয়ে একটি সমব্েোতা স্যারকে স্বাক্রর করে।
■ ইউরোপীয় ইউনিয়ন সব সময়ের মতোই রোহিগ্গাদর পত্কে কথা বলেঢে এবং মিয়ানমারের ভূমিকার সমালোচনা করেছে। dই্য়.কম
- যুক্তনাষ্ট্র কঠোর অবস্থানের কথা বলনেও কার্यকর কোন ব্যবস্থা বা অবরোধ দেয়নি মিয়ানমারের বিরুত্দে।
- মানয়েশিয়া রোহিহাদের ফিরিয়ে নিয়ে নিরাপদ পূনর্বাসনের দাবি জানিভ্যেছে মিয়ানমারের প্রতি। মানয়েশিয়ার প্রধানমন্ত্রী মাহাথির মোহাম্দ রোহি্ছারা মিয়ানমারের হাজার বছরের বাসিন্দা বলে দাবি করেন এবং তাদের স্থায় প্রত্যাবর্তন্নে প্রতি জোর দেন।
- মুসলিম দেশওুো মিয়ানমারের ভূমিকার তীব্র সমালোচনা করেছে। মুসলিম দেশঙুলোর সংংঠন ওআইসির ও তুরক্ক মিয়ানমার্রের অমনবিক আচরণণর বিরৃদ্ধে বিশ্ব মিডিয়ায় কঠোর অবস্থান ভুলে ধরেছে।
- রোহিহা ইস্যুতে মিয়ানমারের নোবেল বিজয়ী নের্রী অং সান সুচির ভূমিকার কঠোর সমালোচনা করে বিভিন্ন দেশ তাকে দেওয়া পদক ও পুরস্কার প্রতাহার করেই চলেছে। তার নোবেল পুরস্কার বাতিনের দাবিতে পিটিশনে স্বাক্ষর করেছে লাখ লাখ মানুষ।
- বিশ্বের প্রায় সব বড় বড় মিডিয়া রোহিহা ইস্যুতে বাংলাদhশের মানবিক ভূমিকার প্রশংসা ও সমর্থন করেছে। বাং্লাদেশের প্রধানমন্ত্রীকে বিশ্ব মিডিয়া দিয়েছে "মাদার অব হিউমিনিটি" উপাধি।
- কিন্তু দুংখজনক হলেও সত্য ব্রে ভারত, চীন ও রাশিয়া মিয়ানমারের পক্ষে অবস্ছান নিয়েছে। মানবিক দিককেে উপেক্ষা করে চীনের সাথে দৈৈৈরেে এগিয়ে থাকতে ভারত বাংলাদেশকে সমর্মন না করে মিয়ানমারকে সমর্থন করেছে। এছাড়াও আসামের 80 লাখ বাঙালিকে বাংলাদhশের অবৈধ অনুপ্রবেশকারী দাবি করে ভারত সরকার বাংলাদদশকে চাপে রাখতে চায়। ফলে তাদের এ অবস্ছানে অবাক হবার কিছু নেই।

সার্বিক দিক বিবেচনায় নিলে বিশ্বাসী বাংলাদেশের মানবিক কৃটনীতির পক্কেই অবস্থান নিয়েছে। বিভিন্ন দেশ ও এনজিও বাং্লাদেশকে রোহিহা সংকট সমাধানে সাহায্য করছে। ফলে বলা যায় বৃহৎ তিন

পরাশক্তির বিরুদ্ধ অবস্থান স্বত্ত্রেও বৈশ্বিক প্রতিক্রিয়ার বিচারে রোহিঙ্গাদের প্রত্যাবর্তন বাংলাদেশের কৌশল এখনো পর্যন্ত কার্যকরি বলা যায়।

## ২৪। বাংলাদেক্শের জাতীয় আয়ে কৃষি খাতের অবদান ক্রমমাগত হ্রাসের কারণ ও প্রতিকার [Janata Bank AEO (RC) - 2017]

ঐতিহাসিকভাবেই বাংলাদেশ কৃষি প্রধান দেশ। দেশের কর্মক্ষম জনগোষ্ঠির অধিকাংশই এই কৃষি খাতের সাথে জড়িত। কৃষি নির্ভর অর্থনীতির বদৌলতে দেশের জাতীয় আয়ে কৃষির অবদান ক্রমাগত বৃদ্ধি পাবার কথা থাকলেও এই খাতে প্রবৃদ্ধি আশাব্যাঞ্জক নয়, বরং তা ক্রমাগত হ্রাস পাচ্ছে। এছাড়াও অর্থনৈতিক উন্নয়নের মানদন্ডের অন্য প্রধান দুটি খাতের সাথে তুলনায় পিছিয়ে পড়ছে। এই সমস্যার কারণ ও প্রতিকারে বিশেষজ্ঞরা দিচ্ছেন নানা মত।

শিল্প ও সেবা খাতের সাথে তুলনায় কৃষির বর্তমান অবস্থান নিম্নর্দপঃ

| বিষয় | কৃষি | শিল্প | সেবা |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| ২০১৮-১৯ সালের বাজেটে বরাদ্দ | ৫.৭\% | 0.१\% | ২৫.৩০\% |
| নিয়োজিত শ্রমশক্তি | 80.৬০\% | 20.80\% | ৩৯\% |
| জিডিপিতে অবদান (২০১৭-১৮) | ১৪.১০\% | ৩৩.৭১\% | ৫২.১৮\% |
| প্ররৃ্ধি হার | ৩.০৬\% | ১১.৯৯\% | ৬.৩৩\% |

উপরের ছক থেকে এটি বুঝা যায় যে জিডিপিতে অন্য দুটি খাতের চেয়ে কৃষি খাতের অবদান অনেক কম यদিও অধিকাংশ শ্রমশক্তি এই খাতে নিয়োজিত রয়েছে। এছাড়াও ২০১৬-১৭ অর্থবছরের চেয়ে ২০১৭-১৮ অর্থবছরে জিডিপিতে অবদান হ্রাস পেয়েছে প্রায় ০.৬৪\%।

জাতীয় আয় তথা জিডিপিতে কৃষি খাতের অবদান হ্রাস পাবার কিছু কারণ নিম্নরূপঃ

- কৃষি শ্রমিকদের বড় অংশই অশিক্ষিত ও অদক্ষ হওয়ায় প্রযুক্তিগত জ্ঞানের অভাব তাদের রয়েছে। ফলে উৎপাদন কম হচ্ছে।
- কৃষিক্ষেত্রে আধুনিক যন্ত্রপাতির ব্যবহার সীমিত এবং কৃষকরা মূলধনের অভাবে অনেক সময় তা কিনতেও পারে না।
■ চাষাবাদের জন্য মূলধনের ঘাটতি বড় সমস্যা। এছাড়া আর্থিক প্রতিষ্ঠান ও ব্যাংকগুলোও কৃষি ঋণ প্রদানে নমনীয় হয় না।
■ জনসংখ্যার ক্রমবর্ধমান অবস্থায় আবাসনের জন্য কৃষি জমির পরিমাণ হ্রাস পাচ্ছে। অনেক জমিতে শিল্প কারখানা গড়ে উঠছে। এটিও উৎপাদন হ্রাসের একটি কারণ।
$\square$ আর্থিক সচ্ছলতার লক্ষ্যে অনেক কৃষক পেশা বদল করছে।
- কৃষি ক্ষেত্রে গবেষণা ও গবেষণালব্ধ জ্ঞানের প্রয়োগের ঘাটতি রয়েছে।

এই সমস্যা প্রতিকারে তথা জাতীয় আয়ে কৃষির অবদান বাড়াতে হলে কিছু ব্যবস্থা নেওয়া যেতে পারে। যেমনঃ

- কৃষিক্ষেত্রে অত্যাধুনিক যন্ত্রপাতির ব্যবহার বাড়াতে হবে।
- কৃষকদের ট্রেনিংয়ের ব্যবস্থা করতে হবে যাতে তারা বিভিন্ন যন্ত্রপাতি, উন্নত বীজ ও সার ইত্যাদি সুষ্ঠুভাবে ব্যবহার করতে পারে।
- কৃষক-বাঞ্ধব ব্যাংকিং চালু করতে হবে যাতে তারা বিনা জামানতে কৃষি ঋণ পান।
- কৃষি গবেষণায় বাজেট বাড়াতে হবে যাতে আরো উন্নত ও উৎপাদনশীল বীজ উদ্ভাবন করা যায়।
- পেশা হিসেবে কৃষিকে বেছে নেবার মতো সহায়ক পরিবেশ সৃষ্টি করতে হবে।
- BADC ও BRRI কে আরো গতিশীল ও কার্যকর করতে হবে।

তথ্য - প্রযুক্তির এই যুগে উন্নতি নির্ভর করছে জ্ঞানের প্রয়োগের উপর। প্রযুক্তিগত জ্ঞান যত কৃষকদের দোরগোড়ায় পৌঁছে দেওয়া যাবে, তত এর সুফল পাওয়া যাবে এবং জাতীয় আয়ে কৃষির অবদানের চিত্র বদলে যাবে ইতিবাচকভাবে।

## ২৫। গ্রামীণ কর্মসংস্থান বৃদ্ধিতে কৃষি ঋণের ভূমিকা <br> [RAKUB Officer - 2017]

বাংলাদেশের জাতীয় আয়ে কৃষি খাতের অবদান ক্রমশ হ্রাস পাচ্ছে। দেশের মোট কর্মক্মম জনগোষ্ঠীর 8০.৬\% কৃষি খাতে যুক্ত থাকলেও জাতীয় আয়ে কৃষি খাতের অবদান মাত্র ১8.১০\% (অর্থনৈতিক সমীক্ষা ২০১৮)। এ অবস্থা থেকে উত্তরণে তথা জাতীয় আয়ে কৃষির অবদান বাড়াতে কৃষি ঋণ রাখতে পারে অগ্রণী ভূমিকা। একই সাথে গ্রামীন কর্মসংস্থান বৃদ্ধিতেও কৃষি ঋণ রাখতে পারে কার্যকরি ভূমিকা।

বাংলাদেষ ব্যাংক ২০১৮-১৯ অর্থ বছরে ২১,৮০০ কোটি টাকা কৃষি ঋণ বিতরণের লক্ষ্যমাত্রা নির্ধারণ করেছে যা বিগত অর্থবছরের চেয়ে ৬.৮৬\% বেশি। কৃষি ঋণ বিতরণের ক্ষেত্রে বাংলাদেশ ব্যাংক ব্যাংকগুলোকে বেঁধে দিয়েছে নির্দিষ্ট লক্ষ্যমাত্রা। উল্লেখ্য, গত অর্থ বছরে প্রায় ৩১ লাখ কৃষক ও প্রান্তিক চাবী কৃষি ঋণ পেয়েছেন। তাছাড়া ব্যাংকগুলো নির্দিষ্ট লক্ষ্যমাত্রার ঋণ বিতরণ না করলে অনর্জিত লক্ষ্যমাত্রার সমপরিমাণ অর্থ বাংলাদেশ ব্যাংকে জমা রাখতে বাধ্য। কৃষি ঋণ দানের এই বাধ্যবাধকতা কর্মসংস্থান সৃষ্টিতে কার্যকরি ভূমিকা রাখতে পারে।

গ্রামীণ কর্মসংস্থান বৃদ্ধিতে কৃষি ঋণের ভূমিকা নিচে আলোচিত হলোঃ

- কৃষি ঋণ গ্রহণের মাধ্যমে গ্রামের বেকার যুব সমাজ কৃষি বীজ উৎপাদন, মাছ চাষ, মুরগীর খামার দেওয়া - ইত্যাদি কর্মকান্ডের মাধ্যমে স্বাবলম্বী হয়ে উঠতে পারে। এছাড়া আরো কিছু যুবককে এসব প্রজেক্টে কর্মী হিসেবে নিয়োগ দিতে পারে।
$\square$ উৎপাদিত মাছ, মুরগী ইত্যাদি বিক্রির জন্য আরেকটি কর্মজীবী শ্রেণি গড়ে উঠতে পারে যারা আগে বেকার ছিলো।
- কৃষি ঋণ গ্রহণ করে কৃষি বিষয়ক ট্রেনিং নিয়ে কাজে নেমে যেতে পারে গ্রামীণ জনগোষ্ঠী।
$\square$ গ্রামের মহিলারাও বাড়ির আগিনায় মুরগীর খামার, বাড়ির পুকুরে মাছ চাষ করতে পারে কৃষি ঋণ গ্রহণের মাধ্যমে।
- কৃষি ঋণে সুদের হার অপেক্ষাকৃত কম হওয়ায় ঝুঁকি কম থাকে কৃষিজীবীদের। এটি উৎপাদন প্রক্রিয়ার জন্য ইতিবাচক।
■ কৃষি ঋণ প্রদান পদ্ধতি সহজ হলে তথা ব্যাংকিং কৃষি বান্ধব হলে কৃষকেরা মূলধনের অভাবে চাষাবাদ বন্ধ রাখবে না। যা পরোক্ষভাবে কর্মসংস্থানকে সচল রাখা বুঝায়।
- কৃষি ঋণ প্রদানকালে ব্যাংকের কর্মকর্তার যথাযথ তদারকি ও সুপরামর্শ ঋণগ্রহীতাকে আয়ের পথ দেখাতে পারে।

সর্বোপরি একথা বলতেই হয় যে বাংলাদেশ ব্যাংকের কৃষি ঋণ নীতিমালা খুবই বাস্তবমুখী ও কৃষকবান্ধব। ব্যাংকগুলো প্রকৃত কৃষক ও চাষীদের ঋণ দিলে, ঋণ গ্রহণ প্রক্রিয়া সহজ হলে এবং যথাযথ মনিটরিংয়ের মাধ্যমে ঋণ বিতরণ করলে তা গ্রামীণ কর্মসংস্থান বৃদ্ধিতে ইতিবাচক অবদান রাখবে।

## ২৬। পরিবেশবা⿸্ধব শিন্পায়ন

## [Janata Bank EO - 2017]

আধুনিক সভ্যতার অগ্রগতির মূলে রয়েছে শিল্পায়নের প্রভাব। প্রথম দিকে অনুধাবন করা না গেলেও শিল্পায়নের দ্রুত প্রসারের সাথে সাথে পরিবেশের উপর এর যে বিক্রপ প্রভাব পড়ছে, তা উদ্বেগের কারণ হয়ে দাঁড়িয়েছে বিশ্ববাসীর। তাই পরিবেশবান্ধব শিল্পায়নের বিষয়টি খুব গুরুত্বের সজ্ছে আলোচিত হচ্ছে।

পরিবেশবান্ধব শিল্পায়নের গুরুত্ব অনস্বীকার্য। শিল্পায়নের প্রভাবে একদিকে যেমন পরিবেশের বিপর্যয় ঘটছে, অন্যদিকে শিল্প বর্জ্যের প্রভাবে মানুষ আক্রান্ত হচ্ছে বিভিন্ন ধরণের রোগ ব্যধিতে। শিল্পায়নের প্রভাবে পরিবেশ দূষণের ফলে জীববৈচিত্র্য নষ্ট হচ্ছে, বিভিন্ন প্রজাতির প্রাণী ও উদ্ভিদ বিলুপ্তির পথে। আবার শিল্প বর্জ্যের প্রভাবে নদী, সাগরের পানি হচ্ছে দূষিত, এসব পানি ব্যবহারের ফলে মানুষের ক্যান্সার, চর্মরোগের মতো বিভিন্ন প্রাণঘাতী রোগের শিকার হচ্ছে। তাই এখনই সময় শিল্পায়নকে পরিবেশবান্ধব করা।

পরিবেশবান্ধব শিল্পায়নের ক্ষেত্রে বাংলাদেশ সরকারের পদক্ষেপ আশা জাগানিয়া। দেশের শিল্পায়নকে বেগবান করতে ঘোষিত ‘শিল্পনীতি ২০১৬’-তে দেশের আর্থ-সামাজিক উন্নয়নকল্পে দ্রুত শিল্পায়নের সাথে সাথে পরিবেশবান্ধব শিল্পায়নের প্রতি গুরুত্ব দেওয়া হয়েছে। পরিবেশবান্ধব শিল্পকারখানা প্রতিষ্ঠাও বাংলাদেশ এক উজ্জ্বল নাম। বিশ্বের সেরা ১০টি পরিবেশবান্ধব শিল্পকারখানার ৭টিই বাংলাদেশের।

বিশ্ববাসী এখন পরিবেশ রক্ষায় সচেতন হতে তরু কারছে। বিশ্ব জলবায়ু সম্মেলন ২০১৭ (COP23) তেও বৈশ্বিক উষ্ণতার জন্য দায়ী দেশঋুলোকে কার্বন নিঃসরণের হার কমাতে বলা হয়েছে এবং প্রতি বছর ১০০ বিলিয়ন ডলার ক্ষতিপূরণ দিতে বলা হয়েছে ২০২০ সাল পর্যন্ত। দেশগুলোও শিল্পায়নকে পরিবেশবান্ধব করতে উদ্যোগী হচ্ছে।

জাতিসংঘের মহাসচিব এ্যান্তোনিও গুতেরেস বিশ্ব জলবায়ু সম্মেলন - ২০১৯ এর সমাপনী পর্যায়ে সতর্ক বাণী উচ্চারণ করেন বৈশ্বিক উষ্ণতা কমাতে যে প্যারিস চুক্তি, তাকে যথার্থভাবে বাস্তবায়নে ব্যর্থ হলে তা মূলত সবার জন্য আত্মঘাতী হবে। ঔধু তাই নয়, চলতি এই সম্মেলন তার লক্ষ্যমাত্রায় পৌঁছতে না পারলে সবুজ অর্থনীতিকে ধরাও সুদূর পরাহত হবে। সুতরাং ক্রমবর্ধমান এই জলবায়ু বিপর্যয় থেকে বেরিয়ে আসতে এটাই শেষ সুযোগ বলে মহাসচিব তার সুচিন্তিত মতামত প্রতিনিধিদের সামনে তুলে ধরেন।

পরিবেশবান্ধব শিল্পায়নে করণীয়সমূহ নিম্নরূপঃ

- শিল্পকারখানাসমূহকে পরিবেশবান্ধব করার লক্ষ্যে বৈশ্বিক নীতিমালা প্রণয়ন করতে হবে।

■ পরিবেশবান্ধব শিল্পকারখানা প্রতিষ্ঠার মানদন্ড নির্ধারণ করে দিতে হবে।
■ কার্বন, সিএফসি ইত্যাদি নিঃসরণ করে এমন পণ্য প্রস্তুত থেকে শিলকারখানাগুলোকে বিরত রাখতে হবে।

- শিল্পবর্জ্য যাতে নদী-নালা, সমুদ্রে না পড়ে, সেই লক্ষ্যে শিল্পবর্জ্যের সুষ্ঠু ব্যবস্থাপনা নিশ্চিত করতে হবে।
- কৃষি জমিতে রাসায়নিক সার ও কীটনাশকের ব্যবহার কমিয়ে জৈব সার ব্যবহার করতে হবে।
- শিল্পকারখানার দুষণ কমাতে হবে আবার কয়লাভিত্তিক বিদ্যুৎ উৎপাদনও হ্রাস করতে হবে।
- নবায়নযোগ্য শক্তির উৎসের দিকে নজর দিতে হবে যাতে পরিবেশের উপর চাপ কমে।

পরিবেশের সার্বিক অবস্থা নির্ভর করে চারপাশের অবস্থান ও উন্নয়ন কর্মকান্ডের উপর। এই বিশ্বকে বাসযোগ্য রাখতে হলে পরিবেশ রক্ষার বিকল্প নেই। তাই পরিবেশবান্ধব শিল্পায়ন প্রতিষ্ঠার এখনই সময়। একই সাথে সবার মধ্যে পরিবেশবাম্ধব শিল্পায়নের গুরুত্ব ও তাৎপর্য সম্পর্কে সচেতনা তৈরি জরুরি।

## ২৭। অনলাইন ব্যাংকিং : সুবিধা ও অসুবিধা

## |Pubali Bank TAT - 2017]

ইন্টারনেটের মাধ্যমে যে সাধারণ ব্যাংকিং কার্যক্রম, তাকেই ইন্টারনেট ব্যাংকিং বা অনলাইন ব্যাংকিং বলে।এক্ষেত্রে ইন্টারনেট-এ যুক্ত হয়ে ব্যাংকের নির্দিষ্ট সুরক্ষিত ওয়েবসাইট- এর মাধ্যমে একজন গ্রাহক তার ব্যাংক একাউন্টে প্রবেশ করে। একাউন্টে প্রবেশের জন্য ব্যাংক গ্রাহককে প্রয়োজনীয় তথ্য ( সাধারণত: একটি আইডি ও পাসওয়ার্ড) সরবরাহ করতে হয়। অনলাইন ব্যাংকিংয়ের কিছু সীমাবদ্ধতা রয়েছে যা দিন দিন কাটিয়ে উঠার চেষ্টা করা হচ্ছে।

অনলাইন ব্যাংকিং ব্যাংকিং জগতে আশীর্বাদ স্বরূপ। এটি ব্যাংকিং জগতে এক বৈপ্লবিক পরিবর্তন সাধন করেছে। নিম্নে অনলাইন ব্যাংকিং এর সুবিধা উল্লেখ করা হলোঃ
$\square$ ২৪ ঘন্টা, ৩৬৫ দিন একাউন্টে প্রবেশের সুবিধা পাওয়া যায়।
$\square$ হিসাবের ব্যালেম্স অনুসষ্ধান করা যায়।
$\square$ অতি অল্প সময়ে এক হিসাব থেকে অন্য হিসাবে অর্থ স্ছানাস্তর করা যায়।
$\square$ নিজের একধিক হিসাবের মধ্যে অর্থ স্থানান্তর করা যায়।
$\square$ ইউটিলিটি বিল পরিশোধ ( যেমন: বিদ্যুৎ, পানি, গ্যাস, ফোন, মোবাইল, ইন্টারনেট ইত্যাদি) করা যায়।
$\square$ সুদের হার অনুসষ্ধান, বৈদেশিক মুদ্রার বিনিময় হার অনুসষ্ধান করা যায়।
$\square$ হিসাবের রিপোর্ট অনুসষ্ধান করা যায়।
$\square$ চেক বই এর জন্য অনুরোধ করা যায়।
$\square$ চেক এর পেমেন্ট বাতিল করা করা যায়।
$\square$ বিভিম্ম ডিপোজিট স্কিম খোলা যায়।
$\square$ চব্বিশ ঘন্টা অর্থাৎ যে কোন সময়ে এটিএম এর সাহায্যে অর্থ উত্তোলন করা যায়।
$\square$ ব্যাংকের গ্রাহক সেবার মান উম্মত করা যায়।
$\square$ আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপটে ব্যাংকিং কার্যর্রম পরিচালনা করা যায়।
$\square$ অনলাইন ব্যাংকিং চালুর ফলে গ্রাহকের অযথা হয়রানি বন্ধ করা যায়।
$\square$ আন্ত শাখা ও আন্ত ব্যাংক লেনদেন সমম্বয় সহজতর হয়।
$\square$ ইলেকট্রনিক ফান্ড ও ইলেকট্টনিক মানি ব্যবহারের ফলে গ্রাহকের ব্যবসায়িক লেনদেন সহজ্রর হয়েছে ইত্যাদি।

অনলাইন ব্যাংকিং পদ্ধতি একটি অত্যাধুনিক প্রযুক্তি সম্বলিত কম্পিউটার নেটওয়ার্ক এর একটি স্বয়ংসম্পূণ ব্যবস্থা। আজকাল আধুনিক মানের প্রত্যেকটি ব্যাংকই অনলাইন ব্যাংকিং সেবা দেবার প্রচেষ্টা চালাচ্ছে।

তবে এই ব্যবস্থার অসংখ্য সুবিধার পাশাপাশি কিছু অসুবিধাও রয়েছে। এগুলো নিম্নে আলোচনা করা হলোঃ

- যেহেতু এটি অত্যাধুনিক প্রযুক্তি সম্বলিত একটি ব্যবস্থা তাই এর সংস্থাপন ও রক্ষণাবেক্ষণ খরচও অনেক বেশি যা আর্থিকভাবে দুর্বল কোন ব্যাংকের পক্ষে বহন করা কষ্টকর।
- এই অত্যাধুনিক প্রযুক্তি পরিচালনার জ্রন্য অত্তন্ত দক্ষ ও প্রশিক্ষণপ্রাপ্ত কর্মীর সাহায্য ছাড়া প্রায় অসম্ভব। কিন্তু তথ্যপ্রযুক্তিতে দক্ষ কর্মীর অভাব ব্যাংকের জন্য একটি অসুবিধার কারণ।
- যেহেতু অনলাইন ব্যাংকিং নেটওয়ার্ক সম্বলিত একটি ব্যবস্থা তাই হাাকারদের আক্রমনের সম্ভাবনা থাকে। এতে করে গোপনীয়তা থেমন প্রকাশ হতে পারে তেমনি কম্পিউটার সিস্টেমেও দেখা দিতে পারে লোলযোগ।

■ প্রাকৃতিক অথবা অন্য কোন কারণে নেটওয়ার্ক বিচ্ছিম্ম হয়ে গেলে এই ব্যবস্থা অসুবিধাগ্রস্ত হয় ইত্যাদি।

তথ্য প্রযুক্তির এই যুগে অনলাইন ব্যাংকিং খুবই প্রত্যোজনীয় অংশ হতে চলেছে আধুনিক জীবন যাপনে। এর সীমাবদ্ধতাসমূহ কাট্টিয়ে সুবিধাগুলোকে কাজে লাগাতে হবে।

## ২৮-। রপ্তানি নীতি ২০১৮-২১

রক্তানি বাণিজ্যে গতিশীলতা সৃষ্টি, ব্যবসা-বাণিজ্য প্রতিযোগিতামূলক করা এবং প্রতিতোগিতামূলক বিশ্বে বাংলাদেশের অবস্থান সুদূঢ় করতে রক্তানি নীতি ২০১৮-২১ অনুমোদন করেছে বাংলাদেশ সরকার। আগের রপ্তানি নীতি ২০১৫-১৮ হালনাগাদ করে নত্রন রপ্তানি নীতি প্রণয়ন করা হয়েছে।

## - या या রয়েছে নতুন রপ্তানি নীতিতেঃ

১। নতুন রপ্তানি নীতিতে আগের নীতির সজে সমন্বয় করে সংজ্ঞা বিষয়ক একটি পৃথক ও নতুন অধ্যায় সংযুক্ত করা হয়েছে এবং নমুনা, সুগঙ্ধী চাল ও পরোক্ষ রপ্তানির মত বিষয়ণুলো সম্পক্কে নতুন সংজ্ঞা যুক্ত করা হয়েছে।

২। পাশাপাশি, ডেনিম, একটিভ ফার্মাসিটিক্যাল ইনগ্রেডিয়েন্টস (এপিআই (এবং রি-এজেন্ট) চামড়া, অ-চামড়া এবং সিনথেটিক থেকে তৈরি জুতা-(এর মত তিনটি নতুন খাত যোগ করা হয়েছে। যার ফলে বর্তমানে সর্বোচ্চ অগ্রাধিকার প্রাপ্ত খাতের সংখ্যা ১৫টিতে দাঁড়িত্যেছে।

৩। হালকা প্রকৌশল পণ্য) মটরসাইকেল, ব্যাটারি(, ফটোভলটাইক মোডিউল) সোলার এনার্জি(, কাজু বাদাম) কাঁচা ও প্রক্রিয়াজাত( জ্যান্ত ও প্রক্রিয়াজাত কাঁকড়া এবং খেলনার মত পাচঁটি নতুন পণ্য বিশেষ উন্নয়ন ভিত্তিক খাত হিসেবে সংযুক্ত করা হয়েছে। পাশাপাশি, ওয়েট ভু চামড়ার উপজাত পণ্য ওয়েট বু স্পিট লেদারকে রপ্তানিযোগ্য পণ্য হিসাবে ঘোষণা করা হয়েছে।

8। এই রপ্তানি নীতিতে মূল্য সংযোজন কর) ভ্যাট (প্রণোদনা হিসেবে বিদ্যমান 80 শতাংশ থেকে ৩০ শতাংশ করার সুযোগ রাখা হয়েছে।

দেশের অর্থনীতিকে এগিয়ে নিতে রপ্তানি খাতে অগ্রগতি সাধনের বিকল্প নেই। আশাকরি দেশের রপ্তানির চিত্রে ইতিবাচক ভূমিকা রাখবে নতুন রপ্তানি নীতি।

## ২৯। ভাষা শহীদদের অবদান উল্লেখপূর্বক আন্তর্জাতিক মাতৃভাষা দিবসের তাৎপর্য

## [Bangladesh Bank AD - 2017]

"‘আমার ভাইল্যের রক্তে রাঙান্নো একুশে ঝেব্রয়ারি, আমি কি ভুলিতে পারি।" প্রত্যেক জাতির জীবনে বিরন কিছু সারনীয় দিন থাকে, ইংরেজিতে যাকে বলে রেড লেটার ডে। এ জাতীয় দিন অনন্য স্তনত্ত্রতার জন্য ইতিহসের অক্ষ্য পাতায় ছান লাভ করে। একুশে কেব্র্য়ারি বাঙালির জাতীয় জীবনে এক লৌরবময় ও ঐতিহ্যবাহী দিন। বাঙালির জাতীয় জীবনের সকল চেতনার উৎস হচ্ছে এ দিনটি। বাংলা ভাষাকে রাষ্ট্রীয় ভাষার মর্যাদায় প্রতিষ্ঠা কনার ঐতিহাসিক দিন এটি।

১৯৪৮ সালে মোহমমদ আলী জিন্মাহ ঘোষণা করেন উর্দু এবং উর্দুই হবে পাকিস্তানের একমাত্র রাষ্ট্রতাষা। এর ফলে ত্মুল প্রতিবাদ ধ্বনি উচ্চারিত হয়। মোহাম্মদ আলী জিন্নাহর ঘোষণার পর ভাষা আন্দোলন জোরদার হতে থাকে। প্রথল্ম ছাত্ররা এ আন্দোলন চালিত্রে নিলেও পরবর্তীতে গোট দেশবাসী ছাত্রদের সাথে একাত্ণত ঘোষণা করে। ফতে ছাত্রদের মনোবল বেড়ে যায় এবং তারা এগোতে খরু করে। বাংলাকে রাষ্ট্রতাষার মর্যাদাদানে প্রত্য়ী ছা্রসমাজ ১৯৫২ সালের ২১ ঝ্ৰেক্যোরি মিছিল বের করে। পুলিশ মিছিলের উপর ওুনী চালায়। এরে সালাম, বরকত, রফিক ও জব্বারসহ অনেকে নিহত হয়। এ হত্যাयজ্্ে আন্দোলন আরো বেগবান হয়।এ সৃতি ভাষা আন্দোলনকে অক্ষয় করে রেখেছে। ১৯৫২ সালের ২১ ঝেব্রয়ারিতে সংঘणিত হত্যাকাড্ডে খবর সারাদ্দশে পৌঁছে যায়। অতঃপর পাকিস্তান সরকার বাংলাকে রাষ্ট্রতাষা হিলেবে স্বীকৃতি দিতে বাধ্য হয়।

১৯৯৯ সালের ১৭ নবেম্বর ইউনেস্কো এর সাধারণ পরিষদের ৩০তম পূর্ণাঙ্গ অধিবেশনে বাংলাদেশসহ ২৭টি দেশের সমর্থন নিয়ে সর্বসমাতভাবে একুশে ফেব্রুয়ারিকে ‘আন্তর্জাতিক মাতৃভাষা দিবস' হিসেবে স্বীকৃতি দেয়।

এ দিবসের তাৎপর্য উল্লেখ করে বিশিষ্ট ভাষা বিজ্ঞানী হুমায়ুন আজাদ বলেছেন, আমি মুগ্ধ আমি প্রীত, আমাকে স্বীকৃতি দিয়েছে, আমার প্রণের কথা আমার ভাষায় জানাতে পারব বলে আমার হৃদয়স্পন্দন বেড়েছে। সত্তিই গর্বিত আমি।", নইঘয়.কম

ভাষা আন্দোলনের মাধ্যমে বাঙালি জাতির মাঝে যে চেতনার উন্মেষ হয়, তার চরম বিস্ফোরণ ঘটে ঊনসত্তর থেকে একাত্তরে। একুশে ফ্রেয়ারির তাৎপর্য শহীদ দিবস পালনের মধ্যেই সীমাবদ্ধ থাকেনি, তা বাঙালির জাতীয় জীবনের সর্বত্র প্রভাব বিস্তার করতে সক্ষম হয়। বাংলাদেশের সমস্ত আন্দোলনের মূল চেতনা একুশে ফেব্রয়ারি। তখন থেকেই বাঙালি উপলব্ধি করেছিল তার বাঙালি জাতীয়তাবোধ, তার সংস্কৃতির অতন্দ্র প্রহরী। এই সংগ্রামী চেতনাই বাংলার সাংস্কৃতিক আন্দোলন এবং রাজনৈতিক আন্দোলন এই দু' ধারাকে একসূত্রে গ্রথিত করে মুক্তিসংগ্রামের মোহনায় এনে দিয়েছে। আর এই পরিপ্রেক্ষিতেই ১৯৭১ সালের ১৬ ডিসেম্বর স্বাধীন ও সার্বভৌম বাংলাদেশের সৃষ্টি হয়েছে।

একুশে ফ্র্ক্য়ারি বাঙালি জাতির জীবনে একটি অরুতুপৃণ্ণ দিন। একুশের ঢেতনাই বাঙালি জাতিক্কে দিত্যেছে অন্যায়, অবিচার, অত্যাচার, শোষণের বিরুদ্ধে আপোষহীন সংগ্রামের প্রেরণ। ভাষা আন্দোলন জাতীয়ততাবদদর প্রথম উন্মেষ। আন্দোলন্নের প্রত্যক্ষ ফল ছিল বাঙালি জাতির আপন সত্তার উপলক্কি এবং এক্যবদ্ধ হবার প্রেরণা। এ আন্দোলনই বাঙালি জাতিকে স্বাধীনতার আন্দোলন্নে অন্নিমন্ত্রে দীক্ষিত করে স্বাধীন সার্বভভৗম বাংলাদদশ প্রতিষ্ঠার সশস্ত্র সংগ্রাম্ লিণ্ত হওয়ার অনুপ্রেরণা দেয়। পাক্স্স্ৰন সৃষ্টির পর থেকেই শাসকগোষ্ঠী রাজনৈতিক, সামাজিক ক্ষেত্রে মড়यন্ত্রের মাধ্যমে তৎকানীন পূর্ব পাকিস্তুনকে তাদের উপনিবেশ হিসেবে গড়ে তোলার চেষ্ঠা করেছিল। এ উদ্দেশ্য সাধনের জন্যই বাঙালিদের মাতৃভাষার উপর চরম আঘাত হানে।

পাকিস্তান সৃষ্টির পর পরই রাষ্ট্রতাষা আন্দোলন ৫রু হলেও মূলত ১৯৫২ সালের রাষ্ট্রতাষার প্রশ্নে বাঙালি জাতি আন্দোলনে ঐক্যবদ্ধ হয়। ভাযা আন্দোলনের ঔরুত্ এখানে মে এর মাধ্যমেই এ প্রদেশের মানুষ অধিকার প্রতিঠ্ঠার সश্রামী শিক্ষ লাভ করে। এ আন্দোলনের মাধ্যমে জাতীয়তাবাদী চেতনায় উদুদ্ধ হয়ে শাসকচর্রের প্রতিটি যড়यत্ত্র ব্যর্থ করে দিতে সক্ষম হয়।

১৯৫২ থেকে ১৯৭১ পর্যন্ত প্রতিটি স্তরে প্রেরণা দিত্যেছে একুশের ভাষা আন্দোলনের রক্তরাছা ইতিহাস। স্বাধীন সার্বভৌম বাংলাদhশকে তাই ভাষা আন্দোলনেন ফল্ বলা যায়। বায়ান্নর ভাষা

আন্দোলনের সৃাতিবিজড়িত একুশে ফেব্রুয়ারি ‘আন্তর্জাতিক মাতৃভাষা দিবস’ হিসেবে গৃহীত হওয়ার ব্যাপারটি বাংলাদেশের জন্য অত্তন্ত গৌরবের। এখন আমাদের কর্তব্য বাংলাভাষা চর্চার মাধ্যমে উন্নত জাতি হিসেবে নিজেকে দাঁড় করানো। এ দ্বারা আমরা প্রমাণ করতে পারব মাতৃভাষার প্রতি আমাদের মমতা আছে।

## ৩০। পরিবেশ বিপর্যয়ে বিশ্ব : বাংলাদেশেরে অবস্থান ও করণীয়

## |Agrani Bank SO - 2017, Janata Bank EO (Engineer) - 2017|

পরিবেশ আমাদের প্রাণশক্তির যোগানদাতা। সৃষ্টির আদিলগ্ন থেকে পরিবেশের উপর নির্ভর করেই মানুষ জীবন ধারণ করেছে। কিন্তু সভ্যতার বিকাশের সাথে সাথে শিল্পায়নের আবির্ভাবের ফলে চিরায়ত পরিবেশে এসেছে পরিবর্তন। প্রাকৃতিক ও মানবসৃষ্ঠ বিভিন্ন কারণের পরিবেশ হয়েছে বিপর্যস্ত। ফলে মানুষ আক্রান্ত হচ্ছে বিভিন্ন রোগ-ব্যধিতে। বিশ্ববাসী তাই সোচ্ছার হয়েছে পরিবেশ রক্ষায়। জাতিসংঘ ৫জুনকে ঘোষণা করেছে "বিশ্ব পরিবেশ দিবস"।

পরিবেশ রক্ষায় ও জলবায়ু পরিবর্তনরোধে ১৯৯২ সালে বিশ্ব ধরিত্রী সম্মেলন অনুষ্ঠিত হয়। এরই ধারাবাহিকতায় বিশ্ব জলবায়ু সম্মেলন (COP-23) অনুষ্ঠিত হয় ২০১৭ সালে। সেখানে পরিবেশ বিপর্যয়ের কারণসমূহ এবং এর প্রভাব নিয়ে আলোচনা হয়। কার্বন নিঃসরণের মাত্রা কমানো ও জলবায়ু পরিবর্তন তথা পরিবেশ বিপর্যয়ের ফলে ক্ষতিগ্রস্থদেশসমূহকে ২০২০ সাল পর্যন্ত প্রতি বছর ১০০ বিলিয়ন ডলার ক্ষতিপূরণ দিতে সম্মত হয় দায়ী দেশসমূহ।

পোল্যান্ডের দক্ষিণাঞ্চলীয় শহর কাতোভিচে বিশ্ব জলবায়ু সম্মেলন - ২০১৮ COP) - (24 এর সমাপনী পর্যায়ে জলবায়ু ভারসাম্যতায় সারাবিশ্বের উষ্চতাকে ২ ডিগ্রী সেলসিয়াসের নিচে নামানোর সিদ্ধান্তে প্রত্যেক দেশই একমত পোষণ করে। এই সম্মেলনে মূলত ২০১৫ সালের প্যারিস চুক্তি বাস্তবায়নের লক্ষ্যমাত্রাকে নির্ধারণ করে এগিয়ে যাওয়ার প্রত্যয় ব্যক্ত করা হয়।

জাতিসংঘের মহাসচিব এ্যান্তোনিও গুতেরেস আন্তর্জাতিক এই সম্মেলনে সতর্ক বাণী উচ্চারণ করেন বৈশ্বিক উঞ্ণতা কমাতে যে প্যারিস চুক্তি, তাকে যথার্থভাবে বাস্তবায়নে ব্যর্থ হলে তা মূলত সবার জন্য আত্মঘাতী হবে। ুধু তাই নয়, চলতি এই সম্মেলন তার লক্ষ্যমাত্রায় পৌঁছতে না পারলে সবুজ অর্থনীতিকে ধরাও সুদূর পরাহত হবে। সুতরাং ক্রমবর্ধমান এই জলবায়ু বিপর্যয় থেকে বেরিয়ে আসতে এটাই শেষ সুযোগ বলে মহাসচিব তার সুচিন্তিত মতামত প্রতিনিধিদের সামনে তুলে ধরেন।

বিশ্বব্যাংকের প্রধান নির্বাহী কর্মকর্তা ক্রিস্টালিনা জর্জিয়েভাও সতর্ক করে দেন সবাইকে এই বলে, জলবায়ুর লাগাম টেনে ধরার সর্বশেষ সুযোগ এই মুহূর্তে বর্তমান প্রজন্মের হাতে। আর এই প্রজন্ম যদি হাল

ধরতে ব্যর্থ হয় তবে আমরাই হব সবচেয়ে বেশি ক্তিগ্রস্ত। শু তাই নয়, এই কপ-২৪তম সম্মেলনের লক্ষ্যমাত্রা বাস্তবায়নে বিশ্বব্যাংক ১০ হাজার কোটি ডলারের একটি তহবিল প্রদানেরও আশ্বাস প্রদান করে।

পরিবেশ বিপর্যয়রোধে বাংলাদেশের অবস্থান সুস্পষ্ট। সরকারি ও বেসরকারিভাবে পরিবেশ বিপর্যয় রোধে বিভিন্ন কর্মকান্ডের চিত্র নিচে তুলে ধরা হলোঃ

- বাংলাদেশ সরকার জাতীয় বাজেট ২০১৮-১৯ এ জলবায়ু খাতে ১৮,৯৮৪ কোটি টাকা বরাদ্দ দিয়েছে যা জিডিপির ০.৭৫\%।
- পরিবেশ বিপর্যয় রোধে বনায়ন কর্মসূচির উপর জ্জোর দিয়়ছছ সরকার। সম্প্রতি প্রতিটি শিক্ষা প্রতিষ্ঠানে বৃক্ষরোপন কর্মসূচি পালন করা হয় সবুজ বেষ্টনী গড়় তোলার লক্ষ্যে।
- জলাবদ্ধতা ও মাটি দূষণের অন্যতম কারণ পলিথিন ব্যাগের উৎপাদন, বিপনন ও ব্যবহার নিষিদ্ধ করেছে সরকার।
- বেদখল হয়ে যাওয়া বিভিন্ন নদী-নালা ও খাল-বিল উদ্ধারে প্রচেষ্টা অব্যাহত রেখেছে সরকার। বুড়িগহা বাঁচাও আন্দোলন একটি উদাহরণ এক্ষেত্রে।
- পরিবেশ আইন প্রয়োগের প্রতি গুরুত্বারোপ করে বাংলাদেশ পরিবেশ আইনজীবী সমিতি।
- টিভি-চ্যানেলসমূহ পরিবেশ রক্ষায় বিভিন্ন সচেতনতামূলক বিজ্ঞাপন প্রচার করে নিয়মিত।
$\square$ পাঠ্যপুস্তকে পরিবেশ বিপর্যয়ের কারণ ও ভয়াবহতা নিয়ে আলোচনা অন্তর্ভুক্ত করা হয়েছে।
- পরিবেশবান্ধব শিল্প কারখানা স্থাপনে বাংলাদেশের ভূমিকা প্রশংসনীয়। বিশ্বের সেরা ১০টি পরিবেশবান্ধব শিল্প কারখানার ৭টিই বাংলাদেশের।

তবুও পরিবেশ বিপর্যয় রোধে করণীয় আরো অনেক কিছুই রয়েছে। নিম্নে তা আলোচনা করা হলোঃ

- পরিবেশ আইনের বাস্তবায়ন ঘটাতে হবে।
- শিল্প কারখানার বর্জ্য যাতে নদী নালা খাল বিলে পড়ে পানিতে দূষিত না করে, সেদিকে লক্ষ্যে রাখতে হবে।
- কৃষিক্ষেত্রে রাসায়নিক সার ও কীটনাশক এড়িয়ে জৈব সার ও সবুজ সারের ব্যবহার বাড়াতে হবে।
- শিল্প কারখানাগুলোকে পরিবেশবান্ধব করতে হবে।
- বনায়নের পরিমাণ আরো বাড়াতে হবে।
- দেশের জনগণকে সচেতন হতে হবে।

আশার কথা হলো দেশের জনগণ পরিবেশ রক্ষায় সচেতন হতে তুুু করেছে। এর প্রভাবে পরিবেশ বিপর্যয় রোধে বাংলাদেশের ইতিবাচক অবদান বেড়ে চলবে - এই আশাবাদ ব্যক্ত করা যায়।

## ৩)। ক্রুদ্র ও মাঝারি শিন্পের বিকাকে ব্যাংকের ভূমিকা <br> [Agrani Bank Officer (ICT) - 2017]

বাংলাদেশের কুু্দ ও মাঝারি শিল্প তার নিজস্ব ধারায় প্রবাহিত এক প্রচনিত ঐতিহ্যাহী ব্যবসা। এ শিল্পের মধ্যে প্রধানত তাঁতশিল্প, হহ্তশিল্প, মৃৎশিল্প, বাঁশ-বেতের শিল্প, ঝিনুক শিল্প, পাট শিল্প, খাদ্য ও খাদ্যজাত দ্রব্যাদি, বশ্ত্রশিল্প, সিরামিক শিল্প, রাবার শিল্প ও চামড়া শিল্প অন্যতম। অতীতে এই শিল্⿰ের ঐতিহ্য ছিল প্রশংসনীয়। আধুনিকায়ন, সরকারি পৃষ্ঠপোষকতা ও যথাযথ প্রশিক্ষণের অভাবে অবহেলিত এই খাত। তারপরও বাংলাদদেশের জিডিপিতে ক্ষুদ্র ও মাঝারি শিল্গের ভূমিকা অপরিসীম।

বাং্লাদূশের জিডিপিতে গড়ে প্রায় $80 \%$ অবদান রাখছে ক্মুদ্দ ও মাঝারি শিল্প। দেশের প্রায় ১ কোটি উদ্দ্যেক্তার মধ্যে শতকরা ৮৫ ভাগ ক্মুদ্র ও মাঝারি শিল্প খাতের। কর্মসং্থানের সিংহাগই হচ্ছে এ খাতে। বিजিন্ন ধরন্নে পন্ত্যর প্রসারে এ খাত অবদান রাখছে। ক্ন্নু দুঃথজনক হলেও সত, এ খাতের উদ্দ্যোত্তদের উন্নয়ন প্রধান অন্তরায় হচ্ছে অর্থসংছ্ছন। আর অর্থ সংকটের কারণে ব্যাপক সম্ভাবনা থাকার পরও সঠিক বিকাশ ঘটছে না এ খাতর। তাই এই খাতের বিকাশে ব্যাংকসমূহের ভূমিকা অনেক హরুত্বপ্র্ণ।
এসএমই খাতের বিকাশে ব্যাংককের কার্য্র্ম ও করনীয় নিহ্নে তুলে ধরা হলোঃ

- বাংলাদদশ তথ্যপ্রयুক্তি খাতের ৯০ শতাংশ প্রত্ঠিানই ক্রুদ্র ও মাঝারি শিল্প খাতের অন্ত্গ্গ। তাই সরকরের EEF কিংবা ইক্যুয়িটি এন্টার্রনারশিপ ফান্ডের নামে ৫ভক্করের ফাঁকির পরিবর্তনে সহজ -সরল ও সহনীয় ঋণ সুবিধার মাধ্যমম ক্মুদ্র উদ্দ্যোক্তাদের সহব্যোিিা করা প্রয়োজন। তাহলেই এদেশে গড়ে উঠবে ইনফফেসিস, উইর্রো, মইঢ্রোসফট, অ্যাপল কিংবা ঞ্ণলের মতো প্রিষ্ঠীন।
- এসএমই ফাউন্ডেণের গবেষণাসহ অন্যান্য গবেষণায় দেখা যায়, উদ্যোক্তরা মোট ব্যবসার शুঁজির ২০\% প্রাতিষ্ঠানিক সুদ দিয়ে অর্থসংস্থন করে থাকে। উদ্যেযাক্তদদর কাছে প্রধান সমস্যা চড়া সুদ্দ অর্থসংছ্হান। এই সমস্যা সমাধান না হওয়ার কারণ ব্যাংকের গতননুগতিক জামানতভিত্তিক ঋণ ব্যবস্ছ। যদিও বাংলাদেশ ব্যাংক ছোট এবং মাঝারি ব্যবসার শিল্পোদ্যোক্তদের অর্থসংश্ছন্নের বিশেষ পদক্ষেপ নিচ্ছে, তারপরও অর্থসংস্থানে ব্যাংক ঋপ তুলনামূলকভাবে সংক্ুচিত হচ্ছে। ছোট ব্যবসায় অর্থসংহ্হানে ব্যাংকের ঋণের ভাগ কম্ম আসছে। এই সুযোগ কাজে লাগির্যে এনজিওুুেো ক্মুদ্দ শিল্পে বিনিয়োগ করে আর্থিক মুনাফা লাত করছে।
- সহনীয় ঋণ সুবিধা নিশ্চিত করাই অন্যতম প্রধান সমাধান। শিল্প-ঋণের অতিরিক্ত সুদ্দের কারণে দেশে শিল্পায়ণ প্রক্রিয়া মারা|্ছকভাবে ব্যাহত হচ্ছে বলে অভিত্যোগ করেছেন ক্লুদ্দ ও মাঝারি শিল্প (এসএমই) উদ্যোক্তা ও ব্যবসায়ীরা। ফলে অনেক ক্মুদ্র ও মাঝারি শিল্পোদ্যোগ ক্শি্ঘ্ত হচ্ছে। তাই কার্যকরি পলিসি গ্রহণের ক্কেত্রে অন্য ব্যাংকগুলোর সহযোগিতা কিংবা আর্থিক প্রতিষ্ঠান এবং এনজিওণুলোর সহহয়তত নেওয়া বেতে পারে।
$\square$ দেশের সামগ্রিক অর্থনীতি ক্ষুদ্র ও মাঝারি শিল্পের ওপর নির্ভর করলেও এসএমই খাতে অর্থায়ন একটি বিরাট সমস্যা। এডিবি তহবিল থেকে এসএমই উদ্যোক্তাদের জন্য বাংলাদেশ ব্যাংক ৫\% সুদে ঋণ বরাদ্দ দিলেও ব্যাংকগুলো উদ্যোক্তাদের বাণিজ্যিক হারে ঋণ দিচ্ছে। ফলে উদ্যোক্তারা এক অংকের সুদে ঋণপ্রাপ্তি থেকে বঞ্চিত হচ্ছেন। তাই সরকারের উচিত পাবলিক ও প্রাইভেট ব্যাংকসমূহকে যত দ্রুতসম্ভব জবাবদিহিতার মধ্যে আনা।

অর্থনীতিবিদরা মনে করেন, ক্ষুদ্র ও মাঝারি শিল্পকে সম্প্রসারিত করতে দরকার সমন্বিত ব্যাংকিং ব্যবস্থা, উম্মত প্রযুক্তি ও বিপণনের জন্য সরকারি সহযোগিতা।প্রকৃতপক্ষে দেশের অর্থনীতির চাকাকে শক্তিশালী করতে সরকার ও বিভিন্ন বাণিজ্যিক সংগঠনের (অ্যাসোসিয়়শন ও চেম্বার) উদার সহযোগিতা অত্যন্ত গুরুত্বপূর। প্রতিবেশী দেশগুলোর অর্থনীতিতে যে অগ্রগতি সাধিত হয়েছে, সহযোগিতা পেলে বাংলাদেশও তাদের সমকক্ষ বা ছাড়িয়ে যাওয়ার সক্ষমতা রাখে। এক্ষেত্রে একটি মানবিক ব্যাংকিং ব্যবস্থাই ক্ষুদ্র ও মাঝারি শিল্পকে এগিয়ে নিয়ে মধ্যম আয়ের বাংলাদেশ গড়তে ভূমিকা রাখতে পারে।

## ৩২। জপ্পিবাদ দমনে পরিবারের ভূমিকা

[BGDL Assistant Manager - 2017]
সারা বিশ্ব আজ কেঁপে উঠেছে জঙ্গিবাদের হামলায়। ফ্রান্স, মার্কিন যুক্তরাষ্ট্র, বেলজিয়াম, তুরস্ক, ইরাকসহ মধ্যপ্রাচ্যের বিভিন্ন দেশে তো তা নিত্যনৈমিত্তিক ঘটনা। আমাদের প্রিয় মাতৃভূমি বাংলাদেশও আজ শকুনিদের নখের আঁচড়ে ক্ষত-বিক্ষত। এই দেশমাতৃকার সুখ নষ্টে তারা নানা ষড়যন্ত্র করছে। আর জঙ্গিবাদ তারই এক অনবদ্য অংশমাত্র। সর্বশেষ হলি আর্টিজান হামলার ঘটনা মানুষের মনে প্রশ্ন জাগিয়েছে এই সংকটের শেষ কোথায়?

বিশেষজ্ঞরা বলছেন জঞ্গিবাদ দমনে পরিবার রাখতে পারে গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা। অনেক নিরাপত্তা বিশ্লেষক ও বুদ্ধিজীবীগণ মনে করেন রাষ্ট্রীয়ভাবে জঙ্গিবাদকে দমন করার পাশাপাশি সামাজিকভাবে আমাদের অনেক করণীয় আছে। আজ সময় এসেছে সামাজিকভাবে সন্ত্রাস ও জঙ্গি তৎপরতার বিরুদ্ধে ঐক্যবদ্ধ হওয়ার। সরকার যেখানে জঙ্গি ঘটনায় জিরো টলারেন্স দেখাতে বদ্ধপরিকর সেখানে জনগণ, স্থানীয় সংসদ সদস্য, ইউনিয়ন পরিষদ, উপজেলা পরিষদের চেয়ারম্যানদের উচিত ঐক্যবদ্ধভাবে সামাজিকভাবে দুর্বার আন্দোলন করা। জঙ্গিবাদের উত্থান অঙ্কুরে বিনষ্ট করতে হবে।

সবচেয়ে বড় ও কার্যকরি পদক্ষেপ হচ্ছে পারিবারিকভাবে এ ক্যান্সারকে প্রতিহত করা। কেননা একটি সন্তানের ওপর তার পরিবারের শিক্ষা সারা জীবন প্রভাব ফেলে। যেকোনো বিষয়েই পরিবারের ভিতরে সমাধান পাওয়া যায় সৌহার্দ্য ও সম্প্রীতির সাথে। চট্টগ্রাম রেঞ্জের পুলিশের ডিআইজি মো. শফিকুল ইসলাম বলেছেন, জঙ্গিবাদ ও সন্ত্রাস দমনে বাবা-মাকেই বেশি ভূমিকা রাখতে হবে। প্রত্যেক পরিবার যদি তাদের সদস্যদের ব্যাপারে সচেতন হন তাহলে সন্তানরা জঙ্গিবাদে জড়াবে না।’

এ দেশের মা-বাবাদের কাজ হওয়া উচিত তাদের ছোট ছোট ছেলেমেয়েদের পরীক্ষায় পারদর্শিতা দেখানোর মেশিন না বানিয়ে তাদের এমনভাবে উদ্দুদ্ধ, উৎসাহিত এবং সহযোগিতা করা, যাতে যখন তারা বড় হতে থাকবে তখন তাদের মানস ও মননশীলতা, মানবিকতা ও সামাজিক মূল্যবোধ গড়ে উঠতে পারে। অবশ্যই পড়াশোনায় তাদের যথাযথ সময় ও মনোযোগ দিতে হবে, যাতে তারা আলোকিত ও দক্ষ হয়ে উঠতে পারে। মা-বাবাদের তা নিশ্চিত করতে সচেষ্ট হতে হবে।

পাশাপাশি খেলাধুলা, শরীরচর্চা, সুকুমারবৃত্তির অনুশীলনের পরিমিত ব্যবস্থা থাকতে হবে তাদের জন্য। এদিকেও মা-বাবাদের দৃষ্টি রাখতে হবে। সন্তানরা যখন বড় হতে থাকবে তখন মা-বাবা ও অভিভাবকদের আরো একটি গুরুত্বপূর্ণ কাজ হচ্ছে তারা কোথায় যায় এবং কাদের সন্গে মিশে সেদিকে নজর রাখা। তবে থেয়াল রাখতে হবে, এ কাজটি যেন ছেলেমেয়েদের মৌলিক স্বাধীনতা ও স্বকীয়তা ক্ষুন্ন না করে।

মাদকাসক্ত বা জগ্গি মানসিকতার মানুষের সন্গে যদি কেউ মেলামেশা করছে বলে জানা যায় তবে তা বন্ধে প্রয়োজনীয় ব্যবস্থা নিতে হবে এবং নিজেদের দ্বারা তা সম্ভব না হলে শিক্ষাপ্রতিষ্ঠান ও সংশ্⿰িষ্ট সরকারি সংস্থাকে জানানো জরুরি। আগে ঢালাওভাবে শুধু মাদ্রাসাপডূয়া ছাত্রদের জগ্গি তকমাটি দেওয়া হতো। এখন আধুনিক শিক্ষায় শিক্ষিত ও ইংলিশ মিডিয়ামে পড্রয়াদের থেকেও ভয়াবহ হামলা আসছে। এগুলো থেকে স্পষ্টই মনে হচ্ছে পারিবারিক উদাসিনতা।

প্রত্যেকটি পরিবারে যদি উঠতি বয়সের রোমাঞ্চপ্রিয় সন্তানদের প্রতি বন্ধুসূলভ তদারকি থাকে তাহলে এই জঙ্গিবাদের ক্যান্সারের ভাইরাস দ্বারা আক্রমিত হওয়ার সম্ভাবনা খুবই কম।

গুলশান ট্রাজেডির অন্যতম নায়ক রোহান বিন ইমতিয়াজের বাবার মন্তব্য, ‘আমার ছেলে যখন এ লেভেলে, সে পর্যন্ত তার দিকে বেশি খেয়াল রাখতাম। কিন্তু ইউনিভার্সিটিতে ওঠার পর কি আর ওইভাবে খেয়াল রাখা याয়?’

এভাবেই প্রিয় সন্তানদের সজ্গে তৈরি হচ্ছে দূরত্ব। ফলে তারা হতাশায় ভুগছে ও কুপথে পা বাড়াতে দ্বিধা করছে না। পক্ষন্তরে সাময়িক কিছু ঘটনা আশার সঞ্চার করে মনে। একটি টেলিভিশনে প্রচার হয় রাজধানীর মিরপুরের কাফরুল এলাকায় সন্দেহভাজন জঙ্গি হিসেবে দুই ছেলেকে থানায় সোপর্দ করেছেন তাদের বাবা। ছেলের বিরুদ্ধে জগ্গি সংশ্লিষ্টতার অভিযোগ ওঠায় ছেলেকে পুলিশে সোপর্দ করেছেন এক মা।

এরা যেমন দৃষ্টান্ত তৈরি করেছে আমাদেরও তেমন দৃষ্টান্ত তৈরি করা দরকার। সুতরাং আসুন সবাই মিলে আমাদের দেশ-মাতৃকাকে রক্ষা করি শকুনীদের নখের আঁচড় থেকে। নিজ পরিবারের সবার প্রতি হই বন্ধুসূলভ। দূরত্ব ভুলে ভালোবাসা ও সম্প্রীতিতে গড়ে তুলি সংসার। এভাবেই একদিন জগ্গি নামক ক্যান্সারের ভাইরাসমুক্ত হবে এ দেশ।

## ৩৩। সরাসরি বৈদেশিক বিনিয়োগ (FDI)

সরাসরি বৈদhশিক বিনিয়োপ (FDI) একটি দেশের অর্থন্নতিক বিকাশে তরুতৃপৃপ্ণ ভূমিকা রাஜে। তাই এর প্রবাহচ্ত্র খুব ঔরুত্রের সজেই বিবেচনা করা হয়। পরিবর্তিত বিভিন্ন পরিস্ছিতির কারণে বাংলাchশে সরাসরি বৈদেশিক বিনিয়োগ প্রবাহ হৃবির হয়ে রৰ্যেছে যা সরকার ও আর্থিক খাতের সাথে সংপ্নিষ্টের উদ্বেগের কারণ হয়় দাঁড়ির্যেছে।

বিশ্ব ব্যাংকের জান্তর্জাতিক পরিসংখ্যান ২০১৯ বিশ্লেষণ করে এ তথ্য জানা গেছে। দেশে এফডিজাই বা সরাসরি বৈদেশিক বিনিত্যোগের নিট প্রবাহ $38 . ৫ \%$ কম্মেছ। গত বছর যেখানে সরাসরি বৈদেশিক বিনিয়োগ ছিলো প্রায় ১৮১ কোটি ৮২ লাখ মার্কিন ডলার, সেখানে আগের বছর ত ছিলো ২১২ কোটি ৬৮লাখ মার্কিন ডলার। অর্থাৎ সরাসরি বৈদেশিক বিনিয়োপ কম্মছে প্রায় ৩০ কোটি ৮৬ লাখ। কিন্তু মধ্যম আয়ের দেশ হতে প্রতিবছর বিনিত্যোগ দরকার প্রায় ৬০০-৭০০ কোটি মার্কিন ডলার।

সরাসরি বৈদেশিক বিনিত্যোগ কম্ম যাওয়ার কিছু কারণ চিহ্তিত করেছেন বিশেষজ্ঞরা। সেণুলো নিয়্রপঃ

- বিনিয্যোগের ক্কেত্রে বিদ্যুৎ ও জ্রালানি সংকট প্রধান সমস্যা। এই জনাই ইদানিং বিনিয়োগকারীরা টেকসই বিদ্যুতের দাবি তুলেছেন সরকারের কাছে।
- নীতিমালা বাস্ত্বায়নে ধারাবাহিকতার অভাব বিনিয়াোগকারীদের সিদ্বান্তহীনতায় ফেনে দেয়।
- দুর্নীতি ও রাজনৈতিক অস্ছিরতাও বিনিয়োগে অনাগ্রহ সৃষ্টি করে।
- শিল্প জমির সংকটটর ফলে বিনিত্যোগ বাধাগ্রস্থ হয়।
- বিনিয়োো আস্ছার ঘাটতিও সরাসরি বৈদেশিক বিনিয়োে কমার অন্যতম প্রধান কারণ ইত্যাদি।

বিনিয়োগ-সংশ্বিষ্বা বলছ্নে, দেশে বিনিয়োগ আকর্মণের লক্ষ্যে সরকারের অনেক পরিকল্পনা ও উদ্যোগ রয়েছে। এসব পরিকল্পনা বাষ্তবায়নের জন্য বাংলাদেশ অর্থননতিক অঞ্চল কর্ত্থপা্ষ (বেজা) ও বাং্লাদেশ বিনিয়্যোগ উন্নয়ন কর্ত্থপক্ষ (বিআাইডিএ) কাজ তরু করেছে। তবে কর্ত্পপক্ণণোর কাজ প্রাথমিক অবস্থায় রয়েছে। ফলে বিনিয়োগ আকর্মণের উদ্যোগের প্রতিফনন পেঢে সময় লাগছছ। আর গত বছর এফডিআইয়ের নিট প্রবাহ কম্ম যাওয়ার প্রধান কারণ হনো, বিনিয়োপকারীদের মধ্যে আা্থ ফিরে না आসা।

এ বিষয়ে ফরেন ইনভেস্টরস চেম্বার অব কমার্স অ্যান ইনডাস্ট্রির (এফআইসিসিআই) নির্বাझী পরিচালক জামিল ওসমান বলেন, বিনিয়োপ আকর্ষণে সরকারের অনেক পরিকল্পনা ও উদ্দ্যোগ চলমান। তবে অনেক পরিকম্পনা বাস্তবে রুপ নিতে সময় লাপবে। এণুলো বাস্তবায়ন হলে বিনিয়োপ রৃদ্ধির প্রবণতা বাড়বে বলে আশা করা যায়। পত বছরের চিত্র থেকে এটা স্পষ্ট বে, বিনিয়োপকারীদের সামনে এখনো কিছু বাধা রয়ে গেছে। বিশেষ করে নিজস্ব মূলধনের প্রবাহ কন্মে যাওয়াতা আশঙ্কার বিষয়। এ অবস্থ কাট্ট্যে ওঠার উপায় একটাই। আর তা হলো, কাষ্কিত বিনিয়োগ পরিবেশ সৃষ্টি করা। আশার কথা হলো গত বছর দক্ষিণ এশিয়ায় বিদেশি সহায়তায় গড় স্থিতি সর্বোচ্চ বাংলাদদেশে।

## ৩৪। বঙ্গবন্ধুর ৭ মাচ্চের ভাষণের ঐতিহাসিক গুরুত্ব

১৯৭১ সালের ৭ মার্চ ঢাকার রেসকোর্স ময়দানে (সোহরাওয়ার্দী উদ্যান) জাতির জনক বগবন্ধু ১৯ মিনিট ব্যাপী ১১০৮ শব্দের যে বহুমাত্রিক ভাষণ দেন, তা বিশ্বের ইতিহাসে একটি জাতিকে মুক্তির স্বপ্ন দেখানোর অনন্য দলিল হিসেবে স্বীকৃতি পেয়েছে। বিশ্বের বিখ্যাত সব সরকার প্রধান ও বিশ্ব মিডিয়া এই ভাষণকে নিয়ে গবেষণা করে গেছে নিয়মিতই। ৩০ অক্টোবর ২০১৭ সালে ভাষণটি স্থান পেয়েছে ইউনেস্কোর বিশ্ব প্রামাণ্য ঐতিহ্যের তালিকায়।

উনার স্বল্পসময় ব্যাপী অথচ একটি বাঙালী জাতির ভাগ্যরেখা বদলে দেওয়া ভাষণটিতে তিনি সংক্ষেপে তুলে ধরেছিলেন বাঙালী জাতির লাঞ্চনা ও অপ্রাপ্তির ইতিহাস। সেই সময়ের প্রেক্ষাপটে তিনি চারটি শর্ত দিয়েছিলেন তৎকালীন পচ্চিম পাকিস্তানি শাসক গোষ্ঠীকেঃ

- অবিলম্বে সামরিক আইন প্রত্যাহার করতে হবে;
- সকল সৈন্যদের ব্যারাকে ফিরে যেতে হবে;
$\square$ সকল হত্যাকান্ডের তদন্ত হতে হবে;
- নির্বাচিত জনপ্রতিনিধিদের কাছে ক্ষ্তা হস্তান্তর করতে হবে।

এই ভাষণের গুরুত্ব ও তাৎপর্য বহুমাত্রিক। নিম্নে তা আলোচিত হলোঃ

- এই ভাষণে তিনি "ঘরে ঘরে দূর্গ গড়ে তোলো; যার যা কিছু আছে তাই নিয়ে শক্রুর মোকাবেলা করতে হবে"- লাইনের দ্বারা মূলত মুক্তিযুদ্ধের প্রস্তুতি নিতে অনুপ্রাণিত করেছেন। দিয়েছেন অদৃশ্য দিকনির্দেশনা।
- এবার সংগ্রাম আমাদের মুক্তির সংগ্রাম, এবারের সংগ্রাম স্বাধীনতার সংগ্রাম- এই উক্তির মাধ্যমে তিনি পরোক্ষভাবে স্বাধীনতার ঘোষণা দিয়েছিলেন। সরাসরি ঘোষণা না দেওয়ার কারণ হিসেবে তিনি পাকিস্তানের আক্রমণের সুযোগ না দেওয়ার এবং বিশ্ব মিডিয়ায় বাংলাদেশের দাবির যৌক্তিকতার কথা বলেন।
$\square$ মুক্তিযুদ্ধকালীন এই ভাষণ পুরো বাঙালী জাতির মধ্যে প্রেরণা জুগিয়েছে লড়াইয়ের।
- বাংলাদেশের সৃষ্টির সময় থেকে বর্তমান প্রজন্ম পর্যন্ত অনুপ্রাণিত হয়ে দেশ গড়ার শপথ নিচ্ছে এই ভাষণের তাৎপর্য অনুধাবন করে।

বঙ্গবন্ধুর ৭ মার্চের ভাষণ নিয়ে বিশ্বনেতা ও মিডিয়ার বিশ্লেষণ এর গুরুত্বকে তুলে ধরে আমাদের সামনে। নিচে তার কয়েকটি তুলে ধরে হলোঃ

- ৭ মার্চের বঙ্গবন্ধুর ভাষণ শ্ু ভাষণ নয়, একটি অনন্য দলিল।- ফিদেল ক্যাস্ট্রো (কিউবার অবিসংবাদিত নেতা)
- ৭ মার্চের ভাষণ আসলে স্বাধীনতার মূল দলিল।- নেলসন ম্যান্ডেলা (বর্ণবাদবিরোধী মহানায়ক)
- তার সাবলীল চ্নিন্তাধারার সঠিক মূল্য ও্রু বাংলাদেশ নয়, পুরো পৃথিবী স্বীকার করবে।- অমর্ত্য সেন (নোবেল বিজয়ী অর্থনীতিবিদ)
- প্থথিবীর ইতিহাসে জন আব্রাহাম লিংকন্নের গেটিসবার্গ ভাষণের সাথে তুলনীয় এটি। এখানে তিনি একাধারে বিপ্লবী ও রাষ্ট্রনায়ক।- বিবিসি (১৯৭১)

বগ্গব্ধু একটি নির্যাতিত বাঙানী জাতিকে স্বাধীনতা এনে দিত্যেছিলেন ক্যারিশমাটিক নেতৃত্ণণণণ বদৌলতে। ৭ মার্চের ভাষণ ছিলো সেই স্বপ্রাত্রার পণে অন্যতম দিকনির্দেশনামূলক ধাপ। যতদিন বাংলাদেশ থাকবে, ততোদিন ইতিহাসের পাতায় এই ভাষণ স্বার্কাক্ষরে লেখা থাকবে।

## ৩৫। এলএনজি : সুবিধা ও প্রত্যাশা

তরলীকৃত প্রাকৃতিক গ্যাসের (এলএনজি) যুগে প্রবেশ করলো বাংলাদেশ। ২০১৮ সালের মাঝামাঝি সময়ে ওই গ্যাস রূপান্তরিত হয়ে জাতীয় গ্রিডে যুক্ত হয়। ব্যয়বহুল এলএনজি আমদানির কারণে আগামী মাসেই দেশের শিল্প ও বাণিজ্যিক গ্যাসের দাম বাড়বে। আর আগামী বছরের ওরুর দিকে বাড়বে আবাসিক গ্যাসের দামও। তবে গ্যাসের সরবরাহ রৃদ্ধি পাওয়ায় সংযোগ পাবে অনেক নতুন কারখানা। তাই এলএনজি টার্মিনাল স্থাপনের প্রত়োজনীয়তা, সুবিধা ও প্রত্যাশার কথা আলোচিত হচ্ছে সচেতন মহলে।

প্রাকৃতিক গ্যাস সাধারণ চাপ ও তাপমাত্রায় গ্যাসীয় অবস্থায় থাকে। শীতলীকরণ (রেফ্রিজারেশন) প্রযুক্তির মাধ্যমে তাপমাত্রা কমিয়ে মাইনাস ১৬০ ডিগ্রি সেলসিয়াসে নামিয়ে আনলে তা তরলে পরিণত হয়। এই তরল প্রাকৃতিক গ্যাসকেই বলা হয় এলএনজি।

পেট্রোবাংলা সূত্র জানায়, বর্তমানে দেশে দৈনিক ৩৬০ কোটি ঘনফুট গ্যাসের চাহিদার বিপরীতে সরবরাহ করা হচ্ছে ২৭৫ কোটি ঘনফুট। অর্থাত্ দৈনিক ৮৫ কোটি ঘনফুট গ্যাসের ঘাটতি রয়েছে। এ সংকট ক্রমেই বাড়ছে। আর এই ঘাটতি দূর করতে এলএনজি আমদানি করা হচ্ছে। ১০ বছরের মধ্যে প্রথম ৬ বছর ধরে ওটিআই প্রতি বছর মোট ১৮- লাখ টন এলএনজি সরবরাহ করবে। বাকি মেয়াদে সরবরাহ বৃদ্ধি পেয়ে তা প্রতি বছর ২৫ লাখ টন হবে।

এলএনজি যুগে প্রবেশের ফলে কিছু সুবিধা পাবে বাংলাদেশ। যেমনঃ

- দেশের দৈনিক ৮৫ কোটি ঘনফুটের গ্যাসের ঘাটতি অনেকটাই মেটানো যাবে।
- যেসব এলাকায় প্রাকৃতিক গ্যাসের সংযোগ নেই, সেখানে সহজেই এলএনজি সরবরাহ করা যাবে।
- ভোক্তা শ্রেণির জন্য এই গ্যাস ব্যবহার টেকসই হবে।
- কম ঘনত্বে অধিক পরিমাণ উপাদান থাকায় মোট শক্তির প্রয়োজনীয়তা কম হয়।
- এলএনজি ফুত্যেল, ডিজেল বা এলপিজির চেয়ে অধিক সাশ্রয়ী।
- ছোট পরিবর্তনের মাধ্যেম সব ধরণের বার্নিং ডিভাইসে ব্যবহার করা যায়।
- স্বচ্ছ এই গ্যাস শিল্পক্ষেত্রে উৎপাদিত পণ্যের গুনাগুণ বাড়ায় ও উৎপাদন খরচ কমায়।
- জাতীয় গ্রিডে এলএনজি যুক্ত হওয়ার পর ২ হাজার ৩৯০টি শিল্প-কারখানায় গ্যাসের সংযোগ দেয়া হবে। সরকার ধাপে ধাপে মে মাস থেকে অক্টোবর মাসের মধ্যে এসব সংযোগ দিবে।

বাংলাদেশ এনার্জি রেগুলেটরি কমিশন (বিইআরসি) সূত্র জানায়, ভবিষ্যতের জ্বালানি নিরাপত্তায় ২০১৫ সালে গঠন করা হয় জ্বালানি নিরাপত্তা তহবিল। এখন পর্যন্ত এ তহবিলে জমা হয়েছে সাড়ে ৫ হাজার কোটি টাকার বেশি। এটি একটি রিভলভিং ফান্ড হিসেবে পরিচালিত হবে। এ তহবিলের অর্থ থেকে অর্জিত সুদ ও সারচার্জ তহবিলে জমা হবে। তহবিল পরিচালনায় নীতিমালা তৈরির কাজ চলছে।

এলএনজি যুগে প্রবেশ আমাদের প্রত্যাশাকে বাড়িয়ে দিয়েছে। এর ঔুরুত্তও বিস্তৃত পরিসরে আলোচনার দাবি রাথে। এলএনজি আমদানির কয়েকটি ঔরুত্ব নিচে দেওয়া হলোঃ

■ বাংলাদেশের মানুষের মাথাপিছু শক্তির ব্যবহার মাত্র ০.২০\% যা ভিশন ২০২১ এর বিপরীত। দেশের অগ্রগতির স্বার্থ মাথাপিছুর শক্তির ব্যবহার বাড়াতে হবে। মধ্যম আয়ের দেশ হতে এর কোন বিকল্প নেই। তাই এলএনজির সিদ্ধান্ত যুগোপযোগী।
■ অর্থনৈতিক উম্ময়নের জন্য শক্তির নির্ভরযোগ্যতা খুব জরুরি। ইদানিং বিনিয়োগকারীরা টেকসই বিদ্যুৎ ও জ্রালানির দাবি তুলছেন। বিনিয়োগ বাড়াতে তাই নিরবিচ্ছিম শক্তি সরবরাহ দরকার।
■ Sোগৌলিক কারণে এলএনজি টার্মিনাল স্ছাপন বাংলাদেশের জন্য ইতিবাচক হবে। ভারত, অস্ট্রেলিয়া, চীন, সিঙাপুর এর সুফল্न পাবে তথা বাংলাদেশ অর্থনৈতিকভাবে লাভবান হবে।

তাই একথা নিঃসন্দেহে বলা যায় যে এলএনজি যুগে পদার্পন বাংলাদেশের অগ্রযাত্রার পথে আরো একটি কার্যকরি পদক্ষেপ যার সুফল্ন দ্রুতই পাবে বাংলাদেশ।

## ৩৬। ১৫ আগস্ট ট্রাজেজড ও অর্থনীতিতে এর প্রভাব

১৫ আগস্ট বাংলাদেশের ইতিহাসে সবচেয়ে শোকের দিন। ১৯৭৫ সালের এই দিনে বগবষ্ধু শেখ মুজিবুর রহমানকে স্বপরিবারে হত্যা করা হয়।অন্ধকারে তেকে যায় বাংলাদেশের স্বপ্নময় পথ চলা। বাংলাদেশের অর্থনীতিও এই অন্ধকার যাত্রার বাইরে নেই।

সম্প্রতি বাংলাদেশ অর্থনীতি সমিতি "বগবব্ধু বেঁচে থাকলে বাংলাদেশের অর্থনীতি ও সমাজ কতদূর যেত?" শীর্ষক অনুষ্ঠানে জানা যায় এই ট্রাজেডির ফলে আর্থিক ক্ষতির পরিমাণ। বাংলাদেশ অর্থনীতি সমিতির সভাপতি অধ্যাপক ড. আবুল বারকাত, বানিজ্যমন্ত্রী তোফায়েল আহমেদ, বাংলাদেশ ব্যাংকের সাবেক গভর্ণর ড. ফরাস উদ্দিনের কথায় উঠে আসে ক্ষতির চিত্র।

বগ্গবন্ধুকে হত্যার কারণে যেসব নেতিবাচক প্রভাব পড়েছে অর্থনীতিতেঃ

- ১৯৭৫ থেকে ২০১১ সাল পর্যন্ত (৩৬ বছরে) বাংলাদেশের আর্থিক ক্ষতির পরিমাণ হয়েছে ৩ লাখ 8১ হাজার ৫৮৯ কোটি মার্কিন ডলার।
■ বগ্গব্ধু জীবিত থাকতে বাংলাদেশ প্রাচ্যের সুইজারল্যান্ড হবে বলে থে স্বপ্ন দেখেছিলেন, তা এতদিনে বাস্তবায়ন হতো।
- শূন্য গুদামঘর, যুদ্ধ বিধ্বস্ত বাংলাদেশে ১৯৭৪-৭৫ অর্থবছরে ৮ শতাংশ জিডিপির প্রবৃদ্ধি অর্জিত হয়েছে, যা এখন পর্যন্ত আর কখনও অর্জন করা সম্ভব হয়নি।
- বগ্প্ধু জীবিত থাকলে ১৯৯৪-৯৫ সালেই মাথাপিছু জিডিপিতে মালয়েশিয়াকে ছাড়িয়ে যেতো বাংলাদেশ।
- বগ্গ্ধু জীবিত থাকলে ২০১১ সালে বাংলাদেশের মোট জাতীয় আয় দাঁড়াত ৪২ হাজার ৫১৪ কোটি ডলার। ওই সময় মালয়েশিয়ার মোট জাতীয় আয় ১৫ হাজার ৪২৬ কোটি ডলার।

বগবস্ধু বাংলাদেশকে সোনার বাংলা হিসেবে গড়তে চেয়েছিলেন। তিনি স্বপ্ন দেখেছিলেন, বাংলাদেশ হবে প্রাচ্যের সুইজারল্যাম্ড। তিনি জীবিত থাকল্েে তাঁর এ স্বপ্ন বাস্তবায়ন হতো। স্বাধীনতার পর যারা মনে করতো বাংলাদেশ টিকবে না, তারাই এখন বাংলাদেশের উম্ময়নে বিস্ময় প্রকাশ করছে। সামাজিক ও অর্থনৈতিক ক্ষেত্রে বিভিম্ম সূচকে বাংলাদেশ পাকিস্তানকে পেছনে ফেলেছে, অনেক ক্ষেন্রে ভারত থেকেও এগিয়ে গেছে বাংলাদেশ।

২০২৪ সালে বাংলাদেশ হতে যাচ্ছে মধ্যম আয়ের দেশ। বগ্গবষ্ধুর স্বপ্নের বাস্তবায়ন হতে চলেছে ধীরে ধীরে। অর্থনৈতিক মুক্তি যে কথা বগব্ধু বলেছিলেন, সেটির বাস্তবায়ন মানে তাঁর স্বপ্নের বাস্তবায়ন।

## ৩৭। সঞ্ণয়পত্রের সুদের উচ্চহারের প্রভাব ও প্রতিকার

সঞ্চয়ীপ্র কেনার প্রতি ইদানিং মানুষের আগ্রহ রৃদ্ধি পেয়েছে দ্রুতগতিতে। এর প্রভাবে ব্যাংকণুলোয় আমানত হ্রাস পাওয়াসহ বিভিম্ম ধরণের নেতিবাচকতা পরিলক্ষিত হচ্ছে। এর পেছনের প্রধান কারণ হিসেবে সঞ্চয়ীপত্রের সুদের উচ্চ হারকে দায়ী করা হচ্ছে। বিশেষজ্ঞরা সঞ্চয়পত্রের সুদের উচ্চ হার, এর প্রভাব ও নেতিবাচকতা ঠেকাতে বিভিম্ম মতামত দিয়েছেন। সঞ্চ্য়পত্রের বিভিম্ম ক্যাটাগরিতে সুদের হার নিম্নর্পঃ

| মেয়াদ | সুদ্রে হার্র (\%) |
| :---: | :---: |
| ৫ বছর (পরিবার) | ১১.৫২ |
| ৫ বছর (পেনশন) | ১১.৭৬ |
| ৫ বছর (বাংলাদেশ) | ১১.২৮ |
| ৩ বছর (মুনাফাভিত্তিক) | ১১.০৪ |
| ৩ বছর (ডাকঘর) | ১১.২৮ |

সঞ্চয়পত্রের সুদের এই উচ্চহার বিভিন্নভাবে প্রভাব ফেলছে সামগ্রিক ব্যাংকিং খাতে। সেগুলো নিম্নরূপঃ

- মাননীয় অর্থমন্ত্রী গত বছরের ৯ আগস্ট থেকে ব্যাংকগুলোতে আমানত ও ঋণের ক্ষেত্রে সুদের হার যথাক্রম্ম ৬\% ও ৯\% এ নামিয়ে আনার ঘোষণা দিত্যেছেন। ফলে সঞ্চয়পত্রের সুদের হার আমানতের সুদের হারের প্রায় ২ গুণ হওয়ায় মানুষ ব্যাংকে জমা রাখার চেয়ে সঞ্চ্যপপ্র কেনায় বেশ আগ্রহী হচ্ছে।
- ব্যাংকে জমা রাখার হার কম্ যাওয়ায় ব্যাংকে আমানত সংকট সৃষ্টি হচ্ছে। এই অবস্থা নিরসনে বাংলাদেশ ব্যাংককে ব্যাংকগুলোর বাধ্যতামূলক জমার হার (CRR) ১\% কমিয়ে ৫\% এবং রিপো হার ০.৭৫\% কমিয়ে ৬\% করতে হয়েছে।
■ সরকারকে লক্ষ্যমাত্রার চেয়ে ২-৩ গুণ বেশি সঞ্চয়পত্র বিক্রি করতে হচ্ছে। এতে সরকারের ঋণ ব্যবস্থাপনায় বড় ধরনের ঝুঁকি তৈরি হচ্ছে বলে মত দিয়েছে অর্থ বিভাগ, জাতীয় সঞ্চয় অধিদপ্তর ও IRD ।

ব্যাংকের সুদের হারের নয়-ছয় বাস্তবায়নে বাংলাদেশ ব্যাংকের গভর্ণর ড. ফজলে কবির সঞ্চয়পত্রের সুদের হার কমানোর তাগিদ দিয়েছেন।

■ অর্থমন্ত্রী আবুল মাল আবদুল মুহিতও সঞ্চয়পত্রের সুদের হার সমন্বয় (কমানো অর্থে) করা হবে জানিয়েছেন। তবে সেক্ষেত্রে সঞ্চয়পত্রের সুদের হার সমন্বয় কমিটির প্রতিবেদনের সুপারিশ অনুযায়ী পরবর্তী জাতীয় নির্বাচনে বিজয়ী সরকার ছাড়া এই হার সমন্বয় সম্ভব নয় বলে জানান তিनि।

- জাতীয় সঞ্চয় অধিদপ্তর জানিয়েছে, অধিদপ্তর ২০১৯ সালের জানুয়ারি থেকে সয়ংক্রিয় ব্যবস্থায় চলবে। তখন চাইলেও কেউ নির্দিষ্ট সংখ্যার বেশি সঞ্চয়পত্র কিনতে পারবে না মনিটরিংক্যের ফলে। তখন নেতিবাচকতা হ্রাস পাবে।
$\square$ তত্ত্বাবধায়ক সরকারের সাবেক উপদেষ্টা মির্জা আজিজুল ইসলাম মনে করেন, রাজনৈতিক কারণে সরকার সঞ্চয়পত্রের সুদের হার কমানোর মতো অজনপ্রিয় সিদ্ধান্ত নিতে পারছে না। বিকল্প হিসেবে নির্দিষ্ট সংখ্যক সঞ্চয়পত্র বিক্রির পর বিক্রি বন্ধ করে দেওয়া উচিত বলে মত দেন তিনি।

বাস্তবিক কারণেই সঞ্চয়পত্রের সুদের হারের সমন্বয় করা উচিত। অন্যথায় ব্যাংকগুলো আমানত সংকটে পড়বে এবং লোকসানের সমুখীন হবে। এই সংকটে পড়ার আগেই বাংলাদেশ ব্যাংক, অর্থ বিভাগ, জাতীয় সঞ্চয় অধিদপ্তর সমন্বিতভাবে কার্যকর পদক্ষেপ নেবে এই প্রত্যাশা।

## ৩b-। মার্কিন-চীন বাণিজ্য যুদ্ধ

কোন দেশ কর্তৃক সৃষ্ট বাণিজ্য প্রতিবন্ধকতার পাল্টা ব্যবস্থা হিসেবে অন্য কোন দেশ যদি আমদানি রপ্তানিতে শুল্ধ আরোপ করে বা বাণিজ্য প্রতিবন্ধকতা সৃষ্টি করে, তবে তাকে ঐ দুটি দেশের মধ্যে বাণিজ্য

যুদ্ধ হিসেবে বিবেচনা করা হয়। সাম্প্রতিককালে মার্কিন-চীন বাণিজ্য যুদ্ধ বৈশ্বিক অর্থনীতিতে বড় রকমের প্রভাব ফেলেছে। তাই এই যুদ্ধ একই সাথে উদ্বেগ ও আলোচনার বিষয় হয়ে দাঁড়িয়েছে।

মার্কিন প্রেসিডেন্ট ডোনাল্ড ট্রাম্প ২০১৮ সালের ২৩ মার্চ চীন থেকে ইস্পাত ও অ্যালুমিনিয়াম আমদানিতে যথাক্রমে ২৫\% ও ১০\% ওুক্ক আরোপ করেন যার আর্থিক মূল্য প্রায় ৩৪০০ কোটি মার্কিন ডলার। এর কারণ হিসেবে তিনি ইস্পাত ও অ্যালুমিনিয়ামের গুণগত মান কম বলে অভিহিত করেন এবং দেশীয় উৎসের দিকে দৃষ্টি ফেরানোর দিকে জোর দেন। এই থ্্ফ আরোপের মাধ্যমে বছরে ৫০ বিলিয়ন মার্কিন ডলার আয়ের পরিকল্পনা করেন। একই সাথে তিনি অভিযোগ করেন যে ইউরোপীয় ইউনিয়ন (EU) ও চীন মুদ্রার মান অবমূল্যায়ন্নে মাধ্যমে কারসাজি করে।

ট্রাম্পের ঘোষণার পাল্টা ব্যবস্থা হিসেবে চীন ১২৮টি মার্কিন পণ্যের আমদানির উপর ২৫\% ত্ক আরোপ করে যার আর্থিক মূল্য ট্রাম্পের আরোপিত ঔক্কের সমান। এরপরই মূলত বাণিজ্য যুদ্ধের সূচনা হয়। এর প্রভাব পড়ে বিশ্ব বাণিজ্যে ও শেয়ার বাজারগুলোতে। চীনের অর্থনীতিতে বাণিজ্য যুদ্ধের প্রভাব পড়তে থুরু করে। তাদের জিডিপি প্রবৃদ্ধি ৬. ৭\% এ নেমে আসবে বলে মনে করেন বিশেষজ্ঞরা। সাময়িকভাবে সমস্যায় পড়লেও মার্কিন তুল্ধ আরোপের প্রভাব ঠেকাতে চীন কিছু পদক্ষেপ নিত্যেছেঃ

- করপোরেট কর হারে বড় অংকের ছাড় দিয়েছে;
- বিশেষ বন্ড চালু করেছে;
- প্রনোদনামূলক ব্যবস্থা চালু করেছে;

■ কেন্দ্রীয় ব্যাংক ব্যবস্থায় ৭৪০ কোটি মার্কিন ডলার প্রবেশ করানো হয়েছে।

- এই অর্থ ব্যবহার করে মধ্য মেয়াদী ঋণ সুবিধার মাধ্যমে দেওয়া হবে বৃহত্তম প্রনোদনা ইত্যাদি।

একই সাথে মূদ্রার মান অবমূল্যায়নের মাধ্যমে কারসাজির অভিযোগ অস্বীকার করেছে চীন। তাদের এমন ইচ্ছে নেই বলেও বলছে তারা। চীনের বিরুদ্ধে তাদের মূদ্রা ইউয়ানের মান অবমূল্যায়নের মাধ্যমে আমদানিকে নিরুৎসাহিত করার অভিযোগ বেশ পুরোনো।

তবে ৯০ দিনের জন্য মার্কিন- চীন বাণিজ্য যুদ্ধ স্ছগিত রয়েছে ০১ মার্চ ২০১৯ পর্যন্ত। এই মেয়াদ শেষ হলে যুক্তরাষ্ট্র চীনা পণ্যের উপর আরও ২০ হাজার কোটি ডলার শুক্ধ আরোপের ঘোষণা দিয়েছে। ফলে আবারও বৈশ্বিক অর্থনীতিতে শুরু হবে অস্থিরতা।

বিশ্ব বাণিজ্যে যুক্তরাষ্ট্র, চীন, ইউরোপীয় ইউনিয়ন, রাশিয়া, কানাডা, ইরান ইত্যাদি বহহমুখী যে অদৃশ্য যুদ্ধ ওুরু হয়েছে এর মধ্যে মার্কিন-চীন যুদ্ধ সবচেয়ে বেশি স্পর্শকাতর। তাদের এই দ্ধন্ধের ফলে সমস্যায় পড়বে সংশ্মিষ্ট দেশসমূহ। ডোনাল্ড ট্রাম্পের জাতীয়তাবাদী চ্তিত্তা ভাবনার ফসল এই যুদ্ধ।

এই কথা নিঃসন্দেহে বলা যায় যে বাণিজ্য যুদ্ধের প্রভাবে চীনের অবস্থানের পরিবর্তন বৈশ্বিক অর্থনীতিতে বড় রকমের প্রভাব ফেলবে। চীনও সময়ের প্রয়োজনে নিজেদের পলিসিতে পরিবর্তন আনবে। বাংলাদেশও

যেহেতু এই দুটি দেশের বাণিজ্যের অংশীদার, এদেশের অর্থনীতিতেও এর প্রভাব পড়লে অবাক হওয়ার কিছু নেই।

## ৩৯। সড়ক পরিবহন আইন - ২০১৮

বিশ্বের সড়ক দুর্ঘটনায় মৃত্যুর হারে শীর্ষদেশগুলোর মধ্যে একটি বাংলাদেশ। সড়ক দুর্ঘটনার পেছনে বহুবিধ কারণ থাকলেও বেশিরভাগ ক্ষেত্রেই চালকদের অসাবধানতা, অবহেলা আর বেপরোয়া মনোভাবকে দায়ী করা হয়। তাই সড়কে নিরাপত্তার ইস্যুটি বারংবার আলোচিত হয়েছে এবং সড়ক পরিবহন আইনের সংস্কারের দাবি ছিলো দীর্ঘদিনের৷ অবশেষে শিক্ষার্থীদের ৯ দফা দাবির প্রেক্ষিতে ০৬ আগস্ট ২০১৮ মন্ত্রীসভায় অনুমোদিত হয়েছে 'সড়ক পরিবহন আইন ২০১৮' - এর খসড়া। আইনটির বিভিম্ম দিক আলোচিত হচ্ছে সাম্প্রতিক সময়ে।
'সড়ক পরিবহন আইন - ২০১৮'-এ যা রয়েছেঃ

- উদ্দেশ্যমূলকভাবে বেপরোয়া গাড়ি চালিয়ে হত্যাকাণ্ড ঘটালে ৩০২ ধারা মোতাবেক সর্বোচ্চ শাস্তি মৃত্যদন্ড।
- দুর্ঘটনা এড়ানোর সুযোগ ছিলো কিন্তু চালকের অবহেলার কারণে দুর্ঘটনা ঘটলে সেক্ষের্রে সর্বোচ্চ শাস্তি ৫ বছরের জেল (যা আগে ছিলো ৩ বছর)।
$\square$ অপরাধ অজামিনযোগ্য (যা আগে ছিলো জামিনযোগ্য)।
- চালকের শিক্ষাগত যোগ্যতা- ন্যূনতম ৮ম শ্রেণি এবং হেলপারের শিক্ষাগত যোগ্যতা- ন্যূনতম ৫ম শ্রেণি (আগে এমন কোন ধারা ছিলো)।
■ দুর্ঘটনায় ক্ষতিগ্রস্ইদের ক্ষতিপূরণ দানের জন্য তহবিল ও ট্বাস্টিবোর্ড থাকবে।
- ড্রাইভিং লাইসেন্সের বিপরীতে বরাদ্দ থাকবে ১২ পত্যেন্ট। অপরাধ করলে এই পয়েন্ট কমতে থাকবে এবং শূন্য হয়ে গেলে ড্রাইভিং লাইসেন্স বাতিল হয়ে যাবে।
- চালকের সহকারী গাড়ি চালাতে পারবে না।
- চলন্ত অবস্থায় চালক মুঠোেোন ব্যবহার করতে পারবে না।
- প্রযোজ্য ক্ষেত্রে সিট বেল্ট বौধধতে হবে।
- নারী আসনে পুরুষ যাত্রী বসতে পারবে না ইত্যাদি।

নতুন আইনটি নিয়ে বিভিম্ম প্রতিক্রিয়া জানিয়েছেন এই খাতের সাথে সংশ্মিষ্ট ব্যক্তি ও বিশেষজ্ঞরা।

- "প্রস্তাবিত আইনে জনমতের প্রতিফলন ঘটেনি।"- মো. মোজাম্মেল হক চৌধুরী, মহাসচিব, বাংলাদেশ যাত্রী কল্যাণ সমিতি
- "আইনটি আমার কাছে অগ্রহণযোগ্য মনে হয়েছে। এর নাম হওয়া উচিত ছিলো 'সড়ক পরিবহন ও সড়ক নিরাপত্তা আইন'। শিক্ষার্থীদের ৯ দফার প্রতিফলনন দেখা যায়নি এতে। দুর্ঘটনায় ক্ষতিগ্রস্থদের ঠকানোর সুযোগ আছে এতে। এছাড়াও চালক শব্দের পরিবর্তে দায়ী ব্যক্তি লেখা

> www. Boighar.com

উচিত। পাঠ্যক্রম্মে সড়ক দুর্ঘটনার বিষয়টি অন্তর্ভুক্তির কথা থাকলেও তা মানা হয়নি।" - ইলিয়াস কাঞ্চন, চেয়ারম্যান, নিরাপদ সড়ক চাই

- "এই আইনে পরিবহন খাতের সাথে সংশ্মিষ্টদের স্বার্থ দেখা হয়েছে।" - সামছুল হক, অধ্যাপক, বুত্যেট

দুর্ঘটনার তদন্ত যাতে প্রশ্নবিদ্ধ না হয় সেই দাবি রেখেছেন মতিঝিল আইডিয়াল স্কুল ও কলেজের অধ্যক্ষ শাহান আরা বেগম।

তবে সড়ক ও মহাসড়ক বিভাগের সচিব নজরুল ইসলামের মতে, তদন্তে দোষী প্রমাণিত হলে চালকের শান্তি ৩০২ ধারা মোতাবেক হবে।

সাবেক অর্থমন্ত্রী আবুল মাল আবদুল মুহিত বলেন, ৫ বছরে ১ লাখ প্রশিক্ষিত চালক তৈরির প্রকল্প হাতে নেওয়া হয়েছে।

वইঘत̣.কম
কিছুটা সীমাবদ্ধতা থাকলেও বিশেষজ্ঞদের সুপারিশসমূহ বিবেচনায় নিয়ে দুর্ঘটনার তদন্তে স্বচ্ছতা আনা গেলে, সড়কে চালক ও যাত্রী সবাইকে সচেতন করা, সড়কের উম্ময়ন ইত্যাদি কাজ সম্পম্ম করা গেলে সড়ক পরিবহন
আইন-২০১৮ ফলপ্রসূ হবে এবং সড়ক দুর্ঘটনায় মৃত্য অনেকাংশে হ্রাস পাবে আশা করা যায়।

## 8০। ব্যাংকিং খাতে সুশাসন ও জবাবদিহি প্রতিষ্ঠার গুরুত্ণ

ব্যাংকিং খাতকে যেকোনো দেশের অর্থনীতির সঞ্চালন ব্যবস্থ হিসেবে বিবেচনা করা হয়। ব্যাংকিং ব্যবস্Fার ভালোমন্দের উপর দেশের অর্থনীতি অনেকাংশেই নির্ভরশীল। এসব কারণে ব্যাংকিং খাতে সুশাসন ও জবাবদিহি প্রতিষ্ঠার প্রয়োজনীয়তা অপরিসীম।

ব্যাংকিং ব্যবস্থায় সুশাসন ও জবাবদিহি নিশ্চিত করার পথে কিছू অন্তরায় রয়েছে। যেমনঃ
■ সরকারি ব্যাংকগুনোতে রাজনৈতিক প্রভাব এবং বেসরকারি ব্যাংকগুলোয় পরিচালকদের স্বেচ্ছাচারিতা;

- স্বেচ্ছাচারিতার ফলে ঋণ প্রদানে অনিয়ম এবং এর ফলে খেলাপী ঋণের পরিমাণ বেড়ে যাওয়া;
- ব্যাংকিং খাত ডিজিটালাইজড হলেও এর কর্মকর্তা কর্মচারীদের যথাযথ প্রযুক্তিপত জ্ঞান না থাকা;
- দেশের প্রয়োজনের তুলনায় বেশি ব্যাংক থাকা;
- মুনাফার টার্গেট অর্জনে ব্যাংকগুলোর মধ্যে অসুম্থ প্রতিযোগিতা;
- মানব সম্পদের যথাযথ ব্যবস্থাপনার অভাব ইত্যাদি।
‘বাংলাদেশের ব্যাংক খাত: সংস্কার ও সুশাসন’ শীর্ষক এক সেমিনারে সাবেক তত্ত্বাবধায়ক সরকারের উপদেষ্টা এ বি মির্জ্জা মো. আজিজুল ইসলাম এত বেশি ব্যাংকের অনুমোদন নিয়ে প্রশ্ন তুলে বলেন,'এত ব্যাংক হলে মান থাকে না। এখন ছোট ও দুর্বল ব্যাংক একীভূত করে দেওয়ার সময় এসেছে।.....ব্যাংক খাত একেবারে ধসে গেছে তেমন নয়। তবে এই খাতে সুশাসনের অভাব আছে। সুশাসন নিশ্চিত করতে হলে সব ধরনের নীতি অনুসরণে ব্যাংকগুলোর সকল পর্যায়ে বাধ্য করতে হবে। পরিস্থিতি উন্নয়নে ব্যাংকগুলোকে রাজনৈতিক হস্তক্ষেপমুক্ত রাখতে হবে।'

দেশের ব্যাংকিং খাতে সুশাসন ও জবাবদিহি আরও বাড়ানোর ওপর গুরুত্ব দিয়েছেন অর্থনীতিবিদ ও ব্যাংক খাতের সজ্x সংশ্নিষ্ট ব্যক্তিরা। এই খাতকে রাজনৈতিক চাপ ও প্রভাবমুক্ত না রাখলে ব্যাংকিং খাতে সংস্কার কোনো সুফল বয়ে আনবে না বলে মনে করেন তাঁরা। এ সময় ছোট ও দুর্বল ব্যাংক একীভূত করে দেওয়ার পরামর্শ দেওয়া হয়।

বাংলাদেশ ব্যাংকের সাবেক গভর্নর সালেহউদ্দিন আহমেদ সুশাসন ও জবাবদিহি বাড়াতে রাজনৈতিক দৃঢ়তা বাড়ানোর পরামর্শ দেন। তিনি বলেন, ‘রাজনীতিবিদদের মনে রাখতে হবে ব্যাংকের মতো একটি প্রयুক্তিনির্ভর খাতকে সব সময় রাজনৈতিক প্রভাবমুক্ত রাখা উচিত। ব্যাংকিং খাতের পরিবর্তন যদি রাজনৈতিক প্রভাবমুক্ত না হয়, তা হলে সেখান থেকে সুফল আসবে না।...........বেশি ব্যাংক হওয়ার ফলে এখন সুশাসন নিয়ে প্রশ্ন উঠছে। সুশাসন নিশিতিত করতে কিছু ব্যাংক একীভূত করা দরকার।' গভর্নর থাকা অবস্থায় ব্যাংক একীভূত করার নীতিমালা করার কথা জানিয়ে তিনি বলেন, পরবর্তী সময়ে তা নিয়ে আর কোনো কাজ হয়নি। এখন কিছু ব্যাংক একীভূত করা যেতে পারে।

বাংলাদেশ ব্যাংকের গভর্নর হিসেবে নিজের পাঁচ বছর দায়িত্ব পালনের অভিজ্ঞতা থেকে সালেহউদ্দিন আহমেদ বলেন, ‘গভর্নরকে শুধু যে রাজনৈতিক চাপে থাকতে হয় তা-ই নয়, লবিস্টরাও অনেক চাপে রাখেন।’ চাপমুক্ত হয়ে কাজ না করতে পারলে বাংলাদেশের ব্যাংকিং খাতের সমস্যাগুলোর সমাধান করা যাবে না মন্তব্য করে তিনি বলেন, বাংলাদেশ ব্যাংককে একটি শক্ত অবস্থান নিতে হবে। বাংলাদেশ ব্যাংকের চলমান ‘আর্থিক অন্তর্ভুক্তি কর্মসূচির’ কার্যকারিতা নিয়ে প্রশ্ন তোলেন সাবেক এই গভর্নর।

বাংলাদেশ ব্যাংকের প্রধান অর্থনীতিবিদ বিরূপাক্ষ পাল বলেন, কেন্দ্রীয় ব্যাংকের তদারকি জোরদার ও ডিজিটালাইজেশন করা হয়েছে। ইতিমধ্যে কয়েকটি ব্যাংকে পর্যবেক্ষক বসানো হয়েছে।

ব্যাংকিং খাতে সুশাসন ও জবাবদিহি নিচিতি করা গেলে সরকারি ও বেসরকারি ব্যাংকগুলোয় ঘটা সাম্প্রতিক আর্থিক কেলেংকারিগুলো অনেকাংশেই রোধ করা যাবে।

## 8১। জাতীয় মুদ্রানীতি ২০১b-১৯ (জানুয়ারি

জ্রুন)
দেশের আর্থিক ব্যবস্থাপনায় মুদ্রানীতি খুবই গুরুত্পূণূর। এর মাধ্যমে পরবর্তী ছয় মাসে অভ্যন্তরীণ ঋণ, মুদ্রা সরবরাহ, অভ্যন্তরীণ সম্পদ, বৈদেশিক সম্পদ কতটুকু বাড়বে বা কমবে এর একটি পরিকল্পনা

তুলে ধরা হয়। মূল্যস্ফীতি নিয়ন্ত্রণ ও কাজ্ষিত প্রবৃদ্ধি অর্জনের মধ্যে ভারসাম্য রাখতে কেন্দ্রীয় ব্যাংক প্রতি বছর দুইবার মুদ্রানীতি প্রণয়ন ও প্রকাশ করে। ছয় মাস অন্তর এই মুদ্রানীতি একটি অর্থবছরের প্রথম প্রান্তিকে অর্থাৎ জুলাই মাসে এবং অন্যটি জানুয়ারি মাসে প্রকাশ করা হয়।

গত ৩০ জানুয়ারি ২০১৯ বাংলাদেশ ব্যাংকের গভর্ণর ফজলে কবির ২০১৮-১৯ অর্থ বছরের দ্বিতীয়ার্ধের জাতীয় মুদ্রানীতি ( জানুয়ারি - জুন ) ঘোষণা করেন। মুদ্রানীতির উল্লেখযোগ্য দিক হলোঃ

- বেসরকারি খাতের ঋণ প্রবৃদ্ধির প্রাক্কলন - ১৬.৫\% (প্রথমার্ধে যা ছিলো ১৬.৮\%)।
- সরকারি ঋণের প্রবৃদ্ধির প্রাক্কলন - ১০.৯\% (প্রথমার্ধে যা ছিলো ৮.৫\%)।
$\square$ অভ্যন্তরীণ ঋণের প্রবৃদ্ধির লক্ষ্যমাত্রা নির্ধারণ করেছে - ১৫.৯\%।
- রিজার্ভ মুদ্রার প্রাক্কলন করা হয়েছে - ৮\%।
- ব্যাপক মুদ্রার প্রাক্কলন করা হয়েছে - ১০.২\%।
$\square$ মূল্যস্ফীতির প্রাক্কলন -৫.8\%-৫.৮\%।
চীনের বেল্ট অ্যান্ড রোড ইনিশিত্যেট্টির সন্গে বাংলাদেশের সংশ্নিষ্ট হওয়ার সূত্রে প্রত্যক্ষ বৈদেশিক বিনিয়োগ অন্তঃ্রবাহ বেশ কিছুটা বেড়েছে। অচিরেই মধ্যম আয়ের অর্থনীতি পর্যায়ে দেশের কাজ্ষিত উত্তরণের জন্য প্রয়োজনীয় বর্ধিত বিনিয়োগ বহুলাংশে বৈদেশিক সূত্র থেকে আকর্ষণ করতে হবে।

গভর্নর বলেন, এই পরিবর্তনশীলতার ব্যত্যয় বাজার ব্যবস্থার বিকাশ বাধাগ্রস্ত করে দেশের বিনিয়োগ পরিবেশ সম্পর্কে বিনিয়োগকারীদের দ্বিধাগ্রস্ত করার ঝুঁকি বাড়াবে, দেশের অভীষ্ট দ্রুত উচ্চ প্রবৃদ্ধি অর্জনের স্বার্থেই যা এড়ানো বাঞ্ছনীয়।

বাংলাদেশের আর্থ - সামাজিক অবস্থা বিবেচনায় এই মুদ্রানীতি সময়োপযোগী।

## ৪২। ডিজিটাল মুদ্রা : জ্রিপ্টোকারেন্সি

ডিজিটাল মুদ্রা (ইলেক্ট্রনিক মুদ্রা বা ইলেক্ট্রনিক টাকা) একধরণের মুদ্রা, যা শুধু ডিজিটাল রূপে পাওয়া যায়, বাস্তবে নয় (বেমন ব্যাংক নোট বা পয়সা)। এটি ভৌত মুদ্রার অনুরূপ বৈশিষ্ট্য প্রদর্শন করে, তবে এটি তাৎক্ষণিক লেনদেন এবং সীমান্তহীন মালিকানা হস্তান্তর এর সুযোগ করে দেয়। উদাহরণঃ ভার্দুয়াল মুদ্রা এবং ক্রিপ্টোকারেনসি।

কেন্দ্রিয় ব্যাংকও "ডিজিটাল ভিত্তিক মুদ্রা" জারি করে থাকে। প্রথাগত মুদ্রার মত এই মুদ্রাগুলোও ভৌত পণ্য বা সেবা ক্রয় করতে ব্যবহার করা যায়। তবে কিছু সম্প্রদায়ের মধ্যে এর ব্যবহার সীমিত করা হয়, যেমন অনলাইন বা সামাজিক যোগাযোগ মাধ্যম।যেমন বাংলাদেশেও যেকোন ধরণের ডিজিটাল মুদ্রা বাংলাদেশ ব্যাংক কর্তৃক স্বীকৃত নয়।

ক্রিপ্টোকারেপ্সি এক ধরণের সাংকেতিক মুদ্রা। যার কোন বাস্তব রূপ নেই। এর অস্তিত ুষু ইন্টারনেট জগতেই আছে। এটি ব্যবহার করে লেনদেন অ্ধু অনলাইনেই সম্ভব। যার পুরো কার্যক্রম ক্রিপ্টোগ্রাফি নামক একটি সুরক্ষিত প্রক্রিয়ায় সম্পম্ম হয়। ২০১৭ সাল থেকে এটি একটি উঠতি মার্কেটে পরিণত হয়েছে।

ক্রিপ্টোকারেপ্সি এক ধরণের পিয়ার টু পিয়ার ব্যবস্থা। এতে তৃতীয় পক্ষের কোন নিয়ন্ত্রণ থাকে না। তাই কে কার কাছে এই ডিজিটাল মুদ্রা বিনিময় করছে তা অন্য কেউ জানতে পারে না। আবার পরিচয় গোপন রেখেও এটা দিয়ে লেনদেন করা যায়। তবে এর এনক্রিপটেড লেজার সব লেনদেনকে ঝুঁকিপূণ হওয়া থেকে নিয়ন্ত্রণ করে। ক্রিপ্টোকারেপ্সির ভ্যালুর উপর কোন দেশের সরকারেরই হস্তক্ষেপ করার ক্ষ্মতা নেই। তাই পৃথিবীর অনেক দেশেই এ ডিজিটাল মুদ্রার উপর সে দেশের সরকারের নিষেধাজ্ঞা রয়েছে।

সারা পৃথিবীতে প্রায় হাজারেরও উপরে সাংকেতিক মুদ্রা রয়েছে। যেমনঃ বিটকয়েন, ইথেরিয়াম, লাইটকয়েন, রিপল, মোনেরো, ড্যাশ, বাইটকয়েন, ডোজকয়েন ইত্যাদি। তবে এগুলোর মধ্যে বিটকয়েন সবার পূর্বসূরি ও সবচেয়ে পরিচিত। মূলত এর সফলতার কারণেই আরো প্রতিদ্বন্দী কারেপ্সির জন্ম হয়।

বিশ্বের বহুদেশে অনলাইন বিকিকিনির জন্য ক্রিপ্টোকারেন্সি বেশ জনপ্রিয়। ইউকিপিডিয়া, ওয়ার্ডপ্রেস, মাইক্রোসফটের মত প্রায় ৩০ হাজারের বেশী প্রতিষ্ঠান ক্রিপ্টোকারেক্সি গ্রহণ করে। ২০১৪ সালের ১৫ আগষ্ট বাংলাদেশ এশিয়ার প্রথম দেশ হিসেবে বিট কয়েন ফাউন্ডেশনে যুক্ত হয়। কিন্তু বাংলাদেশ সরকার বিট কয়েনের উপর নিষেধাজ্ঞা জারি করেন। এর পেছনে রয়েছে বেশ কিছু কারণ।

## ডিজিটাল মুদ্রার বৈশিষ্ট্য নিম্নর্রপঃ

- এটি লেনদেনের দ্রুততম প্রক্রিয়া।
- প্রত্যেক ব্যবহারকারী ঢার ডিজিটাল মুদ্রার মালিক। অন্য কেউ তার মালিকানা নিতে পারবে না।
- একজন ব্যবহারকারী কয়েকটি একাউন্ট খুলতে পারেন। এসবের জন্য নাম, ঠিকানা বা ব্যক্তিগত তথ্যের প্রয়োজন হয় না।
■ ব্লকচেইনে জমা থাকা লেনদেনের তথ্য পৃথিবীর যেকোন জায়গা থেকে দেখা যাওয়ায় দুর্নীতির সুযোগ নেই।
$\square$ এটি সম্পূর্ণ অফেরতযোগ্য। ভূল ঠিকানা থেকে আর ফেরত পাওয়া যায় না।
ক্রিপ্টোকারেপ্সি অপব্যবহারের ঝুঁকিতে রয়েছে। কারণ, ক্রিপ্টোকারেপ্সি সংরক্ষণের জন্য কোন সংরক্ষণাগার নেই। তাই ব্যাকআপ না থাকলে কম্পিউটার ক্রাশের মাধ্যমে মুছে যেতে তথ্য উপাত্ত। হ্যাকিং ও ম্যালওয়ার আক্রমনের হুমকিও রয়েছে। রয়েছে ডিজিটাল অর্থ চুরির আশংকাও। ৩৪ বছরের ইতিহাসে এ পর্যন্ত ৪০টিরও বেশী চুরির শিকার হয়েছে বিটকয়েন।


## ৪৩। জাতীয় বাজেট ২০১৮-১৯ বাস্তবায়নে চ্যালেঞ্জমৃহ

"সমৃদ্ধ আগামীর পথযাত্রায় বাংলাদেশ"- এই স্নোগানে বাংলাদেশের $8 ৮-$ ঘোষণা করেছে বাংলাদেশ সরকার। মোট $8, ৬ ৪, ৫ ৭ ৩ ~ ক ে া ট ি ~ ট া ক া র ~ এ ই ~ ব া জ ে ট ~ ব া স ্ ত ব া য ় ন ে র ~ জ ন ্ য ~ অ ন ে ক গ ু ল ে া ~ ক ্ ষ ে ত ্ র ~ গ ু র ু ত ্ ব প ূ র ্ ণ । ~$ সেসব বিবেচনায় নিয়ে এই বাজেট বাস্তবায়নে চ্যালেঞ্জসমূহ নিম্নে আলোচনা করা হলোঃ

- এই বাজেটে ঘাটতি জিডিপির ২৬.৯৭\%। এই বাজেট ঘাটতি বাজেট বিধায় দেশি-বিদেশি ঋণ ও অনুদানের উপর নির্ভর করতে হবে। তাই বিভিন্ন সিদ্ধান্ত বাস্তবায়নের ক্ষেত্রে বিভিন্ন মাধ্যমের উপর নির্ভর করতে হবে।
- মূল্যস্ফীতির অনুমিত লক্ষ্যমাত্রা ৫.৬\% যা ২০১৭-১৮ বাজ্টেটে চেয়েও কিছুটা বেশি। এ কথা হিসেবে রাখতে হবে যে মূল্যস্ফীতি বাড়লে অর্থনীতিতে এর নেতিবাচক প্রভাব পড়বে। বাজারে দ্রব্যমূল্যের দাম বাড়বে।
■ বার্ষিক উন্নয়ন কর্মসূচিতে বরাদ্দ ১,৭৩,০০০ কোটি টাকা। কিন্তু দেখা যায় অর্থবছরের শেষের দিকে মে-জুনের দিকে এই টাকা খরচের তোড়জোড় বেড়ে যায়। ফলে পূর্ণান্গ বাস্তবায়ন দেখা যায় না এবং দূর্নীতির সম্ভবনাও বাড়ে।
■ অনুমিত জিডিপি প্রবৃদ্ধি ৭.৮\% ধরা হয়েছে। বিশ্ব অর্থনীতির সাথে তাল মিলিয়ে এই প্রবৃদ্ধির লক্ষ্যমাত্রা অর্জন সহজ ব্যাপার নয়।
- সামাজিক সুরক্ষা খাত সহ বিভিন্ন অনুন্নয়মূলক খাতে সরকারকে বরাদ্দ দিতে হত্যেছে বাজেটে যার প্রভাব পড়বে সমগ্র উন্নয়ন চিত্রে।
- বিকাশমান রাইড শেয়ারিং খাত অর্থাৎ উবার, পাঠাও ইত্যাদির উপর ৫\% ভ্যাট বসানো হয়েছে যা এই খাতের অগ্রযাত্রাকে বাঁধাগ্রস্থ করবে।
■ রোহিঙ্গাদের জন্য বাজ্টেটে 800 কোটি টাকা বরাদ্দ রাখা হয়েছে যা তাদের জন্য প্রয়োজনের তুলনায় অপ্রতুল। কিন্তু এটিও বিচার্য যে বর্ধিত সুযোগ সুবিধার কারণে তারা এদেশে স্থায়ীভাবে থেকে যাওয়ার চ্ন্তা বাড়িয়ে দেবে যা নেতিবাচক চাপ সৃষ্টি করবে বিপুল জনসংখ্যার বাংলাদেশের উপর।
■ তথ্যথ্রযুক্তি নির্ভর সেবার ভ্যাট $8 . ৫ \%$ থেকে বাড়িয়ে ৫\% করা হয়েছে যা ডিজিটাল বাংলাদেশ গড়ার স্বপ্নের পরিপন্থী।
- ESCAP এর রিপোর্টে বলা হয়েছে, জিডিপির অনুপাতে শিক্ষা ও স্বাস্থ্য খাতে বাংলাদেশের বরাদ্দ এশিয়া ও প্রশান্ত মহাসাগরীয় অঞ্চলের ৫২টি দেশের মধ্যে সর্বনিম্ন। মৌলিক চাহিদার দু'টিকে কম বরাদ্দ দিয়ে সার্বিক উন্নয়ন আশা করা দূরুহ।

এসব চ্যালেঞ্জ কাট্টিয়ে উঠতে পারলে এই বাজেটের বাস্তবায়ন অনেকাংশেই সম্ভব। উন্নয়নশীল দেশ হবার পথে এই সফলতা খুবই তাৎপর্যপূর্ণ।

## 88। এক অংকে সুদের হার : ব্যাংকের সুদের হারের নয়-ছয়

সাবেক অর্থমন্ত্রী আবুল মাল আব্দুল মুহিত গত বছরের আগস্টে ব্যাংকের সুদের হার এক অংকে নামিয়ে আনার ঘোষণা দেন। বাংলাদেশ এসোসিয়েশন অব ব্যাংকস (বিএবি) এর চেয়ারম্যান নজরুল ইসলাম মজুমদার অর্থমন্ত্রীর ঘোষণার সাথে একমত পোষণ করে ১ জুলাই ২০১৮ থেকে আমানতে ৬\% ও ঋণের ক্ষেত্রে ৯\% সুদের হার বেসরকারি ব্যাংকগুনোতে কার্যকর হবে বলে জানান। কিন্তু কিছু বাস্তব সমস্যার কারণে সবগুলো ব্যাংক তা কার্যকর করতে পারেনি।

কারণ হিসেবে জানা পেছে সঞ্ক্য়পত্রের সুদের হার ১১\% এর উপরে যা প্রায় ব্যাংকের আমানতের সুদ্দের হারের দ্বিষণ। ফলে গ্রাহকরা ব্যাংকে টাকা জমা রাখার চেয়ে সঞ্্য্রপত্র কেনার প্রতি বুঁকছে বেশি। এতে ব্যাংকগুলোয় আমানতের পরিমাণ কচ্ম মূলধন সংকটের সৃষ্টি হচ্ছে। এছড়া খেলাপির ঋণের পরিমাণের ক্রমাগত বৃদ্ধিও সিদ্ধান্তটি বাস্ত্বায়িত না হওয়ার জন্য দায়ী বলে মনেে করেন সংণ্মিষ্টরা।

তত্ত্রাবধায়ক সরকারের সাবেক উপদেষ্ধা মির্জা আজিজুল ইসলাম মনে করেন, রাজনৈতিক কারণে সরকার সঞ্চয়পপ্রর সুদের হার কমানোর মঢো অজনথ্রিয় সিদ্ধান্ত নিতে পারছে না। বিকল্প হিসেবে নির্দিষ্ট সং্খ্যক সঞ্ক্য়প্র বিক্রির পর বিক্রি ব\%্ধ করে দেওয়া উচিত বলে মত দেন তিনি।

বিএবি সুদের হারের নয়- ছয় বাচ্ত্বায়ন্নে বাংলাদেশ ব্যাংকের প্রজ্ঞাপন জারির প্রস্তাব দিলে সেক্ষেত্রে বাংলাদদশ ব্যাংক তার সীমাবদ্ধতার কথা জানায়। বাংলাদhশ ব্যাংকের মতে, মুক্তবাজার অর্থনীতির যুগে সেটা অসম্ভব। আইএমএফের সাথে ভেসব চুক্তি রয়়ছে এভাবে প্রজ্ঞাপন জারি তার সাথে সাংখর্ষিক। এটি করা হলে আন্তর্জাতিক পর্যাচ্যে কেন্দ্রীয় ব্যাংকের মর্যাদা হানি হবে।

ব্যাংকে এক অংকের সুদের হার বাস্তবায়ন্ন কিছু সংস্কার দরকার বলে মনে করেন বাংলাদেশ ব্যাংকের গভর্ণর ড. ফজলে কবির। শ্যেুলো হলোঃ

- গেলাপি ঋণণর পর্মিমাণ কমিয়ে ব্যাংকের পরিচালন ব্যয় কমানো;
- আমানত ও ঋণের সুদুর হরেরের ব্যবধান কমানো;
- সঞ্ধয়পত্রের সুদের হার কমানো;
- মূন্যঙ্ফীতি কমানোর পরিবেশ সৃষ্টি করা ইত্যাদি।

এছাড়াও অতিরিক্ত মুনাফা অর্জনের লক্ষ্য নির্ধারণের প্রবণতাও এক অংকের সুদ্রে হার বাস্তবায়নেন পৰে বাঁধা বলে মনে করেন বিশেষজ্ঞরা। অধিক সংখ্যক ব্যাংক থাকাও এই থ্রবণতার জন্য পরোক্ষতাবে দায়ী।

সুদের হার এক অংকে নামিয়ে আনা ব্যাংকঞুলোর জন্য চ্যালেঞ্জ বটে। এরফুেে ব্যাংকণুলো লোকসানের সমুখীন হবে বলে মনে করেন বিশেষজ্ঞরা। মুনাফা কমে যাওয়ায় বিনিল্যোেে আগ্রহ কর্মে যেতে পারে ব্যাংকিং খাতে। তাই ব্যাংক সুদের হার এক অংকে রাখতে টেকসই সিদ্ধান্ত গ্রহণ ও স্বদিচ্ছ খুব জরুরি।

## 8৫। নারী ক্রিকেট দলের সাফল্যগাঁথা

সাম্প্রতিক সময়ে ক্রিকেটে বাং্নাদেশ এক উদীয়মান তারকা। কথাটি পুরুষ দলের জন্য এতদিন প্রযোজ্য হলেও বাংলাদেশকে প্রথম বড় শিরোপা এনে দিত্যেছে বাংলার বাঘিনীরা। নারী ক্রিকেট দলের যাত্রা খুব বেশি দিন্নের না হলেও এই অর্জন বাংলাদদেের নারী ক্রিকেট দলের কঠাহামেত আনবে আমূল পরিবর্তন - এ কথা নিঃসন্দেহে বলা যায়। বাঘিনীদ̆র সাফন্যগগাথা লিখতে হচ্ছে তাই নতুন শদ্দচয়ন্ন।

গতবছর মানয়েশিয়ার কুয়ালালামপুরের কিনারা ওভাল স্টেডিয়াম্ম অনুষ্ঠিত ৬ জাতি ৭ম এশিয়া কাপ টি২০ এর ফাইনালে বিশ্কাপপর রানার্স আপ ভারতকে ৩ উইকেটে হারায় সালমা খাতুনের দল। প্রথমে ব্যাট করতে নামা ভারতকক ১১২ রানে বেঁধে কেলে বাংলাদেশ। জবাবে ব্যাট করতে নেম্রে রুমানা আহমেদের নৈপুণ্যে ৩ উইকেট হাতে রেখেই লক্ষে পৌঁছে যায় বাংলাদেশ। ম্যান অব দ্য ম্যাচ হন রুমানা আহমদ। আর বাংলাদেশ জেতে তাদের প্রথম এশিয়া কাপ।

সাফল্যের ধারাবাহিকতা অক্ষুন রেখে আয়ারন্যান্ডের সাথেও সিরিজ জেতে বাংলাদেশ। এরপর বিশকাপ বাছাইপর্বে অপরাজিত চ্যাম্পিয়ন হয় বাংলাদেশ। চেনা খ্রতিপক্ষ আয়ারল্যান্ডকে ২৫ রান্ে হারিয়ে চ্যাস্পিয়ন হয় বাংলাদেশ। পান্না ঘোষ হ্যাট্রিকসহ ৫ উইকেট তুলে নিয়ে ম্যান অব দ্য ম্যাচ নির্বাচিত হন।

বাংলাদhশ পুরুষ ক্রিকেট দল এশিয়া কাপ জেতার দ্রারপ্রান্ত থেকে ঝেরত এসেছে দুই বার। লেখানে প্রথম ফাইনালেই বাজিমাত করে মেয়েরা। তাদ্দের এই সাফল্যের পর নারী দলের বিডিন্ন সীমাবদ্ধতার কথা আলোচিত হচ্ছে সর্বত্র। ভেসব বিষয় নজরে এসেছে তা হলোঃ

- নারী ও পুরুষ দলের বেতন বৈষম্য
- অन্যান্য দেলের নারী দলের সাথে বেতন ভাতা ও সুত্যোগ সুবিধার ব্যবধান
- প্র্যাকট্টিরের পর্যাপ্ত ব্যবস্থ না থাকা
- পুরুষ দলের ন্যায় বাহনের ব্যবস্থ না থাকা
- নারীদের ক্রিকেটে উৎসাহিত করার বেলায় উদাসীনতা ইত্যাদি।

আমরা আশা করতেই পারি যে বাংলাদেশ ক্রিকেট বোর্ড সংপ্মিষ্ট ব্যক্তিবর্গ নারী দলের প্রাপ্য সুযোগ সুবিধা প্রদানে মনব্যোী হবেন। আর তাদ্র বেতন তাতাকে একটি সমা|নজনক পর্যায়ে নিয়ে যাবেন। সুভ্যোগ সুবিধা এবং উৎসাহ পেলে নারী ক্রিরেট দল দ্রুতই বিশ্ব পরাশক্তিতে রুপ নেবে। একদিন জয় করবে বিশ্বাপ।

১৯৯৭ সালে মালয়শশিশযাতেই সূচনা হর্যেছিলো বাংলাদেশের ক্রিকেট যাত্রা। টেন্ট স্ট্যাটাস লাড ২০০০ সালে। সর্বশেষ ২০১৫ বিশ্বকাপে খেলেছে কোয়ার্তর ফাইনাল। সাফল্যের লেই ফল্মুধারা অব্যাহত আছে পাক্স্সান, ভারত, দক্ষিণ আফ্রিকা, উইন্ডিজের মতো দলের সাথে ওয়ানডে সিরিজ জয়ে। টেন্ট জিতেছে অস্ট্রেলিয়া ও ইংন্যান্ডের মতো দলের সাথেও। পুরুষ দলের লেই সাফন্যের ঝাঁজ উদ্দীপিত করেছে নারী

ক্রিকেট দলকেও। এশিয়া কাপ জয় ও বিশ্বকাপ বাছাইয়ে অপরাজিত চ্যাম্পিয়ন হয়ে তারা নিজেদের গর্জনে প্রকম্পিত করেছে ক্রিকেট বিশ্বের আকাশ।

## ৪৬। ব্যাংকিং খাতে সাইবার নিরাপ্তা

ব্যাংকিং খাতে সাইবার নিরাপত্তার ইস্যুটি ইদানিং খুব জোরেশোরে আনোচিত হচ্ছে। সম্প্রতি হ্যাকারদের ডিজিটাল প্রতারণার ফাঁদে পড়েছে ব্যাংকিং খাত। এতে ব্যাংক খাতে ডিজিটাল ঝুঁকি সৃষ্টি হয়েছে। রাজধানীতে গড়ে উঠেছে কার্ড জালিয়াতির একাধিক প্রতারক চক্র। আবার বাংলাদেশ ব্যাংকের ৮০৮ কোটি টাকা বেহাত হয়ে যাওয়ার ঘটনাটিও দীর্ঘমেয়াদে উদ্বেগের জন্ম দিয়েছে সবার মনে।

বাংলাদেশে বর্তমানে প্রায় ২০ লাখ ক্রেডিট কার্ড বাজারে রয়েছে। আর ডেবিট কার্ড রয়েছে ৮০ লাখেরও বেশি। দেশের ৫৭টি ব্যাংকের মধ্যে ৩৯টি ব্যাংকই কার্ড সেবা দিচ্ছে। বাংলাদেশের ব্যাংকিং খাতে আইসিটির ব্যবহার শুরু হয়েছিল ১৯৯০ সালের পর থেকে। তবে ২০০০ সালের পরবর্তী সময়ে আইসিটির ব্যবহার বাড়তে শুরু করে। সেই অবস্থা থেকে আইসিটি এখন ব্যাংক খাতের জন্য অপরিহার্য হয়ে উঠেছে। এখানে যাবতীয় লেনদেন হিসাব- নিকাশ, অর্থ স্থানান্তরসহ সব কাজই এখন ডিজিটাল প্রযুক্তির মাধ্যমেই সম্পন্ন হচ্ছে।

বিশ্বব্যাপী নিরাপত্তা বিশেষজ্ঞদের অভিমত, বিশ্বব্যাপী যেভাবে সাইবার হামলা হচ্ছে তাতে যে কোনো সময় বড় ধরনের ক্ষতির মুতে পড়তে পারে বাংলাদেশ। বিশেষ করে, বিমান বন্দর, সরকারি গুরুতৃপূর্ণ প্রতিষ্ঠান, ব্যাংক ও আর্থিক প্রতিষ্ঠান, বিভিন্ন ব্যবসায়িক, শিল্প প্রতিষ্ঠান কম্পিউটার নিয়ন্ত্রিত সব প্রতিষ্ঠানই ঝুঁকিপূর্ণ অবস্থায় রয়েছে। কিন্তু বর্তমানে b৮ শতাংশ ব্যাংকের কার্যক্রম অনলাইন নির্ভর হওয়া সত্ত্রেও আইটিতে কিছু কিছু ব্যাংক প্রত্যাশিত অগ্রগতি অর্জন করতে পারেনি। বিদেশি সফটওয়্যার ব্যবহার না করে ব্যবহার করা উচিত দেশীয় সফটওয়্যার। ব্যাংকিং খাতে দক্ষ আইটি কর্মীর যে অভাব রয়েছে তা অবিলম্বে পূরণ করতে হবে।

ডিজিটাল ব্যাংকিং ব্যবস্থায় এখন প্রযুক্তিগত ঝুঁকিই বড়। সাইবার নিরাপত্তা ঝুঁকি বাড়ার পেছনে কিছু কারণ চিহ্তিত করেছে বিশেষজ্ঞরা। যেমনঃ
$\square$ ব্যাংকার ও গ্রাহকদের নতুন প্রযুক্তি সম্পর্কে অজ্ঞতা;

- বিদেশি তথ্য-প্রযুক্তি নির্ভর প্রতিষ্ঠানের উপর অতি নির্ভরশীলতা;
- বিদেশি তথ্য-প্রयুক্তি নির্ভর প্রতিষ্ঠানের তৈরি সফটওয়্যারের ব্যবহার;
- ব্যাংকারদের যথাযথ প্রশিক্ষণের ঘাটতি;
- ব্যাংকে দক্ষ আইটি বিশেষজ্ঞ কর্মীর অভাব;
$\square$ বাজেট স্বল্পতা ও সাইবার নিরাপত্তার পেছনে অত্যাধিক খরচ ইত্যাদি।
সাইবার নিরাপত্তা নিচ্চিতকল্পে কিছু পরামর্শ দিয়েছেন বিশেষজ্ঞরা। সেগুলো নিম্নরূপঃ
- ইন্টারনেট ব্যাংকিং, ডেবিট কার্ড ও ক্রেডিট কার্ডের পাসওয়ার্ড কাউকে না জানানো;

ই ইন্টারনেট ব্যাংকিংয়ে সতর্কতার সাথে লেনদেন করা;
$\square$ ব্যাংকগুলোর মুনাফার একটি অংশ আইটি খাতে অবশ্যই বিনিয়োগ করা;
$\square$ ব্যাংকারদেরকে তথ্য-প্রযুক্তিগত বিষয়ে যথাযথ প্রশিক্ষণ দেওয়া;

- মানব সম্পদ নিয়োগের বেলায় আইটি বিশেষজ্ঞ বা ঐ বিষয়ে স্নাতক সম্পন্ন করাদের নিয়োগ দেওয়া;
- বাংলাদেশ ব্যাংকের তত্ত্বাবধানে স্বতন্ত্র আইটি প্রশিক্ষণ কেন্দ্র প্রতিষ্ঠা করা;

দ দেশে নির্মিত সফটওয়্যার করা;

- অযাচিত মেইল বা স্প্যামের প্রতি অহেতুক কৌতুহল না দেখানো;

■ সাইবার নিরাপত্তার বিষয়ে বাংলাদেশ ব্যাংকের গাইডলাইনে আরও যুগোপযোগী পরিবর্তন আনা ইত্যাদি।

নইইঘত.কম

## 8 १। বিশ্ব জলবায়ু সম্মেলন - ২০১৮ (COP - 24)

পোল্যান্ডের দষ্ষিশাঞ্ধলীয় শহর কাতোভিচে কপ-২৪ নাম্রের আল্যোজনটি মূলত বৈশ্শিক তাপমাত্রা নিয়্ত্রণণ ২০০টি দেশের সম্মিলিত উদ্যোগের এক রৃহৎ কর্মপরিকল্পনা। ১৫ ডিসেম্বর ২০১৮ এই মহতী অনু্ঠানের সমাপনী পর্यায়ে জলবায়ু ভারসাম্যতায় সারাবিশ্লের উঞ্কতাকে ২ ডিখ্রী সেলসিয়াসের নিচে নামানোর সিদ্ধান্তে প্রত্যেক দেশই একমত পোষণ করে। সস্প্রতি অনুষ্ঠিত এই সম্মেননে মূনত ২০১৫ সালের প্যারিস চুক্তি বাচ্তবায়নের লক্ষ্যমাত্রাকে নির্ধারণ করে এপিত়় যাওয়ার প্রত্যয় ব্যাত করা হয়।

২০১৫ সালে বিশ্বের জলবায়ু নিয়ন্ত্রণে প্যারিসে অনুষ্ঠিত হয় কপ-২৩তম সম্মেলন। ৩ বছর আগে হয়ে যাওয়া এই আন্তর্জাতিক সমাবেশেও বিল্লের ২০০টি দেশ যোগ দেয়। সাড়া জাগানো শিল্প বিপ্পব, যা কিনা জলবায়ুর ভারসাম্যতকক নানামাত্রিকে বিপন্ন করে দেয়, সেখান থেকে অতি আবশ্যিকভাবে বৈশ্শিক তাপমাত্রা ২ ডিগ্রী লেলসিয়ালের কমে নামিয়ে আনতে না পারলে আরও বিপর্যয় অপেপ্ষ করতে পারে বলে আশঙ্কা প্রকাশ করা হয়। জাতিসংঘের উদ্দ্যাগে অনুষ্ঠিত এই বার্ষিক সন্মেলনের ২৪তম সভায় পোল্যান্ডে জড়ো হওয়া এই আন্তর্জাতিক সমাবেশ প্যারিস চুক্তি বাষ্তবায়ন্নে বৌক্তিক নির্দেশিশা গ্রহণ করে এই কার্যক্রুমের সুষ্ঠ্র বাস্তবায়ন আশা প্রকাশ করা হয়। বিশ্লের বিভিন্ন দেশের প্রতিনিধিিা যান্ত্রিক কলাকৌশল, প্রयুক্তিবিদ্যার অবশ্যস্ভাবী পরিণতিতে যে কার্বন ডাই অক্সাইড নিঃসরণ হয়, তাকেও নিয়্ত্তণে আনতে প্রয়োজনীয় ব্যবश্থা গ্রহণণর দিকনির্দেশনা প্রদান করেন। তবে কার্বন বাজারের হুমকি সম্মোনেের ধারাবাহিকতাকে সাময়িক সমস্যায় ফেন্লেও মিলিত হওয়া প্রতিনিধিরা তাকে অত্র্রেম করতে বিশেষ বেগ পায়নি। ফলে শেষ অবধি সমাপনী পর্যায় ঐকমত্যের ভিত্তিতে চূড়ান্ত সিদ্ধান্তে পৌঁছতে পারে।

আলোচকরা বিভিন্ন অধিবেশনে কপ-২৩তম অনুষ্ঠানের জলবায়ু নির্ধারণের নীতিমালা নতুন করে পর্যালোচনা করে কর্মসূচী বাস্তবায়ন্নে ওপর সবার সম্মিলিত অভিব্যক্তি ব্যক্ত করে এত বড় আয়োজনের
 বাঙ্তবে রূপ দেয়ার প্রত্যয়ও ব্যক্ত করেন। তবে এই আশঙ্কাও ব্যত্ত করা হয়, বৈশিক তাপমাত্রার ভারসাম্য

আনতে এমন পদক্ষেপও অনেক সমূহ বিপর্যয়কে সামলাতে পারবে কিনা, সে প্রশ্ন থেকেই যায়। এ জন্য সর্বক্ষণিক সম্মিলিত প্রচেষ্টা অব্যাহত রাখা এই মুহূর্তে সব থেকে বেশি জরুরী।

জাতিসংঘের মহাসচিব এ্যান্তোনিও গুতেরেস আন্তর্জাতিক এই সন্মেলনে সতর্ক বাণী উচ্চারণ করেন বৈশ্বিক উষ্ঞতা কমাতে যে প্যারিস চুক্তি, তাকে যথার্থভাবে বাস্তবায়নে ব্যর্থ হলে তা মূলত সবার জন্য আত্মঘাতী হবে। ఆধু তাই নয়, চলতি এই কপ-২৪তম সম্মেলন তার লক্ষ্যমাত্রায় পৌঁছতে না পারলে সবুজ অর্থনীতিকে ধরাও সুদূর পরাহত হবে। সুতরাং ক্রমবর্ধমান এই জলবায়ু বিপর্যয় থেকে বেরিয়ে আসতে এটাই শেষ সুযোগ বলে মহাসচিব তার সুচিন্তিত মতামত প্রতিনিধিদের সামনে তুলে ধরেন। তিনি কিছুটা হতাশ হয়ে বলেন, এখন পর্যন্ত আমরা তেমন কিছু করতে পারিনি এক সজ্ে মিলিত হওয়া ছাড়া। সুতরাং আর সময় নষ্ট করা মানে মারাত্মক বিপদসমূহকে সাদরে বরণ করা।

বিশ্বব্যাংকের প্রধান নির্বাহী কর্মকর্তা ক্রিস্টালিনা জর্জিয়েভাও সতর্ক করে দেন সবাইকে এই বলে, জলবায়ুর লাগাম টেনে ধরার সর্বশেষ সুযোগ এই মুহূর্তে বর্তমান প্রজন্মের হাতে। আর এই প্রজন্ম যদি হাল ধরতে ব্যর্থ হয় তবে আমরাই হব সবচেয়ে বেশি ক্ষতিগ্রস্ত। শ্রু তাই নয়, এই কপ-২৪তম সম্মেলনের লক্ষ্যমাত্রা বাস্তবায়নে বিশ্বব্যাংক ১০ হাজার কোটি ডলারের একটি তহবিল প্রদানেরও আশ্বাস প্রদান করে।

## 8b-। শতবর্ষী বব্বীপ পরিকণ্পনা ২১০০

‘বদ্বীপ পরিকল্পনা ২১০০’ বাংলাদেশের ইতিহাসে সবচেয়ে দীর্ঘমেয়াদি পরিকল্পনা। সংশ্নিষ্টরা জানান, জলবায়ু পরিবর্তনের প্রভাব মোকাবেলা করে দেশকে কিভাবে এগিয়ে নিয়ে যাওয়া যায়, সে বিষয়টি মাথায় রেখেই এই ডেল্টা প্ল্যান। প্রকল্পটির মূল প্রতিপাদ্য - জলবায়ু পরিবর্তনের সন্গে খাপ খাওয়ানো।

- কেন এই পরিকল্পনাঃ ভৌগোলিক অবস্থানগত কারণে বিভিন্ন প্রাকৃতিক দুর্যোগ যেমন- বন্যা, নদীভাঙন, খরা, জলোচ্ছ্যস, ঘূর্ণিঝড় আমদের নিত্যসঙ্গী। ভূমি ক্ষয় বড় সমস্যা। নদীভাঙনের ফলে প্রতিবছর ৫০ থেকে ৬০ হাজার পরিবার গৃহহীন হচ্ছে। বন্যায় ব্যাপক ফসলহানি হচ্ছে। এর সক্গে জলবায়ু পরিবর্তনের ঝুঁকি তো রয়েছেই। মানবসৃষ্ট নানা কারণে প্রাকৃতিক পানিচক্র বাধাগ্রস্ত হচ্ছে। কমে যাচ্ছে পানির গুণগত মান ও প্রাপ্যতা। বাড়ছে লবণাক্ততা ও মিঠা পানির স্বল্পতা। এ ছাড়া বৈশ্বিক উষ্ণতা ও সমুদ্রপৃষ্ঠের উচ্চতা বৃদ্ধির জন্য বন্যা, খরা, সাইক্লোনের ঝুঁকি বাড়ার পূর্বাভাস পাওয়া যাচ্ছে।

জলবায়ু পরিবর্তনের ঝুঁকি ও প্রাকৃতিক দুর্যোগ মোকাবেলা করাও দেশের জন্য বড় চ্যালেঞ্জ। এ বাস্তবতায় পানি ব্যবস্থাপনা, কৃষি, মৎস্য, খাদ্য নিরাপত্তা, শিল্প, বনায়নসহ সংশ্মিষ্ট সব বিষয় বিবেচনায় রেখে এই সমন্বিত পরিকল্পনা প্রণয়ন করা হয়েছে। উতপাদন শক্তি না কমিয়ে কৃষিজমিতে রাসায়নিক সারের ব্যবহার, শহরাঞ্চলে সুপেয় পানি নিচ্চিত করা, বর্জ্য ও আবর্জনা ব্যবস্থাপনার মতো গুরুত্বপূর্ণ বিষয়গুলো আছে বদ্বীপ পরিকল্পনায়।

- গুরুত্ব পাবে ছয় অঞ্চলঃ বদ্বীপ পরিকল্পনা বাস্তবায়নে দেশের অঞ্চলগুলোকে ভাগ করা হয়েছে ছয়টি অঞ্চলে। এগুলো হচ্ছে-উপকূলীয় অঞ্চল, বরেন্দ্র ও খরাপ্রবণ অঞ্চল, হাওর ও আকস্মিক বন্যাপ্রবণ অঞ্চল, পার্বত্য চটগ্রাম অঞ্চল, নদী ও মোহনা অঞ্চল এবং নগরাঞ্চল। একই ধরনের প্রাকৃতিক দুর্যোগজনিত ঝুঁকির সমুখীন জেলাগুলো থাকছে একেকটি গ্রুপের আওতায়। এসব হটস্পটে চিহ্নিত করা হয়েছে ৩৩ ধরনের চ্যালেঞ্জ। বিবেচনায় নেওয়া হয়েছে প্রতিটি অঞ্চলের প্রাকৃতিক দুর্যোগজনিত ঝুঁকির মাত্রা।
- ডেল্টা তহবিল ও কমিশনঃ বদ্বীপ পরিকল্পনা বাস্তবায়নে গঠন করা হবে ‘ডেল্টা তহবিল’। তহবিলের সম্ভাব্য উতস বাংলাদেশ সরকার, বিভিন্ন উম্নয়ন সহযোগী, পরিবেশ ও জলবায়ু সম্পর্কিত তহবিল। সরকারি-বেসরকারি অংশীদারিকেও) পিপিপি (বিবেচনায় নেওয়া হয়েছে। পরিকল্পনা বাস্তবায়নে গঠন করা হবে ‘ডেল্টা কমিশন’। এতে সম্ভাব্য ব্যয় ধরা হয়েছে ২৯ হাজার ৭৮২ কোটি ৭৪ লাখ টাকা। পরিকল্পনাটি বাস্তবায়নে ২০৩০ সাল নাগাদ জিডিপির ২.৫ শতাংশ পরিমাণ অর্থায়ন দরকার বলে মনে করছেন সংশ্লিষ্ট ব্যক্তিরা।
- নেদারল্যান্ডসের অভিজ্ঞতাঃ নেদারল্যান্ডসের ডেল্টা ব্যবস্থাপনার অভিজ্ঞতার আলোকে বাংলাদেশে বদ্বীপ পরিকল্পনা-২১০০ প্রণয়ন করা হয়েছে। তিন বছর আগে এই পরিকল্পনা তৈরির কাজ শুরু করে সরকার। এতে সহায়তা করেছে নেদারল্যান্ডস। পরিকল্পনা তৈরির জন্য ৪৭ কোটি ৪৭ লাখ টাকা অনুদানও দিয়েছে দেশটি। পঞ্ধবার্ষিক পরিকল্পনার সন্গে সমন্বয় করে ধাপে ধাপে এটি বাস্তবায়ন করা হবে।
$\square$ নদীভিত্তিক পরিকল্পনাঃ নদীমাতৃক বাংলাদেশের প্রকৃতি, জনজীবন, চাষাবাদ অনেকটাই নদীনির্ভর। তাই বলা হয়, নদী বাঁচলেই বাংলাদেশ বাঁচবে। কিন্তু বহু নদী এরই মধ্যে মরে গেছে। ভারতের সজ্গে বাংলাদেশের ৫৪টি অভিম্ন নদী রয়েছে। ভারত অংশে নদীগুলোর পানি প্রবাহের গতিরোধ করা হলে বাংলাদেশ অংশে পানি প্রবাহ কমে যায়। চাষাবাদ ব্যাহত হয়। আবার বর্ষায় পানির ঢল নামে ভারতীয় অঞ্চল থেকে। অতি বন্যা ও জলাবদ্ধতার সৃষ্টি হয়। ফসলের অনেক ক্ষ্যক্ষতি হয়। অভিন্ন নদীগুলোর ব্যবস্থাপনার মাধ্যমে পানি সংকটের সমাধান জরুরি হয়ে পড়েছে।

এছাড়া বিশ্বের সবচেয়ে বড় বদ্বীপ বাংলাদেশ। বন্যায় ক্ষয়ক্ষতি হয় প্রতিবছরই। বর্ষা মৌসুমে প্লাবিত হয় দেশের রৃহত্, অঞ্চল। আবার গ্রীষ্মে দেখা দেয় খরা। জলবায়ু পরিবর্তনের কারণে এই ক্ষতি আরো ভয়াবহ হতে পারে। এই সংকট থেকে উত্তরণের পথ ও পন্থা বদ্মীপ পরিকল্পনা।
$\square$ মূল লক্ষ্য উম্নয়নঃ দেশের উম্নয়ন তৃরান্বিত করতে ডেল্টা প্ন্যান-২১০০ বাস্তবায়ন করা হবে। বদ্বীপ পরিকল্পনায় জলবায়ু পরিবর্তনের প্রভাব মোকাবেলা, বন্যা, নদীভাঙন, নদী শাসন, নাব্যতা রক্ষাসহ সামগ্রিক নদী ব্যবস্থাপনা, নগর ও গ্রাম্ পানি সরবরাহ, বর্জ্য ব্যবস্থাপনা ও পানি নিফাশন ব্যবস্থাপনায় দীর্ঘমেয়াদি কৌশল নির্ধারণ করা হয়েছে। এই পরিকল্পনা যাচাই-বাছাই শেষে প্রথম পর্যা<়় ৮০টি প্রকল্প প্রস্তাব করা হয়েছে। এর মধ্যে ৬৫টি ভৌত অবকাঠামোসংক্রান্ত। বাকি ১৫টি প্রাতিষ্ঠানিক সক্ষমতা ও দক্ষতা উম্ময়ন এবং গবেষণাবিষয়ক প্রকল্প। দেশের আর্থ-সামাজিক উম্ময়নে বদ্বীপ পরিকল্পনা হবে কার্যকর দীর্ঘম্য়াদি পথনকশা—এমনটিই মনে করছেন সংশ্মিষ্ট ব্যক্তিরা।

## ৪৯। কোটা ব্যবস্থা বাতিল

শিক্ষার্থী ও চাকরিপ্রার্থীদের দীর্ঘদিনের আন্দোলনের পর ৯ম থেকে ১৩ তম গ্রেডের সরকারি চাকরিতে বিদ্যমান কোটা বাতিলের চূড়ান্ত সিদ্ধান্ত নেয় মন্ত্রিসভা। এর মাধ্যমে 8৬ বছর ধরে প্রথম ও দ্বিতীয় শ্রেণির সরকারি চাকরিতে যে কোটা ব্যবস্থা ছিল তা বাতিল হয়ে গেল।

নবম থেকে ১৩তম গ্রেডের) প্রথম ও দ্বিতীয় শ্রেণি (সরকারি চাকরিতে বিদ্যমান কোটা বাতিল করে পরিপত্র জারি করেছে জনপ্রশাসন মন্ত্রণালয়। পরিপত্রে বলা হয়, সব সরকারি দপ্তর,স্বায়ত্তশাসিত বা আধা স্বায়ত্তশাসিত প্রতিষ্ঠান ও বিভিম্ন করপোরেশনের চাকরিতে সরাসরি নিয়োগের ক্ষেত্রে নবম গ্রেড) আগের প্রথম শ্রেণি (এবং ১০ থেকে ১৩ তম গ্রেডে) আগের দ্বিতীয় শ্রেণি (মেধার ভিত্তিতে নিয়োগ করা হবে এবং বিদ্যমান কোটা বাতিল করা হলো।

মন্ত্রিসভায় অনুমোদিত সরকারি কমিটির সুপারিশ অনুযায়ীই এই ব্যবস্থা নেওয়া হয়েছে। তবে কমিটির একটি সুপারিশ অনুযায়ী, ভবিষ্যতে পর্যালোচনা করে যদি কোনো অনগ্রসর জনগোষ্ঠীর জন্য কোটা অপরিহার্য হয়, তাহলে সরকার সেই ব্যবস্থা নিতে পারবে-এ বিষয়ে পরিপত্রে কিছু বলা হয়নি।

বাংলাদেশে ১৯৭২ সালে প্রথমবারের মতো কোটা চালু হয়। বর্তমানে প্রথম ও দ্বিতীয় শ্রেণির সরকারি চাকরিতে ৫৫ শতাংশ নিয়োগ হয় অগ্রাধিকার কোটায়। বাকি ৪৫ শতাংশ নিয়োগ হয় মেধা কোটায়। তৃতীয় ও চতুর্থ শ্রেণির চাকরিতেও আছে বিভিম্ম ধরনের কোটা। তবে সরকারি সিদ্ধান্ত অনুযায়ী তৃতীয় ও চতুর্থ শ্রেণিতে কোটা আগে মতোই থাকবে।

বিদ্যমান কোটা সংস্কারের দাবিতে শিক্ষার্থী ও চাকরিপ্রার্থীরা চলতি বছরের ফের্সুয়ারি থেকে জোরালো আন্দোলন শুরু করেন। এক পর্যায়ে ১১ এপ্রিল ২০১৮ প্রধানমন্ত্রী শেখ হাসিনা জাতীয় সংসদে কোটা বাতিলের ঘোষণা দেন। কিন্তু প্রজ্ঞাপন জারি না হওয়ায় শিক্ষার্থীরা আবারও আন্দোলনে নামেন। এরপর গত ২ জুলাই ২০১৮ সরকারি চাকরিতে বিদ্যমান কোটাপদ্ধতি পর্যালোচনা, সংস্কার বা বাতিলের বিষয়ে মন্ত্রিপরিষদ সচিব মোহাম্মদ শযিউল আলমের নেতৃত্বে বিভিম্ম মন্ত্রণালয় ও দপ্তরের সচিবদের নিয়ে সাত সদস্যের একটি কমিটি গঠন করে সরকার। গত ১৭ সেপ্টেম্বর ২০১৮ কমিটি তাদের প্রতিবেদন প্রধানমন্ত্রী শেখ হাসিনার কাছে জমা দেয়। সরকারের এই কমিটি তাদের প্রতিবেদনে কোটা বাতিলের বিষয়ে বিভিম্ম যুক্তি প্রমাণ তুলে ধরে। এই কমিটির সুপারিশ অনুমোদন করে কোটা বাতিলের - সিদ্ধাস্ত নেয় মন্ত্রিসভা।

প্রথম শ্রেণির চাকরি শুরু হয় নবম গ্গেড দিত়ে। এর ওপরের পদগুলো সাধারণত পদোম্মতির মাধ্যমে পূরণ হয়। আর দ্বিতীয় শ্রেণির চাকরিগুলো ১০ গ্গেড থেকে ১৩ তম গ্রেডের মধ্যে। ব্যতিক্রুম ছাড়া ল্যুরুর পদেই নিয়োগ হয় এবং সেখানেই কোটা নির্ধারণ হয়। আগে চাকরি শ্রেণি ভিত্তিতে হলেও এখন গ্গেড ভিত্তিতে নির্ধারিত হয়।

# ENGLISH FDCUS WRITING 

## 1. Education System in Bangladesh Should Emphasize on Entrepreneurship Rather than Employment. [BREB AD (General) 2019]

Educated youths as well as dropouts from high schools or colleges are found interested to equip themselves with entrepreneurship knowledge and skill, viewing it as a lucrative career alternative. As a result, intervention in the form of entrepreneurship education and training has become a common scenario in almost all countries, developed or developing (Life Science Journal, 2014). Bangladesh economy is growing steadily and it requires a highly skilled labor force equipped with the necessary technical and professional expertise. Without entrepreneurship development, it is really challenge to generate new employments for unemployed people. It is a good time to make this generation visionary facilitating and involving them more and more in innovative and entrepreneurial initiatives.

## Importance of Entrepreneurial Education

$\square$ Emphasizing on entrepreneurship in education system will create an enterprising mindset and skills in the context of establishment of a new venture.
$\square$ Entrepreneurial education system is amicable for developing and growing an existing business venture or designing an entrepreneurial organization.
$\square$ Entrepreneurial education outfits students with the additional knowledge, capabilities and attributes which are essential to utilize these abilities in the context of establishment of a new business.
$\square$ The enterprise and entrepreneurial education can provide highly engaging learning opportunities, particularly when related to the program of study selected by the student; developing enterprising abilities can enrich both students' educational experience and future prospects of their career, especially within micro and small enterprise.

## Process of Entrepreneurial Education

According to Enterprise Competitiveness Institute (ECI), the process of entrepreneurial education system can be promoted as below:
$\square$ Publishing educational books, textbooks, newsletters, articles, white papers and other public interest materials to increase awareness and understanding of entrepreneurship;
$\square$ Developing and leading formal instructional and other educational alliances with our Community Partners and Business Supporters;
$\square$ Providing our Global Entrepreneurship Online Program and other advisory services to the general public worldwide as an educational service;
$\square$ Producing and leading online courses, public discussion groups, forums, panels, guest lectures, radio programs, and another educational workshop.

It is a high time to make this generation visionary, facilitating and involving them more and more in innovative and entrepreneurial initiatives. These initiatives will in turn generate more employments for the economy. In this context, the Government of Bangladesh formulated different education commissions and education policies with different plans and motives from time to time. These commissions and policies put emphasis on various aspects of education system including entrepreneurship.

## 2. Role of Electricity in Rural Development in Bangladesh [BREB AD (Finance) 2019]

Electricity is now a part and parcel in urban life. But many rural inhabitants are still out of electricity service. At present, 80 percent of the Bangladeshi people are getting electricity. Present government is trying their best to reach this electricity to every nook and corner of Bangladesh. In past, ten years, there is a significant change that has been occurred in the rural areas after getting electricity connection. Solar panel and other facilities have made the life of rural people easier than before.

Because of electricity in rural areas rural people are now getting much more benefits than the past. Bringing energy to the rural people has reduced the family expenditure for energy services such as kerosene and mobile phone charging cost. It also gives the family more time, due to electric lights and other appliances, which results improvements in education, health, and communications. It will surely enhance the productivity and income levels of the household.

In recent times, rural people are using electrical products such as pumps and other agricultural machinery in order to get better output. Moreover, rural people now can enjoy various TV programs because of this electricity. Their children are now studying under light. The government hoped that by 2021 every home will be able to get the connection of
electricity. The present government has declared in the last election's manifesto to converting the villages to towns. It will be possible if the electricity is available in every house.

## 3. Importance of Monetary Policy Set by Central bank in Growth of Economy <br> |BREB AD (Finance) 2019|

Monetary policy is the process by which the monetary authority of a country, typically the central bank or currency board, controls either the cost of very short-term borrowing or the monetary base, often targeting an inflation rate or interest rate to ensure price stability and general trust in the currency. From the definition, it is clear that monetary policy set by central bank or monetary authority of a country has a great importance in the growth of the economy of a country.

## Importance of Monetary Policy Set by Central Bank

$\square$ The monetary policy set the interest rates which has a cascading effect on the overall economy. For example, it may involve tweaking the specific interest rates that the central bank charges on overdrafts that the commercial banks take from the central bank. When commercial banks can borrow from central banks at lower rates, they have more liquidity and credit which they can make available to the economy by offering loans to their customers at cheaper rates. If such rates are high, the commercial banks will borrow less and limited money will be available in the economy.
$\square$ Monetary authorities change the reserve requirements, which refer to the funds that banks must retain as a proportion of the deposits made by their customers. Lowering this reserve requirement releases more capital for the banks using which they can increase the funds available for offering loans or to buy other profitable assets. Increasing this reserve requirement has a reverse effect that helps in containing the money supply.
$\square$ Authorities also use a third option called open market operations to expand or contract the money supply in the country's banking system. It involves buying and selling of government securities like bonds or foreign currencies in the open market. Buying of government debt increases the amount of cash in circulation and credits the reserve accounts of the banks. With banks having more money available in their reserves, they have the liberty as well as competitive pressure to decrease the lending rates which makes borrowing cheaper and helps stimulate the economy. Selling government debt pulls the money out of the market, and eventually leads to tightening of money supply.
$\square$ Additionally, monetary authorities may draft policies and use methods to selectively target specific factors for specific purpose. For example, if the nation's currency (like

US dollar) is getting weaker compared to a particular currency (like Chinese yuan), the monetary authority may tweak the federal funds rate to reduce the money supply and make dollar-denominated credit costlier. It also leads to higher returns getting generated from dollar-denominated assets. Both these factors result in higher demand for dollar which makes it stronger against other currencies. Such measures are important for the export-import business of a country, and may make or break the country's foreign trade.

We can emphasis on the Monetary Policy for the $2^{\text {nd }}$ half of the fiscal year 2018-19 (Jan'19 - June'19) where the role of monetary policy set by central bank is understandable.

## Features of the Monetary Policy for the $2^{\text {nd }}$ half of the fiscal year 2018-19 (Jan'19 - June'19)

$\square$ The private sector credit growth ceiling has been brought down 30 basis points to 16.50 percent, which is sufficient to generate a 7.80 GDP growth desired by the government for this fiscal year. However, in December 2018 private sector credit growth stood at 13.30 percent, which is lower than the ceiling of 16.80 percent.
$\square$ The central bank has increased the public sector credit growth ceiling to 10.9 percent for the second half of the fiscal year from its previous projection of 8.5 percent considering the uptick in the first half.
$\square$ In recent years, public sector credit growth remained negative as the government met most of its borrowing requirements from savings tools. But from the first half of this fiscal year, growth picked up and exceeded 13 percent in December last year as the government ramped up the pace of expenditure, with emphasis on improving project implementation.
$\square$ "Heavy reliance on non-market instruments like national savings certificates significantly reduces the two-way flexibility of interest rates and complicates the monetary policy transmission channels," according to the monetary policy statement.
$\square$ The rate of interest on savings certificates is about 12 percent, in contrast to 6 to 7 percent offered by banks on their deposit products.
$\square$ The MPS called for market rate-linked rationalisation of the pricing of national savings certificates for market development and fiscal discipline.
$\square$ The Bangladesh Bank has also given importance to dousing inflationary pressures as core inflation-which is an indicator of underlying long-term inflation-is on the way up.
$\square$ Core inflation, which does not include food and fuel prices, shot up to 4.52 percent in December last year from 3.74 percent from six months earlier.
$\square$ In its monetary policy statement, the central bank has projected the country's GDP growth will remain in the range of 7.5 to 8.2 percent in fiscal 2018-19. The central bank has given priority to bringing down the default loan by ensuring corporate governance in the financial sector.
$\square$ The ratio of non-performing loans in the banking sector stood at 11.45 percent of the outstanding loans as of September last year, which added an extra 1 percentage point to the interest rate on lending.

Ahsan H Mansur, executive director of the Policy Research Institute, said the banking regulator should offer flexibility to the foreign exchange market with the view to averting the pressure on reserves. The unnecessary import of goods would be barred if the central bank stops injecting dollar into the market.
"The central bank will have to take measure to fix the interest rate on both lending and deposit to keep up with the market demand. Otherwise, implementation of monetary policy will be difficult," he added.

## 4. Impact of Clobalization in Bangladeshi Culture

## [DBBIL PO 2018]

Globalization is currently an unavoidable phenomenon and it's impacts on the culture of Bangladesh is obvious as well as multidimensional. Under the influence of globalization, global culture is steadily getting integrated with local cultures. Different cultures are constantly interacting. As an independent nation, we have our own traditional social values, beliefs and attitudes. But in the globalizing process, many foreign customs and beliefs are intruding on them.

## Impacts of Globalization in Bangladeshi culture

The homogenization paradigm emphasizes on global interdependence and inter connectedness for cultural standardization uniformization and compassion in to a single global culture. Its actual aim is to increase the homogeneity of world values like rationalization, commoditization democracy and human rights. Western cultures are reflected on the people of the rest of the world changing the lifestyle and consumption patterns in the symbolic norms of Coca-Cola, rock music, blue jeans, sleeveless kameez and so on (Globalization and Cultural Transformation: The Case of Bangladesh, Published by Canadian Center of Science and Education).

One society is influenced by consumption habits of other societies. These influences are being more and more powerful. Consumer culture means the bundle of goods and services consumed, and its composition are not determined mainly on the basis of real needs and the capacity of payment.

Fashion shows, ramp show, employment of glamorous models, actors, sports meet are the ways to attract potential consumer. The media industry (radio, television internet, movies mobile phone) increases the power of advertisement. Credit facility enables people to meet their wishes into demand. Consumerism is regarded as the principal form of selfexpression and the major source of demonstrating one's indent. Now a days co-modified value is powerful more than moral values in the selection matters of peer groups and relatives. Fashion and lifestyle play a vital role in the process of social differentiation and politics.

Amusing technology provides some goods and services in era of globalization generating cultural complexity. Soft drinks, junk foods replace the traditional food items (tea, milk, local fruits, rural handmade cakes and so on). This food culture has already been a part of socio-relational activities. Carbonate, excessive sugar, alcohol, margarine, fatty ingredients are indeed the matters of health hazards such as heart disease, hyper-tension, diabetes, cancer, obesity have been subject to a global concern.

The technology of movie and music are now at very advanced level and these amusing items are also getting social customs producing the thoughtless and demoralized horizons. Smart phone, internet connected computer, mp3 player all the digital devices are forwarding created a new era of pop culture where positive enjoyment is rarely active. South Asian recreational heritage of folk song, theater drama, gossiping, local sports played a vital role in mental development are under extinction threats. But digital refreshment can play a little role in building up spirit and mind.

Now-a-days religious activities (publicity) are being performed through digital media especially television on the way of advertising and other usual programs. Religious devotees and followers can find the desired information and activities easily not attending the spot. Television companies want to make money anyhow exploring newer programs focusing emotionally weak point of children, juveniles, women and youths. Consequently, it is viewed that all the people of different ages are getting habituated in their desirable programs.

Children are affected over their study matters and women leave their home duty to seat before the television set for enjoying the addicted serials or others. The young generation is adversely addicted on Face book, Twitter, Google+, Blogs as well as cell phones (Smart Phone, iPhone). These are used for passing leisure time and making friendship occurring meaningless love which affects their spiritual strength and importance for reading.

Cultural violence is a daily terrible phenomenon in both national and international levels. Egypt, Bangladesh, Pakistan, Palestine, India, Myanmar, Afghanistan, Iraq, Yemen face such a violence. The negatives are reflected in the rising trend of cultural violence, armed reactions to cultural imperialism and increasing dominance of a consumer and selforiented society leading to erosion of spiritual and community-oriented values worldwide.

It is finally viewed that globalization touches all human lives and plays strong role in transformation of moral values and lifestyles in Bangladesh as well as other developing countries. The process brings some opportunities; but its root challenges for the poor nations are the gruesome matters as well. Advantages of globalization process have to be availed by overcoming the obstacles. No nations including Bangladesh individually are able to attain desired well being without battling the challenges of globalization because of its collective manner. Without negotiating skill, tactful diplomacy, ICT knowledge, technology transfer, proper policy management, human resource and so on, no country avail the global opportunity.

## 5. People Given too much Emphasis to Satisfy Their Immediate Need Instead of Long Term Sense. Do You Agree or Disagree with It? Write Some Point with Your Choice.

The term time preference is an economic concept that refers to the importance we place on future outcomes relative to current outcomes. It is a true fact that people given too much emphasis to satisfy their immediate need instead of long term sense. There is no option without agreeing to this fact.

Some points that why people care less about a future consequence and more about the present-and why it's so often a mistake:

1. A desire to avoid delay: Generally speaking, we want things now rather than later. There is psychological discomfort associated with self-denial. From an evolutionary perspective, our instinct is to seize the reward at hand, and resisting this instinct is hard. Evolution has given people and other animals a strong desire for immediate rewards. In
prehistoric human environments the availability of food was uncertain. Like other animals, humans would survive and reproduce if they had a strong tendency to grab the smaller, immediate reward and skip the larger but delayed reward.
2. Uncertainty: A lifetime of learning not to trust others to deliver what they promise in the future (e.g., growing up with a sense of total helplessness) may play a role in one's resistance to delaying gratification. Similarly, the short duration and uncertainty of life influence our time preference. Poor health especially is an indicator of mortality, and therefore increases one's uncertainty about whether a future reward will be received.
3. Age: Young adults tend to be impulsive. Experiencing life events that bear lessons about time can change one's time preferences. For instance, experiencing the death of someone close encourages young adults to reflect upon their long-term futures, and become more focused on these. Mark Twain once said "life would be infinitely happier if we could only be born at the age of 80 and gradually approach 18.". (The 2008 movie The Curious Case of Benjamin Button is a dramatic illustration of the idea of aging backward.)
4. Imagination: Resisting short-term reward in favor of a longer-term reward requires a capacity to envision the distant future. Having a vivid view of the future is a sign of social maturity for young adults. Education may enlighten a person with regard to the value of deferred versus current consumption. We might also spend time with our parents to remind ourselves of what our needs will be when as we age.
5. Cognitive capacity: Higher intelligence is associated with a more future-focused tendency. Future planning involves the executive brain, which is linked to intelligence through the function of the prefrontal cortex. Children with higher intelligence tend to be better at shifting attention away from the affective properties of rewards. This explains why individuals with lower intelligence may be more prone to financial hardship, and tend to have lower levels of financial asset accumulation.
6. Poverty: Poverty and the pressure of present needs can blind a person to the needs of the future, leading (necessarily) to a stronger focus on the present.
7. Impulsiveness: People with an impulsive personality are simply more prone to be in a spontaneous mood, and to show intolerance to any delay of gratification. Individuals with impulsive traits are at greater risk for problems such as substance abuse and obesity.
8. Emotion regulation: Time preference is associated with the emotional environment in early childhood development. Children of disengaged and unresponsive parents tend to have a poor ability to delay gratification. Emotional distress also causes a behavioral shift toward immediate improvements in mood, leading people to make poor decisions.
9. The importance of mood: Our sense of time is altered by our moods. Time seems to go painfully slow when you find a class boring, for example, but fly when you are with a lover. The adage that time flies when you are having fun has been empirically demonstrated: Individuals in a state of craving experience time passing slowly.
10. Anticipation: Generally speaking, people tend to derive pleasure from anticipating good things and discomfort from anticipating bad things. Pleasant experiences like vacations or dates may be deliberately postponed or planned well ahead of time so they can be "savored." On the other hand, the desire to reduce dread implies people may prefer to consume a bad experience (like a trip to the dentist) earlier rather than later. For example, people tend to prefer to pay parking tickets immediately rather than defer payment.

People are not equally patient. Caring less about the future than the present can be rational. However, philosopher Jon Elster notes that rationality differs from wisdom. He defines wisdom as the ability to make choices toward improving one's well-being. If a person heavily discounts the future, consuming an addictive substance may, for him or her, be a form of rational behavior.

## 6. International Mother Language Day. <br> [Combined 6 Bank Officer (Cash) - 2018|

Every nation has some achievements that they can take pride. Our language day is our national event and achievement. But the matter of pride for us is that this national event has crossed our national boundary and become universalized. The International Mother Language Day is the recognition of our language movement and the heroic sacrifices of the language martyrs by the international community. Now, after the recognition, our language day is observed globally as International Mother Language Day.

## Historical background

February 21 st is observed as the language day. This day is the culmination of a serious of protest and events that took place between 1948 and 1952. After the independence of Pakistan the ruling authority of west Pakistan recognized Urdu as the state language of Pakistan in 1948 and tried to impose it on the Bangla-speaking majority people. Not only that they also denied the demand of the Bengalis for the recognition of Bangla as the state language.

In 1952 protests erupted throughout East Pakistan against the imposition of Urdu and for the recognition of Bangla as the state language of Pakistan. The ruling authority-imposed section 144 all over the country as the protest grew stronger. However, when students, politician and general masses brought out a procession in Dhaka University area defying the section 144, the police charged fire on the procession. As a result, Rafiq, Jabbar, Salam, Barkat, Shafiq met martyrdom. Finally, Bangla was recognized as the state language. Since then, the day is observed throughout the country with solemnity and due homage.

## International Observance of the day

On 17 November 1999, UNESCO, a specialized organization of United Nations (UN) recognized our language movement and sacrifices of the Martyrs. They declared that UNESCO would observe the day internationally. Since 2000, The International Mother Language Day is being observed all over the world. The recognition by the UNESCO and the observance of the day by the international community has increased our national glory and uplifted the sacrifices of our language martyrs. Through UNESCO recognition, our language day has got international status.

The recognition of our language day and the proclamation of the observance of the day internationally is very significant. UNESCO's recognition is not simply a recognition of our language movement, but it recognizes that is the birth right of every nation or race to speak in their own language. The proclamation also said that this recognition would help to preserve all the languages of the world and that diversity of languages is important to maintain cultural identity and distinction.

## Importance of the day

Since 1952, the 21st February is observed as the language day in our country. We remember our martyrs, their sacrifices and pay homage to the heroic souls who laid down their lives for the cause of our mother tongue. We have erected monuments (known as Shahid Minar) in remembrance of them and on 21 February we offer flower wreaths and stand silent in honor of them.

However, the importance of 21 st February and its observance lies elsewhere. It is a sow the seed of our liberation war. And importantly, the language movement teaches us that we have raise for achieving our rights, for establishing our place of honor and dignity in the world. It teaches us not to bow down to any oppression. It also inspires us to sacrifice
our most treasured thing for sake of the country. So the importance of international Mother Language Day is very significant.

We are the only nation of the world to sacrifice lives for mother tongue. International Mother Language Day is a glorious recognition of our history and our achievement. International Mother Language Day highlights the importance of linguistic identity. We are really proud that we have achieved something that has got global acceptance.

## 7. Role of EPZ on Trade \& Investment in Bangladesh |BEZA Assistant Manager - 2018|

Being the weather of Bangladesh suitable for setting up industry, many countries of the world are showing interest to set up industries in our country. In fact, it is a great opportunity for Bangladesh to make employment for the nation. After independence, Export Processing Zone have been started to set up. Since then, this sector has grown gradually and millions of people are now working there and this way these EPZ has changed the economic condition of the people. Now, role of EPZ on trade and Investment in Bangladesh are given below:

1. Present Sheikh Hasina led Awami Leauge government has taken initiatives to establish economic zone across the country to boost up the investment and create employment opportunity. More than 100 EPZ will be established in the country on priority basis. If these EPZs are established gradually, unemployment rate will be decreased significantly.
2. To make a country economically developed, Foreign Direct Investment (FDI) is required. FDI will create employment, increase efficiency of labor, encourage technology transfer and develop new exportable sector. To attract more and more FDI the government of Bangladesh has been trying to establish private sector investment friendly environment.
3. Low labor cost is often cited as the most important factor by the private as well as the public sectors in Bangladesh. Not only that, the quality of Bangladeshi garments are now felicitated worldwide.
4. The statistics of import of Export Processing Zone to abroad by the EPZ enterprises are as follows:

| Kear | Amonit (fickoretik) | Amodit in (milion USD) |
| :---: | :---: | :---: |
| $2013-14$ | 23120.8 | 2975 |
| $2014-15$ | 23473.0 | 3022 |
| $2015-16$ | 24413.3 | 3119 |


| $2016-17$ | 24497.0 | 3097 |
| :---: | :---: | :---: |
| $2017-18$ | 29222.0 | 3566 |

SOURCE: Bangladesh Export Processing Zone Authority (BEPZA)
5. Export receipts by the EPZ enterprises (last five fiscal years)

| Year | Amount (in crore tk) | Amount (in milion USD) |
| :---: | :---: | :---: |
| $2013-14$ | 39819.8 | 4480 |
| $2014-15$ | 38515.1 | 4958 |
| $2015-16$ | 42585.8 | 5439 |
| $2016-17$ | 41281.3 | 5214 |
| $2017-18$ | 47527.6 | 5785 |

SOURCE: Bangladesh Export Processing Zone Authority (BEPZA)
6. The investors of 37 countries invested in the EPZ of Bangladesh. Some of the countries are South Korea, USA, UK, China, Singapore, Malaysia, Indonesia, Srilanka, Thailand, Spain, Germany, Netherlands, Canada, Italy, Belgium, Australia, India, Pakistan and So on. Host Bangladesh has already invested in the EPZs of Bangladesh. During last 30 years BEPZA crossed US $\$ 2478.90$ million investment. It is a remarkable achievement indeed.

Our development partner World Bank proposed to set up Special Economic zone, the enlarged version of EPZ. The government of Bangladesh have already taken plan to establish SEZ. In order to implement this, a special authority named Bangladesh Export Zone Authority (BEZA) has been formulated.

## 8. What are the Current Challenges of the Banking Sector in Bangladesh? Give Your Specific Recommendation How to Reduce Non Performing Loans? <br> [Janata Bank EO-2018]

After the independence of Bangladesh, banking sector of Bangladesh has changed a lot. To keep the economy invigorated, the contribution of banking sector will never be denied. But the development of banking, some challenges have been arisen too. Bangladesh has to face these challenges in the future and needs to take effective measures to tackle these challenges.

Here the challenges for banking sector of Bangladesh are discussed as follows:

## $\square$ Non Performing Loans (NPLs) are high in state-owned banks

The eight state-owned commercial and specialized banks suffer from problems related to high levels of non-performing loans (NPLs), low profitability, large capital shortfalls and balance sheet weaknesses. The root of the problem is poor risk management. For decades, state-owned banks have lent large amounts to big, influential borrowers, who have been known to be lax with repayments. Defaulters are rarely penalized; instead, loans are routinely restructured to permit further lending to the same borrowers. According to a study by the Bangladesh Institute of Bank Management, on average banks rescheduled bad loans of Tk109.1 bn annually during 2010-14.

## वইইয়.কম

## $\square$ NPLs undermine banks' capital

Unsurprisingly, these high NPLs have hit profitability hard. In 2016 the operating profits of the six state-owned commercial banks dropped by $37 \%$ annually, to Tk20.1bn, while net losses surged by $309 \%$, to Tk5.1bn. Meanwhile, losses at the two state-owned specialized banks (Krishi Bank and Rajshahi Krishi Unnayan Bank) rose by $150 \%$, to Tk4.2bn. By contrast, the net profits of the banking sector as a whole rose by $4.9 \%$ in 2016, while those of private banks rose by $17.2 \%$.

## $\square$ Government continues to provide funding

The decision to provide funding has been criticised, as it has been seen by some as the government diverting taxpayers' money away from needed investments in social sectors like healthcare without putting the necessary measures in place for structural reforms. In a March 2017 meeting the government's finance division observed that, despite the regular infusion of budget funds, state-run banks have not improved their NPL positions. Meanwhile, reportedly, in the past two years BB did not recommend any capital infusion for these banks to the finance ministry. In mid-2017 BB asked the state-owned banks to meet shortfalls at their own initiative, such as by boosting business activities.

## $\square$ Regulatory response needs improvement

Nevertheless, the regulatory response to the banking sector's problems needs improving, with little action taken so far to penalize defaulters, improve risk management and strengthen bank management. Apart from the political influence of large borrowers, regulators are concerned that too hard measures could force corporate bankruptcies, raising unemployment. Since the six state-owned commercial banks employ almost 60,000 people and have $55 \%$ of branches in rural areas, regulators are also cautious about measures that might destabilize these.

## Some recommendations to reduce non performing loans are given below:

$\square$ Client profiling is the first step to improve NPLs management. Better data means better risk taking and client profiling, combining information on financial assets and their financial and consumption behaviors, can help to balance a high level of industrialization within a pre-defined set of actions for low-value clients and a bespoken approach for high-value ones, reducing costs and time to recovery.
$\square$ Define a retail strategy library to offer the best product to each client profile, combining data on customer behaviors, personal income and net worth.
$\square$ Redesign the operating model for corporate loans developing a workflow management tool to facilitate collaboration between credit and commercial units. A better collaboration and integration across units can turn up to a $50 \%$ increase of the repayment rate (the number of positions with repayments on total position managed).
$\square$ Optimize legal services adopting a value based compensation model depending on the value effectively recovered. Legal expenses can be reduced by $20-30 \%$ with also benefits on the overall recovery time.
$\square$ Launch a Collateral Recovery Data Quality Program leveraging on existing information on collateral agreements and defining dedicated crash programs to improve the collateral data set to better address recovery strategies.
$\square$ Collateral management using advanced analytics to combine information on properties value, collateral, borrowers, guarantors (i.e. valuation, auction information) to monitor unexpected depreciations. A better collateral management can reduce loan losses on collateral positions by 5-10\%.
$\square$ Early Warning \& Forward Looking Models leveraging on predictive analytics to improve credit portfolio quality. These initiatives can reduce the portfolio deterioration by $30-40 \%$.

In conclusion, it can be said that in order to continue the economic development, we need to combat the challenges like NPLs and it is also necessary to find the best way to face these challenges. If it can be done, then it will make our economy robust.

## 9. Enhancing the Capacity of Human Resources in Bangladesh : Necessity \& Challenge <br> [Shahjalal Islami Bank PO - 2018]

Priority should be given to those population groups which could benefit most from such opportunities by virtue of either the emergency of their needs or their ability to put them to best use, not only for themselves but for the development of priority sectors.

Bringing the concerns for equitable distribution opportunities for the fullest possible development of individual potential into balance would be an important strategic challenge in human resource development policy and planning. Priority should, therefore, be given to the disadvantaged, including the rural and urban poor, women, youth and ethnic minorities, who generate the highest social rate of return on human resources development investment.
(1) There is an ever-increasing outflow of manpower from higher education in Bangladesh. This continuing brain drain is seriously affecting the growth of key personnel in the country. Therefore, the future of economic development of the country might be constrained by the shortage of high-level manpower and our inability to use them successfully. The emphasis of development planning in future must be shifted from expansion to modernization.
(2) Education at all levels should preferably be nationalized by stages and the resource allocation for education must be determined by the requirement of manpower development in the country.
(3) Mismatch between education and occupation should be removed. Right man should be placed in the right job. Skilled and qualified persons should be provided with employment opportunities and proper placement.
(4) Human resource should be given top priority both in the public and private sector. A separate Ministry may be established to deal with the different aspects of human resource development. A nationalized campaign should be undertaken for human resource development.
(5) Effective measures should be undertaken to improve health services, sanitation, water supply, housing condition and nutritional standard of the people for human resource development in true sense of the term.
(6) Training is the process of altering employee altitudes in a way that increase the probability of goal attainment. When proper training is given learning occurs, learning is the acquisition of skill, knowledge and abilities. The human resource development actually depends on skill development.

The proper development of human resource and a better quality of life of our people will be acted as the prime factors of moving forward the economy of our country to achieving Vision 2021 and Vision 2041.

## 10. Importance of Information Technology in the Economic Development of Bangladesh. <br> [Combined SO (IT/ICT)|

Economic development process of the countries varies with their economy. But it is technology that is equally important to every country for the economic development. Bangladesh as a developing country is also trying to develop its economy through the use of technology. For the economic development Bangladesh is using technology in almost every division such as education, security, agriculture, industry, communication and also in our daily living commodities. Bangladesh recegnizes the necessity of high national priority to the scientific and technological considerations on the whole development strategy of the country.

## Importance of IT in economic development

$\square$ Information Technology (IT) is enhancing the ability of the student to invent new things. Technology also helps them to reduce time and money. Technology helps them to be familiar with the international education system.
$\square$ Information Technology (IT) for monitoring the environment serving the country from different types of natural disasters. People are now much aware about the coming disasters and they can take safe steps that reduce the expenses of the overall economy of the country.
$\square$ We can also see the use of information technology to operate energy resources that helps to produce more products within short time and it is very much important for the economy of the country.
$\square$ The use of information and communication technology is now decreasing the time and expenses of the businesses. It provides convenient situation to deal with the international market. So, it can be easily understood that information and communication technology is assisting Bangladesh to expand the economy.
$\square$ Technology in agricultural sector is helping Bangladesh for more yielding in every season. It also helps to protect the crops from being wasted and also from the insects. So, it is definite that technology is developing the economy of Bangladesh as it is an agricultural country.
$\square$ Industry is the backbone upon which the economy of any country prevails and technology is the blood that gives a country the flow of economic development. Many developed countries invest in our country and they made Bangladesh familiar with different modern technology that has been helping the economy to increase rapidly. (The Role of Technology in the Economic Development of Bangladesh, TohuraMoriom Misti, University of Dhaka)

Technology brought Bangladesh towards a new floor with lots of blessings. At the same time it also brought some curse for the society and people of Bangladesh. But in total technology is very much important for the economic development of the country. The role of technology in the economic development of Bangladesh is like a guardian angel.

## 11. Describe the ACID Properties of a Database. When Does a Deadlock Occur \& How Do You Prevent It in a Database? <br> |Assistant Programmer 2018|

In computer science, ACID (Atomicity, Consistency, Isolation, Durability) is a set of properties of database transactions intended to guarantee validity even in the event of errors, power failures, etc. A transaction is a very small unit of a program and it may contain several low-level tasks. A transaction in a database system must maintain ACID properties in order to ensure accuracy, completeness, and data integrity.

Atomicity: This property states that a transaction must be treated as an atomic unit, that is, either all of its operations are executed or none. There must be no state in a database where a transaction is left partially completed. States should be defined either before the execution of the transaction or after the execution/abortion/failure of the transaction.

Consistency: The database must remain in a consistent state after any transaction. No transaction should have any adverse effect on the data residing in the database. If the database was in a consistent state before the execution of a transaction, it must remain consistent after the execution of the transaction as well.

Isolation: In a database system where more than one transaction are being executed simultaneously and in parallel, the property of isolation states that all the transactions will be carried out and executed as if it is the only transaction in the system. No transaction will affect the existence of any other transaction.

Durability: The database should be durable enough to hold all its latest updates even if the system fails or restarts. If a transaction updates a chunk of data in a database and commits, then the database will hold the modified data. If a transaction commits but the system fails before the data could be written on to the disk, then that data will be updated once the system springs back into action.

Dead lock occurrence: A deadlock is a condition wherein two or more tasks are waiting for each other in order to be finished but none of the task is willing to give up the resources that other task needs. In this situation no task ever gets finished and is in waiting state forever.

Coffman conditions: Coffman stated four conditions for a deadlock occurrence. A deadlock may occur if all the following conditions holds true.
$\square$ Mutual exclusion condition: There must be at least one resource that cannot be used by more than one process at a time.
$\square$ Hold and wait condition: A process that is holding a resource can request for additional resources that are being held by other processes in the system.
$\square$ No preemption condition: A resource cannot be forcibly taken from a process. Only the process can release a resource that is being held by it.
$\square$ Circular wait condition: A condition where one process is waiting for a resource that is being held by second process and second process is waiting for third process ....so on and the last process is waiting for the first process. Thus making a circular chain of waiting.

Deadlock prevention: We have learnt that if all the four Coffman conditions hold true then a deadlock occurs so preventing one or more of them could prevent the deadlock.
$\square$ Removing mutual exclusion: All resources must be sharable that means at a time more than one processes can get a hold of the resources. That approach is practically impossible.
$\square$ Removing hold and wait condition: This can be removed if the process acquires all the resources that are needed before starting out. Another way to remove this to enforce a rule of requesting resource when there are none in held by the process.
$\square$ Preemption of resources: Preemption of resources from a process can result in rollback and thus this needs to be avoided in order to maintain the consistency and stability of the system.
$\square$ Avoid circular wait condition: This can be avoided if the resources are maintained in a hierarchy and process can hold the resources in increasing order of precedence. This avoid circular wait. Another way of doing this to force one resource per process rule A process can request for a resource once it releases the resource currently being held by it. This avoids the circular wait.

## 12. Tax Friendly Culture for Sustainable Development <br> [Assistant Programmer - 2018]

Mobilization of the desired level of resources and promotion of tax policy framework is required to ensure a tax-friendly culture. The resource requirement to achieve universal access to basic infra-structure in the least developed countries is much steeper at nearly 10.7 per cent of their annual GDP. As a result, collection of taxes in Asia and the Pacific is constantly below the average and the government of their region have also fallen behind in exploiting local taxes. Inadequate public revenues and in tax regimes are obstacles to sustainable development.

## वইঘत়.কম

Here, the requirements that are needed to ensure tax-friendly for sustainable development are as follows:

First, a more decentralized approach for urban sustainable development is required in order to obtain additional resources to finance the Sustainable Development Goals (SDGs). For example, according to a recent review, more than 1700 people are moving to Dhaka city in search for better livelihood. As a result the population of this city is gradually increasing that creates an extra pressure in urban life. In order to reduce this tendency, government should pay attention to rural development.

Second, government should set an effective property tax rate that will reduce the municipalities' excessive exposure to deficits and dependency on national transfer. Moreover, government should plan for collecting other taxes as well as encourage people to give taxes whole-heartedly.

Third, coordinating and mainstreaming economic, social, and environmental considerations in tax policies is required for tax-friendly environment. This policies should contribute to addressing income and wealth disparities. Adjustment in tax policy are also required to ensure high income and wealth are taxed effectively to redistribute revenues for the social uplift of the population.

Fourth, in recent years, Asia-Pacific developing countries like Bangladesh, have become interested in environmental tax reforms. Reforms in this area should now be taken forward. For example, low oil prices provides the opportunity for fuel subsidy and transport fuel reforms. Such reforms can help to achieve this objective and contribute to an environmentally sustainable economy especially for newly industrialized countries.

Finally, developing countries may streamline and nationalize tax incentives to expand and protect the tax base. Excessive tax incentives should be reduced. At the same time, optimum tax incentives are needed to promote businesses and tightening transparency.

## 13. Role of Commercial Bank in SME [Combined 3 Bank SO - 2018]

Small and Medium Enterprises (SME) are essential for economic growth, poverty alleviation, generation of employment and promotion of more pluralistic society. SME rely on commercial banks for a variety of reasons that make it convenient to do business and grow a company. By the supports of commercial bank, SME start and expand their businesses which create new entrepreneurs in competitive markets.

The key roles of commercial banks in SME are described as:
$\square$ Loan: Though provision of loan depends on different types of criteria like sales growth, assets and some reasonable sales projections, commercial bank offers a variety of interest rates and loan lengths for SME. According to the Wall Street Journal, the role of commercial bank in SME has become progressively more personal and relationship-oriented. There are about 69,902 SME enterprises employing approximately $1,937,809$ workforces in the SME clusters of Bangladesh. Their annual turnover is about BDT 573,510 million per year.
$\square$ Investment Services: To earn additional revenue and growth in SME, invest the profit is a secure way where investment department guides in the selection of stocks, bonds, money market accounts and real estate.
$\square$ Corporate Credit Cards: By getting credit cards in the name of enterprise from a commercial bank can help to keep track of all business purchases because that will all be on one statement.

Bookkeeping: Commercial banks have the scope of giving bookkeeping facilities To SME. Bank statements with categorizing expenses, profit-and-loss statements, financial reports and other essential records for their companies are the major bookkeeping facilities from commercial bank for SME. These essential records include tax documents that show the deductible expenses, taxable income and exempt income for a small and medium business.
Risk Reduction: SME reduces risk by the financial and economic assistance from commercial bank. Commercial banks provide the platform where different SME work with each other for business proliferation.

## Contribution and significance of SMEs in Bangladesh

About 85 percent of Bangladeshi formal business enterprises are SMEs (ADB Institute, 2016). They constitute about 75 percent of non-agricultural employment and contribute about 25 percent to the national GDP. This 25 percent is contributed by only the manufacturing SMEs. However, this amount could in fact be much higher if the contribution of service sector SMEs could be calculated. Till now there has been little data available on service sector SMEs of Bangladesh, even though this sector contributes around 56.34 percent to the GDP, making it the largest contributor. The significance of SMEs can be clearly observed if we take a look at the contribution of SMEs in some select Asian countries. For example, about 97.3 percent of enterprises in China, 97.3 percent in Malaysia (2017)

In conclusion, the role of commercial bank is inevitable in the sector of SME. Commercial bank should come forward to improving their terms and conditions which seems to be kindlier and amicable for SME.

## 14. Single Digit Interest Rate : Problems \& Prospects

## [Bangladesh Bank AD - 2018]

All state-owned enterprises have promised not to demand more than 6 percent from banks for parking their funds with them with a view to facilitating the long-delayed single digit interest rate for lending. The development comes after private banks told Finance Minister AMA Muhith that it would not be possible to bring down the lending rate to 9 percent if the SoEs (Wasa, BPDB, BPC, Petrobangla, BTRC, Sadharan Bima Corporation and Jiban Bima Corporation etc. ) do not keep their funds with them.

Of the 62 scheduled banks in the country, 43 are private. Currently, the private banks' lending rates hover between 10 percent and 16 percent while the deposit rates are below 6 percent. But the rates on fixed deposit schemes for three months to three years range between 5 percent and 10 percent; the rates are above 10 percent in a few banks.

Implementation of Single Digit Interest Rate will be faced some problems:
$\square$ The SoEs tend to keep their funds through an unofficial process of competitive bidding among banks; whichever bank offers the highest interest rate they go to them with their deposits.
$\square$ The interest rate on national savings certificates is still over $11 \%$. So, people interests to buy national savings certificates than deposit in banks. It makes liquidity crisis.
$\square$ The benefits include lowering of corporate tax, slashing of repo rate and reduction in cash reserve ratio as the government moved to decrease the lending rate and ease their liquidity crisis.
$\square$ Private Banks will face the alleviation of profits due to this change etc.
Also there are some prospects in this case:
$\square$ The banks said the lending rate would definitely come down provided the SoEs keep their funds with private banks and the interest rate on national savings instruments is lowered in line with the bank deposit rates.
$\square$ The lowering of lending rate is long overdue as the government and the Bangladesh Bank have extended private banks a host of benefits in the last four months to this end.
$\square$ The benefits include lowering of corporate tax, slashing of repo rate and reduction in cash reserve ratio as the government moved to decrease the lending rate and ease their liquidity crisis.
$\square$ Private banks were also allowed to hold 50 percent of the funds of state agencies, up from the previous ceiling of 25 percent -- a move that has led to its desired outcome, according to finance minister.
$\square$ The interest rate of national savings certificates will be reduced etc.
For keeping the interest rate in single digit, Bangladesh Bank Governor has suggested some steps that should be taken:
$\square$ Reducing the management expenditure by decreasing defaulted loans;
$\square$ Reducing the difference between interest rates of deposit \& loan;
$\square$ Reducing the interest rate of national savings certificates;
$\square$ Creating the favorable environment to reduce inflation etc.
We hope \& believe that the implementation of single digit interest rate will be fruitful for the banking sectors. This decision will help to provide a better economic condition in banking arena.

## 15. Imagination is greater than knowledge

[Bangladesh Bank AD - 2018]
"Imagination is greater than knowledge." is a famous quotation by great physicist \& Noble Laureate Elbert Einstein. He signifies the imagination over knowledge \& made a new era to discuss about imagination to us.

Imagination is something that we think with creativity \& which is not exist right now. But can be converted to the reality with the use of our hard work \& knowledge. Knowledge is something that we learn from books \& from the eyewitness practically.

Every invention in science is the output of imagination. That's why it is said that today's imagination is future's science.

Today's airplane is the result of the imagination of phenomenal painter Leonardo De Vinci in $15^{\text {th }}$ century. He painted his idea of airplane \& now it is a simple reality.

Today's sub-marine is the result of the imagination of Jules Verne. He wrote his ideas in his science fictions.

Literature is also delighted with imagination. Writers use their imagination in writing stories, poems etc. If they were closed them in the bookish knowledge, then we would not any new thrills in the stories they wrote.

Cinema industry is another field of using imaginations broadly. We see many science fictions, cartoons, video games with rich imaginations.

But it has to confess that we have to use knowledge to imagine something. We may say that imagination is also a proper use of creative knowledge.

The given quotation teaches us that we have to learn something \& apply it to imagine something new. Imagination should be given priority over knowledge. From the discussion it is clear that imagination is the mother of new invention.

We may change the world with imagination. John Lennon, the greatest singer of British Band "Beatles" uses the word "Imagine" with the great hope of peaceful world as-
"Imagine all the people living life in peace
বইইঘ়̣.কম
You may say I'm dreamer but I'm not the only one
I hope someday you will join us
\& the world will leave as one."

## 16. A Quest for Peace in Middle East : Recent Perspectives <br> [Bangladesh Bank Officer - 2018]

Middle East is the place of neurasthenia since the establishment of Israel in 1948. Recently the fire of unrest is increasing for many reasons. More than 50 Palestinians had lost their lives by the attack of Israeli armies in the 6 week long "Great March of Return" protest. Before that more than 60 Palestinians had lost their lives in the time of the inauguration of US embassy at Jerusalem. So, it is clear that the quest for peace in Middle East is a matter uncertain journey of the world community.

Beside the Palestine crisis, there are a lot of problems in Middle East. Syria Crisis, Yemen Crisis, Saudi - Qatar Crisis, Saudi - Iran Crisis are the main problems now. In every case, USA is involved for their own benefits. They destroyed Iraq \& Libya for oil resource.

For the quest of peace in Middle East, world community, UN \& USA took many steps. But most of them are downed in failure. Some incidents \& results are given below:
$\square$ USA expressed their roadmap for two state solutions for the peace among Palestine \& Israel. But they showed partiality to Israel \& tried to keep the interest of Israel \& USA
in many ways. Establishing the embassy in Jerusalem is another step they have taken in favor of Israel.
$\square$ Saudi Arabia attacked Yemen. As a result many people died here.
$\square$ Saudi Arabia \& Iran are trying to be the main power in Middle East. Also their opposite ideology keeps the enmity alive.
$\square$ USA is trying to force Syrian president Basar Al Asad but the result is not good enough for them. Because the Russia has given shelter the Syrian govt. But many civilians died by the collision between the Syrian army \& US supported rebels.

For establishing the peace in Middle East, some steps should be taken immediately:
$\square$ Two state solutions between Israel \& Palestine have to be effective with proper distribution of the lands by UN.
$\square$ Syrian war \& attack on Yemen have to be stopped immediately. The opportunity of choosing their government has to be given to the peoples of these countries.
$\square$ USA have to leave their allurement of oil in Middle East.
$\square$ Iran \& Saudi Arabia have to stop the chase of power \& they have to concentrate in the case of Palestine crisis.
$\square$ Arab League \& OIC should work for the sake of the peoples they represent etc.
Experts' says Middle East crisis the main reason behind the global terrorism. So, it is important to establish peace in Middle East immediately.

## 17. A Self Reliant Economy : Concept \& Reality

[Sonali Bank SO - 2018]
The concept of a self reliant economy is significantly discussed all over world. Economists define self-sufficiency or self-reliance as the state of not requiring any aid, support, interaction or trade with the outside world. But it is generally believed that a fully selfdependent economy or autarky is not possible in today's world.

A system is self-sustaining (or self-sufficient) if it can maintain itself by independent effort. The system self-sustainability is:

1. the degree at which the system can sustain itself without external support
2. the fraction of time in which the system is self-sustaining

In the economics literature, a system that has the quality of being self-sustaining is also referred to as an autarky.

But we have to look over the reality of economy. The economy of Bangladesh is moving with a smooth speed. We are going to become middle income country in 2024. So, the degree of self reliance of Bangladesh is increasing, we may say now. Some cases that signify the self reliance of Bangladesh are given below:
$\square$ Bangladesh's per capital income is 1752 US Dollar now which is only 100 US Dollar in 1971.
$\square$ GDP growth rate is $7.86 \%$ which is $5.4 \%$ in 1991 .
$\square$ First Budget of Bangladesh was about 746 Crore Tk but now it is expanded to 4,64,573 Crore Tk.
$\square$ Bangladesh is self dependent in Rice \& Fish production. About 40.6\% labor force is directly involved in agricultural sector.
$\square$ The difference between import \& export is decreasing. It is 12000 million US Dollar (approximately) now which is a good sign.
$\square$ Foreign Currency's reserve is increasing \& it is 31,923 million US Dollar now.
$\square$ Rate of poverty is decreasing significantly \& it is $24.3 \%$ which was $70 \%$ in 1971.
$\square$ The expected average lifetime is increasing \& it is $71.6 \%$ now.
$\square$ Total remittance accepted in last year is 12,088 million US Dollar.
$\square$ Literacy rate is $71 \%$ now.
$\square$ Bangladesh is a big name in Ready Made Garments sector globally.
But it is impossible to be self reliant $100 \%$ because of the globalization. It is not more important to make the economy sustainable than self reliant. The economy of Singapore is fully import based. But they are the giant in world economy due to their sustainability in economy. So, we have to focus more on being sustainable economic country rather than the discussion about the concept $\&$ reality of self reliant economy.

## 18. Leading a Successful Life <br> [Agrani Bank Officer (Cash) - 2018]

Everyone in the world expect the success. Leading a successful life is a dream of everyone. They invest their valuable times for getting success. Because they know that the world hails only the successful one. Successful people get respect, financial stability, fame etc.

For leading a successful life, there are some qualities that should have -
$\square$ Discipline;
$\square$ Punctuality;
$\square$ Hard work;

## $\square$ Dedication;

$\square$ Patience;
$\square$ Clear concept about the desire;
$\square$ Innovative thinking etc.
The honesty to own goal is a significant factor for being successful in life. Success is not a single day's matter. Getting success is a continuous process.

If we study the biography of the successful persons, we will get many thinks that should be followed. One common think is that they didn't get the success without hard work, dedication, patience \& the qualities described before. Almighty helps those who help thyself. Luck supports the hard working \& dedicated peoples.

But we have in mind that leading a successful life doesn't mean only the successful career but also a successful social \& family life. If we can enlighten our family, society \& the country, then it is the success. The world remembers the good deeds by the successors. If we are successful in my sector, then we have a duty to inspire, support \& guide other how to be successful.

It should be kept in our mind that all of us have to leave the world today or tomorrow. If we contribute in the world by doing some good work, then it will be the case of remembrance. Being a honest man is more important than being the a successful man.

## 19. Economy of Bangladesh : Simply Keep Growing

[Rupali Bank Officer (Cash) - 2018]
After the Liberation war, Bangladesh started his journey from zero. Our economy was in the primary stage. Howbeit the US foreign minister Henry Kissinger ridiculously mentioned Bangladesh as bottomless basket. They were confused about the future of Bangladesh. But today Bangladesh is an emerging nation in the world economy by proved them false.

Renowned economic research institute Goldman Sacks mentioned 11 nations as emerging tigers including Bangladesh. UNCTAD reported that Bangladesh is one of the five nations whose GDP growth is $7 \%$ in 2017.These information clarified that the economy of Bangladesh keeps growing.

Some statistics that's justifies the progress of the economy of Bangladesh are given below:
$\square$ Bangladesh qualified primarily for becoming the developing nation in 16 March 2018. Bangladesh will be developing country in 2024.
$\square$ Bangladesh's per capital income is 1752 US Dollar now which was only 100 US Dollar in 1971.
$\square$ GDP growth rate is $7.86 \%$ which is $5.4 \%$ in 1991.
$\square$ First Budget of Bangladesh was about 786 Crore Tk but now it is expanded to 4,64,573 Crore Tk.
$\square$ Bangladesh is self dependent in Rice \& Fish production. About 40.6\% labor force is directly involved in agricultural sector.
$\square$ The difference between import \& export is decreasing. It is 12000 million US Dollar (approximately) now which is a good sign.
$\square$
Foreign Currency's reserve is increasing \& it is 31,923 million US Dollar now.
$\square$ Rate of poverty is decreasing significantly \& it is $24.3 \%$ which was $70 \%$ in 1971.
$\square$ Total remittance accepted in last year is 12,088 million US Dollar.
$\square$ Bangladesh is a big name in Ready Made Garments sector globally.
$\square$ Bangladesh is making Padma Bridge from its own money. It shows the economic sufficiency of Bangladesh.
$\square$ Bangladesh has launched its first satellite Bangabandhu-1 which will bring financial benefits for Bangladesh in 40 ways etc.

Bangladesh is going to celebrate its golden jubilee in 2021. Vision 2021 is the strategy of the government for making a self reliant Bangladesh. Also another vision is Vision 2041 is to be developed country in 2041 . We can say that Bangladesh is in the way to be developed as soon as possible \& our economy is simply keep growing.

## 20. The Next Wave of Social Media

[BDBL SO - 2018]
Without checking inbox, we can't imagine a day now-a-days. This is the revolutionary effect of Social media. Every day different social media like Facebook, twitter etc. increase their features day by day to fulfill the demand of the user.

In near future, the social media will transform in a new dimension which can be imagined such as-
$\square$ Uploading Files facilities: In the next update, doc \& pdf file sharing option will be expected to add.
$\square$ Adding E-commerce feature: In future, social media will add an E-commerce tab in there App and web. They know the choice of user. So, they will provide products in those tabs for the user.
$\square$ Increased privacy: Now-a-days, privacy is a most important issue. Recently it has been reported that the Social media platforms sell our privacy to third party. Some time we can't feel safe for this. So, in future, more privacy will be expected from social media.
$\square$ Best way of communication: Online calling is being popular day by day. In near future, most of the user will use online calls for communication.
$\square$ Live telecast service: Most of the social media provide live service. Facebook live is very much popular now. Most of the social media provide opportunity to upload video. Live telecasting will be available \& easy for general users.
$\square$ Added other new feature for public post: We can post video, picture and text as post now. But we cannot post audio. In future, it will be added audio post feature and many more.

In future, most of the marketing work done through social media. Those media are developed not only for communication but also for business.

## 21. The Issue of Good Governance in the Banking Sector [Dhaka Bank TACO - 2018, BKB SO - 2017, Modhumati Bank PO - 2017]

Good governance is a term that used to describe how public institutions conduct public affairs \& manage public resources. Good governance in the banking sector is an expected matter for the peoples connected with this sector. Bangladesh Bank is committed to establish good governance practices in banks and financial institutions besides fulfilling its core objectives like employment maximization and price stability in the country.

The country's banking sector has not been in a proper shape in recent years. They have faced liquidity problems.

After a number of major financial scams unearthed recently, the management problems are found to be more serious, particularly in the case of the state-owned banks (SoBs).The limited authority of the central bank over boards of directors of such banks and the frequent interference by the government in both management and loan matters are largely blamed for the present state of affairs in the public-sector banks. The issues that are now being encountered by such banks have, in fact, originated from the lack of good governance.

The private banks are also not immune to this problem and they also have their deficiencies in this area. No bank in Bangladesh can claim to have introduced corporate culture in its governance system, in totality.

Some major steps should be taken to balance ensure the good governance in the banking sector. These are:

Central Bank should be more independent \& transparent in implementing \& taking decisions
Bank Company Act (BCA) should be updated to ensure the reduction of political \& administrative influence in the case of loans in banks;
$\square$ Examples should be created to punish the responsible persons of scams in banking sectors;
$\square$ Digitalization \& upgrading online banking system will help to establish good governance etc.

The central bank has to ensure the provisions of BCA and rules framed under it are duly enforced. Otherwise, making of laws or rules and issuance of circulars will not help much in ensuring good governance in a bank or any other financial institutions unless and until those are strictly followed.

## 22. The Padma Bridge : A Dream Comes True [Rupali Bank Officer (Cash) - 2018]

Padma Bridge is not a dream now. It's a reality which is our pride. We are building it with our own money. The work is going on round the clock to meet the 2018 deadline for completion total Bridge.

The length of the bridge is 6.15 km and width of the bridge is 18.10 meter. China Major Bridge Engineering Company Ltd. is doing the key work while another Chinese company Sinohydro Corporation Ltd is supervising river training being done by Korean Expressway.

Proper communication system is necessary for Development of a country. When the making of Padma Bridge will be completed, the communication system between southwest districts and the whole country will also be developed. It will impact all spears of our country. This Bridge is simply a blessing for south western part of our country and also the whole country 21 districts directly connected to the capital by this bridge

Information about economics impacts and benefits of Padma bridge:
$\square$ Direct road link between the capital and 21 district of southwest region;
$\square$ Traveling time between the capital and southwestern region to be reduced to one fourth;
$\square$ Being a part of the proposed Asian highway and trans-Asian railway network, the bridge will facilitate regional connectivity.
$\square$ It will brings $29 \%$ growth in constructive sector, $9.5 \%$ in agriculture, $8 \%$ in manufacturing and transport.
$\square$ Poverty will be dropped by $1 \%$ in the region, $0.8 \%$ nationally.
$\square$ GDP growth will be increased to $1.5 \%$ in southwest region, $0.56 \%$ in countrywide. New employment and business opportunity will be created for the local people. Daily traffic will be increased from 4300 at present to 12,831 in 5 years to 45,000 in 2040.
$\square$ River training will save 9000 hectors of land worth 156 USD million from erosion and flood.
$\square$ Electricity, gas supply lines and optical fiber cables to pass through the bridge, savings 271 million USD.
$\square 12.400$ million USD ferry service cost on jajira route will be saved.
Padma Bridge is the most important and challenging first track project in the history of our country. Now we have proved that we can do. It's not a dream, its reality now.

## 23. Modern Technology \& Globalization [Agrani Bank Officer(ICT) - 2017]

Globalization is the process of interaction and integration between people, companies, and governments worldwide. In other words, the degree of integration is measured by trade flows, capital flows, and people flows and an increase in such flows is an increase in globalization. On the other hand, Technology is the number one factor driving these flows. Technology refers to methods, systems, and devices which are the result of scientific knowledge being used for practical purposes. It has been observed over the last century and a half that technological innovations are closely correlated with globalization. Here are the details about modern technology and globalization
$\square$ IT and Globalization: IT is a driving force in the process of globalization. IT drives the innovative use of resources to promote new products and ideas across the nations
and cultures, regardless of geographic location. Creating efficient and effective channels to exchange information, IT has been the catalyst for global integration. Moreover, rapid advancement in optic technologies has also been critical to the IT revolution. Fiber optics technology enables data including voices captured in digital form to be converted into the tiny pulses of light and then transmitted at high speed through glass fibers wrapped into large capacity communication tables. Fiber optic cable has brought about a revolutionary change in the internet based communication system and makes the communication system faster than before.
$\square$ Distant Learning and Globalization: By distant learning one does not need to go abroad for study. In this process a person can achieve desired degree following the course material provided by the authority and after successfully completing the degree, one gets certificate. Technological advancement and globalization have made it possible.
$\square$ Healthcare and Globalization: IT is dramatically improving healthcare in the following ways

- Prevention and controls of emerging infectious diseases
- Patient to healthcare provider interaction
- Rapid dissemination of information
- Improved responses to outbreak situations.

Many healthcare problems in developing countries are being addressed using IT. Digital records and images using digital cameras have made it possible for doctors around the world to share information or offer advice on treatments for complicated ailments. For example, using internet connections, doctors working in remote regions of northern Uganda during an outbreak of deadly Ebola virus would be able rapidly to transmit their findings to experts at the World Health Organization (WTO) and the US Centers for Disease Control in Atlanta.
$\square$ Education and Globalization: In this modern age, education system has changed a lot. After the inclusion of IT education, there is a revolutionary change happened in the world. Both emergence of the internet and new developments in educational software vastly enhanced digital education over the past decades. There has been a substantial increase in the quantity and diversity of the educational material available over the internet or through the use of satellite video and audio linkups.

IT offers especially valuable educational opportunities for poor people in developing countries. Students and other residents of poor countries are increasingly using the
internet to gain access to information and communicate via e-mail. Doctors, scientists and other professionals, for example, can achieve cheap or free access to journals and other professional publications that are too expensive to afford in hardcopy versions.
$\square \mathbf{E}$ - Government: IT can enhance interactions between citizens and their governments in several ways. The use of IT in government is sometimes called 'E-government 'can enhance the efficiency and effectiveness of government services. E-government can also help to achieve other goals of good governance, such as accountability and transparency.

In conclusion, it can be said that, if the new technologies are to fulfill their promise, it is necessary to direct attention towards the cost and concerns that come with globalization with technology. History advises that the measures taken must be developed through close consultation between government, private sectors experts, stakeholders and citizens. People need to partake in the ongoing debate by staying informed on current events, and technology facilitates the process in a vital way.

# 24. Significance of Observing Intellectual Martyrs' Day in Our National Life <br> [AI-Arafah Islami Bank MTO-2017] 

Every year the nation observe the Martyred Intellectuals' Day paying glowing tributes to the intellectuals who were brutally killed by the Pakistan occupation forces and their local collaborators at the fag-end of Bangladesh's Liberation War in 1971. Sensing a humiliating defeat, the retreating Pakistani forces and their collaborators - Razakars, AlBadrs and Al-Shams dragged off the frontline Bangalee intellectuals and worthy professionals from their houses on December 14 and assassinated them with the intention of crippling the new-born nation intellectually.

The Memorial becomes flooded with wreaths of flowers placed there by several political parties, social and cultural organizations and citizens. Hundreds also gather at the Memorial to honour the intellectuals who were murdered in the killings fields of Rayerbazaar in the very last days of the War. Among the martyred intellectuals are Prof Muneir Chowdhury, Dr Alim Chowdhury, Prof Muniruzzaman, Dr Fazle Rabbi, Sirajuddin Hossain, Shahidullah Kaiser, Prof GC Dev, JC Guha Thakurta, Prof Santosh Bhattacharya, Mofazzal Haider Chowdhury, journalists Khandaker Abu Taleb, Nizamuddin Ahmed, SA Mannan (Ladu Bhai), ANM Golam Mustafa, Syed Nazmul Haq and Selina Parvin.

The government chalk out elaborate programs to observe the Martyred Intellectuals Day to commemorate the December 14 tragedy. If they were alive today, the nation could be benefitted in various ways. Present government have taken steps to bring the culprit to the book in order to punish the killer of intellectuals. The sooner the criminals get their overdue punishment the nation can pay back a part of the overdue debt to the martyrs and step ahead for realizing their dreams an exploitation free functional democracy.

## वইঘत়.कम

These martyred intellectuals were very famous personality in their respective field. By observing this day, we commemorate their sacrifice in achieving the victory against the Pakistani Army. From language movement to liberation war, they played a significant role and because of their priceless contribution now the nation has got a an independent country. Losing these heroes just two days before independence obviously was a great loss for Bangalee nation because the nation could get much knowledge from them that could have been led Bangladesh in the top of success within a very short period. But the nation deprived of these opportunities because of the brutal killings led by the Pak Army.

To sum up, there is no denial that Bangladesh has lost its meritorious persons on 14th December and this loss will never be filled by anything. But by ensuring the capital punishment against the collaborators of Pakistani Army, we can surely pay tribute to them. We need such dedicated persons in order to build a prosperous nation.

## 25. Green Economy : A Solution for Future Dhaka

## [BHBFC SO - 2017]

Green economy is getting a big place in the discussion of future plans recently. It can be defined as an economy that aims to reduce environmental risk and ecological scarcities and that aims for sustainable development without degrading the environment. It is closely related with ecological economics, but has a more politically applied focus. The 2011 UNEP green economy report argues that to be green, an economy must not only be efficient, but also fair.

The number of population of Dhaka is increasing rapidly. That's why experts' has suggested some initiative that can be taken for future Dhaka to control the population blast:
$\square$ Enhancing the environmental products and services;
$\square$ Increasing use of renewable energy instead of fuel energy;
$\square$ Introducing energy efficient products and services;
$\square$ Transforming the tannery from Hazaribag to Savar as soon as possible;
$\square$ Importing clean transportation and fuel systems;
$\square$ Constructing the infrastructures with keeping the thought of greener country;
$\square$ Switching from carbon to non-carbon components;
$\square$ Rationalization of lands' use and urban policies;
$\square$ Introducing of integrated resources and water management system;
$\square$ Appropriate implementation of environmental legislation etc.
Some Initiatives that can be taken by the government-
$\square$ Introducing updated building code;
$\square$ Arranging awareness raising campaign among the student and other city dwellers;
$\square$ Installing solar panels in the government and semi-government organizations;
$\square$ Using CFL bulb in all ministries and power sector entities;
$\square$ Conventional street light to be replaced by LED;
$\square$ The gradual discontinuation of incandescent bulb and electric heater;
$\square$ Limiting the use of air-conditions;
$\square$ Encouraging the business community for using solar energy;
$\square$ Closing the market and shopping mall within 8 pm .
Green economy is a desired topic for future Dhaka. It is a different economic concept than the traditional economic model and it is important for Bangladesh. Government agencies must be responsive in implementing a green economic policy.

## 26. Functions of Commercial Bank <br> |Southeast Bank TCO - 2017]

Commercial banks are the significant part of the economic system of any country. In Bangladesh, There are 62 scheduled commercial banks. When a bank offer service to the general public and companies is called commercial bank. All the commercial banks are done almost same type of functions. The function of a commercial banks are given below:
$\square$ Collect or receiving deposit: Collecting deposit is the main function of a commercial bank. Commercial banks collect money from the people. For this people have to open a bank account. This account may be personal/savings account, business a/c. Savings account holder gets profit/interest for their deposits.
$\square$ Providing loans: Commercial Bank provides loan to the public or companies by following some rules $\&$ regularities. They have different type of loan products in
different interest rate like short-term, mid-term and long-term etc. Providing Loan is the main way of income of a bank.
$\square$ Fixed Deposit: Banks receive certain amount for certain period with contracting to provide some interest against it. This is called fixed deposit.
$\square$ Bank overdraft: Commercials bank offers their trusted customer to draw more than their deposit. Bank charges few amount on the Over draft.
$\square$ Discount of Bills: Commercial Bank buy bill of exchange, accepted discount bill and sell that in maturity for get some Interest.
$\square$ Advance loan: Bank give advance loan to their customers against their deposit. It is very helpful for customer for sudden need.Medium of transfer money: Bangladeshi people lives different part of the world. They can transfer there earning through the bank through online banking serviecs.
$\square$ Taking various payments: Commercial bank takes utility bills e.g. electricity bill, gas bill, water bill etc.

We have discussed the most common functions of a commercial bank. They have also some other function vary from bank to bank like Car loan, Home loan, Credit card services, student account etc.

## 27. Role of ()pposition in Democracy <br> |Agrani Bank S() 2017|

Democracy is the government of people, by the people and for the people. It is the most common form of the government in this world. The functions of democratic government is largely depends on the existence and the dynamism of opposition party. Good governance cannot be expected without responsible opposition party.

The fundamental roles of opposition party are described below:
$\square$ The opposition party raises the issues of public welfare that are not concerned by ruling part. This happens when they finds the government is not functional as per the will of the people.
$\square$ The opposition party protests for the improper policy taken by government and criticize the government. The ignorance of government spreads protestation in the Parliament House and at the public level.
$\square$ The Opposition party forms a 'shadow cabinet' to exercise vigil over the performance of the government.
$\square$ It is the Opposition in the Parliament that has a very important role of check and balance to play in the larger public interest and correct democratic practices.
$\square$ Members of the Opposition parties are also included in the various committees attached to the respective ministries. All the measures of the government connected with the respective ministries are discussed and finalized by them. The Opposition plays a significant role in it through its recommendations.
$\square$ Therefore, in shaping of the legislative measures, the Opposition has a say, or at least influences on it. If their recommendations are ignored, they have another chance when the Bill is introduced in the House and debated.

At the end, it can be said that a state does not enjoy the fruits of democracy without strong and effective opposition party. Opposition party makes the ruling government accountable, responsible and functional.

## 28. Bangladesh on the Way to Middle Income Country [DBBI, P() 2017]

The national development discourse in Bangladesh tends to consider graduating from the least developed country (LDC) category and becoming a middle-income country as interchangeable. The country continues to express its aspiration to join the middle-income country group by 2021, the 50th anniversary of its independence. However, this status has already been achieved - Bangladesh joined the lower middle-income country category (the lower tier of the two tiers of the middle-income category) on 1 July 2015. On the other hand, graduation from the LDC group is almost certain, but not until 2024, if the country meets all the technical requirements in the coming years (Policy Brief, 2018, CPD).

There are three conditions for being LDC \& LDC graduation. These are Gross National Index (GNI), Human Asset Index (HAI) and Economic Venture Index (EVI). A nation has to achieve at least two targets of them. The targets are in the chart below-

| GNI | Less than 1025 <br> Dollar | More or equal to 1230 <br> Dollar | 1274 ( Average of 2014, <br> $2015 ~ \& ~ 2016) ~$ |
| :--- | :---: | :---: | :---: |
| HAI | Less than 60 | 66 or More | 73.2 |
| EVI | 36 or More | 32 or Less | 25.2 |

Experts' says there are some advantages as an impact of LDC graduation:
UNCTAD reported that Bangladesh is in list of top five countries whose GDP growth will be kept in $7 \%$ in between 2015 to 2021. LDC graduation will impact the entreprenuers psychologically \& also the GDP growth indeed.
LDC graduation will magnifies the image of Bangladesh to the developed countries. It will help to increase the trade \& commerce.
$\square$ LDC graduation will extend the entreprenuers' sufficency to keep in the field. It will also diverse the production \& product quality.
$\square$ Investment field will be created.
Bangladesh will also face some risks after LDC graduation:
$\square$ Advantage as LDC will be closed in export. $67 \%$ more tariff will have to pay by Bangladesh. As a result, export will be reduced 5.5\%-7.5\% - said UNCTAD.
$\square$ Soft loan with simple agreement (IDA) from developed countries \& donors will be closed. As a result, cost will be raised in the loan dependent projects.

Graduation for the list of Least Developed Countries (LDC) was a dream for us. But the dream comes to be reality now. We expect that Bangladesh government will take proper steps to get maximum feedback from LDC graduation \& also reduce the risks in minimum level.

UN assistant secretary general Haoliang Xu has suggested Bangladesh to work together with UN to escape the middle-income trap it faces. He said, "The country should focus on structural transformation, innovation, increasing productivity, improving governance and lowering inequality to address the challenge"

## 29. Our Victory Day Highlighting its Importance for Bangladesh [Bangladesh Bank AD (Statistics)-2017]

Our victory day, $16^{\text {th }}$ December, 1971, is one of the most memorable days in the history of Bangladesh. The ruthless Pakistani soldiers surrendered to the freedom fighters of Bangladesh on this day after the nine months of long struggle and we lost countless brave souls, who sacrificed their lives for the birth of a new nation under the leadership of Father of the Nation Bangabandhu Sheikh Mujibur Rahman. Since then we observe the day as the victory day in an honorable manner every year with great solemnity and solidarity.

The whole country wears a festive look. This day begins with gunshot. Our national flag is hoisted on the top of each institution, shop and shopping mall. Meetings, seminars and discussions are held in various places. People go to the national memorial to show respect to the martyrs. On this day, we take oath against any kind of injustice, tyranny and falsehood. However, it is a day of joy, hope and inspiration. The parade of Army, BDR, Ansar and Police etc. is held in all important places of the whole country. The important buildings and private houses are illuminated after dusk. The victory day is a very important day in our national life. This day is also special to all parents to teach their children about the movement and achievement of real Bangladeshi heroes. On this day drawing competition are also arranged for the children in front of Bangladesh parliament House. This day commemorates the memory of the freedom fighters who sacrifice their lives for the establishment of the independent Bangladesh. We have to know the real history of our liberation war and spread the spirit of liberation war among all our citizens.

Bangladesh, new as it is, young as we are, is a nation full of potential. If our victory in the nine-month Liberation War should have taught us anything, it is this: If we come together as a country, no one can stop us. As we remember our fallen heroes, and the vision they had for our country, let us also face our challenges head on, and do everything in our power to create a better, stronger, and more peaceful nation.

# 30. Importance of Bank in the Daily Life of Citizen 

[Bangladesh Bank ()fficer (Cash) - 2017|
Modern world and its economy do not run a single moment without banking systems. Banking system is an inseparable phenomenon in the daily life of citizens. The demand of banking system is aggregating day by day due the safety, reliability and ease of banking system.

The importance of bank in the daily life of citizens is discussed below:
$\square$ Banks have played a vital role in our daily life by providing credit for performing economic activities and at the same time conglomerate the surplus capital from general public through different types of depository incentives.
$\square$ Agriculture is the major sector of our economy. According to new GDP measurement system, it provides about 22 percent of our GDP. The recovery of agricultural credit is satisfactory than other sectors and this credit directly affects the agricultural production. Commercial Banks are one of the main means of government by which government can implement different types of steps for eradicating poverty. Banks motivate the people for savings through various programs and collect the dispersed savings of the people.
$\square$ Banks provide the rural and small businessmen with loans from deposited money which plays a crucial rule in rural development; especially the micro credit program is very effective for development of rural sector.
$\square$ Bank plays a role in capital formation. Banks collect the dispersed savings from the people through different deposit schemes. Then they distribute loans to the different sectors for starting productive as well as any other self-sufficient economic activities. They can provide our unemployment youths with training and loan to start business or invest in a farm. It also plays a crucial rule in sustaining and developing our small and cottage industries.
$\square$ Banks acts in mentioning the disadvantaged groups in community under some special programs. Besides these, car loan, house building loan, education loan and in other basic needs banks provide loan which are very effective and essential to our everyday life.

Though banking sector is the life-blood of our financial system, but functional area of commercial bank is rather narrow than any other developed countries. In spite of some limitations role of bank authorities should undertake more comprehensive programs to develop our life status.

## 31. Ways to Improve the Transport System in Dhaka City [Janata Bank AEO (RC) - 2017]

Transportation system is an intrinsic part of a city as well as a functional city more or less lives on urban mobility. Dhaka, one of the mega cities, is impeded by improper transportation system.

## Problems of Transportation Systems

$\square$ A recent World Bank study shows that Dhaka's average traffic speed has dropped from $21 \mathrm{~km} / \mathrm{h}$ to $7 \mathrm{~km} / \mathrm{h}$ in the last 10 years, slightly above the average walking speed. Traffic gridlock eats up 3.2 million work hours per day.
$\square$ Another study conducted by the Copenhagen Consensus Center says that the speed in Dhaka is now $6.4 \mathrm{~km} / \mathrm{h}$, and that if vehicle growth continues at its current pace, without substantial public transport the average speed may fall to $4.7 \mathrm{~km} / \mathrm{h}$ by 2035 .
$\square$ Concerned government departments may disagree about the numbers, but they agree that traffic is slowing down. The government has already revised the Strategic Transport Plan for 20 years (2015-2035) to enhance traffic speed.
$\square$ According to data compiled by Accident Research Institute (ARI) of Bangladesh University of Engineering and Technology (BUET), Bangladesh witnessed a total of

789 road crashes that left 1,049 people dead and 2,015 injured from January to March in 2018. Among these mishaps, 57 road accidents occurred in Dhaka, taking 59 lives and injuring 115 people as $60 \%$ of the road accident victims were pedestrian.

## Urban Transport Policies of Bangladesh

$\square$ National Integrated Multimodal Transport Policy (NIMPT)
$\square$ Strategic Transport Plan for Dhaka (2016-2035)
$\square$ Dhaka Structure plan (2016-2035)
$\square$ BRT Act 2017 \& MRT Act 2016
$\square$ Road Transport Act 2017

## Major components of Strategic Transport Plan for Dhaka (2016-2035)

$\square 5$ Mass Rapid Transit (MRT) Line construction [MRT Line 1, 2, 4, 5 \& 6]
$\square 2$ Bus Rapid Transit (BRT) Line Construction [BRT Line 3 \& 7]
$\square 3$ Ring Roads
$\square 8$ Radial Roads
$\square 6$ Expressways

- 21 Transportation Hubs
$\square$ Improvement of Circular Waterway around Dhaka
$\square$ Improvement of Traffic Management and Traffic Safety
$\square$ Bus Sector Reforms [Route Rationalization, Bus Company
$\square$ Formation, Relocation of Bus Terminals
$\square$ Pedestrian first policy


## Ways of Improvements

$\square$ Public Transportation system should be improved for movement of mass people.
$\square$ Separate lane system for different transports should be implemented.
$\square$ Eliminated all form of encroachment from Pedestrian ways and Footpath.
$\qquad$ www.Boighar.com
$\square$ Provision and regulation of parking system must be implemented.
$\square$ Road diversion can be a good solution for some of the major arterial roads.
$\square$ Removal of unfit vehicles and implementation of traffic laws is essential.
$\square$ Improvements of non-motorized vehicles with proper movement guidelines and regulation should be introduced.
$\square$ Public awareness raising program must be boosted up in this context.
$\square$ Rail and River Transportation should be improved for Dhaka city.
$\square$ Scheduling of Time should be divided in a planned way for different urban institutions and organizations to diverge the traffic demand through a uniform way.

To sum up, all concerned authorities regarding transportation system of Dhaka city should come forward to improving this system by taking short term, mid-term and long term initiatives and planning with proper implementation.

## 32. Do you Think Establishing Special Economic Zones Will Help to Increase Private Sector Investment in Bangladesh? Discuss. [Bangladesh Bank AD - 2017]

Establishing Special Economic Zones will help to increase private sector investment in Bangladesh by several ways. Special Economic Zones (SEZs) are physically demarcated area where all the entities enjoy special privileges by maintaining standards and regulation. Bangladesh Economic Zones Authority (BEZA) was instituted by the government in November 2010, based on the Bangladesh Economic Zones Act, 2010, with the aim of establishing 100 SEZs across the country by 2030.These SEZs requires huge amount of private sector investment besides public and foreign investment.

The key factors of attracting private sector investment in SEZs are pointed here:
$\square$ The SEZs provide planned infrastructure with amicable business environment where private sectors intend to invest for their business and trade.
$\square$ For all Economic Zones, Income Tax Holiday (ITH) are rated as 1 st and 2 nd year $100 \%$, 3rd year $80 \%$, 4th $70 \%$, 5 th $60 \%, 6$ th $50 \%$, 7 th $40 \%$, 8 th $30 \%$, 9 th $20 \%$ and 10 th year $10 \%$.Exemption from dividend tax is another opportunity after the expiration of tax holiday.
$\square$ Joint ventures are allowed in SEZs. Royalty and technical fees will be exempted from income tax. Tax exemption will also applicable on capital gain.
$\square$ According to BEZA, The SEZs are considered as custom boned area. 50\% Rebate of income tax on salary income of expatriates for 5 years will be given.
$\square$ The provision of custom duty exemption and exemption of double taxation subject to double taxation agreement are also provided.
$\square$ The facility of $80 \%$ exemption of VAT on all utility services consumed inside the zone is given for investors.
$\square 50 \%$ exemption of stamp duty and registration fees for registration ofleasehold land/ factory space is delivered for potential investors.
$\square$ The SEZs contain $100 \%$ backward linkage raw-materials and accessories to sell for export oriented industries (EOI) in Domestic Tariff Area( DTA) as well as 20\% sale of finished product to DTA (From Export Processing Area -EPA). Sub-contracting with DTA is also allowed.

SEZs can generate both static and dynamic benefits. Static benefits include employment creation, export growth and rise in government revenues; whereas dynamic benefits include economic diversification, innovation and transfer of technology through foreign direct investment (FDI), and skills upgrading. All these opportunities are compelling factors for private sectors investments in SEZs.

## 33. Reasons of Young Generation Indulging in Terrorism \& its Remedies [Janata Bank EO - 2017]

In recent times terrorist activities from different terrorist groups have increased and among these terrorist group most of the terrorists belongs to young generation. This is really
shocking that a number of young people are engage in extremism. It is found in a study that the reasons of young people indulge in terrorist activities are poverty, lack of awareness, frustration, influence of violence shown in television etc. Now let's take a look on the reasons of young generation indulging in terrorist activities :
$\square$ Poverty is considered one of the major reasons of indulging themselves in terrorist activities. As they are poor, they run after money in order to make themselves solvent. In this way, they get involved in terrorist activities.
$\square$ Now-a-days, young people are much more sensitive. They have a tendency to disagree with the confrontational policies of a country. As a consequence, they indulge in terrorist activities to disregard the confrontational policies. वरघघत̣.कम
$\square$ In a developing country like Bangladesh, there is a lack of job opportunities that leads the young generation to take the path of terrorism. Apart from this, not having enough opportunities regarding education, rights, frustration rising from different issues, rage work in them. These issues actually lead them to terrorist activities.
$\square$ It has been observed that many young people are indulging in terrorist activities as they are deprived of basic rights from the government. For example, ARSA, is said to be terrorist group that has been formed to regain the basic rights.
$\square$ Because of the oppression of the powerful nations on the Muslims across the Muslim countries, young people are getting themselves involved in terrorist activities. Because of the aggression of the western power in the middle-east, many people have lost their ways of earning livelihood. As a result they are taking the path of terrorism and get themselves involved in criminal activities.
$\square$ Now-a-days, It has been observed that many educated young people are indulging themselves in terrorist activities. Actually, they are being attracted to this criminal activities by being influenced from the programs like movies, Islamic programs etc. Moreover, many unscrupulous people are influencing them to get involved in this criminal activities by motivating them in a wrong way.
$\square$ In recent times, children grow up without the proper care of their parents. As a result the feel alone and frustrated. Because of not getting proper guidance from their parents, they get involved in terrorist activities.

To keep young generation away from terrorist activities, the following steps should be taken:
$\square$ Parents need to take care of their children and give them proper guidance. Enough time needs to be passed with them so that they don't feel insecure. They also need to monitor the activities of their children for a certain period of time.
$\square$ Wives should maintain good relationship with their husband.
$\square$ Moral based education will help the young generation to refrain from terrorist activities.
$\square$ Illiteracy is one of the major reasons behind the involvement of young generation in terrorist activities. So, it is necessary to eradicate illiteracy and provide job-oriented education for young generation so that they don't get involved in terrorist activities.
$\square$ Drug addiction is another reason of the involvement of young generation in terrorist activities. Drug addicted people accustomed to take drugs frequently and to collect these drugs the get involved in terrorist activities. So it is needed to make them aware of the bad effect of drug addiction.
$\square$ Religion keeps people away from bad deeds. Every person should follow the instruction of his/her respective religion in order to keep themselves away from terrorist activities.
$\square$ Government should make stringent laws against terrorism in order to refrain people especially young generation from terrorist activities.

In conclusion, terrorism creates menace among the people. However, terrorist activities cannot be solved overnight. Creating awareness can be effective in order to minimize these terrorist activities. All concerned authority along with people need to work together to solve this issue.

## 34. Challenges for the Banking Sector of Bangladesh <br> [Islami Bank ATO - 2017]

After the independence of Bangladesh, banking sector of Bangladesh has changed a lot. To keep the economy invigorated, the contribution of banking sector will never be denied. But the development of banking, some challenges have been arisen too. Bangladesh has to face these challenges in the future and needs to take effective measures to tackle these challenges. Here the challenges for banking sector of Bangladesh are discussed as follows:

## Non Performing Loans (NPLs) are high in state-owned banks

The eight state-owned commercial and specialized banks suffer from problems related to high levels of non-performing loans (NPLs), low profitability, large capital shortfalls and balance sheet weaknesses. The root of the problem is poor risk management. For decades, state-owned banks have lent large amounts to big, influential borrowers, who have been known to be lax with repayments. Defaulters are rarely penalized; instead, loans are routinely restructured to permit further lending to the same borrowers. According to a study by the Bangladesh Institute of Bank Management, on average banks rescheduled bad loans of Tk109.1bn annually during 2010-14.

## NPLs undermine banks' capital

Unsurprisingly, these high NPLs have hit profitability hard. In 2016 the operating profits of the six state-owned commercial banks dropped by $37 \%$ annually, to Tk20.1bn, while net losses surged by $309 \%$, to Tk5.1bn. Meanwhile, losses at the two state-owned specialized banks (Krishi Bank and Rajshahi Krishi Unnayan Bank) rose by $150 \%$, to Tk4.2bn. By contrast, the net profits of the banking sector as a whole rose by $4.9 \%$ in 2016, while those of private banks rose by $17.2 \%$.

## Government continues to provide funding

The decision to provide funding has been criticised, as it has been seen by some as the government diverting taxpayers' money away from needed investments in social sectors like healthcare without putting the necessary measures in place for structural reforms. In a March 2017 meeting the government's finance division observed that, despite the regular infusion of budget funds, state-run banks have not improved their NPL positions. Meanwhile, reportedly, in the past two years BB did not recommend any capital infusion for these banks to the finance ministry. In mid-2017 BB asked the state-owned banks to meet shortfalls at their own initiative, such as by boosting business activities.

## Regulatory response needs improvement

Nevertheless, the regulatory response to the banking sector's problems needs improving, with little action taken so far to penalize defaulters, improve risk management and strengthen bank management. Apart from the political influence of large borrowers, regulators are concerned that too hard measures could force corporate bankruptcies, raising unemployment. Since the six state-owned commercial banks employ almost 60,000 people and have $55 \%$ of branches in rural areas, regulators are also cautious about measures that might destabilize these.

In conclusion, it can be said that in order to continue the economic development, we need to combat the challenges and it is also necessary to find the best way to face these challenges. If it can be done, then it will make our economy robust.

## 35. Brain Drain

[Bangladesh Bank AD (FF) - 2015]
Brain Drain refers to the departure of educated or professional people from one country, economic sector or field for another usually for better pay or living conditions. It can be result from turmoil within a nation, the existence of favourable professional opportunities
in other countries or from a desire to seek a higher standard of living. It is also known as human capital flight.

Brain Drain causes countries, industries and organizations to lose their valuable professionals. The term 'Brain Drain' describes the departure of doctors, scientists, engineers or financial professionals. When these people leave, their places of origin are harmed in two ways. Firstly, expertise is lost with each emigrant, diminishing the supply of that profession. Secondly, because of losing expertise the country's economy is greatly harmed as each professionals represents surplus spending unit.

Brain Drain or human capital flight can occur in the following ways:

- Geographical brain drain
- Organizational brain drain
- Industrial brain drain
$\square$ Geographical Brain Drain: Geographic brain drain occurs when talented professionals flee one country or region within a country in favour of another.
$\square$ Organizational Brain Drain: Organizational brain drain involves the mass exodus of talented workers from a company, often because they sense instability, a lack of opportunity within the company, or they may feel that they can realize their career goals more easily at another company.
$\square$ Industrial Brain Drain: Industrial brain drain happens when skilled workers exit not only a company but an entire industry.


## Reasons for Brain drain:

$\square$ Political instability
$\square$ Poor quality of life
$\square$ Limited access to healthcare
$\square$ A dearth of economic opportunity
$\square$ Failure to keep up with the technological and societal changes to lose their best workers etc.

If the country provides a better career to the educated \& professional peoples, then the brain drain will be reduced significantly.

## 36. Internet : Uses \& Abuses <br> | BKB Officer (Cash) - 2015|

The Internet is the global system of interconnected computer networks that use the Internet protocol suite (TCP/IP) to link devices worldwide. In recent times, the use of internet has gradually increased and still the number of user is growing day by day. Internet has made the world closer and a person can get necessary information by a single click. Though it has so many advantages, but it has some abuses too. Here is a comparative discussion of uses and abuses of internet.

## USES

$\square$ Internet has made the communication system easier and smoother. Using internet a person can communicate with anyone from anywhere in the world.
$\square$ Because of internet, research work has become easier than before. As internet is the store-house of information, any researcher can get valuable information related to research.
$\square$ Internet has brought about a revolution in education sector. It helps in providing a lot of information and knowledge. Distant learning has been possible because of internet. No one can get foreign degrees from foreign universities or colleges if one has internet facilities. Information about respective courses of an student is also available in internet.
$\square$ Internet has also made the transfer of money easy. A person sitting in one corner of the world can transfer money to anyone who is sitting in another corner of the world within seconds and without any problem.
$\square$ A person can buy any product in accordance with his/her choice using internet. As a result, a person can buy products without going any shop.
$\square$ A person can keep himself/herself updated. One can know easily about what is happening to the world with a single click.
$\square$ Women now use Internet to learn new dishes or recipes and even crafts.
$\square$ Internet has created a platform for the businessmen to promote their products. Now-a-days, with the help of this social network, businessmen advertises his products and general people are easily getting information from these social network and it helps them to buy their desired product.
$\square$ Travelers use internet to discover new places and even can know about the places they have never heard before.

## ABUSES

$\square$ The first and the principal abuses of the internet for students is the wastage of time social websites like Facebook, Twitter, Orkut and so forth. The social media is meant to communicate and spread goodness, but people use it to troll others and abuse them in front of many people.
$\square$ There are many people who see the Internet as a promoter of shamelessness. People use the internet for various bad and mean reasons.
$\square$ It is another major problem that the people are facing today. Cyber bullying is increasing and it is affecting the lives of those who are abused deeply.
$\square$ Computer hacking is very common by the use of internet. Some extreme minded people can heist the money through the use of credit card and others.
$\square$ Sexual materials are now easily gettable through internet. It is destroying the moral values of young boys and girls.
$\square$ Women are being harassed by spreading fake photos and videos using internet that make the life of women intolerable.

In conclusion, it can be said that internet has both uses and abuses. Internet is a blessing as it has made our life easy. However, most of the abuses of internet arise from the misuse of internet. Awareness and strict steps against the criminals can change this situation. Despite having abuses, the blessing of internet cannot be denied. People need to use it for good purposes to get the best output.

## 37. Role of Foreign Remittance inflow <br> on the Socio-Economic Development <br> [Bangladesh Samabaya Bank Officer - 2015]

In Bangladesh, remittance is one of the most important economic variables in recent times as it helps in balancing balance of payments, increasing foreign exchange reserves, enhancing national savings and increasing velocity of money. For about two decades remittance has been contributing around $35 \%$ of export earnings. Moreover, it is greater than foreign aid and thus helps in lessening dependence on foreign aid remittance gets momentum in recent time in Bangladesh and is the second largest sector of foreign
exchange earnings after the garment; sector (Global Journal of Management and Business Research).

The reasons for such robust growth can be summarized as:
$\square$ Stable macro-economic indicators including GDP growth
$\square$ Steady growth in manpower export specially in the middle east
$\square$ Substantial devaluation of the local currency
$\square$ Development of new remittance corridors in Australia and part of Europe and Africa
$\square$ Increased focus of Central Bank and the Government to channel funds through formal channels
$\square$ Increased competition among financial institution to grab market share
$\square$ Aggressive marketing policy adopted by Banks to increase their share of wallet
$\square$ Expansion of branch network of various commercialbanks
$\square$ Micro Finance Institution's involvement in channeling remittance funds in remote areas
$\square$ Participation in the UN peace keeping missions
$\square$ Anti-Money Laundering rules and regulations came in force
Roadblocks in Current Remittance Process: The major roadblocks of a smooth and efficient payment of foreign remittances are as follows:

- Poor infrastructure in rural and semi-urban economy
$\square$ Inadequate reach of private commercial banks within the country
$\square$ Massive information asymmetry in the market
$\square$ Active 'Hundi' (money laundering) market
$\square$ Inefficiency of financial institutions
$\square$ Poorly regulated exchange houses
$\square$ Low literacy rate in the country
$\square$ Uneven competition among financial institutions
$\square$ Lack of investment in IT backbone development for market efficiency
$\square$ Absence of a strong central payment gateway for 'Straight Though Processing (STP) of payment services.

These above imperfections/inefficiencies have resulted in abnormal share of 'Hundi' business in this sector. Today, it is estimated that the share of 'Hundi' business constitutes roughly $40 \%$ of total incoming foreign remittances.

Practically, there is enough scope to increase our foreign remittances by increasing manpower export through good training, good monitoring, and good advertisement and international liaison. For the expansion of technical education co-operation of recruiting agencies publicity of opportunities available in different countries are needed. Therefore, it is very vital for the acceleration of economic growth in Bangladesh. Remittance has some problems also but they are very negligible in comparison to its overall benefit. So, government, concerned authorities and the people of Bangladesh have to take proper care about remittance considering its importance in our economy. वर्घत̣.कम

## 38. Corporate Social Responsibility (CSR) [PKB Officer - 2014]

Corporate social responsibility (CSR) is a self-regulating business model that helps a company be socially accountable to itself, its stakeholders, and the public. By practicing corporate social responsibility, also called corporate citizenship, companies can be conscious of the kind of impact they are having on all aspects of society including economic, social, and environmental.

## Government Initiatives

Bangladesh Bank, the regulatory authority of banking sector of Bangladesh issued a circular on June 1, 2008 regarding CSR involvement, CSR expenditure, CSR governance, CSR reporting, financial inclusion, that is, maintaining CSR activities for commercial
banks and Non-Banking Financial Institutions. Most of the bank directly involved with CSR activities. It has been more accentuated by the different commercial banks.

## Types of CSR

In broader sense, the CSR activities are divided into two parts ie, internal CSR activities and external CSR activities. The external CSR establish the relationship and responsibility of business with society and the internal CSR indicates the role of business in sustainable development for the employee of the organization. Moreover, internal CSR consists of employee development program, code of conducts, human resources practices, environmental safety and health sector etc. On the other hand, external CSR designated with different donations, scholarship programs, contribution to society organizations, community development program, and educational programs.

## Fields of CSR

The Banking sector of Bangladesh has practices some notable CSR activities which are listed discussed here:
$\square$ Disaster Management
$\square$ Education
$\square$ Health
$\square$ Social Welfare
$\square$ History and Culture
$\square$ Social Awareness
$\square$ Sponsorships
CSR activities of Banks increases day by day with the proportionate increase in business but there is no specific guideline for disbursement of CSR fund. For the development of undeveloped portion or sector of the society the regulatory authority may introduce specific guideline and sector wise proportion for disbursement of the CSR fund and it
would be more effective for the development of the society as a whole. The government may establish an authority for monitoring CSR activities of different organizations for sound and unquestioned CSR activities.

## 39. Ways to Increase the Private Sector Investment <br> |Bangladesh Bank AD - 2014|

Private sector investment has long been acknowledged as a crucial factor of economic growth and development. Production of goods and services, employment generation, flow of economy etc. are largely depends on private sectors investment. Democratic government must have some policies to set out strategies which will intensify its efforts to create an enabling environment for private sector investments and establish new schemes for public-private cooperation.

## Problems in Private Sector Investment

$\square$ Private investment and growth remain constrained by disabling regulations, infrastructure deficiencies, financial sector weaknesses and political uncertainties (World Bank)
$\square$ Binayak Sen, research director of the Bangladesh Institute of Development Studies, said one of the sources of private investment is the long-term borrowing from the financial system. But that long-term borrowing from the financial system is very inequitably distributed.
$\square$ Inequality in the distribution of private investible assets is itself a stumbling block to accelerating private investment.
$\square$ The issue of the excess liquidity in the banking system and that private investors are not sufficiently stimulated to invest in the country. Because of investment uncertainty, capital flight takes place.
$\square$ The country was turning into a savings society as savings rate had exceeded the investment rate. Too much savings discourages investment.

The basic ways to increase Private sector investment are listed as below:
$\square$ Convenient transportation and communication system attract private investors to invest their respective fields.
$\square$ Well Planned economic zones with proper utility services encourage private sector investments.
$\square$ Given the long-term nature of infrastructure development and the massive amounts of money involved, investors need confidence in the markets they operate in.
$\square$ Countries should support public-private partnerships (PPPs), in which firms and governments work together on major infrastructure projects. PPPs allow states to benefit from the expertise of the private sector while letting officials focus on policy and planning.
$\square$ International financial institutions must continue to support infrastructure development.
$\square$ According to Policy Research Institute of Bangladesh (PRI), a significant part of the desired private investment growth would come from foreign direct investment (FDI).
$\square$ Banks could tie up with NGOs to lend money among grassroots SMEs, as microfinance organizations have established models of giving loans bypassing various documentations demanded by formal financial organizations.

Governments must create an environment in which the private sector can thrive, by limiting corruption and developing transparent regulatory frameworks to increase the private sector investment.

## 40. Impact of IT in Banking

[Sonali Bank SO - 2014]
Information technology architecture is an integrated framework for acquiring and evolving IT to achieve strategic goals. These technologies are used for the input, storage, processing and communication of information. Information technology includes ancillary equipment, software, firmware and similar procedures, services etc. The banking industry has
introduced various new customer services and products using IT. In fact, the structure of the industry is continuously changing because of rapid development of IT. So, there is a clear impact of IT in banking sector that makes its daily transaction faster and easier than before. The impact of IT has been discussed in details as follows showing both positive and negative impact:

## POSITIVE IMPACTS

$\square$ Banks have spent millions of money on IT every year in a bid to fully automate its operations and services to customers. The IT industry recognizes that was a major key to its development.
$\square$ Introducing IT in banking sector has made its daily financial transactions smoother and easier. Now a person can easily deposit money and withdraw money without going to bank at any time using ATM booth.
$\square$ In recent times, the expectation of the bank customers is very high and in response banks using IT to satisfy the demand for quality services and products.
$\square$ SWIFT (Society for Worldwide Inter-Bank Financial Transaction) provides rapid, secure, reliable and cost effective mode of transmitting the financial messages worldwide. This network also facilitates the transfer of messages relating to fixed deposit, interest payment, debit-credit statement, foreign exchange etc.
$\square$ Internet banking enables a customer to do banking transaction through the bank websites on the internet. A customer can access his/her account and get general information on bank products and services by a single click without going to bank. It is also called virtual banking.
$\square$ Mobile banking is an extension of internet banking. To get this service, mobile phone should either be SMS or WAP enabled. These facilities are available even to those customers with only credit card accounts with the bank. Now, the number of transaction through mobile banking is increasing day by day.
$\square$ In many countries, a customer can open his bank account using internet. In this system a customer does not need to go the bank to open a bank account.
$\square$ A customer can buy his desired products using credit card provided by the banks. It works as an alternative of money and it is known as plastic money.

## NEGATIVE IMPACTS

Though introduction of IT has brought about a revolutionary change in banking sector, it has some dark sides too. Here it is:
$\square$ Traditional banks find it difficult to built new computer technology with their old systems. As a result, their IT cost is higher than expected and IT integration takes too much time.
$\square$ Security of information systems was found to be very vulnerable in general. The amount of resources required that is for security is lower than required. The fact that 'Hackers' can still get into banking IT systems easily without inside help demonstrate the magnitude of the problem.
$\square$ IT Fraud is also a major problem of the banking industry especially where plastic cards are concerned. A number of incident of IT fraud are increasing in many countries with an alarming rate. This is simply happening because the cards are not secure enough.

In recommendation, it can be said that the banking industry need to better apply IT to improve its operations, customer services and products. Banks should pay more attention in devoting resources to the development of secure IT systems, services and products in order to provide best services to the customers.

## 41. Consequences of Climate Change on the Future Bangladesh

 [Rupali Bank Officer - 2013]Global climate change has already had observable effects on the environment. Glaciers have shrunk, ice on rivers and lakes is breaking up earlier, plant and animal ranges have shifted and trees are flowering sooner. Scientists have high confidence that global temperatures will continue to rise for decades to come, largely due to greenhouse gases produced by human activities. Here are the consequences of Climate change in future in details:
$\square$ The IPCC predicts that increases in global mean temperature of less than 1.8 to 5.4 degrees Fahrenheit ( 1 to 3 degrees Celsius) above 1990 levels will produce beneficial impacts in some regions and harmful ones in others. Net annual costs will increase over time as global temperatures increase. Bangladesh is one of the most disasterprone countries which is really alarming.
$\square$ The Intergovernmental Panel on Climate Change (IPCC), which includes more than 1,300 scientists from the United States and other countries, forecasts a temperature rise of 2.5 to 10 degrees Fahrenheit over the next century. In recent times, the weather of Bangladesh has become to change gradually that also affects the agriculture.
$\square$ Loss of crop due to flood storm surge, cyclone, and drought are increasing every year. Salinity and permanent inundation are also limiting crop production.
$\square$ Reduced participation, prolonged dry season and drought are resulting scarcity of drinking water. Culmination of fresh water resources with saline water are reported in
the coastal areas. If this situation continues, it will be very difficult for the country like Bangladesh to survive.
$\square$ An increasing number of people are suffering damages or loss to their property and some time life. Increased cyclone, storm surges, floods, river bank erosion destroys and damage peoples' properties including land, house, cattle and other livelihood assets and living essentials. If it continues, frequent disasters will increase damage and loss manifold.
$\square$ According to IPCC findings, s 45 cm sea level rise will inundate almost $10.91 \%$ of Bangladeshi territory and will displace 5.5 million population of our coastal regions. Salinity intrusion into the countryside has reached 100 km and it degrades land resources. As a result, land use for shrimp and other uses will be adversely affected in the future.
$\square$ Women and disadvantaged groups of Bangladesh will suffer most due to the effect of climate change as they don't receive warning in time and women have to take care of their children, elderly and disabled.
$\square$ People compelled to move from their land to other places raises conflict for resources where they move. Most migrants end up in urban slums, particularly in Dhaka, the capital city of Bangladesh. As a result, in future, this constant influx of people will contribute to rising crime and insecurity in these areas.
$\square$ Use of fossil-fuel in an alarming rate, production and use of aerosol types of spray in developed countries are producing poisonous gases like CFC and carbon-di-oxide. It is creating hole in the ozone layer that controls the temperature. As a result, ultra-violet rays emitted from the sunis coming to the earth directly and creates threat for man, animals and the environment. Because of this ray, people are affected by different skin diseases.
$\square$ Because of climate change, many areas of the world will turn into desert. At presents nearly 2 square kilometer area of the world is turned into desert. If it continues, most people of the world will be under threat.
$\square$ Because of climate change biodiversity of the world will be greatly affected. The habitat of the animals and birds will be destroyed and will fall into extinction. As a result, ecological balance of the environment will be hampered.
$\square$ Due to the decrease of underground water, the amount of poisonous elements like arsenic will increase a lot. It will greatly affect the daily activities of people.

To sum up, as Bangladesh will be greatly affected because of the climate change, proper actions should be taken to minimize the overall loss and international community has to be more eager to solve this issue and make the environment clean and healthy.

## 42. Importance of Discipline in Financial Sector

## [Bangladesh Bank AD - 2013|

The economic growth of Bangladesh is now better than any other times as there is a continuous GDP growth rate over 7 percent per year. But in recent times, banks of Bangladesh are in passing a crucial period because of lack of discipline prevails in this sector. Nationalized banks are suffering from fund shortage and they are operating their financial activities receiving capital transfusions.

## Reasons for Indiscipline in Financial Sector:

## বইঘয়.কম

$\square$ Discipline in the banking sector is apparently under strain. At the same time criminal activities in banks have increased. In the absence of good governance, many banks have indulged in irregular activities and corruption.
$\square$ Bangladesh Bank has failed to make proper banking policies to control the activities of commercial banks. Commercial banks are now operating their activities violating the rules and regulations of Bangladesh Bank. But Bangladesh Bank authority cannot take action against these banks.
$\square$ Loans have been given to fake companies because of political pressure and connivance of dishonest bank officials. It brings indiscipline in banking activities.
$\square$ Millions of taka has been withdrawn in the name of fake companies by opening local letter of credit. The shocking news is that many high-officials of banks are involved in these activities.
$\square$ Rules of granting loans have been neglected. As a consequence, indiscipline prevails in the banking sector.
$\square$ Many banks are providing bank loans more than their capacity. It creates serious indiscipline in banking sector.

## Preventive Measures:

$\square$ Government needs to amend the Financial Court Act to strengthen the loan courts, giving them the powers to execute their decrees and stuffing them adequately.
$\square$ The number of loan courts in Dhaka, Chittagong and Khulna respectively, needs to be increased in order to clear the backlog of cases.
$\square$ Strict enforcement of law against any white collar crimes requires to stop such activities.
$\square$ Bangladesh Bank needs to tighten regulations on bank capital, loan classification and provisioning and ownership
$\square$ Strengthening monetary management and continue initiatives for strengthening staff capabilities in supervision and risk management in the medium term upgrade technology can be proved fruitful and effective.
$\square$ Central bank needs to develop criteria for selecting banks for restructuring in order to deal with the troubled banks.
$\square$ Banks should put emphasis on developing staff skills to generate large, long term, payoff's in the form of a more efficient banking system.
$\square$ Government need to take measures to increase the ability of capital markets in order to efficiently provide long term funds through debt and equity financing. Strengthening the Securities and Exchange Commission is also required to improve this situation.

In conclusion, it can be said that the prevailing financial indiscipline needs to be controlled as soon as possible in order to bring back discipline in financial sector. Bangladesh bank needs to monitor the troubled banks and give proper guidance to these banks so that they can improve their financial condition. All concerned authorities have to come forward to solve this problem in order to make our economic condition better.

## 43. Importance of Social Safety Net Program for Poverty Alleviation <br> [Bangladesh Bank AD - 2012]

To achieve desired goal in eradicating poverty social safety sector is getting much importance. The area as well as allotment of this sector is increasing every year. Bangladesh is following life cycle method on social safety for proper implementation of the allotment for social safety sector. National Social Safety Strategy has been formed in this purpose. Social safety net is playing a vital role in poverty alleviation. The importances of social safety net program for poverty alleviation in Bangladesh are discussed below:
$\square$ As various allowance the area and allotment of cash payment and food safety activities have been increased for public like aged, impoverished women, freedom fighter, and handicapped, orphan. As a result, the poor people are getting financial assistance to meet their daily needs.
$\square$ In fiscal year 2017-18, in adult allowance sector 2,100 crore taka, for widow and husband-left impoverished women 759 crore taka and an amount of 3200 crore taka as the honorary allowance for freedom fighter has been allotted. It will help these populations to improve their living standard.
$\square$ In adult allowance program, every person has been given an amount of 500 taka as a monthly allowance. 35 lac aged people have been included in this program in fiscal year 2017-18.
$\square$ To accelerate the micro credit and investment fund of PKSF and Social Development Foundation (SDF), an amount of 519 crore taka has been allotted. Among these, 90 crore taka for the financial services of PKSF, an amount of 425 crore taka for micro credit program of SDF and amount of 4 crore taka for self-employment micro credit of women in the fiscal year 2017-18. It will help them to improve their lifestyle.
$\square$ In fiscal year 2017-18, total 12.65 lac widow and husband-left impoverished women have been given 500 taka per person. An amount of 759 crore taka has been allotted in this purpose. It will provide them financial assistance to live a better life.
$\square$ Poor pregnant women have been given allowance as well as training on healthcare and nutrition. An amount of 360 crore taka has been allotted for this purpose. Six lac mothers will be given this allowance. Every person will get 500 taka in this regard. Poor and pregnant will get financial assistance and it will help them in critical situation.
$\square$ In fiscal year 2017-18, an amount of 693 crore taka has been allotted as allowance for the insolvent handicapped people. Every person has been given a monthly amount of 700 taka. This financial assistance will help them to improve their financial condition.

Apart from these, there is one stop service for the handicapped people where they have been given treatment free, orphan children are given allowance. Taka in exchange for work (KABITA), VGF, OMS program are also helping the poor people to improve their living condition.

To sum up, it can be said that by social safety net program improvement of financial condition of poor people is not possible overnight. Problem of mass poverty will not be solved by only implementing social safety net program. The adaption of economic and social development policies and programs are also required. It will modernize production, stimulate economic growth and create wage employment on a substantial scale.

## 44. Road Transport Act - 2018

A draft law approved by the cabinet proposes a maximum punishment of five years' imprisonment for causing death to a person by reckless driving, drawing strong criticism from road safety campaigners who termed the sentence insufficient to end anarchy on roads. The government last week decided to place the draft act before the cabinet amid student agitation for road safety following the death of two college students in the capital on July 29.

## PUNISHMENT FOR RECKLESS DRIVING

$\square$ If anybody gets seriously injured or killed in a motor vehicle-related accident, it would be considered as an offence.
$\square$ If anybody causes accident by reckless and negligent driving, and kills or injures someone severely, such person would face a maximum sentence of five years in jail or a fine or both, reads the draft.
$\square$ The offences are non-bailable.
$\square$ Law Minister Anisul Huq said if it is found that a driver has deliberately committed a killing or has not averted a killing in a road accident, it will fall under either section 302 or 304 of the Penal Code. The law enforcement agencies will decide on it upon investigation. The maximum punishment under section 302 of the Penal Code is death penalty while it is life imprisonment under section 304.
$\square$ As per the draft law, drivers must have education not below eighth grade, and nobody will be allowed to drive vehicles without licence.
$\square$ A person must be at least 18 to get a driving licence and 21 to get a professional licence.
$\square$ The draft has a provision of keeping 12 points for a driver. And the driver will lose points for committing offences. When the points come down to zero, the driver's licence will be cancelled.
$\square$ According to the draft, a driver will lose points for nine types of offenses, including drunk driving, illegal overtaking, reckless and dangerous driving, and violation of traffic signals and speed limits.
$\square$ No vehicle owner can hire a driver without driving licence, and no one is allowed to drive public service vehicles without permission from the authorities concerned, it says.
$\square$ As per the draft law, 22 types of directives must be followed to drive motor vehicles, and a person may face imprisonment up to three months for violating those.
$\square$ Action can be taken against any government official under the existing law if his or her negligence or fault causes an accident, reads the draft.
$\square$ The government will raise funds for the injured or family members of those killed in road accidents.

## REACTIONS

$\square$ "The proposed road transport act did not reflect the court order and observation as the court, in its order in 2014, said seven years of jail for reckless driving is not enough and it should be increased. But I think when the bill will be placed in parliament; the lawmakers will examine the loopholes and will increase the punishment." - Manzil Murshed, President of Human Rights and Peace for Bangladesh
$\square$ "If the proposed law is passed in parliament, road safety will not be ensured for a longer time. The law must hold responsible all the stakeholders for road crashes, starting from the owners to the engineers." - Dr Md Shamsul Haque, Former Director of Accident Research Institute, BUET
$\square$ 'No recommendations had been accepted and accommodated into the draft law. The law will not require anyone involved in the safe road movement to be in the committee to see if victims are getting justice and adequate compensations," - Ilias Kanchan, Chairperson of Nirapad Sarak Chai (We Want Safe Roads) movement

Social awareness have to be increased if we want safe roads. Because no law will be fruitful if drivers, passengers \& other related persons are not aware about laws \& risks of accident in roads. We hope \& believe that we will make safe roads together.

## 45. Evaluation of the Budget 2018-19

Bangladesh government has announced it's 48th national budget for the fiscal year 201819 with the slogan-"Shomriddho Agamir Pothojatray Bangladesh" The budget is feasible from 01 July 2018.

There are some challenges have to be faced to implement the budget:
$\square$ The adverse balance is $26.97 \%$ which is very challenging to fulfill.
$\square$ The allocations for ADP is $1,73,000 \mathrm{Tk}$. It is difficult to implement this due to some factors like corruption in grassroot, Gi complexity etc.
$\square$ Supposed GDP growth is $7.8 \%$ which is $7.65 \%$ in last fiscal year.
$\square$ Price Inflation is supposed to be $5.6 \%$ which is $5.5 \%$ in last fiscal year.
$\square$
Tax income is supposed to be $73.03 \%$ where $23.7 \%$ is VAT which is difficult to achieve.
$\square$ The VAT upon ICT related service is increased to $5 \%$ from $4.5 \%$ which is opposite to the Vision 2021 i.e. Digital Bangladesh.
$\square$ Including 5\% VAT upon budding ride sharing sector like UBER, Pathao may restricts its growth.
$\square$ According to ESCAP report, Bangladesh spends minimum in Education \& Health among the 52 countries in Asia Pacific zones. In this budget, the allocation in education \& technology displaced to 2 nd position where it was in 1st place in previous budget.
$\square$ There are some allocation in underdeveloped sector. Allocating 400 Cr . Tk for Rohingyas is one of them.

The proposed budget for the next fiscal year is unrealistic, as it lacks significant structural and policy changes, analysts said in their reactions.

The GDP growth target of 7.8 percent is also an unrealistic expectation. In order to achieve the growth, the investment to GDP ratio will have to be risen by 4 percentage points to 35 percent. It is absolutely impossible to improve the investment by 4 percentage points in a year." said Mirza Azizul Islam, a former finance adviser to a caretaker government. He welcomed the increase in the allocation for social safety net programme but it is still short of the desirable allocation.

Different measures are needed to be taken to implement this type of budget, said the Centre for Policy Dialogue (CPD). The CPD welcomed the finance minister's proposal to impose 28 percent duty on rice imports \& the finance minister's decision to increase the number of beneficiaries under the social safety net programmes and increase the payment they receive.

Zaid Bakht, chairman of Agrani Bank, termed the budget expansionary, saying the implementation and the financing will be challenging for the government.

However, we expect the maximum implementation of the budget 2018-19 for the betterment of our journey to be Middile Income Country.

## 46. Historical Success of Bangladesh Women Cricket Team

Amidst the disappointing performances from the men's team, the Bangladesh women's cricket team continued to shine bright as Salma Khatun and Co. clinched the ICC Women's World T20 Qualifiers title beating Ireland by 25 runs in the final at the Kampong Cricket Club ground in Netherlands. Bangladesh won Asia Cup T20 \& Series Ireland in a row recently.

In the final of ICC Women's World T20 Qualifiers, Panna Ghosh led the Tigresses' defence of 123 runs, picking up her maiden five-wicket haul in the shortest format of the game to bundle out Ireland for 97 runs in 18.4 overs. Fast bowler Jahanara Alam reiterated that the target was to restrict Ireland 'below 100 ' Star of the show Panna Ghosh said: "This is my first five-wicket haul. We are so happy and if everyone performs than we could become champions and we did."

That feat would really be a challenge in itself since they won two out of their last two tournaments, having also bagged the Asia Cup title in June this year. It was the first trophy in any format. Bangladesh beat India by 3 wicket in the final of 6 nations Asia Cup T20 in Kualalampur in Malaysia. India scored 112 runs by 9 wickets in 20 overs. Bangladesh overcame the target of 113 runs with 3 wicket in hands. Rumana Ahmed was the star of the match.

After the grand success of women team, the lack of their opportunities \& less salaries compared with other international teams is in discussion now. Experts' suggested to balance this difficulties to get the better output from the team. The Tigresses are on the rise and they are having been able to set an example of excellence in women's cricket.

## 47. Economic Significance of Bangabandhu Satellite-1

May 12 is a significant date in the history of Bangladesh. Bangladesh has become the 57th nation having its own satellite in space. The Bangabandhu Satellite-1 (BS-1) is the first Bangladeshi communication orbiter and is expected to meet the need of a satellite connectivity facility.

নইঘत়.কম
By launching Bangabandhu Satellite-1, Bangladesh will be beneficiary at least in 40 ways.
$\square$ Bangladesh's annual expenditure for satellite connectivity is $\$ 14 \mathrm{~m}$. The cost is due to renting bandwidth from foreign operators. After the BS-1 launch, it would be unnecessary.
$\square$ Private TV channel operators and Direct-to-Home (DTH) as alternative of cable television service providers will be the main consumers of the satellite, according to officials.
$\square$ The weather department as well as the defense sector will also benefited from the satellite. The BS-1 will help to bring uninterrupted telecommunication during disasters like cyclone or tornado.
$\square$ It will also play a role in telemedicine, e-learning, research and DTH services.
$\square$ It will be able to count holdings as well as measure population density.
The Bangabandhu satellite is going to be located at the 119.1 east geostationary slot which will cover all the SAARC countries as well Indonesia, Philippine, Myanmar, Tajikistan, Kyrgyzstan, Uzbekistan, Turkestan and a part of Kazakhstan. Bangladeshi satellite television channels that have a large viewership in the Middle East countries are expected to become the main commercial user of the first Bangladeshi satellite.

In the event of unexpected disasters hitting the country, telecommunication system in Bangladesh might be unavailable. During such emergency situations, satellite network can play an important role in ensuring uninterrupted telecommunication services in the country. The remote areas of the country like the coastal area will have much better internet connectivity.

According to BTRC chairman Shahjahan Mahmood, "The Bangabandhu Satellite will help to make Bangladesh an advanced country. It would also speed up many aspects of our daily life." We hope \& believe that Bangladesh Government will take proper steps to get better feedback from this history making launching of Bangabandhu Satellite-1.

## 48. Graduation from LDC \& its Impact

UN Committee for Development Policy (UNCDP) has informed that Bangladesh has achieved its primary requirement of LDC graduation on 16 March 2018. This is the most significant news for Bangladesh. It will work from 2024 \& Bangladesh will be in close observation for 6 years.

There are three conditions for being LDC \& LDC graduation. These are Gross National Index (GNI), Human Asset Index (HAI) and Economic Venture Index (EVI). A nation has to achieve at least two targets of them. The targets are in the chart below-

| GNI | Less than 1025 <br> Dollar | More or equal to 1230 <br> Dollar | 1274 ( Average of 2014, <br> $2015 ~ \& ~ 2016) ~$ |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| HAI | Less than 60 | 66 or More | 73.2 |
| EVI | 36 or More | 32 or Less | 25.2 |

Experts' says there are some advantages as an impact of LDC graduation:
$\square$ UNCTAD reported that Bangladesh is in list of top five countries whose GDP growth will be kept in $7 \%$ in between 2015 to 2021. LDC graduation will impact the entreprenuers psychologically \& also the GDP growth indeed.
$\square$ LDC graduation will magnifies the image of Bangladesh to the developed countries. It will help to increase the trade \& commerce.
$\square$ LDC graduation will extend the entreprenuers' sufficency to keep in the field. It will also diverse the production \& product quality.
$\square$ Investment field will be created.
Bangladesh will also face some risks after LDC graduation:
$\square$ Advantage as LDC will be closed in export. $67 \%$ more tariff will have to pay by Bangladesh. As a result, export will be reduced $5.5 \%-7.5 \%$ - said UNCTAD.
$\square$ Soft loan with simple agreement (IDA) from developed countries \& donors will be closed. As a result, cost will be raised in the loan dependent projects.

Graduation for the list of Least Developed Countries (LDC) was a dream for us. But the dream comes to be reality now. We expect that Bangladesh government will take proper steps to get maximum feedback from LDC graduation \& also reduce the risks in minimum level.

# 49. Reasons \& Reduction of Traffic Jam in Dhaka-Chattogram National Highway 

Dhaka-Chattogram National Highway is called the "Life Line of Bangladesh" due to it's importance in transportation system. Recently traffic jam has taken massive shape in this highway. It affected the whole transportation system \& made negative impact upon peoples' daily life.

Experts' has pointed some reasons behind the traffic jam. Transportation expert \& CUET professor Imam Faruk mentioned the traffic mismanagement \& less smoothness of alternative roads are the causes of the traffic jam.

The traffic jam is increasing due to the following reasons:
$\square$ The number of vehicles is increasing due to the increment of goods' transportation in the Ramadan.
$\square$ National highway has four lanes but the connecting bridges like Gomoti bridge, Kanchpur bridge are two lanes. That's why the speed of the vehicles reduces to 8-10 kmph from $40-50 \mathrm{kmph}$ when the vehicles enter from four lanes' highway to two lanes' bridges. It makes an unexpected slow rally of vehicles in the highway.
$\square 10 \mathrm{~km}$ road under the Feni Flyover are not plane \& not easy to move on this distance. The flyover is under construction \& it is the major cause of the recent record breaking traffic jam.
$\square$ There are no enough alternative roads beside national highway. Some roads use as alternative roads but they are not smooth enough.
$\square$ Illegal parking of vehicles in some places is also another reason etc.
Experts suggest some steps should be taken to reduce the traffic jam. These are:
$\square$ Allowing the minimum 4 ton weight's vehicles \& restrict the expired transports;
$\square$ Making the mentioned bridges four lanes from two lanes;
$\square$ Completing the construction \& opening of the Feni Flyover as soon as possible;
$\square$ Making smooth alternative roads beside national highway;
$\square$ Encouraging drivers' not to park illegally;
$\square$ Starting a digital traffic system etc.
Chattogram Port depends upon the Dhaka-Chattogram national highway. Business \& daily life of the peoples are related to this highway. So, it is high time to make this most significant highway traffic jam free.

## 50. Impact of Liquidity Crisis in Banking Sector

With visualizing the impacts, liquidity crisis is the widely discussed topic in banking sector recently. This crisis has ruled over the stability of this sector \& diverts clients' faith unstable. Economists, bankers and experts blamed aggressive lending against lower deposit, money laundering under the cover of import, hike in dollar price, adjusting the new advance deposit ratio (ADR), withdrawal of deposits, and failure in default loans recovery for the crisis.

A liquidity crisis is a negative financial situation characterized by a lack of cash flow. For a single business, a liquidity crisis occurs when the otherwise solvent business does not have the liquid assets (i.e., cash) necessary to meet its short-term obligations, such as repaying its loans, paying its bills and paying its employees. If the liquidity crisis is not solved, the company must declare bankruptcy. An insolvent business can also have a liquidity crisis, but in this case, restoring cash flow will not prevent the business's ultimate bankruptcy.

The effects of a liquidity crisis may spread in many ways:
$\square$ A liquidity crisis can unfold in several ways. Economic concerns might drive the deposit holders with a bank or banks to make sudden, large withdrawals, if not their entire accounts. This may be due to concerns about the stability of the specific institution or broader economic influences. The account holder may see a need to have cash in hand immediately, perhaps if widespread economic declines are feared. Such activity can leave banks deficient on cash and unable to cover all registered accounts.
$\square$ If a government is confronted with a liquidity crisis, and lacks the funding to pay for its obligations and debts, it might take on austerity measures thus cutting spending drastically. Such actions can in turn affect the public as there would be less money in the overall economy. The lack of cash flowing from government sources can affect small businesses, for instance, that rely in loan financing to help them cover growth costs as they conduct business. This can result in businesses closing temporarily or even permanently, spikes in unemployment due to those closures, and an erosion of economic growth within the country.
$\square$ According to the central bank data, banks have received a total deposit of around Tk 85,000 crore, while they disbursed around Tk1,25,000 crore between January and December 2017. During this period, the depositors were interested in investing in National Saving Certificates as the deposit interest of banks was too low. The banks have to pay the import bills through dollars and the Bangladesh Bank sold the greenback worth Tk11,000 crore to the private banks in the previous year.

We expect proper steps will be taken by Bangladesh Bank to overcome from liquidity Crisis. Otherwise it will hamper the whole financial sector \& it will ruins economic growth directly \& indirectly.

## 51. Kim-Trump Meeting : Meeting of the Century

No sitting US president has ever met a North Korean leader before. The historic meeting on June 12 between US Donald Trump and North Korean Supreme leader Kim Jong Un ended with historic results in Sentosa island in Singapore. The meeting generated so much goodwill that the US President expressed his desire to visit North Korea and to invite the North Korean leader to Washington.

The North Korean President \& The US President signed \& commited to de-nuclearisation as soon as possible. The pledges are:

## নইঘয়.কম

$\square$ Starting of new form's relation for the sake of peace \& prosperity between the peoples of two nations;
$\square$ Establishing sustainable peace in Korean Iseland;
$\square$ Implementation of the PunmunjomDeclaration (Between the Presidents of North Korea \& South Korea) signed in 27 April 2018;
$\square$ Agreeing for rescuing the deadbodies of US warrior died in Korean War.
North Korean leader agreed to a summit in Singapore with the US President Donald Trump for the following reasons:
$\square$ The North Korean leader recognizes that when cooperation with other countries has been a norm after the Second World War, it has to follow the same direction.
$\square$ Remaining isolated from this change does not bring any dividend for North Korea.
$\square$ The desire of the North Korean leader to normalize relations with Japan and other countries in the region will be possible only if North Korea abandons the path of nuclearization.
$\square$ The North Korean leader wants respect from world leaders and he is aware that it can come only with the denuclearlization of his country.
$\square$ Like any other world leader, in the interests of the country, he can abandon manufacturing of nuclear weapons.

It is noted that this year's thaw in icy relations between the two Koreas began to melt when the North Korean leader invited South Korea for the joint attendance at the 2018 Winter Olympics and a summit meeting was arranged on April 27. It is hoped that both Koreas with a population of 80 million would in future be a united country. Peace between the two Koreas will eliminate an important cause of destabilization to global peace. We
should also hope that the two Koreas will turn back into one country for peace and prosperity for the 80 million living there.

## 52. Intangible Cultural Heritage of Bangladesh

For any sovereign country, people hold the identity of the place, as well as the many defining practices that build its fabric of culture and tradition. Yet, somewhere along the line, maybe simply with the passage of time, or due to the dark side of globalization, many of the heritage defining aspects disappear or worse, become convoluted beyond acceptance. This is where intangible cultural heritage needs to solidify its position.

UNESCO has not stopped at defining cultural heritage at monuments and documented history, the intangible heritage "includes traditions or living expressions inherited from our ancestors and passed on to our descendants."

As more and more countries are filing their intangible heritages, we too have a number of such elements that need a place on this ever-expanding list.

Traditional art of Shital Pati weaving of Sylhet has been included in the UNESCO's Representative List of the Intangible Cultural Heritage (ICH) of Humanity. This is the fourth ICH from Bangladesh recognized by the UNESCO. According to the UNESCO. This year, 35 nominations have been submitted for getting inscribed on the Representative List of the Intangible Cultural Heritage of Humanity, and the Shital Pati is one of them. Shital Pati is the traditional art of making a handcrafted mat by weaving together strips of a green cane known as "Murta".

Currently Bangladesh has four Intangible Cultural Heritages on UNESCO's list:
Baul song (2008)
$\square$ Traditional art of Jamdani weaving (2013)
$\square$ Mongol Shobhajatra (2016)
$\square$ Traditional art of Shitol Pati weaving of Sylhet (2017).
As of now, April 2018, Rickshaw and rickshaw painting in Dhaka is in the process of being included in the Representative List of the Intangible Cultural Heritage of Humanity.

But let us not forget that while pursuing high profile intangible heritage to be listed, we cannot look away from even the tiniest thing that makes us truly Bangladeshi. Also, this is not a race for which country has listed the most.

Let us all make a promise to ourselves to uphold all that truly makes us Bangladeshi while making us citizens of this beautiful blue planet.

## 53. Climate Change : Causes, Effects and Remedies

Climate change is now one of the biggest problems across the globe as its impacts on human being and the environment are very terrible and prolonged. Almost all countries of the world are directly or indirectly affected by the adverse effects of climate change. Bangladesh is not immune to the adversities of climate change.

Rather the country is at the high risk of natural disasters because of its geographical location, low-lying landscape, density of population, poverty, illiteracy, alternation in the pattern of seasons, poor infrastructures and so on, according to researches.

Global Climate Risk Index (GCRI) 2017 prepared by German watch highlighted that Bangladesh is the sixth disaster-prone country in the world. The report also highlighted that-
$\square 0.48$ people die from the adverse effects of climate change out of one lac inhabitants.Bangladesh had to face the losses of per unit GDP by 0.732 percent due to climate change.

Climate is generally called the average state of weather for 30 to 40 years. On the other hand, weather is the average state of a day's heat, pressure, flow, rainfall, humidity of wind.

Intergovernmental Panel on Climate Change (IPCC) reported that air temperature of Antarctica have increased by 3 degree Celsius which is five times of the mean rate of global warming. On the other hand, NASA has reported that the temperature of the earth surface has increased by 1.1 degree Celsius since nineteenth century. Another report revealed that the current global average temperature is 0.85 degree Celsius is higher than it was in the late 19th century.

Climate is getting changed due to many reasons. They can be principally classified into two categories.

1. Natural causes- the causes are created by the effects of nature including biotic processes and variations in solar radiation received by Earth plate tectonics, and volcanic eruptions etc.
2. Manmade causes- the causes are made by human being. As for example, humans are increasingly influencing the climate change by burning fossil fuels like, coal, diesel, petrol, kerosene, gases; by growing poultry and livestock and by cutting down trees and rain forests which cause greenhouse effect.

As a result, the level of global temperature is growing very high day by day. In addition, many toxic gases like carbon dioxide, carbon monoxide, methane, ammonia, sulfur dioxide and so on are emitting on atmosphere and polluting the environment. These gases are trapping the sun's heat and stopping it from leaking back into space. As a result, the ozone layer is getting damaged and the atmosphere is getting imbalanced in a gradual manner causing deadly diseases like cancer, skin disease and so on.

Due to the adverse effects of climate change most of the countries like Bangladesh have been suffering in many ways. Natural calamities like flood, drought, cyclone, river erosion and soon have been increasing over time hampering the human life and the overall economy.

To stop or to protect the country from the adverse effects of climate change, some policies can be taken such as green the community, be energy efficient, choose renewable power, eat wisely, trim wastage, fly less, let polluters pay, support and donate. Apart from, by deeply digging canals and rivers, by planting trees, by reducing fuel use, the degree of the negative impact of climate change can be reduced.

Everyone should be very sincere to this terrible issue and the government should be very much careful to take effective policies to combat with this challenge.

## 54. US - China Trade War

The latest demonstration of a contention has been US President Donald Trump's so-called trade war against his allies and foes which threaten to destabilize the global trade and order. And, unlike the previous global financial crisis, Trump's war will have far-reaching consequences for Bangladesh's trade and economy.

On the third day of his presidency, he effectively sank the Trans-Pacific Partnership (TPP) deal, which would have given Vietnam, Bangladesh's major trade competitor, a considerable advantage in the American market. In that sense, it was a good thing for us, but the war he is currently waging against China is harder to predict.

The first impact of the war was first felt in Bangladesh's steel industry. For the last few months, the price of rod has significantly increased in the domestic market. The industry
leaders came up with a number of reasons-the major one being Trump's tariffs on steel and aluminum imports.

Bangladesh imports scraps, a raw material for steel, mainly from the United States, also the major global exporter of scraps, but steel millers in the country are stockpiling the raw material anticipating more protectionist measures from the Trump administration, reducing supply and thus increasing the price.

In response to Trump's 25 percent tariff on USD 34 billion worth of Chinese exports, China placed a reciprocal tariff on American exports-including soybean and cotton-to China worth the same amount. In a bid to find some alternatives elsewhere, China has decided to lower or cancel tariff on thousands of goods from Bangladesh, India and three other countries.

It seems like good news for us, but since China is primarily looking for an alternative to American soybean, Bangladesh will not be able to cash in on the crisis, since we import soybean-that too mainly from the US-rather than export, but a declining American soybean price should greatly help our consumers.

The Chinese tariffs on American cotton also caused a sudden fall in price, but America's market share of our cotton import is roughly above 20 percent. India provides more than half the amount of cotton we import, and as China looks forward to importing cotton from India, the price of Indian cotton has already increased by 10-12 percent, substantially hurting our economic lifeline, the readymade garment sector.

As tariffs on Chinese clothing would escalate price, America may lower existing tariffs on imports of clothing from Bangladesh and Vietnam. While this is unlikely, there's a good case as to why American administration should do so.

In fact, it is Bangladesh-followed by other low-income countries in South Asia-that is subjected to the highest US duties, equivalent to 15.2 percent of the total value of our exports to the country. Trump may want to end this unfair practice.

As long as Trump is up against China and other big countries, it is a zero-sum game for Bangladesh, but many in Bangladesh fear Trump's protectionist approach wouldn't be limited to big countries alone.

One of the major stated objectives of Trump's trade war is cutting down America's giant trade imbalance with China. China has a trade surplus of over USD 350 billion with the US, and Trump wants it to be reduced by USD 200 billion.

China, while rejecting the demand, quite correctly pointed out that the US' current account deficit was because of its persistently low savings rate relative to investment-which ironically is credited for a strong US economy. If the Trump administration could somehow force China to reduce its trade surplus with America, the surplus would simply be shifted to countries like Bangladesh and Vietnam if the US fails to raise its savings rate concurrently.

But, since the trade war may prove politically damaging for the president in soybean- and cotton-producing red states. Mark Mobius, a well-respected American financial industry expert and investor, bets he will. "What I would buy now is those countries [that] are going to be exporting to the US instead of China-like Bangladesh, Turkey, Vietnam," he recently told CNBC. "These are all big producers of garments and shoes and consumer goods." This will be the outcome for Bangladesh from this trade war.

## 55. Fast Track Projects / Mega Projects

The government has given top priority to ten fast-track mega projects. For the first time, a special booklet titled "Mega Projects in Transforming Infrastructure: New Dimension in Accelerating Growth" was placed in parliament, along with the proposed budget.

The mega projects are-

| $\square$ Padma Bridge | व |
| :--- | :---: |
| $\square$ Metro Rail | ₹ |
| $\square$ Rooppur Nuclear Power Plant | छ |
| $\square$ Rampal Power Plant | व |
| $\square$ Payra Sea Port |  |
| $\square$ Matarbari Power plant | - |
| $\square$ Padma Bridge Rail Link | क |
| $\square$ Dohazari-Cox's Bazar-Gundum Rail Line | Д |
| $\square$ Sonadia Deep Sea Port |  |
| $\square$ LNG Terminal |  |

They will be implemented on government-to-government (G2G) basis. Experts have welcomed the government initiative, saying it would speed up implementation of the priority projects.

1) PADMA BRIDGE: The bridge is being built with the government's own funds after the World Bank withdrew its $\$ 1.2$ billion funding commitment over corruption allegations. It will increase the GDP growth $1.2 \%$, reduce the poverty $1.9 \%$ per year,

21 districts will be connected, at least 1 crore will get employments \& at least 2 "crore will come in the range of financial inclusion.
2) PADMA RAIL LINK Under the project, a $172-\mathrm{km}$ rail track would be built between Dhaka and Jessore. Once implemented, the Padma bridge and the Padma rail link would boost the country's economic growth by 1.5-1.75 percentage points, according to officials.
3) DOHAZARI-COX'S BAZAR-GUNDUM RAIL LINE It will be the country's largest railway project. Under the project, single-line dual gauge railway tracks would be built from Dohazari to Cox's Bazar via Ramu, and Ramu to Gundum near Myanmar. The government hopes the project's implementation would gather momentum, as it is included in the list of fast-track projects and funds have been assured for it.The time limit for the revised project has been extended to 2022.
4) METRO RAIL : The government plans to commission the Metro Rail Project [MRT line-6 from Uttara to Motijheel] ahead of its 2024 deadline. Work on the first part of the $20-\mathrm{km}$ vital rapid transit project from Uttara North to Agargaon would be completed by 2019. Work on the segment from Agargaon to Motijheel would be completed in December 2020. Japan International Cooperation Agency (Jica) will provide $\mathrm{Tk} 16,594$ crore for the project.
5) PAYRA SEA PORT : The government has allocated Tk 200 crore for primary work of the project, which has 19 components. The government signed the first memorandum of understanding (MoU) for the project with Belgian company Jan De Nul for capital and maintenance dredging involving an estimated $\$ 2$ billion.
6) ROOPPUR NUCLEAR POWER PLANT : The government is looking for the renewable energy sources. The Rooppur Nuclear Power Plant is the result of this logical wish. The 2,400 megawatt nuclear power project has seen considerable progress since Bangladesh signed the project agreement with Russia in January 2013. The government wants to complete at least one unit of the project by 2018 while the deadline for its completion is 2023.
7) MATARBARI POWER PLANT : It is a proposed 1200 Megawatt coal-fired power station in Maheshkhali in Cox's Bazar. It will be in service from 2024. JICA is the main finance source of this project.
8) RAMPAL POWER PROJECT : It is a proposed 1,320MW project at Rampal beside Sudarban. It was launched by a Bangladesh-India joint venture company in 2010. It will be the country's largest power plant.
9) SONADIA DEEP SEA PORT : The establishment of this project has become strategically very critical for Bangladesh. Such a port will provide the opportunity to connect with China's One Belt, One Road initiative offers.
10) LNG TERMINAL : Government is looking for LNG terminal because LNG is more economic than natural gases. Per capita energy consumption of Bangladesh is $\mathbf{0 . 2 0 \%}$ only which is opposite to Vision 2021 i.e. Digital Bangladesh. That's why government tries to increase the per capita energy consumption. LNG terminal will be a bless for us as an energy source.

Fast-track projects, as the title suggests, are supposed to be implemented at breakneck speed because they boost economic activities once they are complete. But in Bangladesh, they are done at a snail's pace. Inefficiency, corruption, and negligence of project officials plague implementations.

However, Md Abul Kalam Azad, principal coordinator of sustainable development goals (SDG) at the Prime Minister's Office, insisted that almost all the project implementation work was going on smoothly. It is the good sign \& make us hopeful about the success of the fast track projects.

## 56. Importance of Cyber Security in Banking Sector

Cyber security is the ability to protect or defend the use of cyberspace from cyber-attacks, according to the National Institute of Standards and Technology, USA. Of late, in Bangladesh, the financial services industry, which is a vital component of a nation's critical infrastructure, is under persistent threat.

Kaspersky Lab is a privately owned entity operating in 200 countries, including Bangladesh. According to them, Bangladesh is one of the countries on the top hit list of impending cyber attacks.

There has been burgeoning growth of internet users in the country. According to Bangladesh Telecommunication Regulatory Commission, the number of internet users almost doubled in the last two years. With it, came an ardent need for in-built cyber security in IT and to make people more aware about the policies, standards and guidelines.

The organizations undergoing change management become the easy targets of cyber criminals. Since 2011, Bangladesh Bank was busy modernizing its payment and settlement system. The overall banking functions of the central bank had been brought under automation by implementing the banking application package.

During the computerization phase of the BB , it might be that the things were done out of hurry. The main thrust was on meeting the World Bank's deadline. It was not possible to pay much attention to the security details. Hackers know that three important gears like security, monitoring and control might be lacking at that stage.

The IT security of the banking sector in Bangladesh is in a very precarious stage and, hence, there are chances of further attacks. There are some reasons behind increasing the risks of cyber security:
$\square$ Opaqueness of bankers \& clients about the modern technologies;
$\square$ Excessive dependence upon foreign IT firms \& upon their softwares;
$\square$ Lacking of IT experts;
$\square$ Having no IT related training;
$\square$ Deficit of budget in cyber security;
$\square$ Cyber guidelines are not updated etc.
There are about 20 lac Credit Card users \& about 80 lac Debit Card users in Bangladesh now. 39 Banks provide Cards. Also the recent cyber attack in City Bank ATM system \& Bangladesh Bank's lose of 808 crore Tk. from Federal Reserve System requires some steps should be taken as soon as possible. So, the cyber security is a vital issue for banking sector now. Some steps should be taken to improve cyber security in banking sector:
$\square$ Increasing the budget in cyber security;
$\square$ Recruit IT experts';
$\square$ Avoiding foreign IT firms' made software \& look into home-bred software;
$\square$ Updating the Cyber Security Guidelines;
$\square$ Individual IT Training Institute has to be formed etc.
Finally, mobile, cloud computing, IoT (internet of things) and cognitive computing are expected to be the technologies that will shape the near future the most. So, government has to keep her eyes' in the issue of cyber security.

## 57. Historical Significance of $7^{\text {th }}$ March Speech

The March 7 address by Bangabandhu - the great poetry of our emancipation-is a timetested speech. This great speech still ignites people. It flames forth our unquenchable thirst for justice. It makes us move in tune with the spirit of the Liberation War. Consider "bhayer aamar" or "amar manush" from the March 7 Speech or "Amar Sonar Bangla" from our national anthem, you will see a ground for this claim. The March 7 speech spanned for 19 minutes, but if you hear it, you get the feeling that it lasted for a moment.

Bangabandhu mentioned four conditions for joining the National Assembly on 25 March:
$\square$ The immediate withdrawal of martial law;Taking back of all military bto their barracks immediately;Proper inquiry into the loss of lives during the conflict \&
The immediate disposal of power to the elected representatives.
"Ebarer sangram amader muktir sangram, ebarer sangram swadhinatar sangram [The struggle this time is a struggle for emancipation, the struggle this time is a struggle for independence]" Joy Bangla! It was a de facto declaration of Bangladesh's independence.

The historic 7th March speech of the Father of the Nation has been included in the Memory of the World International Register, a list of world's important documentary heritage maintained by UNESCO. The Memory of the World Register now includes a total of 427 documents and collection from all continents.

## Historical Significances of $7^{\text {th }}$ March Speech:

$\square 7^{\text {th }}$ March Speech is actually the main charter of freedom.- Nelson Mandela
$\square 7^{\text {th }}$ March Speech is not only an ordinary speech but also an unique charter of maneuver. - Fidel Castro
$\square$ This speech is comparable with Abraham Lincoln's Gatesburg Speech. - BBC
$\square$ It provided inspiration to the Bengali people from 1971 to now.
$\square$ Most significant part of $7^{\text {th }}$ March Speech is- Sheikh Mujib has proved that there is no acceptance of Pakistanis in East Pakistan. East Pakistan means Bangladesh. Martial Tito
$\square$ The victory in the liberation war was achieved at a great cost \& misery of the millions of the people. But one thing that guided \& remained as beacon of lightthat is $7^{\text {th }}$ March Speech.

We should assemble every March 7 at the Suhrawardy Uddyan to rejuvenate ourselves in the spirit of the Liberation War.

## 58. Bitcoin and the Future of Crypto Currency

Bitcoin is a trending topic today due to the surge in its value in comparison to traditional currencies. The peak value of bitcoin was staggeringly high-several time the per capita
economic output of Bangladesh. In this context, an obvious question would relate to the relevance and applicability of bitcoin in our lives.

Bitcoin is a crypto currency and a worldwide payment system that functions on the block chain technology. The publicly distributed ledger created by block chain technology requires a crypto currency to conduct transactions. Bitcoin is one of those cryptocurrencies. While there are many crypto currencies available for use, bitcoin has emerged as the most popular around the world.

Some characteristics of Bitcoin :

## নইঘয়.কম

$\square$ The users of bitcoin require wallets for storing their coins. The wallets can be physical-a small hardware device, or software-based-stored in a computer. In either case, the currency can only be put to use via computers connected to the Internet. Further, smart phones can work as substitutes for computers. Users can opt to keep a part of the ledger with them in their computers if they intend to perform complex transactions.
$\square$ The users can also play the role of transaction verifiers. In the world of bitcoin, such users are called miners. Miners verify transactions and vote to validate them and make the entries permanent. Miners are usually rewarded by bitcoins freshly mined out of the system after fulfilling predefined criteria, and the amount is determined by the computer algorithm.
$\square$ The role of bitcoin miners overlaps with that of central banks in some areas. The central banks enjoy the privilege of printing money and managing inflation according to their economic objectives. In the world of bitcoin, this is the job of a computer algorithm.
$\square$ Central banks are authorized by the statutes of their countries. Bitcoin seeks to decentralize part of their role among the general public spread across different countries.
$\square$ Bitcoin also aims to make inflation predictable by letting the algorithm mine and create new coins. As a result, the risk of value depreciation due to inflation is minimized.

There are certain limitations on the functionality of bitcoin.
$\square$ Central banks manage the supply of money using various economic techniques, such as interest rates, with the aim of catalyzing economic growth and keeping commodity prices under control. Bitcoin lacks that feature due to its decentralized structure and algorithmic control.
$\square$ The total supply of bitcoin today is estimated to be around 16.80 million, according to various estimates. Its supply is increasing every day but is limited by the pace of
mining, and can increase up to 21 million. As a result, its price increases in the currency exchanges depending on the pace of its popularity and demand.
$\square$ The limited supply of bitcoins restricts its practical use in everyday life. Daily life requires money in comprehensible units, with adequate supply and public acceptance. Central banks do this job for their own currencies within their jurisdictions. Bitcoin needs to evolve with technological advancements and build these attributes over time.
Given the high price of bitcoin, it may be seen as a commodity such as gold, silver or other precious metals whose supply is limited. The prices of commodities are cyclic in nature-they rise and fall in the market. On the other hand, bitcoin has been operational for just about nine years and it is too early to comment on its long-term prospects.
$\square$ Across the world, bitcoin is also being used for economic transactions. This creates challenges relating to the enforcement of laws.
Due to bitcoin's borderless character, law enforcement agencies are struggling to monitor illegal activities involving bitcoins.
$\square$ Bitcoin is not recognized as legal tender in many countries and is, therefore, not suitable for use in buying or selling activities.
$\square$ Tax authorities are divided on whether a bitcoin transaction is a currency transaction or a commodity trading. Regulators may take some more time to catch up with this technological advancement.

With advancements in technology, crypto currencies are more likely to become the mainstream currency for transactions in the coming years.
$\square$ Central banks may decide to circulate their own crypto currencies with their proprietary algorithms and controls and may choose to decentralize the management of crypto currencies among the public through a shared ledger while retaining some regulatory controls with themselves.
$\square$ Alternatively, they may decide to endorse bitcoin along with some mechanisms for cross-border collaboration and economic control.
$\square$ Further, private organizations can enhance their customer loyalty management programs by using crypto currencies. Technological advancements can make this possible in the near future.

## 59. Scope of Self-Employment in Rural Economy

Self-employment means a situation in which an individual works for himself or herself
instead of working for an employer that pays a salary or a wage. A self-employed individual earns their income through conducting profitable operations from a trade or business that they operate directly. Self-employment program are conducted in the rural area addressing specific target group-landless agricultural workers, marginal farmers, women, unemployment youth etc. as a sustainable income generating source to reduce poverty and to increase socio-economic condition.

## Field of Self-Employment

Some important field of self-employment for the rural poor in Bangladesh are: homestead agriculture, livestock and poultry rearing, fish farming, nursery and tree plantation, handicrafts, food processing, handloom, tailoring, sole proprietorship business, ICT and so forth (European Journal of Business and Social Sciences).

## Government Led Self-Employment Program

Besides the social protection programs, the government is also implementing many selfemployment programs. Some important self-employment programs are One House One Firm; Self-employment Program for the Poor Freedom Fighters; Micro-credit Activities for Self-employment of the Poor and Distressed Women; Vulnerable Group Development (VGD), Milk giving cow husbandry; Poultry, Small Trade, Tailoring, Cattle fattening, Micro-credit project, Ensuring Co-operative Based Milk Production; Micro-credit for the women empowerment; Micro-credit program for fisheries, Comprehensive Village Development Program etc.

## Problems of Self-Employment Generation rural area

$\square$ Lack of Education and Vocational training is the main impediment of self-employment in rural area
$\square$ Political interference and lack of coordination in Local Government is another main hindrance of self-employment
$\square$ Lack of capital and confidence to be entrepreneur in local area
$\square$ Rapid rate of migration and urbanization reduces self-employment rate in rural area
$\square$ Mišuses of rural resource and lack of information are also acted as obstacle of selfemployment in rural area

## Steps Should Take for Self-Employment

$\square$ ICT-based comprehensive data management Should introduced in every phase of Local Government (LG)
$\square$ Bottom-up budgetary policy must be introduced in rural area from LG
$\square$ Role of local voluntary organizations and Non-Government Organization should be concentrated on self-employment of rural people
$\square$ Need-based training should be spread in rural area
$\square$ Free flow of information is needed to generated self-employment in rural area
$\square$ Local people participation in every phase of rural planning is effective for selfemployments in rural area etc.

Thus, it is very crucial to make local government strengthened and effective to play an important role of promoting self-employment for the rural poor to alleviate poverty and to improve the socio-economic condition.

## 60. Role of Bank in Building Middle Income Country

A robust and well-functioning banking system facilitates the efficient allocation of resources to individuals, organizations, and projects that can use those resources effectively for building middle income country. Access to capital is critical, among other reasons, for the undertaking of infrastructure projects by the government; entrepreneurial activities and job creation by citizens; and improvements to agricultural output and
technology use by farmers. Multiple studies have shown that banking and financial sector development is a necessary condition for economic development. Banks promote capital formation, investment in new enterprises, promotion of trade and industry, savings, and development of agriculture.

Bangladesh's banking sector can be classified into four main categories: state-owned commercial banks (SCBs), specialized development banks (SDBs), private commercial banks (PCBs), and foreign commercial banks (FCBs). The sector is regulated by the country's central bank, Bangladesh Bank (BB). Established in 1972, Bangladesh Bank is responsible for monetary and credit policies, and for regulation and supervision of banks (along with non-bank financial institutions). These institutions comprise Bangladesh's banking sector, and along with insurance companies and non-bank financial institutions form the financial sector.

Adoption of mobile banking technology makes banking more convenient and accessible for customers, and particularly improves accessibility for customers in rural or remote areas who do not have easy access to a physical bank branch.

The banking sector has also taken steps in its adoption and use of new technology to increase efficiency and provide convenient customer service. In September 2011, Bangladesh Bank introduced guidelines on Mobile Financial Services for Banks, and advocated for banks to lead the adoption, while advocating for mobile operators and microfinance organizations to be active partners. Since then, Bangladesh Bank has authorized 28 banks to offer full mobile financial services. 19 banks have already developed and adopted a mobile banking strategy and started providing services to their customers (the largest of these services being bKash, BRAC Bank, DBBL Mobile Banking and Dutch-Bangla Bank Limited).

There are several steps that can be taken to improve the efficiency of Bangladesh's banking sector and tackle the challenges outlined above. First, the banking sector should
accelerate the rate of technology adoption, along with investing in training bank employees in appropriate use of technology. In particular, all bank employees should be trained on basic cyber-security precautions to thwart cyber-attacks like the 2016 heist, and the Sonali Bank hacking. In addition to regular training, there should be strict oversight and accountability for employees and their use of bank technology. The use of technology rather than manual interventions by employees can also reduce opportunities for corruption and mismanagement, and an electronic paper trail of financial activities will result in better accountability and transparency.

The banking sector should also invest in further training for internal control and compliance. This will assist in holding employees accountable, both when it comes to security breaches, and when it comes to credit risk mismanagement. In addition to this, the banking sector needs to make further investment for human resources (HR) capacity buildup. The Bangladesh banking sector has made big strides in capacity buildup through prior reforms, but is still lagging behind comparable countries' financial sectors. An increased investment in capacity building in this area will improve the medium and long term prospects of the banking sector.

If the concerned authorities take all the steps outlined above, Bangladesh's banking sector can thrive in the years to come up to build a middle income country. The country has already taken great strides forward over the last 47 years since independence, and must continue to improve the financial infrastructure to ensure financial stability, economic growth and development in 2021 and beyond.

## 61. Delta Plan 2100

A delta is a geo morphological area, largely defined by its low-lying surface form and location in landscape and coastal area that forms at the mouth of a river. Deltas form from deposition of sediment carried by a river as the flow leaves its mouth. Over long periods, this deposition builds a dynamic and characteristic geographic, ecological and social pattern of the delta and its features. The most expansive definition of the Delta is the

Bangladesh Delta that includes all districts that face various natural hazards owing to the deltaic formation of Bangladesh and the related interface with the vast river networks, the Bay of Bengal and climate change. For Bangladesh, Delta Plan is a visionary project by which Bangladesh will get her desired results from unwanted climatic disorders.

## Perspectives:

The government would spend $\$ 37$ billion by 2031 for ensuring food and water security and fighting disasters, according to a draft of the Delta Plan 2100.The government of Bangladesh, in cooperation with the government of the Netherlands, aims to create the Bangladesh Delta Plan 2100. The Delta Plan will integrate planning from delta-related sectors and from all across the country to come to a long-term, holistic and integrated plan for the Bangladesh Delta. The Delta Plan will be grounded in a long-term vision of the Delta's future. This long-term vision, combined with the use of scenarios, allows planning to be adaptive and dynamic by constantly taking into account uncertainties in future developments in climate change, socio-economic development, population growth and regional cooperation. The Delta Plan aims to provide the foundation for permanent delta governance in Bangladesh through the outlining of a Delta Framework.

Bangladesh is the largest delta of the world. Its rivers and floodplains make up $80 \%$ of the country and support life, livelihoods and the economy. Bangladesh is a rapidly developing
country, envisaging to become a middle-income country in 2021. The country faces major inter-related delta challenges in water safety, food security and socio-economic development and is prone to natural calamities such as floods, cyclones, and droughts. There is already high pressure on the available land and water resources in the delta.

The formulation of the plan is led by the General Economics Division of the Ministry of Planning, and is supported by the Government of the Kingdom of the Netherlands. Technical assistance is provided through the Dutch-Bangladeshi consortium and by Bangladeshi research organization Policy Research Institute.

## Key Points of the Bangladesh Delta Plan 2100:

$\square$ The Bangladesh Delta Plan integrates all delta-related sector plans and policies, enveloping a Delta Vision and strategies that make it possible to integrate sector plans and policies for the long term and to present actionable interventions with a roadmap for realization. It will change the individual sector approach of project planning and
implementation into a multi-lateral coordinated approach and related program management.
$\square$ It enables the government to integrate climate change adaptation in a more strategic, knowledge-based and consistent way, making efficient use of limited natural and economic resources in Bangladesh. Lessons learnt in other countries like the Netherlands will be explored and reflected upon.
$\square$ The Delta Plan enhances good governance through its focus on institutional strengthening, policy or institutional reform, coordination and cooperation, on capacity building and transparency and integrity.
$\square$ The Delta Plan enables coordination of the funding process among the different government bodies and private stakeholders, thus using limited funds and investments more effectively.

বইঘत̣.কম
$\square$ The Delta Plan creates an opportunity to harmonize regional and local development plans for agriculture, water management, environmental affairs, ecosystem management, urbanization, tourism, etc. with the national plans.
$\square$ The Delta Plan provides a means for strengthening international cooperation, both with development partners and neighboring countries e.g. on trans-boundary river issues.
$\square$ The Delta Plan creates an opportunity to harmonize regional and local development plans for agriculture, water management, environmental affairs, ecosystem management, urbanization, tourism, etc. with the national plans.

It is a guideline to harness the huge potentials of Bangladesh as a Delta country through extensive water resources management, ensuring food and water security and tackling natural disasters. Implementation of the plan successfully could underwrite the security and viability of Bangladesh well beyond the next 100 years.

## 62. 11th National Election

General elections were held in Bangladesh on 30 December 2018 to elect members of the Jatiya Sangsad. The result was a landslide victory for the Awami League led by Sheikh Hasina. The elections were marred by violence and claims of vote rigging. Opposition leader Kamal Hossain rejected the results, calling it "farcical" and demanding fresh elections to be held under a neutral government. The Bangladesh Election Commission said it would investigate reported vote-rigging allegations from "across the country." The election saw the use of electronic voting machines for the first time.

The 350 members of the Jatiya Sangsad consist of 300 directly elected seats using first-past-the-post voting in single-member constituencies, and an additional 50 seats reserved for women. The reserved seats are distributed based on the proportional vote share of the contesting parties. Each parliament sits for a five year term.

Approximately 100 million voters were expected to vote from 40,199 polling stations across the country. Electronic voting machines were used in six constituencies.

On 13 October 2018, the Jatiya Oikya Front (National Unity Front) was formed, consisting primarily of the Gano Forum, Bangladesh Nationalist Party, Jatiya Samajtantrik Dal-JSD and Nagorik Oikya led by former Foreign Minister Kamal Hossain of the Gano Forum. On 18 December the alliance announced a 14-point manifesto, which included a pledge to reduce the power of the office of Prime Minister.

The result of the $11^{\text {th }}$ National Election is given below:

| Wangladesh Awami League | 257 |
| :---: | :---: | :---: |
| Jatiya Party | 22 |
| Bangladesh Nationalist Party (BNP) | 6 |

## 63. Monetary Policy Statement 2018-19 (2 ${ }^{\text {nd }}$ Half)

Monetary policy consists of the actions of a central bank, currency board or other regulatory committee that determine the size and rate of growth of the money supply, which in turn affects interest rates. Monetary policy is maintained through actions such as modifying the interest rate, buying or selling government bonds, and changing the amount of money banks are required to keep in the vault (bank reserves).

The central bank unveiled a cautiously optimistic monetary policy for the second half of the fiscal year, keeping room to provide adequate supply of quality credit to support the growth and inflation targets in 30 January 2019.

Features of the MPS for the $2^{\text {nd }}$ half of financial year 2018-19:
$\square$ The robust seven plus percent FY18 (Fiscal Year 2018) GDP growth momentum in H1FY19 (First Half of the Fiscal Year 2019) remained strong, well supported by both domestic and export demand. The sharply widened FY18 bop current account deficit
(from spiking flood damage related food grain imports and some big ticket investment related imports) moderated substantially in H1FY19, coming down towards sustainable levels.
$\square$ Inflationary pressures remained well contained in H1FY19. Aided by moderating food inflation from lower rice prices, headline CPI inflation (point-to-point) continued its declining trend, although non-food inflation, rising since early 2018, reached 4.51 percent in December 2018. Headline CPI inflation declined gradually to 5.35 percent in December 2018 from 5.54 percent in June 2018. Consequently, 12-month average inflation edged down to 5.54 percent in December 2018 from 5.78 percent in June 2018.
$\square$ BB's policy measures in FY18 (reducing CRR by one percentage point, repo rate by 75 basis points, and introducing repo tenors up to 28 days) eased liquidity tightening from the negative NFA growth due to the sharp widening of current account deficits. These measures helped avoid interest rates spikes. However, uptick in trend of core CPI inflation and the outcomes of BB's inflation expectation survey indicate persistence of inflationary pressures to confront on the path ahead.
$\square$ Balancing inflation and output risks, given the near-term domestic and global inflation and growth outlook and the associated risks, repo and reverse repo rates will be maintained at current levels of 6.0 and 4.75 percent, respectively, for H2FY19. The H2FY19 monetary program targets broad money (M2), domestic credit (DC), and private sector credit growth ceilings at $12.0,15.9,16.5$ percent respectively, sufficient to accommodate attainment of real GDP growth and CPI inflation projections of the FY19 national budget (7.8and5.6 percent respectively).
$\square$ BB's usual support and promotion of adequate credit flows to job creating priority productive sectors will continue in H2FY19, including in MSMEs, agriculture, green transition of output practices, and entrepreneurship. Massive investment mobilization needed for realizing Bangladesh's aspirations for rapid high growth require rapid financial and capital market development, which in turn requires maintaining market
based flexibility of Taka interest and exchange rates. The marked H1FY19 slowdown in private sector credit growth may largely have been from uncertainties in the run up to national election, but whether the recent rigidity in lending and deposit interest rates have also contributed (with high yield NSCs siphoning away much of household savings, causing growth slowdown in bank deposits bearing much lower interest rate) will be clearer in H2FY19. Addressing these issues, and bringing down banking sector NPLs by instilling strict lending and recovery discipline remain the key imperatives.

# 428 Focus WRTING+ 

वইघढ़.কম

এই অংশে ওরুতে Letter \& Report এর বিভিন্ন ফরম্যাট তুলে ধরা হয়েছে যাতে পরীক্ষায় কমন না আসলেও স্বচ্ছন্দে লেখা যায়। সর্বশেষ ব্যাংকের লিখিত পরীক্ষায় আসা প্রশ্নের সঠিক ফরম্যাটসহ উত্তর সহজভাবে লেখার চেষ্টা করা হয়েছে।

## Business Letter সম্পর্কিত কিছু কথা ও বিভিন্ন ফরম্যাট

$\square$ সাধারণত যা যা থাকবেঃ
$\checkmark$ তারিখ (Date) - পত্রের তরুতে উপরের বামপাশে লিখতে হবে
$\checkmark$ প্রাপকের পদবি ও ঠিকানা (Designation \& address of the recipient) - প্রথম অক্ষর বড় হাতের অক্ষরে লিখতে হবে
$\checkmark$ বিষয় (Subject)
$\checkmark$ সম্বোধন (Salutation)
$\checkmark$ মূল অংশ (Body of the letter)
वरইघत̣.কম
$\checkmark$ বিদায় (Subscription)
$\checkmark$ নাম ও পরিচয় (Signature \& Identity)

- খাতার বামদিক থেকে লেখা তুরু করতে হবে।
- প্রশ্নপত্রে প্রদত্ত নাম, ঠিকানা, তারিখ প্রভৃতি উল্লেখ করতে হবে।
- এক পৃষ্ঠার মধ্যে লেখার চেষ্টা করতে হবে।
$\square$ অতিরিক্ত কথা লেখা যাবে না।
- গ্রাহক যখন ব্যাংকে কোন বিষয়ে আবেদনপত্র লেখেন, তখন রেফারেম্স নম্বর হবে না। কিন্তু ব্যাংকার यদি গ্রাহকের কাছে বা হেড অফিস বা বাংলাদেশ ব্যাংক বরাবর বিজনেস লেটার পাঠালে সেক্ষেত্রে রেফারেম্স নম্বর দিতে হবে।
■ সম্বোধনের ক্ষেত্রে Sir, Madam, Honorable ইত্যাদি লেখা যায়। তবে রাষ্ট্রপতি, রাষ্ট্রদূত এই ধরনের ব্যক্তিদের ক্ষেত্রে Excellency, Majesty ইত্যাদি লিখতে হয়।
- Letter to the Editor এর ক্ষেত্রে Subject লেখার দরকার নেই। কিন্তু মূল অংশের উপরে Headline দিতে হবে।
- ঋণের জন্য আবেদন/অসুস্থতাজনিত ছুটি পেতে হলে আবেদনপত্রের নিচে সংযুক্তি (Enclosure) দিতে रয়।
- কোন প্রতিষ্ঠান থেকে Business Proposal পাঠালে মূল অংশে যে বিষয়গুলো উল্লেখ করতে হবেঃ
$\checkmark$ Topic of Proposal
$\checkmark$ Your Service
$\checkmark$ Service Cost
$\checkmark$ Special Offers etc.
- প্রতিষ্ঠান প্রধান খসড়া প্রতিবেদন তৈরি করতে বলনে সেটি Letter to the Editor এর মতো করে লিখলে হবে। তবে প্রথমে রেফারেন্স নম্বর উল্লেখ করতে হবে।
- য যার বরাবর লিখতে হয়ঃ
$\checkmark$ গ্রাহকের যাবতীয় সময় সেবা সম্পর্কিত বিষয়( ATM Machine Problem, Internet Service Installation, ATM Card Replacement etc.) - Head of Customer Service Division ( অনেক ব্যাংকে কার্ড ডিভিশন আলাদা আছে)
$\checkmark$ ব্যাংকের কর্মীর বদলি, পদত্যাগ, পদোন্নতি ইত্যাদি- Human Resource Division
$\checkmark$ ব্যাংকের শাখায় কোন জিনিসপত্র ক্রয় করতে হলে বা অর্ডার দিতে হলে- General Service Division / Logistics Division
$\checkmark$ গ্রাহকের সন্দেহজনক লেনদেন( STR), মানি লন্ডারিং ইত্যাদি সম্পর্কিত তথ্য জানাতে হলেCAMLCO (Chief Anti-Money Laundering Complaint Officer)
$\checkmark$ ব্যাংকারের শিক্ষা-ঋণ- Managing Director / General Manager
$\checkmark$ গ্রাহকের এসএমএস সার্ভিস চালু, লোনের জন্য আবেদন বা শাখার সাথে সংশ্লিষ্ট বিষয় Manager / Relationship Manager

নিচে কিছু ফরম্যাট দেওয়া হলো, যেগুলো দেখলে বিভিন্ন ধরনের Letter লেখার আইডিয়া পাবেন। এছাড়া সাম্প্রতিক বিভিন্ন পরীক্ষায় আসা ২৫টি প্রশ্নের সমাধানে আরো কিছু ফরম্যাট পাবেন।

1. Official Letter: এ ধরনের লেটার মূলত সাহায্য চেয়ে, উন্নয়নমূলক পদক্ষেপ নিতে, সমস্যা দূর করতে উদ্যোগ নিতে উর্ধ্বতন কর্তৃপক্ষ বরাবর লেখা হয়। নিচের ডেমো লেটারটি দেখুন-


01 August 2018
The Officer-in-charge
Patiya Police Station, Chattogram.
Subject: Application for taking necessary steps to stop anti-social activities.
Sir,
On behalf of the people of Patiya Pourashava, we would like to draw your attention to the fact that we are suffering from some anti-social activities perpetrated by some blockheads. The often taunt \& tease college going girls, cheat the shopkeepers, behave roughly with people \& give no fair to the rickshawpuller etc. They gather at the turns of the roads \& footpaths to take phensidyle, drugs, heroin etc. Community leaders \& elderly citizens have tried to persuade them to come back to sense \& stop their nefarious activities. But the situation is out of control. Now, we are seeking your kind attension to get rid of this crisis.

We, therefore, pray \& hope that you would be sympathetic enough to take effective steps to stop these anti-social activities \& save us from the panic.

Sincerly yours,
Julkernain Mehdi
Mahmudul Haque Chy
Sakhawat Saikat
On behalf of the people of the Patiya Pourashava

## 2. Public Letter/Letter to the Editor: এ ধরনের লেটার Public Interest সংশ্মিষ্ট হয়। উদাহরণ-

01 September 2018

The Editor<br>The Daily Observer<br>Karwan Bazar, Dhaka.

Sir,
I would be grateful to you if you publish my following articles in your esteemed daily.
Rumi Akther
Mansha, Patiya, Chattogram

## Problems of Wast Management

Waste is such material what we through away everyday. As the amount of waste is growing rapidly all over the world \& polluting the environment, the time has come to think about it seriously. We cannot altogether get rid of our waste, but a proper management of it can certainly reduce it. If we think of burning, burying, recycling \& thus reducing waste, we can save our environment to a large extent. We can use some waste as fuel. More \& more companies should come forward to promoting greater recycling \& changes in consumption patterns to reduce the amount of waste $\&$ help people to save the environment.

Rumi Akther
Mansha, Patiya, Chattogram
3. Collection Letter: Past due account সংগ্রহ করতে কিংবা দুঃসংবাদ জানাতে Collection Letter লেখা হয়। যেমন-

Reference: BDBL/AGB/2018/100
Date: 01 September 2018
Nazim Uddin Shohel
53, Nasirabad R/A
Panchlaish, Chattogram.
Subject: Letter to inform the due of monthly installment.
Dear Sir,
We are sorry to inform you that you have a monthly installment of Tk . 7645 due with our bank. The deadline of the payment was 30 August 2018. It is matter to regret that you did not repay the money in time.

Therefore, I would like to request you that you will repay the money as soon as possible.
Sincerely yours
(----------------------
Atikul Islam Bijoy
PO \& Loan Sanction Officer
Bangladesh Develpoment Bank Ltd.
Agrabad Branch
Chattogram.
4. Letter to the Govt. Agencies \& the Press: সাহায্য চেয়ে বা মন্তব্য প্রকাশ করে এই ধরনের Letter লেখা হয় সরকারি সংস্হা কিংবা পত্রিকা বরাবর। উদাহরণ- Recent Soultion No. - 03.
5. Refusal Letter: সুসম্পর্ক বজায় রেখে অস্বীকৃতি জ্ঞাপন করতে Refusal Letter লেখা হয়। উদাহরণ- Recent Solution No. - 02.

## Report সম্পর্কিত কিছু কথা ও বিভিন্ন ফরম্যাট

Report লেখার ক্ষেত্রে কিছু নিয়ম মানা হয়। যেমন-

- Personal pronoun (I, We ) এর ব্যবহার যথাসম্ভব এড়িয়ে চলা হয়। লেখার খরুতে Passive form এর ব্যবহার লক্ষণীয়।
- घটনার মূল বিষয়কে ঘুরিয়ে পেঁচিয়ে না লিখে সরাসরি লেখা হয়।
- তথ্যের ক্ষেত্রে নির্দিষ্ট নম্বর (বেমন- 23450), নির্দিষ্ট সময় (বেমন- 10:10 am) ইত্যাদি উল্লেখ করা বাঞ্ছনীয়।
- News Reports নিচের ফরম্যাটে লেখা যেতে পারেঃ
- Headline
- Staff Correspondent/Reporter's Name, Place, Date
- Lead / Introduction
- Body- 01
- Body- 02
- Body- 03
- 
- 
- Conclusion / Ending

নিচে কিছू ফরম্যাট দেওয়া হলো ,যেগুলো দেখলে বিভিম্ম ধরনের Report লেখার আইডিয়া পাবেন।

1. News Report: উদাহরণ- Recent Solution No. - 18
2. Proposal: উদাহরণ-

## Proposal for Interior Design RED CARPET

36, VIP Tower, Kazir Dewri, Chattogram
Reference No. : RC/321/18
01 September 2018

The Managing Director NCC Bank Ltd.
16, Motijheel, Dhaka.

## Dear Sir,

As you requested at our last meeting last month, I have prepared the written proposal outlining how RED CARPET Interior Design Firm can help NCC Bank Ltd. to decorate your new branch office at GEC.
$\square$ The Necessity: Without smart interior design, branch look beautiful even though having expensive furniture.
$\square$ The Solution: RED CARPET can provide a smart interior design.
$\square$ Works: Interior design \& decoration
$\square$ Required Time period: Maximum 2 (Two) months
$\square$ Charge: Tk. 2,00,000 (Two Lac) Only.
If you have any objection about the proposal, we would be happy to solve it showing logical grounds.

Therefore, we look forward to having quick response from you to do the interior design of the new branch of the bank.

Sincerely yours


Shaan Shahed
CEO \& Managing Director
RED CARPET

# 1. A bank is interested to open a new specialized branch for the welfare of the peasant. As an employee of the bank, write a letter to the higher authority of the Bangladesh Bank explaining its feasibility. [Sonali Bank SO - 2018] 

Reference: SONALI/HO/2018/100
Date: 01 September 2018
The Governor

## वरইघत̣.कम

Bangladesh Bank
Motijheel
Dhaka.
Subject: Prayer for opening a new specialized branch of Sonali Bank Ltd for the welfare of the peasant.

Sir,
With due respect, I am an employee of Sonali Bank. I want to draw your attention that there is no branch of any bank in Karnafuly upazila in Chattogram. About 10 lac people lives there. Most of them are farmers. But they are out of banking channel due to the absence of any banks here. Also, they can't take the advantages of agriculture loans, regular banking etc. Sometimes they go to money lenders to get loans with high interest. As a result they lost profits \& lands to repay their installments. So, opening a new specialized branch for the welfare of the peasant is essential in this region. Our bank is praying permission to open a new specialized branch here.

Therefore, I pray \& hope that you would permit opening a new specialized branch of our bank in this region \& oblige thereby.

Sincerely yours
(---------------------)
Mahmudul Hasan
SPO, Sonali Bank Ltd.
Head Office
Motijheel, Dhaka.

## 2. Assume that you are a loan sanction officer of a specialized commercial bank in Dhaka. Write a letter to a client whose application for home loan in rejected. [Sonali Bank SO (IT) - 2018]

Reference: BDBL/AGB/2018/100
Date: 01 September 2018
Neaj Morshed
53, Panchlaish R/A
Panchlaish, Chattogram.
Subject: Letter to inform the rejection of home loan application.

## Dear Sir,

We are very happy to receive your application for home loan. But we are sorry to inform you that we are unable to sanction the loan due to the following reasons:
$\square$ CIB report is not satisfactory.
$\square$ Your income \& transaction is insufficient.
$\square$ Land papers \& documents are insufficient.Bank statement is not satisfactory.
You may provide additional documents for the reconsideration of the home loan application.

Therefore, we are sorry that we are unable to sanction the loan \& oblige thereby.
Sincerely yours


Atikul Islam Bijoy
PO \& Loan Sanction Officer
Bangladesh Develpoment Bank Ltd.
Agrabad Branch
Chattogram.

# 3. Write an application to the Honorable Minister of Finance highlighting the importance of reduction of taxes on imported industrial raw materials. [Sonali Bank Officer (Cash) - 2018] 

01 September 2018

## The Honorable Minister

Ministry of Finace Bangladesh Bank
Bangladesh Secretariat
Dhaka.
Subject: Prayer for reducing the taxes on imported industrial raw materials.
Sir,
With due respect, I want to draw your attention about the taxes on imported industrial raw materials. Industrial raw materials are mostly used in RMG sector which contributes about $41.53 \%$ in our export earnings in 2017. This sector provides huge taxes \& tariffs indeed. It has to be mentioned that the sector is facing new challenges as a result of US-China trade war recently. So, reduction of taxes on imported industrial raw materials is necessary for this sector to keep growing \& compete with other countries.

Therefore, I pray \& hope that you would take necessary steps for reducing the taxes on imported industrial raw materials \& oblige thereby.

Sincerely yours

Minhazul Alam
Dhanmondi, Dhaka.

01 September 2018
The Manager
वইঘত়.কম
Karmasangstan Bank
Motijheel
Dhaka.
Subject: Application for providing internet banking facility in my account.
Sir,
With due respect, I am an account holder of your branch. My account number is 070121000047222 . I didn't apply for internet banking facility since my account opened. So, I am missing the opportunity of using internet banking. Now, it is urgent to start internet banking service in my account.

Therefore, I pray \& hope that you would accept my request for providing internet banking facility in my account \& oblige thereby.

Sincerely yours
(---------------------
Amir Hossain
Account number : 070121000047222
Karmasangstan Bank
Motijheel
Dhaka
> 5. Suppose you are a bank employec and you want to join in an 'Evening Executive Masters Programme' related to your job. Write a letter to your Branch Head to seck necessary permission for the enrollment by explaining plausible reasons. |Rupali Bank Officer (Cash) - 2018]

01 September 2018
The Manager
Rupali Bank Ltd.
Khulshi Branch
Chattogram.
Subject: Prayer for permission for the enrollment of Evening Executive Masters Programme.

Sir,
With due respect, I am an officer in this branch. My promotion is hanging since 2016 due to the shortage of a Masters degree. Recently, I have got an opportunity to enroll an EMBA programme at University of Chittagong near to our branch. I think that grasping this chance will bring betterment in my career a lot.

Therefore, I pray \& hope that you would permit me for the enrollment of Evening Executive Masters Programme \& oblige thereby.

Sincerely yours
(----------------------
Hasan Murad
Officer (Employee ID - 3102)
Rupali Bank Ltd.
Khulshi Branch
Khulshi, Chattogram.

# 6. Suppose you are working in a private bank. Write a business letter in English by announcing a new product recently added to the customer service of your bank. [Agrani Bank Officer (Cash) - 2018] 

## Reference EXIM/NZH/2018/111

Date: 01 September 2018
All Valued Clients
Exim Bank Ltd.
Nazirhat Branch
Chattogram.
Subject: Introducing our new product "Exim Sugrihini Scheme"

## Dear Sir/Madam,

We are happy to announce our new product "Exim Sugrihini Scheme" It is a great opportunity for women to enrich their deposit with more profit than regular schemes. It will help to establish the women empowerment. This unique product will create the opportunity to the women to support their families.

You may know the details from the brochure \& our website www.eximbank.com.bd. Your feedbacks will enrich our concepts to modify this product.

Sincerely yours
(----------------------
Mahamudul Hasan Shakil
Relationship Manager
Exim Bank Ltd.
Nazirhat Branch
Nazirhat, Chattogram.

# 7. Write a letter to the branch manager of your bank requesting him to enquire the case of withdrawal money from your bank account without any authorization. <br> [Dhaka Bank TACO - 2018] 

01 September 2018
The Manager
Dhaka Bank Ltd.
Khatunganj
Chattogram.
Subject: Application for enquiring the case of withdrawal money from your bank account without any authorization.

Sir,
With due respect, I am a savings account holder of your branch. My account name is Sharmin Akther \& my account number is 070121000074391 . Recently, I have noticed that there is an amount of $50,000 \mathrm{tk}$ has been withdrawn from my account on 25 August 2018 which has not been executed by me. I didn't get any SMS or e-mail against this transaction. I am very much worried about this fraudulent transaction.

Therefore, I pray \& hope that you would take necessary steps to investigate this matter to recover my money.

Sincerely yours
(----------------------)
Sharmin Akther
Account number : 070121000074391
Dhaka Bank Ltd.
Khatunganj Branch
Chattogram.

# 8. Write a business letter in English to an institution giving thanks for their quality service \& environment-friendly products along with professional courtesies. [BDBL SO - 2018] 

Reference: BBL/KZD/2018/121
Date: 01 September 2018
The Manager
Otobi Furniture Ltd.
Sanmar Ocean City
Chattogram.
Subject: Thanks Letter for providing quality products \& professional courtesies.
Dear Mr. Aniruddho,
Heartiest thanks to your company \& employees for providing us quality service last week. I was pleased with the professionalism by your employees. They had helped me to select the appropriate furniture for our branch. Also, their ways of suggesting was a great surprise to me. Our higher authority was appreciating our decoration \& furniture when they visited the branch yesterday.

Therefore, I hope \& believe that our mutual business would be continued \& oblige thereby.

Sincerely yours
(---------------------
Shimanto Chy
AVP \& Manager
Brac Bank Ltd.
Kazirdewri Branch
Chattogram.

तशेघత. क्स

# 9. Write a letter to the Ilead of Customer Service Division of a commercial bank complaining about some of the ATM of the bank frecquently being founded out of scrvice. |Agrani Bank S() - 2017] 

01 September 2018
Head of Customer Service Division
Agrani Bank Ltd.
Motijheel
Dhaka.
Subject: Complain about some of the ATM of the bank frequently being founded out of service.

Sir,
With due respect, I am an user of debit card \& credit card of your bank. Recently, I have faced problems in using ATM machines in many booths. Sometimes the machines were out of service \& maximum times it takes more times to complete transactions. Specially, the ATM machines of Motijheel area are so much problematic. So, we don't get services of ATM in time.

Therefore, I pray \& hope that you would take necessary steps to bring all the ATM machines under surveillance so that customers are not disturbed by the out-dated machines.

Sincerely yours
(----------------------
Pinki Barua
Account number : 070121000075075
Agrani Bank Ltd.
Motijheel
Dhaka.

# 10. Write a letter to the Head of the Card Service Division of Southeast Bank Ltd. for the increasing of your credit card limit. <br> [Southeast Bank PO - 2017] 

01 September 2018
Head of the Card Service Division
Southeast Bank Ltd.
GEC Branch
Chattogram.
Subject: Prayer for increasing the credit card limit.
Sir,
With due respect, I am an user of credit card of your bank. My present credit card limit is Tk. 80,000 which was subjected to my previous income. Now, I would like to request you top increase my credit card limit to Tk. 1,50,000. Necessary documents of my present income \& other documents has included on behalf of this request.

Therefore, I pray \& hope that you accept my request to increase the credit card limit \& oblige thereby.

Sincerely yours
(----------------------
Mahbeer Sharaheel
Account number : 14071000074007
Southeast Bank Ltd.
GEC Branch
Chattogram.

# 11. Write a letter to the Head of the Card Service Division of a commercial bank informing the loss of your ATM card with a request for replacement. <br> [Janata Bank EO (Engineer) - 2017] 

01 September 2018
Head of the Card Service Division
Dutch-Bangla Bank Ltd.
GEC Branch
Chattogram.
Subject: Application for ATM card replacement.
Sir,
With due respect, I am an user of ATM card of your bank. Recently, Dutch-Banglad Bangla Bank Ltd. has introduced cheap based new ATM card. Your bank has announced that previous ATM will be inactive from tomorrow \& requested to replace the cards. That's why I am requesting to replace my ATM card.

Therefore, I pray \& hope that you accept my request for ATM card replacement \& oblige thereby.

Sincerely yours
(----------------------
Zillur Wafee
Account number : 102.101.23005
Dutch-Bangla Bank Ltd.
GEC Branch
Chattogram.

# 12. Write a letter to the Manager of a bank requesting for a loan for setting up an SME: industry. <br> [Janata Bank EO - 2017] 

01 September 2018
The Manager
Janata Bank Ltd.
Khatunganj
Chattogram.
Subject: Application for a loan for setting up an SME industry.
Sir,
With due respect, I am a current account holder of your branch for more than five years. I have a good record of transactions with your bank. Now I am trying to set up an SME industry. The industry will be a printing press. To set up this industry, a loan of 10 lac is required for the purposes of buying different instruments of printing press. I have enclosed my bank statement, Land papers \& other necessary document with this loan application.

Therefore, I pray \& hope that you would be kind enough to sanction the loan \& oblige thereby.

Sincerely yours
(-------------------------------------
Mohammad Mostofa Rashed

Enclosures:
$\square$ Solvency Certificate
$\square$ Bank Statement
$\square$ Land Papers' Photocopy
$\square$ Trade License
$\square$ NID Card Photocopy
13. You are planning to set up a food processing industry in Rangamati area. Write a letter to the manager of a bank highlighting the feasibility of the project $\&$ requesting him to finance it.|Janata Bank EO - 2018]

01 December 2018
The Manager
Janata Bank Ltd.
Rangamati Sadar

## वইইঘ়.কম

Rangamati.
Subject: Application for a loan for setting up a food processing industry.
Sir,
With due respect, I am a current account holder of your branch for more than five years. I have a good record of transactions with your bank. Now, I am trying to set up a food processing industry. I have 15 year of practical experience of working in a multinational beverage \& food processing industry. From my experience, I think it is the perfect time to initiate a food processing industry in this area. To set up this industry, a loan of 20 lac is required for the purposes of buying different instruments for this industry. I have enclosed my bank statement, Land papers \& other necessary document with this loan application.

Therefore, I pray \& hope that you would be kind enough to sanction the loan \& oblige thereby.

Sincerely yours


Mehede Ashraf Hossain

Enclosures:
$\square$ Solvency Certificate
$\square$ Bank Statement
$\square$ Land Papers' Photocopy
$\square$ Trade LicenseNID Card Photocopy

# ১৪। মনে করুন আপনি একটি তফসিলি ব্যাংকে অফিসার পদে কর্মরত। বাংলাদেশ সরকারের বর্তমান মুদ্রানীতির পরিপ্রেক্ষিতে কর্তৃপক্ষের আদেশক্রমে আপনার ব্যাংকের করণীয় নির্ধারণ করে বিভিন্ন শাখা প্রধানদের নিকট প্রেরণের জন্য একটি পত্রের খসড়া প্রস্তুত করুন। <br> [Combined 5 Bank Officer - 2018] 

স্মারক নম্বরঃ সোনালী/এইচও/২০১৮/১১১
তারিখঃ ০১ সেপ্টেম্বর ২০১৮
ব্যবস্থাপনা পরিচালক
সোনালী ব্যাংক লিমিটেড
প্রধান কার্যালয়
মতিঝিল, ঢাকা।
বিষয়ঃ বাংলাদেশ সরকারের মুদ্রানীতি ২০১৮-১৯ এর পরিপ্রেক্ষিতে ব্যাংকের করণীয় নির্ধারণ করে বিভিন্ন শাখা -প্রধানদের নিকট প্রেরণের জন্য একটি পত্রের খসড়া প্রস্তুত প্রসন্গ।

জনাব,
যথাবিহীত সম্মানপূর্বক বিনীত নিবেদন এই, আপনার নির্দেশক্রুমে (স্মারক নম্বরঃ সোনালী/এইচও/২০১৮/১০১) বাংলাদেশ সরকারের বর্তমান মুদ্রানীতি ২০১৮-১৯ এর প্রেক্ষিতে ব্যাংকের করণীয় নির্ধারণ করে বিভিন্ন শাখা প্রধানদের নিকট প্রেরণের জন্য নিম্নোত্ত খসড়াটি প্রস্তুত করেছি। মহোদয়ের পর্যালোচনার জন্য খসড়া পত্রটি পেশ করলাম।

অতএব, মহোদয়ের নিকট প্রার্থনা এই যে খসড়াটি পর্যালোচনা করে আমাকে বাধিত করবেন।
বিনীত নিবেদক -
(-------------------)
মুহাম্মদ হুমায়ুন কবির
অফিসার (আইডি- ৩১৩৩)
সোনালী ব্যাংক লিমিটেড
প্রধান কার্যালয়
মতিঝিল, ঢাকা।

স্মারক নম্বরঃ
তারিখঃ

সকল শাখা প্রধান
সোনালী ব্যাংক লিমিটেড।
বিষয়ঃ বাংলাদেশ সরকারের মুদ্রানীতি ২০১৮-১৯ এর পরিপ্রেক্ষিতে ব্যাংকের করণীয় প্রসন্গ।

জনাব,
আপনারা ইতিমধ্যে অবগত হয়েছেন যে বাংলাদেশ ব্যাংকের মাননীয় গভর্নর মহোদয় ২০১৮-১৯ অর্থ বছরের প্রথম প্রান্তিকের মুদ্রানীতি ঘোষণা করেছেন।/ঘোষিত মুদ্রানীতিতে বেসরকারি খাতে ঋণের লক্ষ্যমাত্রা আগের মতোই ১৬.৮\% রাখার কথা বলা হয়েছে। এমতাবস্থায় ঋণ প্রদানের বেলায় আমাদের সংযমী হতে হবে। তাছাড়া নির্বাচনি বছর হওয়ায় বিনিয়োগকৃত ঋণ যেন নির্বাচনি কাজে ব্যবহৃত হতে না পারে, সেজন্য ঋণ প্রদানের ক্ষেত্রে পর্যাপ্ত যাচাই-বাছাইয়ের জন্য সকল শাখা প্রধানকে নির্দেশ দেওয়া গেলো।

এছাড়াও খেলাপি ঋণ কমিয়ে পরিচালন ব্যয় কমানোর কথা বলেছেন মাননীয় গভর্নর মহোদয়। সে লক্ষ্যে কর্মতৎপরতা আরো জোরদার করার তাগিদ দেওয়া গেলো।

নিবেদক-


$$
2+1 \text { पस प्रा स । }
$$

মুহাম্দদ ওবায়েদ উল্লাহ আল মাসুদ
সিইও এবং ব্যবস্থাপনা পরিচালক সোনালী ব্যাংক লিমিটেড

# ১৫। ‘শেয়ার বাজার ও ব্যাংকিং ব্যবস্থার মধ্যে ভারসাম্যমূলক সম্পর্ক কাম্য’- এই শিরোনারে সংবাদপত্রে প্রকাশের জন্য একটি প্রতিবেদন প্রস্তুত করুন। [Sonali Bank SO - 2018] 

০১ সেপ্টেম্বর ২০১৮

সম্পাদক
দৈনিক প্রথম আলো
কারওয়ান বাজার, ঢাকা।

জনাব,
আপনার বহুল প্রচারিত দৈনিক "প্রথম আলো" পত্রিকায় "শেয়ার বাজার ও ব্যাংকিং ব্যবস্থার মধ্যে ভারসাম্যমূলক সম্পর্ক কাম্য"' শীর্ষক প্রতিবেদনটি প্রকাশ করলে কৃতজ্ঞ থাকবো।

বিনীত-
হাসনা আখতার হাসি
বড়পুল, হালিশহর, চট্টগ্রাম

## ल্লেয়ার বাজার ও ব্যাংকিং ব্যবস্থার মধ্যে ভারসাম্যম্ললক সম্পর্ক কাম্য

দেশের অর্থনীতিতে শেয়ার বাজার ও ব্যাংকিং ব্যবস্থা দুটিই গুরুতৃপূর ও অবিচ্ছেদ্য অংশ। দেশের অর্থনীতির বিকাশ্শে এই দুটি খাতের অবদান অনস্বীকার্য। আবার এই দুটি খাত পরস্পরের সাথে সম্পর্কিত। সাম্প্রতিককালে শেয়ার বাজারে যে শেয়ার বাজারে যে অস্থিতিশীল অবস্থার সৃষ্টি হয়েছে, তাতে ব্যাংকগুলোর দায় দেখছেন বিশেষজ্ঞরা। ব্যাংকগুলো তাদের শেয়ারসমূহের কৃত্রিম সংকট তৈরি করে শেয়ার মূল্য অস্বাভাবিক পর্যায়ে বাড়িয়ে নেয়। এর প্রভাবে পরবর্তীতে ঘটে অস্বাভাবিক দরপতন। এছাড়া শেয়ার বাজারের বড় বড় সব কেলেংকারির হোতারা অনেক সময় ব্যাংকগুলোর আনুকূল্য পায় যাতে তারা আরো বেশি তৎপর হয়ে উঠে। পুঁজি হারিয়ে সাধারণ শেয়ার হোল্ডাররা পথে বসে এবং এর প্রভাব পড়ে সামগ্রিক সমাজ ব্যবস্থায়। তাই ব্যাংকিং ব্যবস্থার সাথে সংশ্মিষ্টদের উচিত শেয়ার বাজারে স্থিতিশীলতা আনায়নে কার্যকরত ভূমিকা রাখা। এতে ব্যাংকিং ব্যবস্থাও লাভবান হবে। তাই শেয়ার বাজার ও ব্যাংকিং ব্যবস্থার মধ্যে ভারসাম্যমূলক সম্পর্ক বজায় থাকাটাই একান্ত কাম্য।

হাসনা আখতার হাসি
বড়পুল, হালিশহর, চট্টগ্রাম

# ১৬। আপনার এলাকায় পাবলিক লাইর্রেরি স্ছাপনের প্রয়োজনীয়ততার কথা জানিয়ে সংস্কৃতি মন্ত্রণালয়ের সচ্বেরে কাছে একটি আবেদনপত্র লিখুন। [Sonali Bank Officer (Cash) - 2018] 

৩১ আগস্ট ২০১৮
মাননীয় সচিব
সংস্কৃতি মন্ত্রণালয়
বাংলাদেশ সচিবালয়, ঢাকা।
বিষয়ঃ পাবলিক লাইব্রেরি স্থাপনের জন্য আবেদন।
মহোদয়,
বইইঘ়..কম
যথাবিহীত সম্মানপূর্বক বিনীত নিবেদন এই, আমি চট্টগ্রাম জেলার পটিয়া উপজেলার আশিয়া গ্রামের একজন স্থায়ী বাসিন্দা হ্রই। সারাদেশের মতো ১০ হাজার অধিবাসীর এই গ্রাম্মে শিক্ষিত মানুষের হার দ্রুত বৃদ্ধি পাচ্ছে। ছেলে মেয়েরা দলবেঁধে স্কুলে যাচ্ছে। কিন্তু তাদের পাঠচর্চার জন্য কোন লাইব্রেরি এই এলাকায় নেই। একটি লাইব্রেরিতে থাকা অসংখ্য বইয়ের সান্নিধ্যে তারা নিজেদের আলোকিত নাগরিক হিসেবে গড়ে তুলতে পারবে যা এককভাবে কিনে বেশিরভাগের পক্ষেই সম্ভব নয়। তাই একটি পাবলিকক লাইর্রেরি এখানে স্থাপিত হলে জ্ঞানের আলোয় পুরো এলাকা আলোকিত হবার সুযোগ পেতো।

অতএব, মহোদয়ের নিকট প্রার্থনা এই যে এই এলাকায় একটি পাবলিক লাইব্রেরি স্ছাপনের জন্য প্রয়োজনীয় ব্যবস্থা গ্রহণ করলেে এই এলাকাবাসী আপনার নিকট চিরকৃতজ্ঞ থাকবো।

নিবেদক-
তাসফিয়া মমতাজ
আশিয়া গ্রামবাসীর পক্ষে
আশিয়া, পটিয়া, চট্টগ্রাম-৪৩৭০।

১৭। মনে করুন আপনি রূপালী ব্যাংকের একজন কর্মকর্তা। আপনার শাখা প্রধানের নির্দেশক্রুমে ক্রেডিট কার্ড ও এটিএম কার্ড বিষয়ে ব্যাংকের গ্রাহকদের সচেতনতামূলক একটি পত্র প্রেরণের খসড়া প্রস্তুত করুন্ন।Rupali Bank Officer (Cash) - 2018]

স্মারক নম্বরঃ রূপালী/খাতুনগঞ্জ/২০১৮/১৫১
তারিখঃ ০১ সেপ্টেম্বর ২০১৮

ম্যানেজার
রূপালী ব্যাংক লিমিটেড
খাতুনগঞ্জ শাখা
চট্টগ্রাম।
বিষয়ঃ ক্রেডিট কার্ড ও এটিএম কার্ড বিষয়ে ব্যাংকের গ্রাহকদের সচেতনতামূলক একটি পত্র প্রেরণের খসড়া প্রস্তুত প্রসঙ্গ।

জনাব,
যথাবিহীত সম্মানপূর্বক বিনীত নিবেদন এই, আপনার নির্দেশক্রুমে (স্মারক নম্বরঃ রূপালী/খাতুনগঞ্জ/২০১৮/১৪২) ক্রেডিট কার্ড ও এটিএম কার্ড বিষয়ে ব্যাংকের গ্রাহকদের সচেতন করার লক্ষ্যে নিকট প্রেরণের জন্য নিম্নোত্ত খসড়াটি প্রস্তুত করেছি। মহোদয়ের পর্যালোচনার জন্য খসড়া পত্রটি পেশ করলাম।

অতএব, মহোদয়ের নিকট প্রার্থনা এই যে খসড়াটি পর্যালোচনা করে আমাকে বাধিত করবেন।

বিনীত নিবেদক
(--------------------)
ইউসুফ আল মেহেদী
অফিসার (আইডি-৩১০০)
রূপালী ব্যাংক লিমিটেড
খাতুনগঞ্জ শাখা
চট্টগ্রাম।

স্মারক নম্বরঃ
তারিখঃ
সকল সম্মানিত গ্রাহক
রূপালী ব্যাংক লিমিটেড
খাতুনগঞ্জ শাখা
চট্টগ্রাম।
বিষয়ঃ ক্রেডিট কার্ড ও এটিএম কার্ড বিষয়ে ব্যাংকের গ্রাহকদের সচেতনতা প্রসন্গ।
জনাব/বেগম,
সাম্প্রতিককালে বিভিন্ন ব্যাংকের ক্রেডিট কার্ড ও এটিএম কার্ডের পিন জালিয়াতির মাধ্যমে অনেক অর্থ হাতিয়ে নিচ্ছে জালিয়াতচক্র। আমাদের শাখার ৮০\% গ্রাহক ক্রেডিট কার্ড ও এটিএম কার্ড ব্যবহার করেন বিধায় তাদেরও সচেতন হওয়া জরুরি। জালিয়াতি রোধে নিম্নোক্ত পরামর্শসমূহ অনুসরণ করার জন্য সকল গ্রাহককে অনুরোধ করা গেলোঃ

ই ইন্টারনেট ব্যাংকিং, ডেবিট কার্ড ও ক্রেডিট কার্ডের পাসওয়ার্ড কাউকে না জানাবেন না।

- ইন্টারনেট ব্যাংকিংয়ে সতর্কতার সাথে লেনদেন করুন।
$\square$ অযাচিত মেইল বা স্প্যাম্মে প্রতি অহেতুক কৌতুহল না দেখাবেন না।
- কার্ড হারিয়ে গেলে বা চুরি হয়ে গেলে সাথে সাথে সংশ্মিষ্ট শাখার সাথে যোগাযোগ করুন।
- নিয়মিত কার্ডের পিন নম্বর পরিবর্তন করুন।

এছাড়া কার্ড সংক্রনন্ত যেকোন প্রয়োজনে শাখার সংশ্মিষ্ট কর্মকর্তার সাথে যোগাযোগ করার অনুরোধ রইলো। আপনাদের সেবায় আমরা সদা প্রস্তুত।

নিবেদক-
(---------)
আবদুল্লাহ আল মাসুদ
ম্যানেজার
রূপালী ব্যাংক লিমিটেড
খাতুনগঞ্জ শাখা
চট্টগ্রাম।

# ১৮-। আপনার এলাকায় সোনালী ব্যাংকের একটি শাখা স্ইাপনের জন্য ব্যবঙ্ছাপনা পরিচালকের বরাবর একটি আবেদনপজ্র লিখুন। [Sonali Bank Officer - 2018] 

তারিখঃ ০১ সেপ্টেম্বর ২০১৮-
ব্যবস্থাপনা পরিচালক
সোনালী ব্যাংক লিমিটেড
প্রধান কার্যালয়
মতিঝিল, ঢাকা।
বিষয়ঃ সোনালী ব্যাংকের একটি শাখা স্থাপনের জন্য আবেদন।
জনাব,
সবিনয় নিবেদন এই যে আমি চটগ্রাম জেলার পটিয়া উপজেলার আশিয়া ইউনিয়নের বাসিন্দা হই। এই এলাকার নয়াহাট বাজারটিতে প্রায় ১,০০০ দোকানপাট রয়েছে। আবার পার্শ্ববর্তী দুই ইউনিয়নসহ প্রায় 8 লাখ মানুষের দৈনিক প্রায় ৩ কোটি টাকার আর্থিক লেনদেন ঘটে এখানে। এই এলাকায় প্রচুর প্রবাসীও রয়েছে যারা নিয়মিতই দেশে রেমিট্যান্স প্রেরণ করেন। অথচ এখানে কোন ব্যংকের শাখা না থাকায় পুরো এলাকার বাসিন্দারা ব্যাংকিং ব্যবস্থার বাইরে রয়ে যাচ্ছে। আবার আশিয়া ইউনিয়নটি পটিয়া উপজেলার সর্বদক্ষিণের ইউনিয়ন হওয়ায় সোনালী ব্যাংকের পটিয়া উপজেলা শাখায় এই এলাকার বাসিন্দাদের যেতে হয় যা অনেক দূরে অবস্থিত। তাই এখানে সোনালী ব্যাংকের একটি শাখা স্ছাপন করলে এলাকাবাসীর অনেক উপকার হতো এবং ব্যাংকও আর্থিকভাবে লাভবান হতো।

অতএব, মহোদয়ের নিকট বিনীত প্রার্থনা এই যে আশিয়া ইউনিয়নের নয়াহাট বাজারে সোনালী ব্যাংকের একটি শাখা স্থাপন করলে এলাকাবাসী আপনার নিকট চিরকৃতজ্ঞ থাকবে।

নিবেদক-
মুহাম্মদ বখতিয়ার উদ্দিন
আশিয়া ইউনিয়নবাসীর পক্ষে
আশিয়া, পটিয়া, চট্টগ্রাম-৪৩৭০।

# ১৯।‘রোহিঙ্গাদের মিয়ানমারে দ্রুত প্রত্যাবর্তনে বাইলাদেশের কৌশলগত অবস্থান’শীর্ষক শিরোনাম্রে ৫০০ 

## শব্দের একটি প্রতিবেদন রচনা করুন।｜Sonali Bank Officer－2018］

## রোহিঙ্গাদের মিয়ানমারে দ্রুত প্রত্যাবর্তনে বাংলাদেশের কৌশলগত অবস্থান

নিজস্ব প্রতিবেদক，ঢাকা，০১ মার্চ ২০১৯
হাজার বছর ধরে মিয়ানমরে বসবাস করে আসা রোহিঙ্গারা জাতিগত নিপীড়নের শিকার হয় ২০১৭ সালের মাঝামাঝি থেকে। সেদেশের সেনাবাহিনী ও জাতিগত রাখাইনরা গনহত্যা চালায় রোহিন্গাদের উপর। UNHCR সহ বিভিন্ন আন্তর্জাতিক সংস্থার মতে，এতে প্রাণ হারায় প্রায় ৬，৭০০ রোহিহ্া এবং শরনার্থী হিসেবে প্রতিবেশী বাংলাদেশে আশ্রয় নেয় প্রায় ৬，৫০，০০০ রোহিহা। এর প্রভাব পড়ে সমগ্র বাংলাদেশে।

জনবহুল আমাদের এই বাংলাদেশ শত সীমাবদ্ধতা স্বত্তেও মানবিক দিককে সর্বাধিক বিবেচনায় নিয়ে রোহিন্গাদের মিয়ানমারে দ্রুত প্রত্যাবর্তনের লক্ষ্যে কৌশলগত অবস্থান নিয়েছে। বাংলাদেশ সরকারের গৃহীত পদক্ষেপ তথা কৌশলসমূহ হনোঃ
$\square$ রোহিগাদের অনুপ্রবেশ শুরু হলে বাংলাদেশ সরকার দ্রুততার সাথে গঠন করে রোহিন্গা সেল যা সার্বিক পরিস্থিতি ও আইনশৃঙ্খলা পর্যবেক্ষণের মতো গুরু দায়িত্ব পালন করে।
－এরপর রোহিঙ্গা শরনার্থীদের বায়োমেট্রিক রেজিস্ট্রেশন করানো হয় যাতে মিয়ানমার সরকার তাদের ফেরত নিতে অস্বীকার করতে না পারে।
$\square$ জাতিসংঘের সাধারণ পরিষদে বাংলাদেশের মাননীয় প্রধানমন্ত্রী শেখ হাসিনা নিম্নোক্ত ৫ দফা প্রস্তাব পেশ করেন যা মূলত রোহিঙ্গাদের মিয়ানমারে প্রত্যাবর্তনকে কেন্দ্র করেঃ
－অনতিবিলম্বে স্ᅱায়ীভাবে মিয়ানমারে সহিংসতা বন্ধ করা；
－মিয়ানমারে জাতিসংঘের অনুসন্ধানী দল পাঠানো；
－মিয়ানমারের অভ্যন্তরে জাতিসংঘের তত্ত্বাবধানে সেফজোন গড়ে তোলা；
－মিয়ানমারে রোহিহাদের টেকসই প্রত্যাবর্তন নিচ্চিত করা এবং
－কফি আনান কমিশনের ৮৮－দফা সুপারিশের পূর্ণাঙ্গ বাস্তবায়ন।
－বাংলাদেশ মিয়ানমারের সাথে দুটি চুক্তিতে স্বাক্ষর করে রোহিগাদের প্রত্যাবর্তনের বিষয়টি গুরুত্ব দিয়ে।
－আন্তর্জাতিক অপরাধ আদালত（ICC）জাতিগত নিধনের অপরাধে মিয়ানমারের বিরুদ্ধে মামলার উদ্যোগ নিলে বাংলাদেশ তাতে সম্মতি দেয়।
－বিশ্ব মিডিয়া ও এনজিওসমূহকে রোহিহা শিবির পরিদর্শনের ব্যবস্থা করে দেয় বাংলাদেশ সরকার যাতে পুরো বিশ্ব রোহিন্গা সমস্যার বাস্তব অবস্থা বুঝতে পারে।

- তুরস্ক, সৌদি আরব, মালয়েশিয়াসহ মুসলিম দেশসমূহ এবং যুক্তরাষ্ট্রের সমর্থন পায় বাংলাদেশ এই ইস্যুতে। এছাড়া প্রতিবেশী ভারতের কাছেও এ সংক্রান্ত চিত্র তুলে ধরেছে বাংলাদেশ।

রোহিন্গাদের প্রত্যাবর্তনের লক্ষ্যে বাংলাদেশের কৌশলগত অবস্থান নিঃসন্দেহে প্রশংসনীয়। সংশ্মিষ্টরা আশা করছেন রোহিঙারা একদিন নিজেদের ভূমিতে ফিরে যাবে পূর্ণ নিরাপত্তায় আর মনে রাখবে বাংলাদেশের আজকের অবদান।

> ২০। কর্পোরেট সোশ্যাল রেসপনসিবিলিটি কার্যক্রেমের আওতায় নতুন আর কী কী খাত যুক্ত হতে পারে সেই বিষয়ে প্রস্টাব প্রণয়নের জন্য আপনাকে দায়িত্ দেওয়া হলো। এ বিষয়ে একটি প্রস্টাব তৈরি করে ঊর্ধ্বতন কর্তৃপক্ষকে একটি প্রস্টাবনাপত্র লিখুন। |Agrani Bank Officer (Cash) - 2018]

সাারক নম্বরঃ অগ্রণী/লালদিঘী/২০১৮/১১১
তারিখঃ ০১ সেপ্টেম্বর ২০১৮-
वইইঘ়.কম
ব্যবস্থাপনা পরিচালক
অগ্রণী ব্যাংক লিমিটেড
প্রধান কার্যালয়
মতিঝিল, ঢাকা।
বিষয়ঃ কর্পোরেট সোশ্যাল রেসপনসিবিলিটি কার্যক্রমের আওতায় নতুন খাত যুক্তকরণ বিষয়ে প্রস্তাবনা।
জনাব,
যথাবিহীত সম্মানপূর্বক বিনীত নিবেদন এই, করপোরেট সোশ্যাল রেসপনসিবিলিটি (সিএসআর) কার্যক্রুমে আমাদের ব্যাংকের অংশগ্রহণ নিঃসন্দেহে প্রশংসনীয়। গত বছর সিএসআর কার্যক্রমে আমাদের ব্যাংক ব্যয় করেছে ৫ কোটি ৭১ লাখ টাকা। এরই ধারাবাহিকতায় আপনার নির্দেশক্রমে (স্মারক নম্বরঃ অগ্রণী/এইচও/২০১৮/১০১) কর্পোরেট সোশ্যাল রেসপনসিবিলিটি কার্যক্রমের আওতায় নতুন যেসব খাত যুক্ত করা যেতে পারে সেগুলো হলোঃ
$\square$ বয়স্ক শিক্ষা কার্যক্রমে আর্থিক সহায়তা
$\square$ স্কুলের শিক্ষার্থীদের মিড-ডে মিলে আর্থিক সহায়তা
$\square$ নারীদের জন্য বিনামূল্যে প্রশিক্ষণ কেন্দ্র গড়ে তোলার জন্য আর্থিক সহায়তা
$\square$ মাদক-বিরোধী সচেতনতা সৃষ্টির কার্যক্রমে আর্থিক সহায়তা
■ ছিন্মমূল শিও্ডদের জন্য শিক্ষা ব্যবস্থা করা ইত্যাদি।

অতএব, মহোদয়ের কাছে প্রার্থনা করপোরেট সোশ্যাল রেসপনসিবিলিটি কার্যক্রমে উপরোক্ত প্রস্তাবনাসমূহ যুক্ত করার প্রস্তাব করছি।

বিনীত নিবেদক -
(---------------------)
তৌহিদুজ্জামান সোহেল
ব্যবস্থাপক
অগ্রণী ব্যাংক লিমিটেড
লালদিঘী শাখা
চটগ্রাম।

২১। আপনার প্রতিষ্ঠানের আনুষাগিক খাত থেকে ক্রয়েযোগ্য মালামালের একটি তালিকা তৈরি করে তা ক্রহয়ের প্রয়োজনীয় ব্যবস্থা গ্রহণের জন্য কর্তৃপক্ষ সমীপে একটি পত্র লিখুন।
[BKB Officer (Cash) - 2018]

স্মারক নম্বরঃ এক্সিম/সিডিএ/২০১৮/১৩৩
তারিখঃ ০১ সেপ্টেম্বর ২০১৮
বিভাগীয় প্রধান
জেনারেল সার্ভিস ডিভিশন
এক্সিম ব্যাংক লিমিটেড
প্রধান কার্যালয়
মতিঝিল, ঢাকা।
বিষয়ঃ সিডিএ শাখার জন্য প্রয়োজনীয় মালামাল ক্রয় প্রসন্গ।

জনাব,
বিনীত নিবেদন এই যে আমাদের শাখায় নতুন একটি ফ্রোর সম্প্রসারণের ফলে শাখায় আরো কিছু
মালামাল প্রয়োজন। নিচে সেসব মালামালের তালিকা দেওয়া হলোঃ

| মালামাল | সংখ্যা |
| :---: | :---: |
| ডেস্ক টেবিল | ৫টি |
| অফিস চেয়ার | ১০টি |
| অফিস টেবিল | ২টি |
| সিলিং ফ্যান | ৩টি |
| স্ট্যান্ড ফ্যান | ২টি |
| সোফা (৫ জন) | ১ সেট |
| টি টেবিল | ১টি |
| 小েলফ | ২টি |
| ফাইল কেবিনেট | ২টি |

অতএব, মহোদয়ের নিকট প্রা্থনা এই যে উপরে উল্লেখিত মালামালসমূহ ক্রয়ের জন্য প্রয়োজনীয় ব্যবস্থা গ্রহণ করে আমাকে বাধিত করবেন।

বিনীত নিবেদক -
(--------------------)
এ এস এম মনোয়ার হুসাইন
রিলেশনশীীপ ম্যানেজার
এক্সিম ব্যাংক লিমিটেড
সিডিএ শাখা
চট্টগ্রাম।
२२। আপনি বিদ্কে উষ্চশিক্ষ--ঋণ গ্রহণে আগ্রহী। এ সম্পর্কিত প্রয়োজনীয় তথ্য ও ঋণ গ্রহণের
বৌক্কিকতা তুলে ধরে আপনার অফিস প্রধানের নিকট আবেদনপত্র লিখুন। [BDBL SO - 2018]
তারিখঃ ০১ সেপ্টেম্বর ২০১৮
ব্যবস্থাপনা পরিচালক
বাংলাদেশ ডেভেলপমেন্ট ব্যাংক লিমিটেড
চট্টগ্রাম শাখা
চট্টগ্রাম।
বিষয়ঃ বিদেশে উচ্চ শিক্ষা গ্রহণের জন্য শিক্ষা-ঋণের আবেদন।

জনাব,
যথাবিহীত সম্মানপূর্বক বিনীত নিবেদন এই, আমি অত্র ব্যাংকে ২৬ ডিসেম্বর ২০১৫ তারিখ হতে কর্মরত আছি। সম্প্রতি আমাদের আবেদনের প্রেক্ষিতে যুক্তরাষ্ট্রের প্রিস্টন ইউনিভার্সিটি আমাকে উচ্চ শিক্ষা গ্রহণের আমন্ত্রণ জানায়। উচ্চ শিক্ষা গ্রহণের জন্য যুক্তরাষ্ট্রে গমণ ও শিক্ষা কার্যক্রম অব্যাহত রাখতে আমার প্রায় ২০ লাখ টাকা প্রয়োজন। তাই আমাদের ব্যাংকে উচ্চ শিক্ষা-ঋণ গ্ৰহণের যে সুবিধা রয়েছে তার আলোকে ২০ লাখ টাকা ঋণের জন্য আবেদন করছি। আবেদনের স্বপক্ষে প্রয়োজনীয় কাগজপত্র আবেদনপত্রের সাথে সংযুক্ত করা হলো।

অতএব, মহোদয়ের নিকট প্রার্থনা এই যে আমাকে উক্ত শিক্ষা-ঋণ প্রদান করে উচ্চ শিক্ষা গ্রহণের সুযোগ দানে বাধিত করবেন।

বিনীত নিবেদক -
(-------------------)
বিধান দেব
সিনিয়র অফিসার (আইডি- ৪৩৪৩)
বাংলাদেশ ডেভেলপমেন্ট ব্যাংক লিমিটেড
চট্টগ্রাম শাখা
চট্টগ্রাম।

## সংয়

$\square$ স্কলারশীপের আমন্ত্রণপত্রের ফটোকপি
$\square$ অফিসের পরিচয়পত্রের ফটোকপি
$\square$ জাতীয় পরিচয়পত্রের ফটোকপি
$\square$ জামানতদারের জাতীয় পরিচয়পত্রের ফটোকপি

# ২৩। বাংলাদেশ ব্যাংকের একজন কর্মকর্তা হিসেবে আপনার উর্ধ্বতন কর্তৃপক্ষের নির্দেশক্রুমে ‘এজেন্ট ব্যাংকিং’ বিষয়ে একটি প্রতিবেদন প্রস্তুত করুন। [Bangladesh Bank Officer - 2018] 

স্মারক নম্বরঃ বিবি/এইচও/২০১৮/৪৩২
তারিখঃ ০১ সেপ্টেম্বর ২০১৮-
সহকারী ব্যবস্থাপনা পরিচালক
বাংলাদেশ ব্যাংক
প্রধান কার্যালয়
মতিঝিল, ঢাকা।
বিষয়ঃ ‘এজেন্ট ব্যাংকিং’ বিষয়ে প্রতিবেদন প্রস্তুত প্রসন্গ।
জনাব,
যথাবিহীত সম্মানপূর্বক বিনীত নিবেদন এই, আপনার নির্দেশক্রমে (স্মারক নম্বরঃ বিবি/এইচও/২০১৮/৪২৫) ‘এজেন্ট ব্যাংকিং’ বিষয়ে নিম্নোক্ত প্রতিবেদনটি প্রস্তুত করেছি। মহোদয়ের পর্যালোচনার জন্য প্রতিবেদনটি পেশ করলাম।

অতএব, মহোদয়ের নিকট প্রার্থনা এই যে প্রতিবেদনটি পর্যালোচনা করে আমাকে বাধিত করবেন।
বিনীত নিবেদক -
(--------------------)
ইউসুফ আল মেহেদী
অফিসার (আইডি- ৫৪8৫)
বাংলাদেশ ব্যাংক
প্রধান কার্যালয়
মতিঝিল, ঢাকা।

## এজেন্ট ব্যাংকিং

রাষ্ট্রায়ত্ত ব্যাংকসহ বেসরকারি ব্যাংকগুলো যেখানে তাদের শাখাগুলো চালাতে হিমশিম খাচ্ছে সেখানে জনপ্রিয় হচ্ছে এজেন্ট ব্যাংকিং। কারণ, এজেন্ট ব্যাংকিং এ ব্যাংকগুনোর তেমন খরচ নেই। সেক্ষেত্রে ব্যাংকের এজেন্টকেই সব খরচ বহন করতে হয়। এজন্য এজেন্ট ব্যাংকিং দ্রুত জনপ্রিয়তা পাচ্ছে। এজেন্ট ব্যাংকিং অরুর পরে অল্প সময়েই এজেন্ট ব্যাংকিংয়ে গ্রাহক সংখ্যা দাঁড়িয়েছে প্রায় ১৫ লাখ।

থেখানে ব্যাংকের শাখা নেই ওইসব এলাকার ব্যাংকিং সুবিধা বঞ্ধিতদের ব্যাংকিং সেবার আওতায় আনতে চালু হয় এজেন্ট ব্যাংকিং। এজন্য গ্রাহককে বাড়তি কোনো চার্জও পরিশোধ করতে হয় না। ব্যাংকের ডেবিট কার্ডও ব্যবহারের সুভ্যাপ পাচ্ছেন। ফলে ব্যাংকিং ধারায় যুক্ত হওয়া নতুন এ মাধ্যমে প্রতিনিয়ত বাড়ছে গ্রাহক সংখ্য।। বাড়ছে লেনদদনের পরিমাণও।

বাংলাদদেশ ব্যাংকের আর্থিক অন্তর্ভুক্তি বিতাগের সর্বশেষ (মার্চ ২০১৮ পর্যন্ত) হিসাবে দেখা গেছে, এজেন্ট ব্যাংকিং আউটলেটের মাধ্যমে বিভিন্ন ব্যাংকের $১ 8$ লাখ ৬ট হাজার ৭৯৭ জন গ্রাহক অ্যাকাউন্ট খুলেছেন। আর এজেন্ট ব্যাংকিং অ্যাকাউন্টে মোট ছিতির পরিমাণ দাঁড়িয়েছে এক হাজার ৬৩৪ কোটি ৩৬ লাখ টাকা। সে হিসাবে প্রতি অ্যাকাউট্টে গড়ে ১১ হাজার ১২৭ টাকা আছে। এজেন্ট ব্যাংকিংয়ের এজেন্টের সংখ্যা তিন হাজার ২১৬টি এবং যাদদর আউটলেট র্যেছে চার হাজার ৯০৫টি।

## वইঘत̣.কম

বাংলাদেশ ব্যাংকের তথ্য অনুযায়ী, এজেন্ট ব্যাংকিং অ্যাকাউন্টে মোট জমা হওয়া অর্থ্রের মধ্যে ডাচ-বাংলা ব্যাংকের স্থিতি সবচেয়ে বেশি। এছাড়া আউটলেটও বেশি ডাচ-বাংলার। সবদিক বিবেেনায় এ ব্যাংক এগিত্যে রয়েছে। এর পর্রে অবস্থানে আছে ব্যাংক এশিয়া। এজেন্ট ব্যাংকিংয়ের কার্यক্রম oরু হয় ব্যাংক এশিয়ার মাধ্যমে। তৃতীয় অবস্शানে আছে আল-আরাফাহ ইসলামী ব্যাংক। এখন পর্য্যন্ত ২০ি ব্যাংক এজেন্ট ব্যাংকিংয়ের লাইসেন্স নিয়েছে বাংলাদেশ ব্যাংক থেকে। কার্যক্রম চালাচ্ছে ১৬টি ব্যাংক।

এজেন্ট ব্যাংকিংক্যের আউটলেটের মাধ্যন্ ইনওয়ার্ড রেমিট্যান্স বিতরণে বড় ভূমিকা রাখছে। দুই হাজার ৬৭৪ কোটি টাকা রেমিট্যান্স গ্রহণ করেছেন গ্রাহকরা। এজেন্ট ব্যাংকিং়্য়র আউটলেটের মাধ্যমে ইনওয়ার্ড রেমিট্যান্স বিতরণণ এগিক্রে আছে ব্যাংক এশিয়া।

জানা গেছে, আর্থিক অন্তর্ভুক্তির লক্ষে্য সমাজের অবহেলিত জনগোষ্ঠী যারা ব্যাংকিং সেবা থেকে দূরে আছে তাদhরকে স্বম্প খরচে ব্যাংকিং সেবা দিতে প্রথমে চালু হয় মোবাইল ব্যাংকিং। এরপরেই একই উঢ্দে্যে এজেন্ট ব্যাংকিং সেবাও চালু করে বাংলাদ্দশ ব্যাংক। ২০১৩ সালের ৯ ডিসেম্বর এজেন্ট ব্যাংকিং নীতিমালা জারি করে বাংলাদেশ ব্যাংক। পরে ২০১৪ সালে ব্যাংক এশিয়া প্রথমম এ সেবা চালু করে। এজেট ব্যাংকিং হলো- সমবোতা স্মারকে চूক্তির বিপরীতে এজেন নিয়োগ দিয়ে ব্যাংকিং লেবা দেওয়া। কোন্নো ধরন্নে বাড়তি চার্জ ছাড়া এজেন্ট ব্যাংকিংল্যের মাধ্যমে প্রতনত্ত অঞ্চেলে লেবা দিচ্ছে ব্যাংকধেো। ২০১৩ সালের প্রথম নীতিমালায় প্রথম শ্যু পল্লী এলাকায় এজেন্ট ব্যাংকংংয়ের অনুমতি দেওয়া হলেও পরের বছর নীতিমালায় কিছুটা সংশোধন আনা হয়। সংশোধিত নীতিমালা অনুযায়ী বেখানে ব্যাংকের শাখা নেই এমন পৌর ও শহহ অঞ্চলেও এজেন্ট নিয়োগ দেওয়া যায়।

এজেন্ট ব্যাংকিংক্রের মাধ্যম্ প্রতিবারে সর্বোচ্চ ২৫ হাজার টাকা জমা অথবা উঠানো যায়। তবে অন্তম্মুখী রেমিট্যান্সের ক্ষেত্রে উত্তোননের এ সীমা প্রবোজ্য হবে না। দিনেে দু’বার জমা ও উন্তোলন করা যায়। প্ি এজেন্টকে অবশ্যই সংশ্মি্ট ব্যাংকের সজ্পে চলতি হিসাব থাকতে হয়। ওই হিসাবের সর্ব্বেচ্চ স্থিতি সীমা ১০ লাখ টাকা দেওয়া আছে।

এজেন্ট ব্যাংকিং এর মাধ্যমে নতুন ব্যাংক অ্যাকাউন্ট খোলা, অ্যাকাউন্টে টাকা জমা ও উত্তোলন, টাকা স্থানান্তর (দেশের ভিতর), রেমিট্যান্স উত্তোলন, বিভিন্ন মেয়াদি আমানত প্রকল্প চালু, ইউটিলিটি সার্ভিসের বিল পরিশোধ, বিভিম্ন প্রকার ঋণ উত্তোলন ও পরিশোধ এবং সামাজিক নিরাপত্তার আওতায় সরকারি সকল প্রকার ভর্তুকি গ্রহণ করা যায়। এজেন্টরা কোনো চেক বই বা ব্যাংক কার্ড ইস্যু করতে পারেন না। এজেন্টরা বিদেশি সংক্রান্ত কোনো লেনদেনও করতে পারেন না। এছাড়া এজেন্টদের কাছ থেকে কোনো চেকও ভাঙানো যায় না। এজেন্টরা মোট লেনদেনের ওপর কমিশন পেয়ে থাকেন।

২৪। হাউজিং খাতের ঋণকে আর৫ জনপ্রিয় করে তোলার জন্য আপনাকে দায়িত্ নেওয়া হলো। রিহ্যাব ও হাউজিং ফিন্যাল্স কোম্পানিগুজোর সক্গে যোগাযোগে আপনি কী কী কৌশল অবলম্বন করবেন তা জানিয়ে উর্ধ্বতন কর্তৃপক্ষকে একটি পত্র লিখুন। [BHBFC SO - 2017]

সারক নম্বরঃ বিএইচবিএফসি/এইচও/২০১৮/১১১
তারিখঃ ০১ সেপ্টেম্বর ২০১৮
মহাব্যবস্ছাপক
বাংলাদেশ হাউজ বিল্ডিং ফিন্যান্স কর্পোরেশন লিমিটেড
প্রধান কার্যালয়
২২,পুরানা পল্টন, ঢাকা।
বিষয়ঃ হাউজিং খাতের ঋণকে আরো জনপ্রিয় করে তুলতে প্রয়োজনীয় কৌশলসমূহ প্রসজ্গে।

জনাব,
যথাবিহীত সম্মানপূর্বক বিনীত নিবেদন এই, বাংলাদেশ হাউজ বিল্ডিং ফিন্যান্স কর্পোরেশন লিমিটেড হাউজিং খাতে ঋণ প্রদানের জন্য একটি স্বনামধন্য প্রতিষ্ঠান। হাউজিং খাতের ঋণকে আরো জনপ্রিয় করার লক্ষ্যে আপনার নির্দেশক্রুমে (স্মারক নম্বরঃ বিএচবিএফসি/এইচও/২০১৮/১০১) নিম্নলিখিত কৌশলগুলো অবলম্বন করবো বলে নির্ধারণ করেছিঃ

- রিহ্যাব আয়োজিত হাউজিং মেলাসমূহে আমাদের স্টল রেখে এই খাতের গ্রাহকদের আমাদের প্রতিষ্ঠানের ঋণদান পদ্ধতি সম্পর্কে অবগত করা;
$\square$ আমাদের প্যাকেজগুলো জানিয়ে দৈনিক পত্রিকা ও ইলেকট্টনিক মিডিয়ায় বিজ্ঞাপনের ব্যবস্থা করা;
- রিহ্যাবের কাছ থেকে হাউজিং গ্রাহকদের মোবাইল নাম্বার সংগ্রহ করে গ্রাহকদের এসএমএসের মাধ্যমে আমদের ঋণের সুযোগ-সুবিধা জানানো;
- বিভিন্ন রিয়েল এস্টেট কোম্পানির কাছে আমাদের নতুন প্যাকেজগুলো তুলে ধরা যাতে তারা তাদের গ্রাহকদের জানাতে পারে;
- ফেসবুক, টুইটারের মতো সামাজিক যোগাযোগ মাধ্যমে পেইজ, গ্রুপ খুলে গ্রাহকদের কাছেদ হাউজিং ঋণ সম্পর্কে অবহিত করা;
$\square$ হাউজিং ঋণ টপআপ ও টেকওভারের ক্ষেত্রে আমাদের পলিসি তুলে ধরা ইত্যাদি।
উপরোক্ত কৌশলসমূহ গ্রহণ করে হাউজিং ঋণকে আরো জনপ্রিয় করা যাবে বলে আমি বিশ্বাস করি।
বিনীত নিবেদক -
(---------------------
এ বি এম সোহরাওয়ার্দী হাসান
সিনিয়র অফিসার (আইডি- ২১১২)
বাংলাদেশ হাউজ বিন্ডিং ফিন্যান্স কর্পোরেশন লিমিটেড
প্রধান কার্যালয়
পুরানা পল্টন, ঢাকা।
২৫। গত কয়েক বছর আলু চাষীরা ক্রমাগততাবে ক্ষতির সমুমীী হয়ে কৃষিঋণ পরিণ্শোধে ব্যর্থ হচ্ছে। এই প্রেক্ষাপটে আলু চাষীদেরকে কৃষিঋণ বিতরণে নিরুৎসাহিত করার জন্য ব্যাইকের উর্ধ্বতন কর্তৃপক্ষের নিকট অনুমতি প্রার্থনা করে শাখা ব্যবস্ছাপক হিসেবে একটি পত্র লিখুন। [Janata Bank AEO (RC) - 2017]

স্মারক নম্বরঃ জনতা/চকবাজার/২০১৮/১৫০
তারিখঃ ০১ সেপ্টেম্বর ২০১৮
ব্যবস্থাপনা পরিচালক
জনতা ব্যাংক লিমিটেড
প্রধান কার্যালয়
২৬,দিলকুশা, ঢাকা।
বিষয়ঃ কৃষিঋণ বিতরণে নিরুৎসাহিত করার জন্য আবেদন।
জনাব,
যথাবিহীত সম্মানপূর্বক বিনীত নিবেদন এই যে বাংলাদেশ একটি কৃষি প্রধান দেশ। কৃষকদের সুবিধার্থে ব্যাংকসমূহ কৃষি ঋণ চালু রেখেছে। আলু চাষীদেরও কৃষি ঋণ দেওয়া হয়। কিন্তু গত দুই বছর যাবত লক্ষ্য

করা গেছে যে আলু চাষ্েে আশানুরুপ ফলন হচ্ছে না। ফলে কৃষকরা চাষাবাদে বিনিয়োগকৃত অর্থই তুলে আনতে পারছে না। ফলে তাদের মধ্যে বিতরণকৃত অধিকাংশ ঋণ খেলাপি হয়ে গেছে। এমতাবস্থায় নতুন করে তাদের কৃষি ঋণ দিলে তা খেলাপি হবার সম্ভাবনা বেশি।

অতএব, মহোদয়ের নিকট প্রার্থনা এই যে উপরোক্ত বিষয়াদি পর্যালোচনা করে আলু চাষীদের কৃষি ঋণ বিতরণে সতর্কতামূলক ব্যবস্থা গ্রহণ এবং কৃষি ঋণ প্রদানে নিরুৎসাহিত করার অনুমতি প্রদান করে আমাকে বাধিত করবেন।

বিনীত নিবেদক -
(---------------------
মোহাম্মদ নাইমুর রহমান
শাখা ব্যবস্থাপক
জনতা ব্যাংক লিমিটেড
চকবাজার শাখা
চট্টগ্রাম।
২৬। একজন ব্যাইক কর্মকর্তা হিসেবে বন্যায় ক্ষতিগ্রস্থ কৃষকদের পুনর্বাসনের নিমিত্তে ঋণ প্রদানের জন্য তইবিল চেট্যে আঞ্ণলিক মহাব্যবস্থাপকের নিকট আবেদনপত্র লিখুন। [RAKUB Officer - 2017]

স্মারক নম্বরঃ বিকেবি/নাজিরহাট/২০১৮/১১১
তারিখঃ ০১ সেপ্টেম্বর ২০১৮
আঞ্চলিক মহা ব্যবস্থাপক
বাংলাদেশ কৃষি ব্যাংক
আঞ্চলিক কার্যালয়
চট্টগ্রাম জোন, চট্টগ্রাম।
বিষয়ঃ বন্যায় ক্ষতিগ্রস্থ কৃষকদের পুনর্বাসনের নিমিত্তে ঋণ প্রদানের জন্য তহবিল চেয়ে আবেদন।
জনাব,
যথাবিহীত সম্মানপূর্বক বিনীত নিবেদন এই, গত আগস্ট মাসের বন্যায় নাজিরহাট এলাকাটি বেশ ক্তিগ্রস্থ হয়েছে। এতে এই এলাকার কৃষিজমি ও ফসলের ব্যাপক ক্ষয়ক্ষতি পরিলক্ষিত হয়েছে। ১ লাখ অধিবাসীর এই এলাকার প্রায় ৭০\% কৃষক তাদের চাষাবাদকৃত জমির ফসল হারিয়েছে বন্যার পানিতে তলিয়ে
www. Boighar.com

যাওয়ায়। এমতাবস্থায় তারা খুব মানবেতর জীবনযাপন করছেন। এলাকার কৃষকদের পুনর্বাসনের নিমিত্তে আমাদের ব্যাংক থেকে ঋণ প্রদানের জন্য কিছু অর্থ বরাদ্দ প্রার্থনা করছি।

অতএব, মহোদয়ের নিকট প্রার্থনা এই যে ক্ষতিগ্রস্থ কৃষকদের ঋণ প্রদানের জন্য প্রয়োজনীয় অর্থ বরাদ্দ দিয়ে আমাকে বাধিত করবেন।

বিনীত নিবেদক -
(--------------------)
রিয়াজুল মান্নান
শাখা ব্যবস্থাপক
বাংলাদেশ কৃষি ব্যাংক
নাজিরহাট শাখা
ফটিকছড়ি, চট্টগ্রাম।

# ২৭। আপনার এলাকায় বিদ্যুৎ সরবরাহের ব্যবস্থা করার জন্য সংপ্লিষ্ট কর্তৃপক্ষের নিকট আবেদনপত্র निখুन। |Combined 6 Bank Officer (Cash) - 2018] 

০১ ডিসেম্বর ২০১৮
প্রধান নির্বাহী প্রকৌশলী
বিদ্যুৎ উন্নয়ন বোর্ড
পটিয়া, চট্ট্রাম।
বিষয়ঃ বরলিয়া এলাকায় বিদ্যুৎ সরবরাহের ব্যবস্থা করার জন্য আবেদন।
জনাব,
বিনীত নিবেদন এই যে আমরা পটিয়া উপজেলার বরলিয়া ইউনিয়নের বাসিন্দা হই। বর্তমান সরকারের উন্নয়ন্নের ছোঁয়ায় সারাদেশ আলোকিত হলেও অন্ধকারে রয়ে গেছে আমাদের বরলিয়া ইউনিয়ন। দেশের অধিকাংশ স্থানে বিদ্যুৎ পৌঁছে গেলেও এই এলাকায় বিদ্যুৎ সংযোগ নেই। ফলে, শিক্ষাসহ সকল ক্ষেত্রে পিছিয়ে রয়েছে এই এলাকা। আমরা প্রযুক্তির সুফলও ভোগ করতে পারছি না বিদ্যুতের অভাবে। তাই, এই এলাকায় অতিসত্ত্বর বিদ্যুৎ সংযোগ প্রদান অতীব জরুরি।

অতএব, মহোদয়ের নিকট প্রার্থনা, বরলিয়া এলাকাকে বিদ্যুতের আওতাভুক্ত করে আলোকিত করার জন্য আপনার সদয় দৃষ্টি কামনা করছি।

নিবেদক -
মুহাম্মদ মোরশেদ আলম
বরলিয়া ইউনিয়নবাসীর পক্ষে।

## Notes

व
そ
घ
त

क
ম

## A28 Focus WRHING+

এই অংশে সর্বশেষ ব্যাংকের লিখিত পরীক্ষায় আসা Short Notes এর উক্তর এবং পরীক্ষায় কমন আসার মতো কিছু টপিক সহজভাবে লেখার চেষ্টা করা হর্যেছে।

वইघत̣.কম

## 1. Green Diplomacy [BB Officer 2018]

Green diplomacy is the special form of the classical diplomacy adapted to solve the universal environment problems. The prospects for 'green diplomacy' are pragmatic and plausible if science can be coupled with good leadership and resource incentives from the international community. South Asia has much potential for development and peace but the linkage between ecology and security will be essential in most efficiently and effectively realizing that potential.

## 2. Buy One Get One Free [BB Officer 2018]

"Buy one, get one free" is a common form of sales promotion. While not often presented to customers in acronym form, this marketing technique is universally known in the marketing industry by the acronyms BOGO, BOGOF, and BOGOHO (Buy one get one half off). Buy one, get one free promotions received some negative publicity in the UK, in 2014, and many retailers were told to scrap their 'Buy one, get one free' promotions. The rationale: it has been reported that every year 15 million tones of food are wasted in the UK alone, and supermarkets and retailers are being blamed for this because they are convincing customers to purchase buy one, get one free products.

## 3. MCQ Based Exam System [BB Officer 2018]

Multiple Choice Questions (MCQ) based exam system is a form of an objective assessment in which respondents are asked to select only correct answers out of the choices from a list. The multiple choice format is most frequently used in educational testing, in market research, and in elections, when a person chooses between multiple candidates, parties, or policies. Multiple choice items consist of a stem and several alternative answers, among which are the correct answer and one or more incorrect answers. The stem is the beginning part of the item that presents the item as a problem to be solved, a question asked of the respondent, or an incomplete statement to be completed, as well as any other relevant information. The options are the possible answers that the examinee can choose from, with the correct answer called the key and the incorrect answers called distracters. Only one answer can be keyed as correct.

## 4. Cyber Security [BB Officer 2018]

Cyber security refers to the body of technologies, processes, and practices designed to protect networks, devices, programs, and data from attack, damage, or unauthorized access. Cyber security may also be referred to as information technology security. Cyber security is important because government, military, corporate, financial, and medical
organizations collect, process, and store unprecedented amounts of data on computers and other devices. A significant portion of that data can be sensitive information, whether that be intellectual property, financial data, personal information, or other types of data for which unauthorized access or exposure could have negative consequences. Organizations transmit sensitive data across networks and to other devices in the course of doing businesses, and cyber security describes the discipline dedicated to protecting that information and the systems used to process or store it. Recently 1 billion US dollar heist from Bangladesh Bank \& Fraudulent in ATM booths of The City Bank has made the concern about cyber security.

## 5. New Development Bank [Bangladesh Bank Officer - 2015]

The New Development Bank (NDB), formerly referred to as the BRICS Development Bank, is a multilateral development bank established by the BRICS states (Brazil, Russia, India, China and South Africa). According to the Agreement on the NDB, "the Bank shall support public or private projects through loans, guarantees, equity participation and other financial instruments." Moreover, the NDB "shall cooperate with international organizations and other financial entities, and provide technical assistance for projects to be supported by the Bank." The initial authorized capital of the bank is $\$ 100$ bln divided into 1 mln shares having a par value of $\$ 100,000$ each. The initial subscribed capital of the NDB is $\$ 50$ bln divided into paid-in shares ( $\$ 10 \mathrm{bln}$ ) and callable shares ( $\$ 40 \mathrm{bln}$ ). The initial subscribed capital of the bank was equally distributed among the founding members. The Agreement on the NDB specifies that the voting power of each member will be equal to the number of its subscribed shares in the capital stock of the bank. The bank is headquartered in Shanghai, China. The first regional office of the NDB is in Johannesburg, South Africa.

## 6. Urbanization [BHFC SO - 2015]

Urbanization refers to the population shift from rural to urban residency, the gradual increase in the proportion of people living in urban areas, and the ways in which each society adapts to this change. It is predominantly the process by which towns and cities are formed and become larger as more people begin living and working in central areas. Although the two concepts are sometimes used interchangeably, urbanization should be distinguished from urban growth: urbanization is "the proportion of the total national population living in areas classed as urban," while urban growth refers to "the absolute number of people living in areas classed as urban" The United Nations projected that half of the world's population would live in urban areas at the end of 2008. It is predicted that by 2050 about $64 \%$ of the developing world and $86 \%$ of the developed world will be urbanized. That is equivalent to approximately 3 billion urbanites by 2050 , much of which will occur in Africa and Asia. Notably, the United Nations has also recently projected that
nearly all global population growth from 2017 to 2030 will be absorbed by cities, about 1.1 billion new urbanites over the next 13 years.

## 7. E-Commerce

E-Commerce is the activity of buying or selling of products on online services or over the Internet. Electronic commerce draws on technologies such as mobile commerce, electronic funds transfer, supply chain management, Internet marketing, online transaction processing, electronic data interchange (EDI), inventory management systems, and automated data collection systems. Contemporary electronic commerce can be classified into two categories. The first category is business based on types of goods sold (involves everything from ordering "digital" content for immediate online consumption, to ordering conventional goods and services, to "meta" services to facilitate other types of electronic commerce). The second category is based on the nature of the participant (B2B, B2C, C2B and C 2 C ). E-commerce sites are running their business in Bangladesh successfully. Amazon.com, Alibaba.com etc are the world giants \& Daraz.com, Bikroy.com etc are the popular Bangladeshi E-commerce sites.

## 8. Communications Satellite

A communications satellite is an artificial satellite that relays and amplifies radio telecommunications signals via a transponder; it creates a communication channel between a source transmitter and a receiver at different locations on Earth. Communications satellites are used for television, telephone, radio, internet, and military applications. There are over 2,000 communications satellites in Earth's orbit, used by both private and government organizations. Bangladesh Government has launched the the first Bangladeshi geostationary communications and Broadcasting Satellite 'Bangabandhu Satellite-1' on 11 May 2018. Bangladesh will get profit about Tk. 250 crore per year by using this satellite in next 15 years.

## 9. ipay

iPay is the first online payment platform in Bangladesh. It is emerging as the complete payment solution of Bangladesh and beyond. iPay is a secure payment ecosystem that you may choose for your daily transactions. The transactions in iPay can be performed from mobile devices or personal computers connected to the internet. Using this system, you will be able to exchange money with other iPay members and make payments for purchases, utilities and other services in cashless form. Its aim is to drive a cashless society where you can carry out transaction in fraud free domain under constant vigilance
of our Fraud Detection mechanism. You may create your own account in iPay system and avail the following services:Add Money
$\square$ Withdraw Money

- Send Money
$\square$ Request Money
$\square$ Make Payments


## 10. Social Safety Net Program

Social Safety Net (SSN) refers to the programs mainly undertaken by the state to assist the poor and the disadvantaged of the community. In Bangladesh, no such program was there during the nineteen seventies except for some food assisted activities. There were nothingcalled unemployment benefits, which are given in advanced countries and later introduced in Bangladesh.However, in recent time, SSN programs have witnessed considerable expansion in terms of coverage, scope and types. The various programs consist of three main types: food assistance programs, cash benefits and other poverty alleviation activities. In the outgoing 2017-18 fiscal, the government allocated Tk 54, 206 crores for this program, which was $13.50 \%$ of the total budget. This allocation has been raised to Tk 64,656 crores in FY2018-19, which is $2.55 \%$ of GDP and $13.92 \%$ of the total budget.

## 11. Earthquake

Earthquake, any sudden shaking of the ground caused by the passage of seismic waves through Earth's rocks. Seismic waves are produced when some form of energy stored in Earth's crust is suddenly released, usually when masses of rock straining against one another suddenly fracture and "slip." Earthquakes occur most often along geologic faults, narrow zones where rock masses move in relation to one another. The major fault lines of the world are located at the fringes of the huge tectonic plates that make up Earth's crust. Bangladesh is facing a high risk of moderate to strong earthquakes that may result in widespread damage and loss of thousands of lives also the risk of tsunami as four active sources of earthquake in the Bay of Bengal can generate tremors with a magnitude of over 7 on the Richter scale in the Bay affecting the country seriously. Bangladesh is ill prepared to tackle the aftermath of any strong earthquake. Five geological fault lines run through the country, exposing it to highly vulnerable of a major quake by the experts. If a massive earthquake with 7 or greater magnitude occurred in this country will led a major human tragedy due to the faulty structures of many buildings and proper awareness.

## 12. Demographic Dividend

Demographic dividend is an occurrence in a country that enjoys accelerated economic growth that stems from the decline in fertility and mortality rates. A country that experiences low birth rates in conjunction with low death rates receives an economic dividend or benefit from the increase in productivity of the working population that ensues. As defined by the United Nations Population Fund (UNFPA) means, "the economic growth potential that can result from shifts in a population's age structure, mainly when the share of the working-age population (15 to 64) is larger than the non-working-age share of the population ( 14 and younger, and 65 and older). Bangladesh since 2007 has had more people of working age than non-working, known as demographic dividend, and by 2040 this window of opportunity to accelerate economic growth would start to close. Now, more than 65 percent of the population is of working age, between 15 and 64.

## 13. BREXIT

BREXIT is the impending withdrawal of the United Kingdom (UK) from the European Union (EU). In a referendum on 23 June 2016, a majority of British voters supported leaving the EU. On 29 March 2017, the UK government invoked Article 50 of the Treaty on European Union. The United Kingdom is due to leave the EU on 29 March 2019 at 11 p.m. UTC (midnight Central European Time), when the period for negotiating a withdrawal agreement will end unless an extension is agreed. No. of Negotiations about future relations between the UK and the EU are taking place now. Both sides hope they can agree by October on the outline of future relations on things like trade, travel and security. If all goes to plan this deal could then be given the go ahead by both sides in time for 29 March 2019. Theresa May delivered a big speech setting out her thoughts on the UK and EU's future relations on 2 March, 2018 [31 July 2018, BBC).

## 14. COP-23

United Nations Climate Change Conference was an international meeting of political leaders, non-state actors and activists to discuss environmental issues. It was held at UN Campus in Bonn (Germany) from 6-17 November 2017.The conference incorporated the 23rd Conference of the Parties (COP 23) to the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC), the thirteenth meeting of the parties for the Kyoto Protocol (CMP13), and the second meeting of the parties for the Paris Agreement (CMA2). The purpose of the conference was to discuss and implement plans about combating climate change, including the details of how the Paris Agreement will work after it enters into force in 2020.The COP was presided over by the Prime Minister of Fiji, Frank

Bainimarama, marking the first time a small-island developing state assumed the presidency of the negotiations.

## 15. War Crime Tribunal

The INTERNATIONAL CRIMES (TRIBUNALS) ACT, 1973 (ACT NO. XIX OF 1973), was enacted by the sovereign parliament of Bangladesh to provide for the detention, prosecution and punishment of persons responsible for committing genocide, crimes against humanity, war crimes and other crimes under international law. The International Crimes Tribunal (Bangladesh) (ICT of Bangladesh) is a domestic war crimes tribunal in Bangladesh set up in 2009 to investigate and prosecute suspects for the genocide committed in 1971 by the Pakistan Army and their local collaborators, Razakars, Al-Badr and Al-Shams during the Bangladesh Liberation War. The Act, by notification in official gazette has set up the 'Tribunal' on 25 March 2010. The tribunal consists of three Judges of whom one is Chairman and two are members. On 22/3/2012 government by official gazette notification established another tribunal namely international crimes tribunal-2. Currently [since 15.9.2015] only Tribunal-1 has been functioning on being reconstituted and Tribunal-2 remains non-functioning.Since the International Crimes Tribunal's inception in March 25, 2010, the tribunals have delivered judgments in 34 cases against 83 war criminals. Among them, 52 were sentenced to death. So far, the death sentences of six war criminals have been carried out by the government.

## 16. 4th Industrial Revolution

The Fourth Industrial Revolution (4IR) is the fourth major industrial era since the initial Industrial Revolution of the 18th century. It is characterized by a fusion of technologies that is blurring the lines between the physical, digital, and biological spheres. It is marked by emerging technology breakthroughs in a number of fields, including robotics, artificial intelligence; block chain, nanotechnology, quantum computing, biotechnology, The Internet of Things, The Industrial Internet of Things (IIoT), fifth-generation wireless technologies (5G), additive manufacturing/3D printing and fully autonomous vehicles. Klaus Schwab has associated it with the "second machine age" in terms of the effects of digitization and artificial intelligence (AI) on the economy, but added a broader role for advances in biological technologies. It is disrupting almost every industry in every country. And the breadth and depth of these changes herald the transformation of entire systems of production, management, and governance.

## 17. CSR

Corporate social responsibility (CSR) is a self-regulating business model that helps a company be socially accountable to itself, its stakeholders, and the public. By practicing corporate social responsibility, also called corporate citizenship, companies can be conscious of the kind of impact they are having on all aspects of society including economic, social, and environmental. Bangladesh Bank, the regulatory authority of banking sector of Bangladesh issued a circular on June 1, 2008 regarding CSR involvement, CSR expenditure, CSR governance, CSR reporting, financial inclusion, that is, maintaining CSR activities for commercial banks and Non-Banking Financial Institutions. Most of the bank directly involved with CSR activities. It has been more accentuated by the different commercial banks.

## 18. Nobel Prize (Economics)

The Sveriges Riksbank Prize in Economic Sciences commonly referred to as Nobel Prize in Economics, is an award for outstanding contributions to the field of economics, and generally regarded as the most prestigious award for that field. Laureates in the Memorial Prize in Economics are selected by the Royal Swedish Academy of Sciences. It was first awarded in 1969. The Prize in Economics is not one of the original Nobel Prizes created by Alfred Nobel's will. However, the nomination process, selection criteria, and awards presentation of the Prize in Economic Sciences are performed in a manner similar to that of the Nobel Prizes. The Sveriges Riksbank Prize in Economic Sciences in Memory of Alfred Nobel 2018 was awarded to William D. Nordhaus for integrating climate change into long-run macroeconomic analysis \& Paul M. Romer for integrating technological innovations into long-run macroeconomic analysis.

## 19. GI Products

A geographical indication (GI) is a sign used on products that have a specific geographical origin and possess qualities or a reputation that are due to that origin. In order to function as a GI, a sign must identify a product as originating in a given place. In addition, the qualities, characteristics or reputation of the product should be essentially due to the place of origin. Since the qualities depend on the geographical place of production, there is a clear link between the product and its original place of production. The Department of Patents, Designs and Trademarks of industries ministry in 2016 first registered Jamdani as GI product while Hilsa got the recognition in 2017. Khirsapat mango of Chapainawabganj is set to get Geographical Indication certificate as the third GI product of the country after Jamdani sari and Hilsa fish.

## 20. Offshore Banking

An offshore bank is a bank regulated under international banking license (often called offshore license), which usually prohibits the bank from establishing any business activities in the jurisdiction of establishment. Due to less regulation and transparency, accounts with offshore banks were often used to hide undeclared income. Offshore banking gives the following facilities:

1. Greater privacy (see also bank secrecy, a principle born with the 1934 Swiss Banking Act)
2. Little or no taxation (i.e., tax havens)
3. Easy access to deposits (at least in terms of regulation)
4. Protection against local, political, or financial instability.

## 21. LC

A letter of credit (LC), also known as a documentary credit, bankers commercial credit, is a payment mechanism used in international trade to perform the same economic function as a guarantee, by allocating risk undertaken by contracting parties. At law, a letter of credit is categorized within financial law as a form of a Simple position, which alongside guarantees, derivatives, and insurance allocates risk as a form of a promise from one party to another. A letter of credit primarily achieves this by creating a written commitment from a bank on behalf of one party that payment be made to a third-party, provided that the terms and conditions stated therein have been met. Any documents tendered which are outlined in the letter of credit; the third party will be paid by the bank.

## 22. Monopoly Market

The Monopoly is a market structure characterized by a single seller, selling the unique product with the restriction for a new firm to enter the market. Simply, monopoly is a form of market where there is a single seller selling a particular commodity for which there are no close substitutes. In a monopoly market, factors like government license, ownership of resources, copyright and patent and high starting cost make an entity a single seller of goods. All these factors restrict the entry of other sellers in the market. Monopolies also possess some information that is not known to other sellers. No absolute monopolies, but a few popular ones are:

ㅁ Web Search: Google (70\% Market Share)
$\square$ Diamonds: DeBeers (80\% Market Share)
$\square$ Eyewear：Luxottica（80\％Market Share）Microprocessors：Intel（90\％Market Share）
Payments：PayPal（ $90 \%$ Market Share in its category）

## 23．Financial Inclusion

Financial inclusion is the pursuit of making financial services accessible at affordable costs to all individuals and businesses，irrespective of net worth and size，respectively． Financial inclusion strives to address and proffer solutions to the constraints that exclude people from participating in the financial sector．One of its aims is to get the unbanked and under banked to have better access to financial services．The availability of financial services that meet the specific needs of users without discrimination is a key objective of financial inclusion．Beginning in the late 2000s，Bangladesh＇s campaign for financial inclusion was led by the central bank as a strategic instrument for increasing savings habit， alleviating poverty，improving household welfare and promoting micro and small businesses，particularly for women．Financial Inclusion has now become one of the strategic instruments for achieving Sustainable Development Goals（SDGs）including Bangladesh＇s Seventh Five Year Plan＇s goals．

বইघয়．কম

## 24．BSEC

The Bangladesh Securities and Exchange Commission（BSEC）was established on 8th June， 1993 as the regulator of the country＇s capital market through enactment of the Securities and Exchange Commission Act 1993．Bangladesh Securities and Exchange Commission was established with the aims of protecting the interest of investors in securities，developing the securities market and promulgating rules on these issues or on related matters there under．Thus，the mission of the Commission is．Protecting the interest of investors in securities；developing the securities market；formulating rules on securities related matters or on related topics there under．

## 25．Bail Out

A bailout is a situation in which a business，an individual or a government offers money to a failing business to prevent the consequences of its downfall．Bailouts can take the form of loans，bonds，stocks or cash，and they may require reimbursement．Bailouts have traditionally occurred in industries or businesses that are no longer viable or sustaining huge losses．A bailout could be done for profit motives，such as when a new investor resurrects a floundering company by buying its shares at fire sale prices，or for social objectives．In 2008 and 2009 the US Treasury and the Federal Reserve System bailed out numerous huge banks and insurance companies as well as General Motors and Chrysler．

## 26. Basel III

Basel III (or the Third Basel Accord or Basel Standards) is a global, voluntary regulatory framework on bank capital adequacy, stress testing, and market liquidity risk. It was agreed upon by the members of the Basel Committee on Banking Supervision in 2010-11, and was scheduled to be introduced from 2013 until 2015. Basel III is intended to strengthen bank capital requirements by increasing bank liquidity and decreasing bank leverage. Basel III is part of the continuous effort to enhance the banking regulatory framework. It builds on the Basel I and Basel II documents, and seeks to improve the banking sector's ability to deal with financial stress, improve risk management, and strengthen the banks' transparency.

## 27. Capital Market

Capital market is a market where buyers and sellers engage in trade of financial securities like bonds, stocks, etc. The buying/selling is undertaken by participants such as individuals and institutions. Capital markets help channelize surplus funds from savers to institutions which then invest them into productive use. Generally, this market trades mostly in long-term securities. Capital market consists of primary markets and secondary markets. Primary markets deal with trade of new issues of stocks and other securities, whereas secondary market deals with the exchange of existing or previously-issued securities.

## 28. IPO

Initial public offering (IPO) or stock market launch is a type of public offering in which shares of a company are sold to institutional investors and usually also retail (individual) investors; an IPO is underwritten by one or more investment banks, who also arrange for the shares to be listed on one or more stock exchanges. Through this process, colloquially known as floating, or going public, a privately held company is transformed into a public company. Initial public offerings can be used: to raise new equity capital for the company concerned; to monetize the investments of private shareholders such as company founders or private equity investors; and to enable easy trading of existing holdings or future capital raising by becoming publicly traded enterprises.

## 29. GDP

Gross domestic (GDP) is a monetary measure of the market value of all the final goods and services produced in a period (quarterly or yearly) of time. Nominal GDP estimates are commonly used to determine the economic performance of a whole country or region,
and to make international comparisons. Nominal GDP per capita does not, however, reflect differences in the cost of living and the inflation rates of the countries; therefore using a basis of GDP per capita at purchasing power parity (PPP) is arguably more useful when comparing differences in living standards between nations. An IMF publication states that "GDP measures the monetary value of final goods and services-that are bought by the final user-produced in a country in a given period of time (say a quarter or a year). The GDP of fiscal year 2017-2018 of Bangladesh is $22,38,498$ crores BDT.

## 30. Special Economic Zone

A special economic zone (SEZ) is an area in which business and trade laws are different from the rest of the country. SEZs are located within a country's national borders, and their aims include: increased trade, increased investment, job creation and effective administration. To encourage businesses to set up in the zone, financial policies are introduced. These policies typically regard investing, taxation, trading, quotas, customs and labor regulations. Additionally, companies may be offered tax holidays, where upon establishing in a zone they are granted a period of lower taxation. Establishing Special Economic Zones will help to increase private sector investment. Bangladesh by several ways. Special Economic Zones (SEZs) are physically demarcated area where all the entities enjoy special privileges by maintaining standards and regulation. Bangladesh Economic Zones Authority (BEZA) was instituted by the government in November 2010, based on the Bangladesh Economic Zones Act, 2010, with the aim of establishing 100 SEZs across the country by 2030.

## 31. Facebook

Facebook is an American online social media and social networking service company based in Menlo Park, California. Its website was launched on February 4, 2004, by Mark Zuckerberg. Facebook can be accessed from a large range of devices with internet connectivity, such as desktop computers, laptops and tablet computers, and smartphones. Users can add other users as "friends", exchange messages, post status updates, share photos, videos and links, use various software applications ("apps"), and receive notifications of other users' activity. Additionally, users may join common-interest user groups organized by workplace, school, hobbies or other topics, and categorize their friends into lists such as "People from Work" or "Close Friends". Additionally, users can report or block unpleasant people.

## 32. Dark Web

The dark web is the World Wide Web content that exists on dark nets, overlay networks that use the Internet but require specific software, configurations or authorization to access. The dark web forms a small part of the deep web, the part of the Web not indexed by web search engines, although sometimes the term deep web is mistakenly used to refer specifically to the dark web. However, some sites are effectively "hidden", in that they have not been indexed by a search engine and can only be accessed if you know the address of the site. Special markets also operate within the dark web called, "dark net markets", which mainly sell illegal products like drugs and firearms, paid for in the crypto currency Bit coin.

## 33. Wi-Fi

Wi-Fi is technology for radio wireless local area networking of devices based on the IEEE 802.11 standards. Wi-Fi is a trademark of the Wi-Fi Alliance, which restricts the use of the term Wi-Fi Certified to products that successfully complete interoperability certification testing. Devices that can use Wi-Fi technologies include desktops and laptops, video game consoles, smartphones and tablets, smart TVs, digital audio players and modern printers. Wi-Fi most commonly uses the 2.4 gigahertz ( 12 cm ) UHF and 5.8 gigahertz ( 5 cm ) with an access point (or hotspot) has a range of about 20 meters ( 66 feet) indoors and a greater range outdoors.

## 34. Online Banking

Online banking, also known as internet banking, is an electronic payment system that enables customers of a bank or other financial institution to conduct a range of financial transactions through the financial institution's website. The online banking system will typically connect to or be part of the core banking system operated by a bank and is in contrast to branch banking which was the traditional way customers accessed banking services. To access a financial institution's online banking facility, a customer with internet access will need to register with the institution for the service, and set up a password and other credentials for customer verification. The credentials for online banking is normally not the same as for telephone or mobile banking. Online banking system has been introduced in Bangladesh in 1998.

## 35. 4G

4G is the fourth generation of broadband cellular network technology, succeeding 3G. A 4G system must provide capabilities defined by ITU in IMT Advanced. Potential and
current applications include amended mobile web access, IP telephony, gaming services, high-definition mobile TV, video conferencing, and 3D television. The first-release Long Term Evolution (LTE) standard was commercially deployed in Oslo, Norway, and Stockholm, Sweden in 2009, and has since been deployed throughout most parts of the world. It has, however, been debated whether first-release versions should be considered 4G.

## 36. Freedom of Press

Freedom of the press or freedom of the media is the principle that communication and expression through various media, including printed and electronic media, especially published materials, should be considered a right to be exercised freely. Such freedom implies the absence of interference from an overreaching state; its preservation may be sought through constitutional or other legal protections. With respect to governmental information, any government may distinguish which materials are public or protected from disclosure to the public. State materials are protected due to either of two reasons: the classification of information as sensitive, classified or secret, or the relevance of the information to protecting the national interest.

## 37. BACH

Bangladesh Automated Clearing House (BACH) is the first ever electronic clearing house of Bangladesh, has two components - the Automated Cheque Processing System (ACPS) and the Electronic Funds Transfer (EFT). Both the systems operate in batch processing mode- transactions received from the banks during the day are processed at a pre-fixed time and settled through a single multilateral netting figure on each individual bank's respective books maintained with the Bangladesh Bank. A state-of-the-art Data Center (DC) and a Disaster Recovery Site (DRS) have been established comprising of most modern software and hardware for dealing with the operations of BACH. A Virtual Private Network (VPN) has been created between the participating commercial banks and Data Center (DC) \& Disaster Recovery Site (DRS) for communicating necessary information related to BACH. Digital Certificate has been formulated for the first time in Bangladesh for secured data communication.

## 38. MNP in Bangladesh

Mobile Number Portability is a service through which a customer can switch from current mobile operator to another mobile operator by keeping the MSISDN (Mobile number) unchanged. The Bangladesh Telecommunication Regulatory Commission (BTRC) has
been launched the much-awaited mobile number portability (MNP) service on a trial basis since October 1, 2018. Customers will be charged Tk 50 as well as a 15 per cent valueadded tax (VAT) to change carriers within 72 hours. To do so within 24 hours, another Tk 100 has to be paid. Both require a visit to the new operator's customer care centre. Customers will have to wait at least 90 days to make another switch. Infozillion BD Teletech, a joint venture between a Bangladeshi firm and a Slovenian firm, completed preparations for the launch. Bangladesh Telecommunications Regulatory Commission (BTRC) hopes the MNP will change the telecom market dynamics for better within a few months.

## 39. Yellow Vest Movement

Yellow Vest Movement is a mainstream, grassroots political movement for economic justice that began in France in 2018. A woman started a petition on the change.org website in May 2018 that had reached 300,000 signatures by mid-October and close to a million a month later. Parallel to this petition, two men launched a Facebook event for 17 November to "block all roads" and thus protest against an increase in fuel prices they considered excessive, stating that this increase was the result of the tax increase. One of the viral videos around this group launched the idea of using yellow jackets. The movement is motivated by rising fuel prices, high cost of living, and claims that a disproportionate burden of the government's tax reforms were falling on the working and middle classes, especially in rural and peri-urban areas. The protesters have called for lower fuel taxes, reintroduction of the solidarity tax on wealth, a minimum wage increase, the implementation of citizens' initiative referendums and Emmanuel Macron's resignation from the Presidency of France.

## 41. Jamal Khashoggi

Jamal Khashoggi was a Saudi Arabian dissident, author, columnist for The Washington Post, and a general manager and editor-in-chief of Al-Arab News Channel who was assassinated at the Saudi Arabian consulate in Istanbul on 2 October 2018 by agents of the Saudi government. He also served as editor for the Saudi Arabian newspaper Al Watan, turning it into a platform for Saudi Arabian progressives. Khashoggi fled Saudi Arabia in September 2017 and went into self-imposed exile. He said that the Saudi Arabian government had "banned him from Twitter", and he later wrote newspaper articles critical of the Saudi government. Khashoggi entered the Saudi Arabian consulate in Istanbul on 2 October 2018, but did not leave the building. Amid news reports claiming that he had been killed and dismembered inside, an inspection of the consulate, by Saudi Arabian and Turkish officials, took place on 15 October. Initially the Saudi Arabian government denied the death, claiming Khashoggi had left the consulate alive, but on 20 October admitted that Khashoggi was killed inside the consulate, claiming he had been strangled to death after a fight had broken out. This was later contradicted when, on 25 October, Saudi Arabia's attorney general stated that the murder was premeditated. वইघत̣.कম

## 42. William D. Nordhas: Father of the economy of climate change

William Dawbney Nordhaus (born in May 31, 1941) is an American economist and Sterling Professor of Economics at Yale University, best known for his work in economic modelling and climate change. He is one of the laureates of the 2018 Nobel Memorial Prize in Economic Sciences. Nordhaus received the prize "for integrating climate change into long-run macroeconomic analysis". He graduated from Phillips Academy in Andover and received a PhD from MIT (1967). He has written several books on global warming and climate change, one of his primary areas of research. Those books include Managing the Global Commons: The Economics of Climate Change (1994), which won the 2006 Award for "Publication of Enduring Quality" from the Association of Environmental and

Resource Economics. Another book, with Joseph Boyer, is Warming the World: Economic Models of Global Warming (2000). His most recent book is The Climate Casino: Risk, Uncertainty, and Economics for a Warming World. He is the developer of the DICE and RICE models, integrated assessment models of the interplay between economics, energy use, and climate change. वkघत̣.कম

## 43. USMCA

The Agreement between the United States of America, the United Mexican States, and Canada (USMCA) is a signed but not ratified free trade agreement between Canada, Mexico, and the United States. The agreement is sometimes referred to as "New NAFTA" in reference to the previous trilateral agreement it is meant to supersede, the North American Free Trade Agreement (NAFTA). The USMCA was signed by United States President Donald Trump, Mexican President Enrique Peña Nieto, and Canadian Prime Minister Justin Trudeau on November 30, 2018 as a side event of the 2018 G20 Summit in Buenos Aires. Provisions of the agreement cover a wide range, including agricultural produce, manufactured products, labor conditions, digital trade, among others. Some of the more prominent aspects of the agreement include giving US dairy farmers greater access to the Canadian market, guidelines to have a higher proportion of automobiles manufactured amongst the three nations rather than imported from elsewhere and retention of the dispute resolution system similar to that included in NAFTA.

## HAPPY READING. <br> वইঘत̣.কম

## ACCESS TO BCS - A2B

